

**45** 37 }

नई बिस्सी, शनिवार, सितम्बर 15, 1984(भाव्रपद 24, 1906)

No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 15, 1984 (BHADRA 24, 1906)

इस भाग में भिश्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिसते कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ें (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed an a separate compilation)

### भाग Ш.—खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Mications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली, विनांक 13 भ्रगस्त 1984

पुरुष्ट 12025(II)/1/83-प्रशार III—कार्मिक श्रीर सुधार विभाग के कार आर संर 5/8/ (1) दिनांक 30-6-84 धारा वरिष्टता कोटा" 983 के अनुभाग श्रिष्ठकारियों की चयन सूची में लित हो जाने के परिणामस्वरूप संघ लोक सेवा के कर तेर के स्थायी सहायक श्री श्रीमधीर सिंह जो इस समय उसी संवर्ग में तदर्थ श्राधार पर श्रिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री से श्रागमी श्राथेशों तक उसी संवर्ग में श्रिकारी के पद पर स्थानापन रूप से कार्य लिए नियुवत किया गया है।

एम० भी० जैन, ग्रवर सांचय (प्रशा०), संघलोक सेवा भाषोग केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 23 ग्रगस्त 1984

सं० 2/3/84-अशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयोग आयुक्त एतस्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापक्ष अनुभाग ग्रिक्षकारी श्री कृष्ण लाल आहूजा, इस समय अनुसंधान ग्रिक्षकारी के पद पर कार्यरत, को प्रमुभाग प्रधिकारी के पद पर स्थाई रूप से 17 अन्दूबर, 1983 (पूर्वाह्म) से नियमत करते हैं।

> त्रह्म दत्त भ्रवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त

गृह मंत्रालय

का० एव० प्र० सु० वि० केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली,दिनांक 22 ग्रगस्त 1984

सं० ए०-19014/7/84-प्रशासन-5-इस समय उपा-धीक्षक (अं० छा०) केन्त्रीय अंगनी छा। ब्यूरी के बरी

(21093)

तदर्थ श्राधार पर कार्य कर रहे निम्नलिखित निरीक्षक (ऊं० छा०) केन्द्रीय अंगली छाप व्यूरो/केन्द्रीय अन्वेवण ब्यूरो, को 29 फरबरी, 1984 से आगे आवेश होने तक, नियमित माधार पर उपाधीशक (अं० छा०) केन्द्रीय उंगुली छाप्र ब्यूरो के बतौर स्थानापन्न रूप में कार्यकरने के लिए<mark>रिन्सु</mark>क्त किया आहाता है।

- (1) श्री बाई० बी० एस० राव
- (2) श्री भो० यू० चेरियन

# विनोक 24 घगस्त 1984

सं 19014/9/84-प्रशासन-5--राष्ट्रपति श्री वी के पंतार, भा० पू० सेवा (सध्य प्रदेश-1977) को दिनाक 16 भगस्त, 1984 के पृत्राह्म से, भगसे भावेग तक के लिए, प्रतिनियुक्ति के माधार पर, केन्द्रीय ग्रन्वेषणब्युरो, विशेष पुलिस स्थापना में, पुलिस प्रधीक्षक के रूप में सहर्थ निय्वत करते हैं।

सं० ए०-19014/10/84-प्रशासन 5--राष्ट्रपति ग्रभयानन्द, भ० पु० सेत्रा० (बिहार-1977) को दिनांक 14 झगस्त, 1984 के प्रपराह्म से, झगले आयश्य तक के लिए, प्रतिनियुक्ति के प्राधार पर, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्युरी विशेष पुलिस स्थापना में, पुलिस प्रधीक्षक के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं ० ए०-1915/24/84-प्र०-5--- निवेशक, के० घ्र० ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, श्री ए० पी० सिह, निरीक्षक को दिनांक 18 ग्रगस्त, 1984 के पूर्वाह्म से, ग्रगले ग्रादेश तक के लिए, तदर्थ ग्राधार पर, केन्द्रीय ब्रन्बेषण ब्युरो में, स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में सहर्ष नियुवत करते है।

# दिनांक 28 भ्रगस्त 1984

सं० एस०-20/65-प्रणासन-इ---राष्ट्रपति, श्री एस० सी० अंगरीण, उप विधि सलाहकार की, दिनांक 7 ग्रागस्त, 1984 से नियमित ग्राधार पर, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी में, ग्रपर विधि सलाहकार के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> राम० स्वरूप नागपाल, प्रणासनिक प्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ध्यरी

समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार)

नई दिल्ली, दिनांक 21 ग्रगस्त, 1984

सं० ए०-13018/1/83-प्रशासन--समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) के निम्नलिखित स्थानापन्न प्रतिरिक्त सहा-यकों/प्रतिरिवस सहायक निदेशकों (बीजलेख) को समन्वय निदेशालय (पुलिस बेतार) में प्रतिरिक्त सहायको/प्रतिरिक्त

सहायक निवेशकों (बीजलेख) के पदों पर दिनांक 1 नार 1984 से स्थायी किया

1. श्रीएच० सुताधर

2. की एस ० कि० मल्होता

კ. श्रीएस० के० शर्मा

4. श्री एस० डी० फौजदार

श्रीएम० रामाकृष्णन

6. श्री सी० पी० श्रीवास्तव

8. श्रीए भ०एस० खेरा

9. श्री शेर सिंह

10. श्रीए० के० सेन

11. श्रीपी० के० ४

मतिरिक्त सहायक निवेशक मतिरिक्त सहायक निदेशवं मतिरिक्त सहस्यक मि.. प्रतिरिक्त सहायक निवेशक भ्रतिनित सहायक निदेशक म्नर्स्तिरक्त सहायक निदेशक श्री भार ०पी० ग्रार० श्रीधरी ग्रतिस्थित सङ्ख्यक निदेशक झतिरिक्त सहायक निवेशक मतिरिक्त सहायक निवेशक घतिरिक्त सहायक निदेशक (बीजलेख)

> मतिरिक्त सहायक निदेशक (वीजलेख)

> > स्रो० के० अपूर्वे निबेशक पूलिस धुर संघार

# पुलिस धनुसंधान एवं विकास ब्युची नई दिल्ली-110001, दिनांक 25 प्रगस्त 1984

सं 3/14/79-प्रशा 0-1--- यू० टी० स्विगै में प्रव्यति ने के फलस्वस्प श्री गौतुम कौल, ग्राई० पी० एस० (यू० ८/० -1965) भी 23-7-84 में पूर्वीह्न से पुलिस सनुसंधान एवं विकास ब्यूरो में उपनिवेशक के पर पर कार्यभार से भुक्त कर दिया गया है।

> एझा० के० मलिक, महानिवेशक-

# महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल मई दिल्ली-110003, दिनांक 17 भ्रगस्त <u>19</u>84

सं० ग्रो० वो० 1942/84-स्थापना--महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पूलिस बल ने डाक्टर (मिसेज) जी० रतना कुमारी को 9 जुलाई 1984 पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए श्रयका उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कानिष्ठ चिकित्सा भाधकारी के पद पर सहर्ष तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

### विनांक 21 भगस्त 1984

सं० भो० थो० 1475/80(स्थापना)—-राष्ट्रपति जी ₹ डी० डी० ए स० पराटे, जनरल डयूटी झाफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कस्पनी कमान्डर) का त्याग पत्र दिनांक 11 जून 1984 पूर्वाह्म से स्वीकार कर लिया है।

### ्विनांक 23 ग्रगस्त 1984

सं० भरे० थो०-241/69-स्था०-- निम्नलिखित ग्रीध-कारियों ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उनके नाम के ग्रागे दर्शाई गई तारीख से ग्रपने पद का कार्य भार त्याम दिया है:---

1. श्री एन० शमसूदीन, कमाण्डेंट 23 बट० के० रि० पु० बल 30-4-84 (ग्रपराह्म)

2. श्री एम० डी० सिंह, सहाय० कमाण्डेंट 38 बटा० के० रि० पु० बल 31-7-84 (श्रानराञ्ज)

सं डां एक-29/84-स्था - 1-श्री बी के करकरा, कमां डेंट 28 बटा के रि० प्र पु बल की सेवाएं दिनां उ-8-84 (पूर्वाक्ष) से प्रिसिपल/डाइरैक्टर नेशनल सिक्यूरिटों गार्ड नई दिल्लों को डेपुटेशन आधार पर सौंपी जातों है।

# दिनांक 24 अगंस्त 1984

सं० डो॰ एक-24/82-स्थापना—श्री जी॰ के॰ दसा, उप पुलिस अधाक्षक, I, बेतार बाहिनी, के॰ रि॰ पु॰ बल॰ नई दिल्ली की सेवाएं 16-8-84 (अपराह्न) से डी॰ जी॰ ऑई॰ सी॰ (उँचीन मंद्रालय) को डैपुटेशन बेसिस पर सौपी जाता है।

### दिनांक 25 प्रगस्त 1984

संक सेंक दोक 1799/83 स्था० (के० रि० पु० बल)— सरकार द्वारा इन्तिका मंजूर होने के फलस्वरूप, लैंठ फर्नेल (निवृत्त) जे० के० बैरा क्षमाइंट प्रथम संचार बटा० के० रि० पु० बल ने दिनांक 11-8-1984 (पूर्वाह्म) से अपने पद का कार्यभार स्थाग दिया।

> एम० पो० जखमीला, सहायक निदेशक (स्था०)

### महानिवेशालय

# केन्द्रीय श्रीद्यागिक सुरक्षा बल

नई दिल्ला-110003, दिनांक 14 अगस्त 1984

सं० ई०-32015/4/56/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री जे० के० पहाड़: का प्रोन्नित पर, 22 मई, 1984 के धूर्वाह्म से अस्थाई तीर पर, पूर्णतया तदर्थ आधार पर छ: भाह को अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, ,जो भी: पहले हो, के० ग्री० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० रामागुण्डम के सहायकः कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं। सं० ई०-32015(2)/3/84-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री के० आर० सी० नायर को प्रोक्ति पर, 25 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्म से अस्थाई तौर पर, पूर्णतया तदर्थ आधार पर छः माह की अवधि या नियमत नियुक्तियां होने तक, जो भो पहले हैं के० भी० सु० बल यूनिट, मार्मगोआ पोर्ट ट्रस्ट, गोवा में कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं:—

सं० ई-32015(3)/5/84-कार्मिक — राष्ट्रपति, श्री एम० एम० थापर को प्रोन्नति पर, 04 मई, 1984 के अपराह्म से अस्थाई तौर पर, पूर्णतया तदर्थ आधार पर, केवल छः माह का अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, दोनों मे जो भो पहले हो, के० ग्रौ० सु० बल पश्चिमी क्षेत्र मुख्यालय के उँव कमाईट के र प्रकृत करते हैं।

सं० ई-32015(4)/65/84- —राष्ट्रपति, श्री एन० के० तलबार को प्रोन्नति पर, 28 मई, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थाई तौर पर, पूर्णतया तद्यं आधार पर केवल छः माह की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक जो भी पहले हो, के० ग्री० सु० ब० यूनिट, बोकारो स्टील प्लांट, बोकारो में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/77/84-कार्मिक--राष्ट्रपति, श्रीं सूरज मल को प्रोन्नति पर, 15 मई, 1984 के पूर्वाह्न से अस्थाई तौर पर, पूर्णतया तदर्थ आधार पर छः माह की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट, एच० एफ० सी० एल०, दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करने हैं।

सं० ई-32015(4)/82/84-फार्मिय--राष्ट्रपति, श्री बालकृष्ण को, प्रोन्नित पर, 27 मई, 1984 के पूर्वाह्म से, अस्थाई तीर पर पूर्णतथा तथर्थ आधार पर केवल छः माह की अबधि के लिए या नियमिन नियुक्तियों हींने तथ, जो भा पहले हो, के० ग्री० सु० बल यूनिट, बा० सं० सं० एल०, सरिया, में सहायक एमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 26 जून 1984

मं० ई-16013(2)/1/84-मामिक- प्रतितियुनि: पर नियुक्त होने पर, श्रा पा० के० नियार, भा० पु० से० (राजस्थान: 72) ने 16-5-84 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० वल मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया और उन्हें के० यो० सु० ब० यूनिट, भो० टो० पो० पो० ओवरा में तैनात कर दिया गया है और जहां उन्होंने 18-5-1984 के पूर्वाह्म से के० औ०सु०ब० यूनिट, भो० टो० पा०पो० सोवरा के कमांबेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ई-32015(4)/74/84-कार्मिक--राष्ट्रपति, श्री एस० के० पाल को श्रोन्नति पर, 19 मई, 1984 के पूर्वाह्न से, अत्याई तौर पर, पूर्णनया तदर्थ आधार पर 6 माह को अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहलें हो, के०भी० सु० ब० यूनिट एलाय स्टील प्लांट दुर्गापुर में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 13 जुलाई 1984

सं०ई-32015(4)/67/84-कार्मिक—-राष्ट्रपति श्री के० एम० बालागोपाल को, प्रोक्षति पर, 25 मई, 1984 के पूर्वीह्म से, पूर्णतया तवर्थ आधार पर श्रौर अस्थायी रूप से, केवल छः माह की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, दोनों में से जो भी पहले हो, के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, एम० ए० पी० पी० कलप्पकम में सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 16 जुलाई 1984

सं० ई-16013(2)/2/83-कार्मिक — प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री नारायण सिंह नरूका, भा० पु० से० (राजस्थान: एस० पी० एस०) ने 21-5-84 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया है श्रीर उन्हें के० श्री० सु० ब० यूनिट, श्री० एन० जी० सी०, बम्बई में तैनात कर दिया जहां उन्होंने 25-5-1984 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, श्रो० एन० जी० सी०, बी० श्रो० पी०, बम्बई के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-16013(2)/9/84-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर, नियुक्त होने पर श्री स्वर्णजीत सैन, भा० पु० से० (आंध्र प्रदेश: 68) ने 2 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्म से सहायक महानिरीक्षक (इण्डक्शन व योजना) केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ला के पद का कार्यभार संभाल लिया।

# दिनांक 18 जुलाई 1984

सं० ई-38013(4)/1/84-कामिक—राष्ट्रपति, निम्न-लिखित निरोक्षकों (कार्यपालक) को, प्रोक्षति पर, उनके नामों के आगे दिखाई गई तारीखों से पूर्णतया तदर्थ आधार पर भ्रौर अस्थाई रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं:—

ऋ० नाम सं०	सहायक कमांडेंट में प्रोन्नति की तारीख	के <b>०भी</b> ०सु०ब० यूनिट, जहां प्रोन्नति पर नियुक्ति.हुई
सर्वश्री		
1. एस० के० मंडल	2-5-84 (पूर्वाह्न)	(पूर्वी क्षेत्र) मुख्यालय, के० फ्री० सु० ब० कलकत्ता
2. सी० एस० सैनी	1 6- 4- 8 4 (पूर्वाह्म)	ई० सो ० एल०
3. पी० एस० नैयर	20-5-84 (पूर्वाह्न)	डी० आई० श्रो० एम०,डोनी मलाई

1 2	3	4
4. ए० एस० भेखावत	2,7-,6-84 (पूर्वाह्र)	श्रोर्ट टी० एच० पी० पी०, श्रोबश
5. आर० एन० बेमर्जी	9-5-84 (अपराह्म)	्एन० पी० पी० सी०एल०,नामा- लैण्ड
6. एस० सी० राय	25-5-84 (अपराह्म)	आर्ष: डो०पी० एल०, मुज्जफ्फर- पुर
7. आर० बी० राव शर्मा	22-5-84 (पूर्वाह्न)	एन० एफ० एल० भटिङा

# दिनांक 23 जुलाई 1984

सं० ई-16013(2)/19/84-कामिक—प्रतिनियुक्ति पर होने पर, श्री एस० सी० मीना, भा० पु० से० (जम्मू व कश्मीर-72) ने 22 जून, 1984 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० व० मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया है। उन्हें के० श्री० सु० व० यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो में तैनात किया गया था जहां उन्होंने 9 जुलाई 1984 के पूर्वाह्म से के० श्री०सु० व० यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड बोकारो के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-32015(4)/53/84-कामिक - राष्ट्रपति, श्री ए० बी० एन० नम्बूदरीपाद को, श्रोन्नति पर, 4 जून, 1984 के पूर्वाह्म से 6 माह की अर्बाध के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया/तदर्थ और अस्थाई आधार पर के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० एस० एस० सी०, थुम्बा में अहाक कमाउँट के एप म नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/70/84-कामिक-—राष्ट्रपति, श्री एन० के० बनर्जी को, प्रोन्नति पर, 25 मई, 1984 के पूर्वाञ्च से 6 माह की भवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ और भस्थाई भाधार पर के० श्री०सु० ब० यूनिट बी० पो० टी० विशाखापट्टनम में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

# ज दिनांक 24 जुलाई 1984

सं० ई-32015(2)/7/84-कामिक—राष्ट्रपति, श्री ए० बी० मजूमदार की प्रोन्नति पर, 9 श्रप्रैल, 1984 के पूर्वाह्न से पूर्णस्या तदर्थ/श्रस्थाई श्राधार पर केवल छ: माह की श्रवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, बोनों में में जो भी पहले हो, के० श्री०सु० ब० यूनिट, सुरक्षा पेपर मिल, होशंगाबाद में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

संव ई-16013(2)/20/84-कामिक--प्रतिनियुक्ति पर पर नियुक्ति होने पर, श्री जीव एसव श्रीजना, भाव पुब्सेव (पंजाब: 70) ने 2 जुलाई, 84 के पूर्वाह्म से केव श्रीव सु॰ ब॰ मुख्याबय, नई दिल्लो में कार्यभार संभात लिया और उन्हें के॰ धी॰ सु॰ ब॰ यूनिट, एन॰ एफ॰ एल॰, नया नांगल में सैनात कर दिया गया जहां उन्होंने 7 जुलाई, 1984 के प्रपराह्म से के॰ धी॰ सु॰ ब॰ यूनिट, एन॰ एफ॰ एस॰, नया नांगल के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभात लिया।

# दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ई-16013(2)/9/84-कार्मिक --प्रतितियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री एस० सी० श्रवस्थी, भा० पु० से० (पश्चिम बंगाल: 70) ने 5 जुलाई, 1984 के श्राराह्म से के० श्री०सु० ब०, नई दिल्ली के ग्रुप कमांश्रेंट के पर का का कार्यभार संभाज लिया।

सं ० ई-16013(2)/11/84-क्तामिरु → प्रतिनिध्धिकत पर, नियुक्ति होने पर, श्री ए० शिवशंकर, भा०पु० से० (ग्रांन्ध्र प्रदेश: 77) ने 7 जून, 1984 के पूर्वीह्म से के० ग्रौ० सु० व० यूनिट, बी० पी० टी० विशाखापट्टनम के कमांग्रेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

# दितांक 17 ग्रगस्त 1984

सं० ई-16013(2)/1/78-कार्मिक—प्राप्ते राज्य काडर को प्रत्यावितित होने पर, श्री जे० पी० वर्मा भा० पु० से० (उडीसा: 66) ने 28 जून, 1984 के पूर्वाह्म से के० भी० सु० व० यूनिट, बी० एस० एल०, बोकारो के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

# दिनांक 18 भ्रगस्त 1984

सं० ई-32015(4)/83/84-कामिक—राष्ट्राति, श्रो बैरागी राम की, प्रकृति पर 12 जुनाई, 1984 के अपराक्ष से पूर्णतया तह्यं आधार पर और अध्याई रूप से 6 माह की अवधि के लिए या नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, के० औ० सु० व० यूनिट, आई० भी० सी० गुजरात रिफाइनरी, बड़ौबा का सहायक कर्नांडेंट नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 23 ग्रगस्त 1984

सं० ई-16013(2)/1/81-कार्मिक—सेवा से बर्खास्त होने पर श्री एस० एस० मान, भा० पु० से० (पंजाब-67) ने 3 जुलाई, 1984, के ग्राराह्म से ग्रुप करांधेंट, के० भी० सु०ब०, बम्बई के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-16013(2)/12/82-कामिक — राज्य संवर्ग को प्रस्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्रो टो०, थ्यागाराजन, भा० पु० से० (कर्नाटक: एस० पी० एस०) ने 12 जून, 1984 के अपराह्म से कमां डेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट, एस० एच० ए० भार०, केन्द्र के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-16013(2)/14/84-कार्मिक --प्रतितियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री एस० बी० सिंह, भा० पु० से० (पंजाब:67) ने 24 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० व० मुख्यालय नई विल्ली में कायसार संभाल लिया और उन्हें के० ग्री० सूठबठ यूनिट, बोठ एसठ एलठ, बोकारों में तैनात कर दिया गया जहां उन्होंने 25 जुनाई, 1984 के ग्राग्याह्म से केठ ग्री० सुठ बठ यूनिट, बोठ एउठ एपठ शिकारों के कमांबेंट पर का कार्यभार संभाग जिया।

> (ह०) अपठनीय महानियेशक्त∫के० भी० सु० ब०

भारत के महारजिल्द्रार का का। निर नई विल्लो-110011, दिनांक 22 ग्रगस्त, 1984

सं० 11/82/79-प्रशा० [—-राष्ट्रपति श्रीखल भारतीय सेता श्रीखनारो श्रीर मिजोरम, एइजावल में जनगणता कार्य निदेशक के पद पर, प्रतितिपृक्ति पर, कार्यरत श्रो पो० लालनियमा की तारोख 11 जून, 1984 के श्राराह्म से मिजोरम सरकार की सहुर्ग प्रत्यावतित करते हैं।

### विनांक 25 मगस्त 1984

सं० 11/83/79 प्रसा०-1--राष्ट्राति, प्रखिन भारतीय सेवा के संव राज्य क्षेत्र संवर्ग के अधिकारी और अष्टणाचन प्रदेश, सिनांग, में जनगमना कार्य निदेशक, के पद पर प्रति नियुक्ति पर, कार्यरत श्रो एम० बी० राय को तारीब 4 ग्रमस्त, 1984 के ग्रमराह से श्रष्टगाचन प्रदेश सरकार को सहर्थ प्रत्यामित करते हैं।

> वी॰ एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

# रक्षा लेखा विभाग

कार्याजय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक नई दिल्लो-110066, दिनांक 18भगस्त 1984

सं० प्रगा०/1/1174/1/11--राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा-लेखा सेत्रा के किनिष्ठ प्रगासिनिक ग्रेड (वेतनमान रुपये 1500 60-1800-100-2000) के अधिकारियों की "अनुक्रम नियम" के अधीन श्री गुरु प्रसाद मोहन्ती, के सम्बन्ध में विनांक 28-12-83 से छः महाने की अवधि के लिये की गई पदोन्तित सम्बन्धी इस विमाग की दिनांक 19-1-84 की अधिसूचना सं० प्रगा०/1/1174/1/11 के आंशिक परिशोधन में, 'अनुक्रम नियम के अधीन" लाम को उत्त तारीख से आगे तथा आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष बढ़ाते हैं।

ए० के० घोष रक्षालेखा म्रापर महानियन्त्रक (प्रणा०)

# श्रम ग्रीर पुनर्शास मंत्रालय श्रम विमाग

कारखाना, सलाह सेत्रा भ्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय बम्बई-400 022, दिनांक 22 श्रमस्त 1984

सं० 15/9/83-स्यानना—-उन महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा स्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई, श्री एस० पी० श्रीवास्तवा को का बाना, सलाह सेवा श्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेणाला में 7 श्रगस्त, 1984 (पूर्वाह्र) से श्रगले श्रादेश तक सहायज विश्वात (श्रीद्योगिक स्वास्थ्य विज्ञान) के पद पर स्थानापन्त चप में नियुक्त करते हैं।

> एस० बी० हेगडेपाटिल, उप महानिदेशक

# खान सुरक्षा महानिदेशालय धनबाद-826001, दिनीक 21 प्रगस्त 1984

मं० 7(2)/84-प्रणासन-1/12496---श्री ए० के० राय, अशीतक, की दिनोंक 10-7-84 'पूर्वाह्न' से इस महानिवेशाल में सहाबक जगासनिक पदाधिकारी (श्रार० एण्ड डी०) के पद पर स्थानायन पदोन्सत किया जाता है।

> ह० स० ब्राहुजा महानिदेशक खान सुरक्षा

वाणिज्य मंत्रालय

वस्स्र श्रिभाग

वस्त्र आयुक्त ा कार्यालय बम्बई-20, दिनांक श्रगस्त 1984

सं० 2(63)/प्रशा०-एक/84—श्री ऐ० पी० राममाचन, सहायक निदेशक, श्रेणी एक, प्रादेशिक कार्यालय, बम्बई, प्रधिवार्षिकी पर दिनांक 31-7-1984 के प्रपराह्र से सेवा निवृक्त हो गये ।

म्रार० के० कुलकर्णी, संयुक्त वस्त्र म्रायुक्त

# हयकरघा विकास भायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 मगस्त 1984

सं 1/8/84-डी सी एच । प्रशासन-I— राष्ट्रपित, श्री विवेक कुमार प्रश्निहोत्री, भारतीय प्रशासन सेवा प्रधिकारी (प्रान्ध्र प्रदेश, 1968), को वाणिज्य मंत्रालय, वस्त्र विभाग, हथकरवा विकास श्रायुक्त के कार्यालय में 1 प्रगस्त, 1984 के पूर्वाह्र से ग्रापर विकास श्रायुक्त के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रवीर कुमार दक्त ग्रपर विकास ग्रायुक्त (हथकरघा)

# पटसन श्रायुक्त का कार्यालय कलकत्ता-700069, दिनांकं 22 श्रगस्त 1984

सं० पटसन  $(\pi \circ)/147/58$ -बा०—पटसन श्रायुक्त ने श्री एस० के० हाजरा, निरीक्षक (गैर-तकनीकी) श्रेणी-1 इस कार्यालय में रु० 550-900/- वेतन मान को सहायक निदेशक, (विनिर्माण) वर्ग (ख) राजपित्रत के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०-1200/- के वेतनमान में स्थानापन्न सामर्थ पर

15 ग्रगस्त, 1984 (दोपहर के पूर्व) ब्रेप्-वृहरेकश्रादेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

> डी० के० गोस्वामी कार्यपालिका ग्रधिकारी कृते पटसन ग्रायुक्त

विकास धायुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक ग्रगस्त 1984

सं० 58(224)/80 -प्रणी०-І--राष्ट्रपंति, केन्द्रीय सिन्दालय सेवा के अनुभाग अधिकारी, श्री बलदेव सिंह को 1 मई, 1984 के पूर्वाह्र से और आगे के आदेशों तक विकास आयुक्त (हस्तिणिट्प) कार्यालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति तथा तदर्थ आधार पर 1100-1600/- २० के वेतनमान में सतर्कता अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

शिरोमणि शर्मा विकास भायुक्त (हस्तशिल्प)

# पूर्ति भौर निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अगस्त, 1984

सं० प्रकार प्रतिकार निर्माण कि प्रति तथा निपटान, निरीक्षण निदेशक (धातु) जमसेदपुर के प्रधीन बोकारों के भंडार परीक्षक (धातु) श्री सुभाष चन्द्र को एतद्बारा दिनांक 7-6-1984 के पूर्वाह्र से प्रगले प्रादेश विये जाने तक इस महा निदेशालय के प्रधीन उप निदेशक निरीक्षक, कानपुर के कार्यालय में तदर्थ प्राधार पर स्थानापत्त सहायक निरीक्षक प्रधिकारी (धात्) के पद पर नियुक्स करते हैं।

2. श्री सुमाय चन्द्र ने बोकारों में भंडार परीक्षक (धातु) के पद के कार्यभार को दिनांक 31-5-1984 के श्रपराह्म से छोड़ दिया श्रौर दिनांक 7 जून, 1984 के पूर्वाह्म से कानपुर में सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (धातु) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

# दिनांक 23 भगस्त 1984

सं० ए-17011/284/84-ए6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एत्द्द्वारा निरीक्षण निदेशालय (धातु), जमशेदपुर के भण्डार परीक्षक (धातु), श्री विध्वाचल राम को दिनांक 30-5-1984 के पूर्वाह्र से श्रगले श्रादेश दिए जाने तक इस महानिदेशालय के श्रधीन उप निदेशक, निरीक्षण (धातु),

बोकारो के कार्यालय में तबर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (धातु) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> सोहन लाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन) कृते महा निदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात भीर खान मंत्रालय (खान विभाग)

# भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण

# क्सनुता-700016, दिनांक 21 घगस्त 1984

सं॰ 5922 बी/ए-32013(4-क्रीलर)/78/19-बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित प्रधिकारियों को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में क्रीलर के पद पर नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनामन के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, प्रागामी धादेश होने तक, प्रत्येक के सामते दर्शायी गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की	तिथि
	'एस० के० कार,	21-5-	1984
वि	रेष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रीलिंग)	(g	विद्धि)
2. श्री	विजन बनर्जी,	19-5-	1984
वर्ष	रेष्ठ, वक्त <u>ीकी सहायक (</u> ड्रीलिंग)	( <del>प</del> ्	र्वाह्र)
	'ब्रार० के० भट्टाचार्जी	19-5-	1984
16	र्तारष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रीलिंग)	r)	र्वाह्र)

# दिनांक 22 अगस्त 1984

सं० 5983 बी/ए-32013 (प्रमा० अधि० )/80-19ए का स्तीय भूवैद्यानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, धानित पू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिक्षक श्री डी० पुक्रामित्रका, को प्रशासितक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में त्थिमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-10-1000-द० रो०-40-1200 के के वेतनमान के बेटा पर, बटी आधार पर ए० एम० एस० द० विग, भारती । भूवैज्ञानि । सर्वेक्षण बंगलीर के प्रशासिक अधिकारी श्री पी० ए ।० णमीकी अवकाण रिक्ति में 4-6-84 के पूर्वाह्म से 7-2-34 (पूर्वाह्म) तर पदोनित पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5965बी/ए-19012(जी० ए२०आर०)/19 बी—— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहाराः भू भौतिकीविद श्री जी० एस० रेड्डी ने तेल और प्राहिति ः गैस आयोग में अपनी स्थायी नियुक्ति के परिणामस्वरूप इस विभाग से 16-4-84 (अपरास्त्र) से त्याग पत्न दे दिया।

सं० 5974 बी/ए-32013 (प्रगा० अधि०)/84-19ए---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, के महानिदेशक, भारतीय वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक्ष, श्री एउ जीव लाहिडी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी किया में निक्ष्मानुसार 650-30-740-35-810-इन्होन्-35-880-40-1000-दवरोव 40-1200 रुव के वेतन मान के वेतन पर, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 29-6-84 के पूर्वात्व से पदोन्नति पर नियुक्त कर हुई हैं।

> अमित गुणारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

# अमरतीय खान ब्यूरो

# नागपुर, दिनांक 23 अगस्त 1984

सं० ए०-19012(194)/84 स्था०ए० — संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिण पर श्री बी० के० मिसार को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 2 अगस्त, 1984 के अपराह्म से नियुक्ति प्रदान की गई है।

> पी० पी० वादी, प्रशासन अधिकारी कृते महा नियन्त्रक, भारतीय खान ब्यूरी

# राष्ट्रीय अभिसेखागार

# नई दिल्ली-110091, दिनांक 25 अगस्त 1984

सं $\circ$  फार 8-9/83-स्थापना---अझोहस्ताक्षरकर्ता, श्रीमती सुधा रानी शर्मा तथा श्री एस० आर० मतेजा सहायक अभिलेखाधिकारी, ग्रेड I (सामान्य) को 22 अगस्त 1984 (धूर्वाह्न) से, अगले आदेश होने तक 650-30-740-35-810-र० रो०-35-880-40-1000-र०रो०-40-1200 रुपये के खेतनमान में, तबर्थ आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य), के पद परएतब्द्वारा नियुक्त करते हैं।

उपरोक्त अधिकारियों को इस तदर्थ नियुक्ति से, उनका नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक अथवा दावा नहीं होगा और इसे वरीयता के प्रयोजन और अगले ऊंचे ग्रेड में पदोन्नति की पात्रता के लिए नहीं माना जायेगा।

सं फा ० 8- 9/8 3-स्थापना -- अधोहस्ताक्षर कर्ता श्री कियान चन्द, तदर्थं स्थापनापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) को 22 अगस्त, 1984 (पूर्वाह्न) में, अगले आदेश होने तक, राष्ट्रीय अभिलेखागार में, नियमित अस्थायी आधार पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-860-40-1000-द०रो०-1200 रुपये के वेतनमान में अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर स्थानापन्न रूप से एतद् द्वारा नियुक्त क्षरते हैं।

राजे भारती अभिलेख निदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नईदिल्ली, दिना १३३अगरन १७**८**४

मं० ए-12025/15/82(ए०आई० आई० एच० एण्ड पी० एच०)/प्रशासन-1/पी० एच० (सी० डी० एन०)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेणक ने डा० आर० सी० श्रीवास्तव की 29 फरवरी, 1984 पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, वालकता में सहायक अनु-संधान अधिकारी, (जीव विज्ञानी) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

> नारायण सिंह उप निदेशक प्रशासन (एन०)

# नई दिल्ली, दिनांक 23 अगस्त 1984

सं० ए०-19018/10/83-के० स० स्वा०यो०-1---स्वास्थ्य मेवा महा निदेशक ने छा० (कुमारी) जी० आर० आर्या को 18 जुलाई, 1984 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्स किया है।

> टी० एस० राय उप निदेशक प्रशासन (के०स०स्वा०यो०)

# ऋषि मंत्रालय

# कृषि एवं महकारिता विभाग

### विस्तार निदेशालय

### नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1984

मं ~ 2-4/84 स्थापना-1—विस्तार निदेशालय, कृषि मंत्रान्य, (कृषि एवं सहकारिता विभाग) में सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (ग्रेड-1), समूह "बी" (राजयिति) (अलिपिक वर्गीय), पद पर 650-30-740-35-810 द०रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान मे श्री जे० एस० बेदी, महायक प्रवर्शनी अधिकारी (ग्रेड-2), को पूर्णत्या तदर्थ आधार पर 4-8-84 से, नए आदेश जारी होने तक, पदोम्नित किया गया है।

सं० 2-4/84-स्थापना-1-स्थी एम० शिवरामा वृष्णन, सहायक अवर्षनी अधिकारी (ग्रेड-2) को सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (ग्रेड-2) को सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (ग्रेड-1), ग्रुपबी, (राजपतित) (अलिपिक वर्गीय, के पव पर रुपये 650-30-740-35-810-दं० रो०-35-880 40-1000-दं० रो०-40-1200 के वेतनमान में विस्तार निदेशालय, मे अधि मंद्रालय (कृषि एवं महकारिता विभाग) मे पूर्णतया तदर्थ आधार पर 4-8-1984 में, अगले आदेश जारी होने तक प्रोक्नत विधा गया।

आर० जी० अनर्जी निदेशक प्रशासन माना परमाण् अनुस्रान् वेन्द्र

# कामिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनोंक 9 अगस्त 1984

सं० पी०ए०/79(5)/83-आर-III--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सलैक्शन ग्रेड लिपिक श्री गोपाल कृष्णन गोप कुमार को 24 जुलाई, 1984 पूर्वाह्म से आगामी आदेश होने तक इसी अनुसंधान केम्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> बी॰ सी॰ पाल उपस्थापना अधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग

# नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्वशहर, दिनांक 24 अगस्त 1984

क्र० न०प० वि०प०/भर्ती/9(2)/84-एस/7346--परि-योजना निदेशक, नरोरापरमाणु विद्युत परियोजना, श्री अशोक सिंह को ६० 650-35-740-35-810-६० रो०-35-880-40 35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 के वेतनमान में, नरौरा, परमाणु विद्युत परियोजना में, विनोक 2 अप्रैल, 1984 के पूर्वाल से आगामी आदेशों तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/ अभियन्ता ग्रेष-एम० बी० के पव पर नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 27 अगस्त, 1984

कः नः प्रश्निताणं में (७) हिंदीएस०-5777—मुख्य परि-योजना अभियंता, नरौरा परमाणु विख्त परियोजना स्थायी सहायक लेखाकार तथा स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी श्रो गोविन्द सिंह को, श्रो एम० श्रीनिवासन, लेख ...रा-II के लेखाधिकारी-III नियुक्त किए जाने पर दिनांक 1-6-1984 से उनके स्थान पर नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना पर तदर्थ आधार पर ६० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में लेखाधिकारी-II के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० के० बाली प्रशासम अधिकारी

### ऋय भीर भण्डार निवेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 अगस्त 1984

सं० डो० पी० एस०/एन०-24/स्था०/22527—निर्वतन की आयु प्राप्त होने पर, ऋष ग्रीर भंडार निदेशालय के स्थायी भंडारी तथा स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी श्री बी० बी० नायर, तारीख 31 मार्च 1984 (अपराह्म). से सरकारी सेवा से सेवा-निष्कृत्त हो गए हैं।

# दिनांक 22 अगस्त, 1984

सं० डो० पी० एस०/41/9/83-प्रशा०/22602—परमाण् ऊर्जा विभाग, कथ ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशाक ने स्थायी भंडारी श्री प्रकाण घन्द्र शर्मा को इसी निदेशालय में क्लिनंक 27-2-84 (पूर्वाह्न) से 31-3-84 (अपराह्न) तंक रुपका 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के नेतनमान में महायक भंडार अधिकारों के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न म्य से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री सी० एच० बानगोपालन, सहायक भंडार अधिकारों के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अविध के लिए भंडार अधिकारी (तदर्थ) के पद पर पदोन्नत किया गया है।

पी० गोपालन, प्रणासन अधिकारी

# परमाणु खनिज प्रभाग हैदराबाद-16, दिनांक 21 अगस्त 1984

्री॰ प०ख०प्र०-8/1/81-भर्ती—निदेशक, परभाणु खनिज प्रभाग, परमाणु कर्जा विभाग एतद्द्वारा दिनांक 29, मई, 1984 की समसंख्यक राजपत्रक अधिसूचना के अधीन श्री एम० एस० विश्वनाथम, सहायक मुरक्षा अधिकारी की मुरक्षा अधिकारी के पद पर 6 मई, से 16 मई, 1984 तक की नदर्थ छप से स्थानापन्न नियुक्ति रह करते हैं।

सं० प०ख०प्र०-16/3/82-मता खड़ 11 निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु जिल्ला प्रभागृ के स्थामी उच्च श्रेण लिपिक धौर स्थानापन्न लेखापाल, श्री जे० के० गर्मा को उसी प्रभाग में श्री बी० बोभी रावृ, सहायक लेखा अधिकारी के छुट्टी पर चले जाने पर, 25 जून, 1984 के पूर्वाह्न में लेकर 27 जुलाई, 1984 तक तवर्ष रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

स० य० गोखले, वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा अधिकारी।

महानिदेशक नागर विमानन का कार्याक्रय नई दिल्लं/, दिनांक 21 अगस्त 1984

सं० ए०-32014/5/82-ई०स ०—महानिदेणक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनेकं, सहायकों को उनके उच्चतः पद पर कार्यभार प्रहण करने कं, तार्यख से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियक्त किया है 2—236 GI/84

तथा उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:---

तैनातिः स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
<del></del>	<del></del>
वैमानिक संचार	29-6-84
स्टशन् , । बल्लाः	(पूर्वाह्न) 29-6-84 (पूर्वाह्न)
	वैमानिक संचार स्टेगन , विल्लो

श्रो० पी० अग्रवाल सहायक निदेशक प्रशासन, कृते महानिदेशक नागर विमानम

# नई दिल्ली, विनांक 14 अगस्त 1984

मं० ए०-19011/3/80-ई० I —इस कार्यालय के श्री जो० आर० कठपालिया, उपमहानिदेशक निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-7-1984 अपराह्म से सरकारी मेवा से निवृत हो गए हैं।

## विनांक 21 अगस्त 1984

सं० एं० 32013/1/83-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित तकनोकी अधिकारियों की उच्च पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से छः मास की अवधि के लिए वरिष्ठ तकनोकी अधिकारियों के ग्रेड में स्वर्थ आधार पर नियुक्त किया है भीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:--

落る	नाम	तैनाती स्टेशन	कार्यभार
सं०			ग्रहण करने की तारीख

### सर्वश्रं।

के० एस० नारायण स्थामी वै० सं० स्टेशन,
 मद्रास

16-7-84

2. एस० भट्टाचार्य . वै० सं० स्टेणन, 29-2-84 बम्बर्ष

3. पी० के० बन्दीपाध्याय . वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता 29-2-84

4. मा॰ आर॰ मुधीर . वै॰ सं॰ स्टेशन, 29-2-84 मनास

> भ्रो० पं ि अग्रवाल, सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ल', दिनांक 27 अगस्त 1984

सं० ए०-32014/1/84-ई० एस०----महानिदेणका नागर विमानन ने क्षेत्रीय निदेणका हलकता क्षेत्र, क्लकता क्षेत्र, क्लकता के कार्यालय के श्रा एम० चक्रवर्ती, अध क्षण को दिनांका 27 जुलाई, 1984 पूर्वाह्न, से छः मास को अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरेजाने तक, इनमें से जो भा पहले हो, रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेलनमान में प्रिसियल, नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद के कार्यालय में, तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारों के पद पर निय्वत किया है।

बि० भौमिस, महायप निदेशक प्रशासन

# विदेश संवार सेवा

बम्बई, दिनांक 23 अगस्त 1984

संव 1/91/84-स्था०-विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेशक, श्री व ० कीवण्ड-रामन को 30 जून, के पूर्वाह्म से आगामा आदेशों तक उस शाखा में स्थानापन्न से उप परियाह प्रवेशक वियुवत है।

सं 0 1/80/84-स्था० — विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतदहारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्रां एन० आर० नायर की 20 जुलाई, 1984 के पूर्वाह्न से आगासं आदेशों तक ज़सी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

र० का० ठनकर, उप निदेशक (प्रशा०), क्से महानिदेशक

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 23 प्रगस्त 1984

सं० 11/84— श्री सी० पी० मल्होत्ना ने, वाणिज्य मंत्रालय, नई दिल्ली से प्रतिनियुक्ति से लौटने पर, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के पत्न सं० ए० 32012/32/84-प्रणा०-2 द्वारा जारी दिनांक 25-7-84 के ग्रादेश सं० 127/84 द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में 26-7-84 (पूर्वाह्र) से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ए० सी० सल्डाना निरीक्षण निदेशक केन्द्रीय उत्पादन ग्रौर सीमा शुरूक समाहते।लय वडोवरा, दिनांक 18 ग्रगस्त 1984

सं० 12/1984—श्री पी० एन० मुक्ला, सहायक समाहर्ता (विधि) केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा मुल्क (वर्ग "क") वडोदरा मृद्धावस्था में पेंगन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1984 के श्रपराह्म मे निवृत्त हो गए हैं।

सं० 13/1984—-श्री श्रार० जे० सोलंकी, श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन श्रीर सीमा शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-3, बढ़ोदरा वृद्धावस्था में पेंशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1984 के श्रपराह्य से निवृत्त हो गए हैं।

> एन० बी० सोनावणे समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन श्रौर सीमा णुल्क, वडोदरा

# मद्रास-1, दिनांक 14 ग्रगस्त 1984

# सीमाभुल्क/स्थापना

सं० 3/84---निम्नलिखित संघ लोक सेवा आयोग के प्रत्या-शियों की नियुक्ति इस सीमाणुक्त घर मे दिनांक 1-8-84 के पूर्वाह्र से ग्रंगले श्रादेश तक सीधी भर्ती के मुख्य निरूपक (गैर-विशेषज्ञ) के पद पर श्रस्थाई रूप से की जाती है । ते दो वर्ष की ग्रंबिध तक परिवीक्षाधीन रहेंगे :---

- 1. श्री टी० एस० शिवकुमार
- 2. श्री पी० मुत्त्ःसामि
- 3. श्री भ्रार० ग्रनाथन
- 4 श्री सी० रामकमार

सी० भुजंगस्वामी सीमाशृन्क समाहर्ता

# केन्द्रीय जल भौर विग्रुत अनुसंधान शाला

पुणे-411024, दिनांक 25 सगस्त 1984

सं० 608/191/83-प्रशासन इस कार्यालय की प्रधिसूचना सं० 608/191/83-प्रशासन दिनांक 19-9-1983 के सिलसिले में, निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुणे, 24, एतद्द्वारा श्रीमती रो० वि० कारकानीस, हिन्दी अनुवादक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, की हिन्दी अधिकारी के पद पर और छ महीनों तक केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला में, बेतनमान ६० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर अगस्त, 17, 1984 के के पूर्वाह्र से प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करते हैं। इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 5608/191/83-प्रशासन दिनांक 19-9-1983 के अनुसार उनकी प्रतिनियुक्ति की शर्ने तथा नियम बही रहंगे।

भा० ग० गटवधेन प्रशासन श्रधिकारी, **क्**ते निदेशक -----

. . <del>\_ .</del>\_ .\_

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक ग्रगस्त 1984

सं० 22/4/83-प्रणासन-1(ब)— ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा श्री ग्रार० डी० जैन, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (समूह 'ख') सेवा के श्रितिरक्त सहायक निदेणक/सहायक श्रिभयन्ता के ग्रेष्ठ में केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण में स्थानापन्न क्षमता में 10-7-1984 से अगले श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

> बी० एम० लाल भ्रवर सचिव कृते ग्रध्यक्ष

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्यविभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी मधिनियम, 1956 भौर न्यू इण्डिया प्रोल्यूस एंजेन्सीस प्राध्वेट लिमिटेड

कोचीन, दिनांक 23 ग्रगस्त 1984

मं० 1970/लिम्ब/560(3)/8850/84—कम्पनी ग्रिधि-नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह भूचना बी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर न्यू इण्डिया प्रीडियूस ऐजेन्सीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण प्रदर्णित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर बी जाएगी।

> कें० पंचापकेशन कम्पनियों का रजिस्टार, केरल

# बम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर जीत पेपर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 25 श्रगस्त 1984

सं० जी/स्टैंट/560/4307/3537—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपबारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह गुचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन भास के अवसान पर जीत पेपस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विश्वित कर की जाएगी।

बी० एम० **अंन,** कम्पनी रजिस्<mark>ट्रार</mark> यंजाव, हिमाचल प्रदेश एवं **चण्डीगढ़** 

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 भीर शिव कुमार भ्यू चुश्रल बेनिफिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 27 ग्रगस्त 1984

सं० 3590/560(3)/84- कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदृद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के प्रवसान पर शिवकुमार म्यूचुम्रल देनिफिट फ॰ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 ग्रीर ग्रट्टूर मोटर्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 27 भ्रगस्त 1984

सं० 4236/560/84—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीक से जीन मास के श्रवसान पर श्रट्टूर मोटर कम्पनी श्राइवेट लिमिटेड का नाम ध्यके प्रतिकृष कारण दिंगत न किया गया हो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ,

वी, ए० विजयन मेनन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार. तमिलना प्रकपः आह्रीः टीः एतः एसः -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० सो० 23/रेंज-IV /कल/1984-85---अतः मुझे, शंकर के० बानर्जी

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 45,000/- रा. से अधिक है

25,0007 - (7. स जानवा ह ग्रीर जिसकी सं० 25, 25/1, 26+27 है तथा जो जे० एन० मूखर्जी रोड, स्थित है । और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से यणित है), रिजस्ट्रीयाती अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 16-12-1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान शितफल को लिए जन्तरित की गर्द है और मूर्फ यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिकाल निम्निलिखत उद्घंदय से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तियक रूप से किथन नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आध की बानत, टक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कंट अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा चाहिए था, छिपान म स्विभा के किए;

जातः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थास् :-- श्रीमति शांति देवी गुप्ता

(अन्तरक)

2. मैसर्स आमस्टार इनवेस्टमेन्ट (पङ (लि०) (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिंध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त जब्दी और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्त्ची

जमीन :--- 6 कोटा, 1 चट्टक, 6 [स्क्यर फिट साथ मकान । -25, 25/1, 26+27 जे० एन० मुखर्जी रोड हावडा ।

थाना : मालिपांचछड़ा । दर्लाक्ष शंका :---1983 का 6861 ।

> शंकर के० वानर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV<sub>2</sub> /कलकत्ता ।

दिनांक: 18-8-1984

मोहर :

25,000 -रा. मं अधिक ही

प्ररूप आर्फ्: टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन संखना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV कलकला

कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1984

निर्देश म० ए० में o 20/रेज--IV/कल/1984--85---अतः मुझे, शुंकर के० बानर्जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य

श्रीर जिसकें। सं० 25, 25/1, 26+27 है तथा जो जे $\circ$ एन० मुखर्जी रोड, स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजर्स्ट्रकर्ता अधिदारी के कार्यालय हावड़ा में रिजस्ट्र अरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान विनांक 16-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके इष्ट्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिलित उद्वोध्य से उन्त अन्तरण निश्चित में अस्ति विक रूप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक बायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

1. श्रोमिति शांति देवी सिंह

(अन्तरक)

2. मैंगर्स आमस्टार इनवेस्टम्न्ट (प० लि०) (अन्तरितः)

को यह मुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षण :---

(क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियो पर संभाग की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ग्वेंबित न्यिक्तटां में से किसी व्यक्ति व्वारा;

> इस स्वता के राजपत्र में पकाशन की सारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाष्ठस्ताक्षरी के पाल लिखिन में किए वा सकेंग।

स्पट्टोक रण:--इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिकारिक ही, यही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया एया F 4

# अनुसूची

जमीन :-- 5 कोटा, 4 चट्टाक, 29 स्क्यर फोट साथ मकान ।

पता :--25, 25/1, 26+27 जै० एन**० मुखर्जी रोड**, हावडा ।

दर्लाल शका .--- 1983 का 6793 l

शकर के० बानर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

दिनांक: 18-8-1984

मोहर 🔅

प्रकृत साद ही, एस एस 🗼

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1984

निर्देश स० ए० स $70 = 21/\overline{\xi}$ ज- $1V/\psi$ ल1984-85-अतः मुझे, शंकर के० बानर्जी

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बादार मृत्य 15,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकें। सं० 25, 25/1, 26 - 27 है तथा जो जे० एन० मुखर्जी रोड स्थित है (श्रीर इसमे उपाबर्ट अनुसूचें। में श्रीर, पूर्णेष्प से विणित है), रिजस्ट्र करती अधिकारं। के कार्याक्य हावड़ा में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधान दिनांक 16-12-1983

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तिवक हू से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जुलारण से हुइं किसी आब की बारत अब्द ऑफिक्सिंग के अफीन कर दन के जन्तर है के बायर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियी की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना जाहिए था, छिपान में स्विधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रं अरूण कुमार सिंह

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स आमस्टार इनवेस्टमन्ट (प० लि०)। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्मन्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप.

- (क) इस सूचना के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारी खाँ सं 45 दिन की अवधि या तत्मवंशी व्याप्तियों पर सूचना की बामील से 30 दिन की अवधि, जो भी उपध्य याद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, ओ उक्त आधीनस्य के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य होगा जो उन ब्रध्याय में दिया में हैं।

### मन्त्रपी

जमोन :--3 कोटा, 0 चट्टक, 25 स्कयर फिट माथ में मंकान ।

पता :--25, 25/1, 26+27 जे० एन० मुखर्जी हैरोड, थाना :--मालिपांचछड़ा हावडा। दलील शंका:--1983 का 6859।

> शंकर के० बानर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-IV, कलकक्ता,

दिनांक: 18-8-1984

मोहर:

प्ररूप आहें. टो. एन. एन. .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजिय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जान रेंज-IV, धलकत्ता कलकता, दिनांः 18 अगस्त 1984

निर्देश सं० ए० सं२० 22/रंज—IV/कल/1984-85— अतः मुझे, शंकर के० बानर्जी

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें - इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25, 25/1, 26+27 है तथा जो जे० एन० मुखर्जी रोष्ड स्थित है (श्रीप इससे उपाबह अनुसूचः में श्रीप पूर्णेक्प से विणत है), रजिस्ट्रावर्जा अधिकार, के कार्याचय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधान दिनांक 16-12-1983

को प्योंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितिकों) के बीथ एके अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्देष्य में उक्त अन्तर्ण निसित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मं कभी करमें शालसणे संवर्ध मा स्विधा के लिए; जॉर/बा
- (स) एंभी किसी अप या किसी धन या अन्य आसित्या की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिप्रम, 1922 (1922 का 11) या नस्य विधिष्टण्य या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिभी क्यारा एक ए मार्थिश क्यारा का या किया गुरू नहीं किया की सिए:

अतः अयः, जक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ:--- श्रः बिनोयेन्द्रा कुमार सिह ।

(अन्तरक)

 मैंसर्स आमस्टार इगवेस्टमन्ट (प०) लि० । (अन्तरित.)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्तिक्ष करता हो।

उसा सपानित के अजन का सबज मी काई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधहस्ताकरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पध्योक्षरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिनाधित है, अही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया ग्या

### अन्सूची

जमोन :→6 कोटा, 0 चट्टफ, 40 स्क्यर फोट साथ में मकान । पता :—25, 25/1, 26+27 जे०एन० मुखर्जी रोड, हावडा ।

दमोल शंका :--- 1983 का 6860।

शंकर के० यानर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयदार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-IV/,कलकत्ता

दिनांश: 18-8-1994

योहर :

प्रकृष आहु . टी . एन . एस . ------

. आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

### भारत भएकार

कार्यांत्य, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० ए० मी०  $19/\overline{t}$ ज-IV/कल/1984-85---- यतः मुझे, शंकर के० बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रस्के परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25, 25/1, 26, 27 है तथा जो जे० एन० मुखार्जी रोड स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हाबड़ा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियस, 1908 (1908 का र्ि16) के ग्रिधीन दिनांक 17-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उशित बाजार मूल्य से कम के ध्रामार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोधन सम्पत्ति का उधित अवार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कीधन महीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, रेउक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्) ए से किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार गणिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अणिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गण धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुजिधा के लिए।

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) में सधीन. निम्नलिखित स्थिमतयों, सर्थातः— ा श्री विनयेन्द्र कुमार सिंह

(अन्तरक)

2. मैसर्स श्रामन्दर हनवेस्टरेंट प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टी कत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में विश्र जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सची

जमीन-न-6 कट्टा 36 स्को० फि० ज<mark>मीन का साथ</mark> मकान ।

पता : 25, 25/1, 26, 27 जे**० एन० मुखार्जी रो**ड

थाना : मालिपांच घड़ा जिलाहाबड़ा। दलिल सं० : 1983 का 6792 ।

> णंकर के० बनर्जी सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-IV, कलकत्ता

दिनांक 18-8-84 मोहर: प्रकृप आहें दी एन एस न्यान्यान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर आयुदत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकता, विनांक 18 प्रगस्त 1984

निर्देश सं० ए० सी०  $18/\tilde{\xi}$ ज-IV/कल/1984-85--यत: मुझे, शंकर के० बनर्जी

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं०, 25,25/1, 26, 27 है तथा जो जे० एन० मुखार्जी रोड स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 16-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण बिजित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई िकसीं जाय की बाबत, अक्त विभिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--3--236 01/84

1. श्री भ्ररूण कुमार सिंह

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स श्रामन्दार इन्वेस्टमेंट प्रा० लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बत्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु<sup>3</sup>।

# मंन्स्ची

जमीत : 6 कठा 0:40 स्को० कि० जमीन का साथ मकान ।

पता : 25, 25/1, 26, 27, जे॰ एन॰ मुखार्जी रोड, थाना : मालिपांच घड़ा जिला हाबड़ा।

दलिल सं० : 1983 का 6791 ।

शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

दिनांक 18-8-1984 मोहर प्रकृष नाद् हो . एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जुधीन सूचना

### भारत सुद्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 9 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० 1501/एसीक्यू झार-III/84-85--- प्रतः मुझे, शंकर बमर्जी

जायकर के भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धरवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिक्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उल्लिन बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भोर जिसकी सं० 535 है तथा जो जोधपुर पार्क स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का. 16) के ग्रिधीन दिनांक 17-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुफे यह विश्वास छरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल में, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) में तीच तम अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्योग से उजन अंतरण लिखित में वास्तिब कम ने द्राधित नहीं किया गया हैं:—

- (१) जंतरण है हुई िकसी अब की बाबत, उक्त जिल्लीनयम के बाधीन कार दाने के अंतरक के कार्यत्व या कारी कारने या उसस बचने में स्विधा के सिए; अरि/धा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या रुख आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आगकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा पकट नहीं किसा गया था या किया जाना चाहिए था, हिलावे में भृषिधा के सिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को बधोन, निम्नलिखित कालिसमों, अर्थात :- ~ श्री वकुल रानी बिश्वास।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमति सती मित्र

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आर्ी कृतके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र, में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, से भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य कि पास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये हा सकेंगे।

स्यय्द्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

प्लाट नं० 535 जोधपुर पार्क में ग्रवस्थित सम्पति जो डीड नं० 13021 भ्रनुसार 17-12-1983 दिनांक में रजिस्ट्री हुग्रा ।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक' 9 8-84 स्रोहर : प्ररूप बार्ष, टी. एन 🤊 एस . --------

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-111, रेज कलकला

कलकत्ता, दिनाक 9 ध्रगस्त 1984

निर्देश सं० 1502 /एमोन्यू भ्रार-III/84-85---म्रत. मुझे, शकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उचन अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर लपन्ति जिसका उदित वाजार मृल्य 25, (ला)/- रास अधिक हैं

स्रीर जिसकी स० 20 हैं तथा जो श्रभय गृह रोड स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण व्या से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाफ 7-12-1983

की प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृल यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अेर अन्तरित (पन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए त्य पामा गमा प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तिवक खप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन मा शृतिपा क लिए; और/या
- (ख) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आंधिनियम, या धनकर आंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रेश था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उसल अधिनियम, की धारा 260-घ के अन्सरण में, में, उसल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- 1. श्री गौर चरन गुहु

(ग्रन्तरक)

2. श्री नित्यानन्व पांजा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वान आरी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

इन्त रामातित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्थिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, का उनत अधिनियम के अभ्याय 20-क मां परिशासित हा, बना ४४ तमा का उस ० वस मां देखा गया हो।

# अनुस्ची

3 तल्ला मकान सह जगी। ( 1 क्रा 14 ७३ क 20 वर्ष फुर) जो 2, अभय गुह रोड पर अस्पन सम्पत्ति जो 7-12-1983 दिनाक डोड नर्ष 12453 अनुमार राजिस्ट्री हुम्रा ।

> णकर स्तर्जी सत्तम प्राधि । महायक आफ्लप आक्रुका (तिराक्षण) श्रुप्रेतरेज-धी, कलकत्ता

दिनाक 9-8 84 मोहर : प्रस्प बाह्र े टी. पुन्, पुस् :-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के न्धीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर व्यायकत (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-III कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 श्रगस्त 1984

निर्देश स० 1503/एसीक्यू श्रार-III/84-85--श्रतः मुक्षे, शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 164/3ए है तथा जो लेक गार्डन्स स्थित है (और इससे उपाबज़ भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 19-12-1983

को पूर्वों कत संपत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वों कत सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के नीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक कप से किया नहीं किया ग्या है:—

- (क) जनसरण से हुई किसी जाव की बाबत, उपछ अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सृब्धा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमः की भारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिशियम को भारा 269-म की उपभारा (1) की अधीनः जिम्निलिखत व्यक्तियों, खर्थातः :--- 1. श्रीमति सेन

(ग्रन्तरक)

3. श्रीमति धीरा घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ<sup>‡</sup> भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्दों का, की जक्त जिथिनियम को जध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

प्लाट नं० बी/ 8 जो 164/3ए लेक गाउँस में भ्रवस्थित आई० ए०सी० एकुईजीशन रेंज-II, में 19-12-1983 दिनांक में रजिस्ट्री हुआ।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक 9-8-1984 मोहर ह मुरूष् बार्दः,दर्ुएन्, दस् :-----

बाब्कर विभिन्नियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 श्रगस्त 1984

निर्वेश सं० 1504/एसीक्यू भार-III/84-85--यत् मुझे शंकर बनर्जी

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11 है तथा जो क्लाईम रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीद विनांक 31-12-1983

को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्रस्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् ः

1. साह प्रापर्टीज लि० ।

(ग्रन्तरक)

2. मानसुख फेमिली ट्रस्ट ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

**एक्त** सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 कि की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिल्भाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृस्ची

5यां तल्ला में पलोर स्पेस 1300 वर्ग फीट जो 11, क्लाईम रोड में स्थित 31-12-1983 दिनांक में रजिस्ट्री हुया डोड नं० 13586 धनुसार।

> णंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयज्ञर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज- , कलकला

दिनांमा 9-8-1984 मोहर प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना 2. पुनर्वास निर्माण उद्योग (प्रा०) लि० ।

(ग्रन्तरक)

3 ईना चन्द्र।

(अन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सटायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, कलकत्ता कल उत्ता, दिनाक 14 ग्रगस्त 1984 निर्देश म० 1505/एसीक्यू ग्रार-III/84-85- ग्रतः मुझे शकर **ब**ार्जी

कापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमाडे काचात 'एकत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी जो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 17घ है तथा को सामुतोष चौधुरी एवेन्सु में स्थित है (स्रोर इससे उपाबड़ स्रमुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वाला ), रामिका का मान्य के कामजा कर्या में राजिकी क्रिकेट सामान्यक, 1900 (1903 का 16) के अजीन दिवाक 3-12-1903

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कर्न हो एरंगान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इंग्रमान प्रतिफल से, एसे इरम्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, किम्बिलिखत व्यक्तियों, अर्थात :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के याजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# बन्स्ची

'लाट न० 2ग जो कि 17 डी ग्राशुतोष चौधुरी एवेन्यू स्थित 3-12-1983 दिनाक मे डीड स० ग्राई-12301 ानुसार रजिस्ट्री हुग्रा ।

> शकर बनर्जी सक्षम प्रवि परी सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्दाक्षण) ग्रर्जन रेज III,कलकत्ता-16

दिनाक 14-8-1984 मोहर प्ररूप आई टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 14 भगस्त 1984

निर्देण सं० 1506/एमीक्यू ग्रार-III/84-85—ग्रत: मुक्ते, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्क अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स्ट के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

स्रो : जिसकी सं० 31क है त ज जो श्यामाग्रसाद मुखर्जी रोड में हिंदा है (स्रोर इसमे उपाबद्ध सनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण स्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के सधीन दिनांक 16-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से दाम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित टाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की ाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के पन्थे एक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचा पा सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन ता अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अत्तर अभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एमंजनार्थ अंतिरती द्वान किया पर्ने किया गण मा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के ट्रिलए;

अतः अवः, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. हरियद हाऊसिग कम्पनी

(ग्रन्तरक)

2. डा० विभृति भूषन बनजी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45. दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि भी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुपा है।

# अन्स्ची

सम्पति जो 31 श्यासाप्रसाद मुखर्जी रोड पर स्थित जमीन जो 16-12-1983 दिनांक में डीड नं० 12974 श्रनुसार रिजस्ट्री हुन्ना ।

> संकर वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज , कलकत्ता

दिनो ह: 14-8-84

माहर:

- प्ररूप **नाइ**र. दी, एन. **एस**. ०० ≡ ०००

1. श्री नृतेंद्र कुमार दे।

(ग्रन्तरिती)

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III कलकसा

ककता, दिनांक 14 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० 1507/एटीक्यू भार-।।।/84-85---धतः

मुझे, शंकर बनर्जी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'जक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- एत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 204 -- 204ग है तथा जो एन० एस० सी० बीस रोड कल० 47 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-12-1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई ह<sup>ें</sup> और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापुनर्वित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी जाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए 🕦

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यविहियां करता हूं।

2. बसुन्धरा को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० ।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

ध्वीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया षया है।

जमीन 1/4 भ्रंग 28 कट्टा की जो 14-12-83 दिनोंक में रजिस्ट्री हुआ कलकता में डीड नं० श्राई 12791 श्रनुसार पता -- 204-204ग एन० एस० सी० बोस रोड कल० 47 1

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज III, कलकला

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियाँ, अर्थात् ::---

दिनांक: 14-8-1984

मोहर 🖫

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

मस्यं जाहरणार्यं । द्रार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) का धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-III, कलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० 1508/एमीवय् ग्रार III/84-85—श्रतः भुक्ते, शंकर बनर्जी

ायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 5,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 204-204ग है तथा जो एन० एम० सी० भेस रोड कल० 47 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-12-1983

ा पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टे यह विक्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उच्न अंतरण लिकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए थां. छिपाने से सिंबभा के लिए;

1. दिवाकर चर्तुवेदी ।

(भ्रन्तरक)

 वसुन्धरा को० श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि० । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

जमीन 1/4 श्रंण 28 कट्टा की जो 14-12-83 दिनांक कलकत्ता में रिजस्ट्री हुन्ना डीड नं० श्राई 12792 श्रनुसार पता — 204—204म एन० एस० सी० बोस रोड कल० 47 ।

एकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज III, कलकत्ता

दिनांक : 14-8-84

मोहर:

प्ररूपं आई.टी.एन.एस. -----

भागमार मिनियम, 1961 (1961 मा 43) की भारत २६५-६ (३) के अधीन स्विमा

#### भारत सरकार

कार्यालग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III कलकता

कलकला, विनांक 14 ग्रगस्त 1984

निवेश सं ० 1509/एमीक्य्मार् III/84-85--प्रतः स्थे, शंकर बनर्जी

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 204-204ग है तथा जो एन० एस० सी० बोस रोड कल० में 470 स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 13-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ ऐया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त किन्य भिष्टित भे सन्तरीच क्या के स्वयम कर्य के स्वयम नहीं किया भया है :--

- (क) अन्तरण से हुन् किसी जाम को आजत उक्श कि । नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के प्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपान में सविधा के खिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती बीना खानडेलवाल ।

(भ्रन्तरक)

2 वसुन्धरा को० श्राप० हाउसिंग योसायटी लि० । (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

अवत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृथींकत स्थानतारों में से किसी व्यक्तित हवारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-मद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो डेंग अध्याय में दिया गया हैं।

### अम्स्ची

7 कड़ा जमीन जो कलकसा रजिस्ट्री दफ्तर में 13-12-83 दिनांक में रजिस्ट्री हुआ बीड नं० आई 12741 अनुसार पता 204-203म एन० एस० सी० बोस गोड कल० 47:

शंकर बनर्जी, गक्षम प्राधिकार् सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जनरेज III, कलकस्य

दिनांक: 14-8-84

मोहर:

प्र**भग बाह्र** टी. एन. एस.----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 कर 43) पारा 269-स (1) क अधान सूच्या

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेण सं० 1510/एसीक्यू श्रार-III-84-85--ग्रतः मुझे, मंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 204-204ग है तथा जो एन० एस० सी० बोस रोड कल० 47 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उच्च हेय से उचत अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित बहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त किशिनयम के अभीन कर दोंने के अन्तरक में दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविका के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1962 का 11) या उसत अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा के लिए:

अतः अव.. उवत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात ( --- 1. राजकुमारी खानश्रेलवाला

(ग्रन्तरक)

2. वसुन्धरा को० भ्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि० (भ्रन्तरिसी)

को सह स्वना वारी करके प्यॉक्त सम्परित के अर्थन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की सबीभ या तासम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर प्रांक्त स्योक्तवों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाक् लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया हैं।

# नन्त्या

7 कट्टा जमीन जो 204-204ग एन० एस० सी० बोस रोड कल० 47 में स्थित रिजस्ट्री वफ्तर (कलकत्ता) में 13-12-1983 तारीख में रिजस्ट्री हुन्ना डीड नं० माई-12742 श्रनुसार ।

> णंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-∏ी, कलकसा

दिनांक: 14-8-84

मोहर 🛭

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक, 16 श्रगस्त 1984

निर्देश सं०  $1511/\frac{0}{1}$ सीक्यू ग्राप्त- $\frac{1}{1}$  $\frac{1}{84-85-9}$ प्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 107क है तथा जो राजा दीनेंद्र स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-12-1983

को पूर्वोंकत सम्मित्त के उचित बाबार मूस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पित्त का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निसिचत उद्वरिय से उच्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; बौर/या
- (क) एंशी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में उक्त औधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. देव भ्राला प्रा० लिए ।

(भ्रन्तरक)

2. हिन्द टिन इंडस्ट्रीज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### क्रमची

मकान भौर स्टाकचार जो 107 राजा दीनेंद्र स्ट्रीट पर स्थित सम्पति 16-12-1983 नारीख में डीड नं० भाई-13261 श्रनुसार रजिस्ट्री हुश्रा कलकत्ता में रजिस्ट्री दफ्तर में ।

> गंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक: 16-8-1984

मोहर:

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस., -----

**बायकर व्यक्तियम., 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कलकता दिनांक, 17 ग्रगस्त 1984

निर्देण मं० 1512/एमीक्यू ग्रार-III/84-85--ग्रतः मुझे, शंकर बनर्जी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुट से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1/46 है तथा जो गडियाहाट रोड पर स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-12-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम गया गया प्रतिक्त का निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाग की बाधल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारः (1) के अधीन, निम्निजिसिस अधिकारों, वर्षात् ॥ • •

- श्री मिनलाल घटक ग्रौर धीपक कुमार घटक । (श्रन्तरूक)
- 2. हरिपद हाउसिंह सोसाइटी।

(श्रन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### वन्तुवी

जमीन जो 1/46 गडियाहाट रोड पर ग्रवस्थित सम्पति ग्राई० ए० सी० एक्युजीशन रेंज में रजिस्ट्री हुन्ना 22-12-83 तारीख में जिसकी संख्या 133।

> णंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंजह्माा, कलकत्ता

दिनांक : 17-8-84

मोहरः 🛭

रक्ष **वार्**,टी. एन . एस . --------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आमुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज []], क लकत्ता

कलकसा दिनांक, 17 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० 1513/एसीक्यू भ्रार-III/84-85—भ्रतः मुझे शंकर बनर्जी

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/46 है तथा जो गडियाहाट रोड, कल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 31-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके ध्व्यमान प्रतिफल से, एमें द्व्यमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्रमा प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरणं लिसित में वास्यविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (मि) अंतरण से हुइ किसी आम की बाबल, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के शिविष्य में कमी करने या उससे बचने में सृविभा लेलिए; और/या
- 'क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भें, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन िम्नलिगित व्यक्तियों, अर्थात् :--- हरिपद हार्जासह सोसाइटी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रनजीत कुमार घोष ग्रीर ग्रनान्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जनं के लिए कार्यवाहियां करता हुनं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विद्या किसी अन्य त्यिकत व्वारा अधोहम्ताक्षारी के गास निश्चित में किए जा सकीगे।

स्यष्टिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्त्जी

प्लाट 1100 व० फु० जो 1/46 गडियाहाट रोड पर अवस्थित श्राई० ए० सी० एकुईजिशन रेंज 3 में 31/12/83 दारीख में (संख्या 130) रजिस्ट्री हुग्रा ।

> णंकर बनर्जी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्कन रेंज III कलकत्ता

तारीख: 17-8-1984

मोहर:

प्रकृप जाहाँ, टी. एत्. एस. - -- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 श्रगस्त 1984

निदेश मं० 1514/ एसीक्यू ग्रार-<math>11184-85- -ग्रतः मुक्ते शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. में बाधक है

श्रीर जिसकी सं० 1/46 है तथा जो गडियाहाट रोड पर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-12-83

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का क्लूड़ प्रविश्वत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निव्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्त-विद्यालय से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कार जा जिल्ला का 1957 (1957 का 27) के अयोजनाथ अन्तरिती दवारा पैक्त नहीं जिया गय था दा किए। जा जा किए था, िक्पाने में सविधा की जिए;

सतः वय. उन्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुसरण माँ, माँ, उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित•व्यक्तियाँ, अर्थातः :--- 1. हरिपद हाउसिंग सोसाइटी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मनोज कुमार मुखर्जी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्प्रस्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हैं।

उका सम्मात्त के अर्जन के सम्बन्ध मा कार्य भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किस प्र प्र किस प्र किस हो।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, 'ते उस अध्याण में दिया गया है।

### तमस्पी

प्लाट नं० 305 जो 1/46 गडियाहाट रोड मे श्रवस्थित श्राई० ए० सी० एकुईजेशन  $^4$  रेंज 3 में रजिस्ट्री हुग्रा 26-12-1983 दिनांक में संख्या 139।

णंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जुन रेंज , कलकत्ता,

चिनाक 17-8-84 मोहर प्ररूप बाइं. टी. एन. एसं.-----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज-Щ, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्रगस्त 1984

निर्देश सं० 1516/एसीक्यू ग्रार-III/84-85—श्रतः मुझे, णंकर बनर्जी,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1 मी है तथा जो बाली गंज सर्कुलर रें स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनाक 1-12-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्हें यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी भाग था. किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री सुरेन्द्र कुमार पाईन ।

(अन्तरक)

2. श्री मुखाजीत संघ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त 'ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे!

स्पव्हीकरण: --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नगुस्पी

प्लाट नं० 108 जो 1 सी, बालीगंज सर्कलुर रोड पर ग्रवस्थित सम्पति रजिस्ट्री दफ्तर में 11-12-83 दिनांक में डीड नं० 12149 ग्रनुसार रजिस्ट्री हुंग्रा ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जेन रैंज कलकता

अतः श्राम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उण्धारा (1) के बधीन. निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

दिनांक 17-8-84 मोहर: प्ररूप कार्ड .टी.एन.एस -- ----

भ्रायकर अभि<sup>त्</sup>न्यन, 19न1 (19न1 का 43) की धारा 269-म(1) के समीत सुचा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकता

कलकला, दिनाक 17 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० 1516/एसीक्यू श्रार-III/84-85--- म्रतः मुझे शंकर बनर्जी,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 26% से का अधीन अक्षम प्राप्तकार्य कर यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

र्थार जिसकी सं० 63ए हैं तथा जो ब्राइट स्ट्रीट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 17-12-83

कते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते, यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके शृश्यमान प्रतिफल से, एसे शृश्यमान प्रतिफल का भंद्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नजिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आव या किसी धन या जन्य जास्तिकों की, फिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वार पकर नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, लियाने यें संत्रिया के लिए,

अस्त अधिनियम की धारा 209-भ के अनूसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्मिलियित त्यिक्तयों, अर्थात '--5—236 GI[84

1. श्रीमति पुष्पा एपार्टमेंटस

(भ्रन्तरक)

2. स्निग्धा मुखर्जी ।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
  45 दिन की अधिथ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की अविथ, जो भी
  अधिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्थावर स्थावर में हितसद्ध किसी मन्य स्थावत द्वारा मभोहण्याक्षरी के पान जिसान में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., भो जनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नका हैं।

### नन्त्यौ

प्लाट नं० 5ग जो 63 ए ब्राइट स्ट्रीट में ग्रवस्थित ग्राई० ए०सी० एक्ड्रेजेशन रेंज नं० 3 संख्या 140 ता 17-12-83 में रिजस्ट्री हुन्या ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक 17-8-84 मोहरः प्रकपः मार्धः टी. एन्. एसः, -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० 1518/एसीक्यू भ्रार—III/84-85--भ्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मृलः 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 25 क है तथा जो गरत बोस रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन दिनांक 19-12-1983

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विक्षारा करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिचात से अजिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्योदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित अहीं किया गया है दि—

- (क) अंतरण में हुद्दें जिसी अस्य की बायस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने प्रेस्विधा के लिए;

1 एन० के० प्रोपर्ट्रीज प्रा० लि० ।

(भ्रन्तरक)

2. एल० आर० टी० इनवेस्टमेंट लि० ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध भे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में विमा गया है।

### मां संस्थित

All that Flat No. 'A' at 25A, Sarat Bose Road, Calcutta, registered with the IAC.Acq.R-III|Cal. vide Serial No. 191283 (Form No. 37EE).

संकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज-III, ककलता

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन, निग्नतिजित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 17-8-84 मोहर प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ३०७-व (1) । यथीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 ध्रगस्त 1984 1519/एसीक्य ग्रार-III/84-85-ग्रतः मझे, शंकर बनर्जी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 11 क है तथा जो पाम एवेन्यु में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्ईजेशन रैंज III कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) भ्रधीन दिनांक 9-12-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की गानसः, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा किलिए: और/या
- (था) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गाए भाया किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा फेलिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. के० एन० प्रापर्टीज प्रा० लि०
- (भ्रन्तरक)
- 2. मैसर्स मार्डन फंडज प्रा० लि० ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाश्चन की तारीज स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील स्रो 30 दिन की अवधि, जांभी। अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इ.स. सचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिः दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में जिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9खा जो 11क पाम एवेन्यु में भ्रवस्थित श्राई० ए० सी० एक्ईजेशन रेंज III दफ्तर में 9-12-83 दिनांक में संख्या 129 श्रीर फरम नं० 37 ईई द्वारा रजिस्ट्री हुन्ना।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक 22-8-84 मोहर:

प्रस्प नाक्षे.टी.एन.एस.-----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास,

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० 3 दिसम्बर/83--यतः मुझे, ग्रेम मालिनि वासन, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार भूस्य 25,000 ∕- रतः से अभिक**ह**ै श्रौर जिसको स० कक्षिवडीमलै गांव, पलने तालुका, है, जो मदुरै जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अस्तूर दस्तावेज सं 1083/83 में अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिसम्बर 1983 को पुर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गर्द हैं.और मुफ्टेयह विश्वास कारनं का कारण है कि यथापूर्वीवत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एक इष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गुया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाय की बायत, उपल अभिनियस के अभीन कार दोने के बन्तरक के सामित्व में कामी कारने वा संससे बचने में सृविधा के सिए; बॉर/वा
- (w) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपान में सुविधा के सिए;

(1) मैनश सरवनन गाडियन अर्जुन राज

(अन्तरक)

(2) श्री एस० रामकृष्णन

(अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए वा सकेंगे।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयूक्त कर्वों और पर्योका, भी उक्त अभिनियम, को अध्याय 20 क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया स्था है।

### नन्स्ची

भूमि कन्निवड़ीमलै गांव, अस्तूर, पलनी (दस्तावेज सं० 1083/83)

> प्रेंम मालिनि बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

बतः अस, उन्तर अधिनियमं की धारा 260-भ के अन्तरण भी, भी, अक्त अधिनियमं की भारा 269-भ की उपभारा (1) अं अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 8 अगस्त 1984

मोहरः

प्रस्प भाव .टी एन .एस .-- -----

# मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1984

निषेण सं० 8/दिसम्बर/83--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-;रुष्ठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं. एस० स० 93/1, 93/2, 93/3, 94/1, 94/2, 95/1, 95/2, 95/3, 96/1, 96/2, 96/3, 97/2, 97/3, 98/1, 98/2 ग्रीर 98/3 है जो कवनुसु गांव, विन्युकल तालुका, मदुर जिला में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप रे विजित हैं), रिजस्ट्रे कर्ता अधिकार के कार्याक्षय सनारपट्ट दस्तावेज स० 1049/83 में भारताय रिजस्ट्रे करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे पह निश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्व ह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक न्य में कथिन नहीं किए। गा है:---

- (स) अन्तरण में हुई निया में।य की बाबत, उक्त प्रक्षित तियम के प्रजीत कर देते के प्रस्तरक के दायिक में कभी करते या उसमे बचने में मुविधा के लिए। भीर/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १३.२ (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया काना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्री ए० वेन्कटेसन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला मोहन श्रीर श्रीमती सान्ता नागराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचनो जारी करके पूर्वेक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उपकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

भूमि एस० सं० 93/1, 93/2, 93/3, 94/1, 94/2, 95/1, 95/2, 95/3, 96/1, 96/2, 96/3, 97/2, 97/3, 98/1, 98/2, 98/3 कूबनुसु गांव, दिन्डुक्कल तालुका, मदुर जिला (बस्तावेज सं० 1049/83)

प्रेम मालिनि वासन सक्षेम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मब्रास

विनांक 8 अगस्त 1984 मोहर: प्रस्प वार्ष . टी. एन. एस.-----

# नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सूचना भारत सुख्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० 12/दिसम्बर/83 — यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिस की सं० विलाम्पट्टा है जो में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में घौर पूणं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय निलव को है दस्तावैज सं० 146/83 में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1983 को

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं कियो गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त जिम्मियम के जभीन कर दोने के जन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के जिए; जोटु/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भून मा बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनिधम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अस्तरिती द्वारा प्रकट मृही किया नया ना या किया जाना चाहिए था सिक्पाने में स्विधा के लिए;

जतः ज्ञान, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधारि :-- (1) श्रामता पुष्पवस्ता

(अन्तरक)

(2) मेसर्स घनलक्ष्मी पेपर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड

(अन्सरिती)

को यह सूचना भारी करके पृत्रोंकत संपरित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫 ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारोच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी को पास निवित में किए था सकोंगे।

स्वकाकरणः - इतमे प्रयुक्त सन्दाँ भीर पदाँ का, भी उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, लो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्वी

भूमी विलाम्पट्टी गांव (दस्तावेज स० 146/83)

प्रेम मालिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, महारू

ि दिनांकः 8 अगस्त 1984 मो**ह**ाः ⊯

प्रकर वाहर ही. एन. एस.-----

(2) श्रीमती वानपेच्ची अम्माल

(1) श्रीमती कामाक्षी

(अन्तरक)

(अन्तरितो)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मब्रास, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० 14/विसम्बर/83--यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रत. से अभिक **है** 

और जिस की सं० एस० सं० 129/8, (वार्ड सं०1) उमरूपूलधट स्ट्रोट है, जो तिरुमंगलम मदूरै जिला में स्थित है और इससे उपाबद्ध अन्सुची में औरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुमंगलम बस्तावेज सं० 3016/83में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983 ·क्षों पूर्वोक्षत संपरित को उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनेका कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरिक्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (**ड**) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को लिए कार्यप्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रांहि भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 4.5 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्कना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

भूमि और निर्माण एस० सं० 129/8, उमरुपुलवट स्ट्रीट तिष्मंगलम मदुरै जिला (दस्तावेज सं० 3016/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

**बतः अद, अवसः विधिनियम** की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियाँ, सर्थात् 🏗---

दिनांक 7 अगस्त 1984 मोहर 🛭

प्ररूप बाई ० टां० एन० एस०

(1) श्री टी. भगवाभवास गलोनी

(अन्तरक)

आयंकोर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शिक्ष की शिक्ष की शिक्ष की समान

(2) श्री एम० सुन्दरम चेट्टियार

(अन्तरितो)

#### भारत चडळाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-! मद्रास,

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेश सं० 22/दिसम्बर/83—-यतः, मुसे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर सं० 15ए है, तथा जो पन्ताड़ी 6वां स्ट्रीट, मदुरें में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर-I, मदुरें दस्तावेज सं० 6701/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1983

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान वितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति संपरित का उचित बाजार मूक्य उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्पन्न के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकोंगे।

करण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, क्रे अध्याय 20-क में परिभाषित है, थही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमि और निर्माण डोर सं० 15-ए, पन्नाडी 6वां स्ट्रीट, महुरै, (दस्तावेज सं० 6701/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I मद्रास

अत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के वनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अभीत् :---

विनोक 8 अगस्त 1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार कायकत (निरोध्धण) अर्गी रेंज- मदास कार्यालय

महास, दिनांक 8 अनस्त 1984

निदेश सं० 23/दिसम्बर/83 -- प्राः, मुझे प्रेम मालिनि बासन, कायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात 'जबल अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्ड 75,000 - रह से अधिक हैं

और जिल की सं० डोए सं० 15-ए, है जो पनताडी 6को स्ट्रीट, मतुरी में स्थित है (और इस उपाबक प्रनृस्धी में औप पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजिट्रीक्ती अधिकारी के कार्यातव, के एउ० आर० I, मतुरी दस्तावेज सं० 6702/83 में रिजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अप्रोन दिसम्बर 1983

को प्वेंक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफम के लिए अप्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का अरण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्तिह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिगा) के बीच एमें अन्तरण के लिए सम पाश गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (10.22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गर्मा से किसी जाना चाहिए भार जिल्हों में सुविधा के निर्मा

अतः जातः, जनः अधिनियमं की धारा १६०-श के अवसर्गः भें औं सकत अधिनियमं की धारा १६०-घ रूपे पृष्णुरा (!) भीता, निम्मिशिका स्वित्तर्थों अधित् अल्ल - 236 भिर्म (1) श्री भगवनदास गोलानो

(अन्तर ह)

(2) श्रीमती श्यामला देवी

(अन्तरिती)

कौ यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. वें भीतर पृत्तीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (अ) अस अध्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितसब्ध
  किसी अन्य प्रक्षित द्वार अधाहस्ताकरी के पास
  पिखिल में किए जा एकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

भूमि और तिर्नाग कोर सं० 15ए, पत्ताढी 6वां स्ट्रीट, महुरै दस्तावेज सं० 6702/83

> प्रेम मालिनि बासन सञ्जम प्रात्रिकारी सहायक आयक्तर भापुका (निरा**क्षण**) अर्जन रेंज-<sup>1</sup> । मद्रास

विकांक: 8 अगस्य 1984

मोहर :

प्रस्य भार<sup>1</sup>.टी.एन.एस. ------ (1) श

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 अर्गस्त 1984

निदेश मं० 39/दिसम्बर/83 —-अनः गृझे, प्रेम मालिनि वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 49) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सध्यति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनको सं० प्लाट सं० 184 (एस०स० 167/1) ह जो के०के० नगर, मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध छनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णि है), रजिष्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय. तस्भाकुलम मदुरै दस्तावेज सं० 5693/83 में रजिष्ट्र करण अधिनयम, 1908(1908 पा 16) के अधान दिसम्बर, 1983

को प्रवेक्त सपीत के उफित बाजार मृत्य सं कम के द्वामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बल्य तमके द्वामान प्रतिफल में, एमें स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तम पाया ग्या प्रतिफल निम्नितियों अदिविध में उपन अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त विधिनियम के अधीन अर की के अन्तरक अ वायित्व में कमी करने या तससे बजने में सुविधा के सिए, और/या
- ं(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों नारतीय लाय कर उने हैं है । 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनियम, या धन अप अधिनियम । १०३७ (1947 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था. छिपाने में मिष्णा के लिए;

अत: अब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मी, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रांटा० अन्नामलै

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पेतल आच्ची

(अन्तर्रितीः)

को यह सूचना जारी करके पृथाकत सम्पत्ति के अर्थन के शिए कायनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में खोड़ भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वीकत स्थावल्या में ग किसी व्यक्ति सूवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकैये।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त स्पिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया वदा हैं।

#### नन्स्ची

भूमि प्लाट सं० 484 (एस०सं० 167/1) के०के० नगर, मदुरै टौन---(दस्तावेज सं० 5695/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तार खा: 8-8-1984

मोहर:

प्रकप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेण सं० 48/दिसम्बर/83 ---अतः मुझे, प्रेम मालिनि-वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जित्रका सं० भूमि श्रौर निर्माण, है, जो तिरुनेलवलो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रकारी अधिकार। के कार्यालय, तिरुनेलवेजः—I दस्तावेज सं० 2190/83 में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधन 16 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारितयों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निष्ति में वास्तिक रूग से किथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अंधरण स हुइं किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने मा सुनिया के लिए; और/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्यारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) पैक्य नेस्हडेस्बर्ध

(अन्तरकः)

(2) था मन्तिर मूर्ती

(अन्तरितोः)

को अह मुचन जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्जनीह्या करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वितयों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ध) हम भुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हिन्बस्थ रिजमी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास निभिन्न में किए जा सकेंगे।

समध्दीकरण: ---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत आधिनयम के अन्याय 20-क का परिभागिक हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

## अनुसुची

भूषि प्रोप निर्माग 20, अभ्मण सन्नतोनेरू, पालयनकोई (दर्जावेज सं० 2190/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-I, महा

तारंख: 8-8-84

मोहर :

प्रकप नाइ . टी . एन . एस . -----

## नायकर कथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को नथीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मत्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेश सं० 62/विसम्बर/83—अतः मुझ, प्रम मालिनि वासनः

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पण्णात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. संअधिक है

ग्रीर जितको सं० एस०सं० 28/2, कोमारसाम पट्टी गांव, सेलम ग्रीप एम० सं० 26/10, है, जो पेरियेटी गांव सेलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वित्त है), रिजस्ट्राक्षती अधिकार के कार्यालय, जे०एस०आर० सेलम दस्तायेज सं० 2513/83 में रिजस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधन दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास अरन का कारण है कि यथापृशंकत सम्परित का उचित बाजार भृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरित्तिमों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-कास, निम्मिनिकित उद्योख से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक्क कप से काशित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, स्वक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया नवा था के किया जाना वाहिए था कियाने के सृषिका के लिए;

बतः बाधे, उक्त बीधीनयम की धारा 269-म के बन्सरक माँ, माँ, उक्त बाधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रां के० सुब्बरायन

(अन्तरकः)

(2) श्री पीठ जिल्लीर कुमार ग्रीप अन्य।

(अन्तरितः)

को यह सूचना चारौ करके पृथानित सम्परित के वर्णन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास क्षित्रत में किए जा सकागे।

स्थव्यक्तिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ शोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

भूमी एस०सँ० 28/2 कोमारसाम पट्टी गांव, सेलम ग्रौर एस०सँ० 26/10, पेरियेटो गांव, सेलम—स्स्रावेज सं० 2513/83।

प्रेम मालिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

तारत्वः 8-8-1984

मोहर :

प्रकप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुवत (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-J, मद्रास

मद्रास, विनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० 64/दिसम्बर/83 ---अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जितका सं० एस०सं० 186/4, 185/2, 186/6 श्रौर 185/3 काकावेरा गांव, है, जो रासपुरम तालुका सेलम जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राज्यों अधितारा के कार्यालय, रासपुरम वस्तावेज सं० 2528/83 में रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिसम्बर, 1983

की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रातफल के लिए अन्तरित का गई है आर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि संभाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके रहयमान प्रतिफल से, एस रहयमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत स आधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलीसत उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिसित में नास्ताकक कृष स कांभत नहां किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्स अधि-अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसस बचने में सुविभा कोलए; और्/या
- (क) एंसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अबं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीकृतिकत व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रामता मारियम्माल घौर श्रामता पृष्पा मेरा।

(अन्तरका)

(2) श्री आर० पोन्न्स्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेतित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उनत सम्पन्ति के अर्जन के सबच ग काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बली व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों मों स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधाहम्ताक्षरी के पास तिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयान्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## जन्मची

भूमि एस०सं० 106/4, 185/2, 186/6 श्रांर 185/3, काकाबेरा गांत्र, रासापुरम तालुका, सेलम जिला (दस्तावेज सं० 2528/83)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर क्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तार खाः 8−8−1984

मोहर 🕄

प्रकृप बार्च', दी. एम. एख.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्र (1) के अधीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 8 अगस्तः 1984

निदेश मं० 75/दिसम्बर/83—-अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जित्रका सं० मोहनूर रोड है, जो नामक्यल टाउन, सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनपूरी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्र क्सी अधिगाच के वार्यालय, जे०एस० आर०-I नामक्यल दस्तावेज सं० 999/83 में रजिस्ट्र वरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अध न दिसम्बर, 1983 को पूर्वीक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए श्रेतिरत की गई है और मृभे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उभके इध्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरभ (अन्तरितया) के वीच एस अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दर्श से उक्त अन्तरण तिमन में यान्त्रिक क्ष्य से स्थापन नहीं किया गया है रन्त्र

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्स काधान्यस के अधान कर दान के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-के शाधानयम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिय था, अध्याने में सविधा के सिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रः के० मुस्स्वामो श्रौर भन्य ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती सिन्नम्माल ।

(अन्तरिर्ता)

को यह स्चना जारी करके प्रयोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वीकत उक्त स्थावर सम्पित में हितवद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूची

भूमि मोहन्ए रोड, नामक्छल टोन, मेलम जिला, (दस्तावेज मं० 999/83)।

> प्रेम मालिन वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षणी) अर्जनरेंज-I, अदास

तार खि: 8−8−1984

मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एस. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961** (1961 का 43) **की धारा** 269-अ (1) के अधीर सूचना

भारत मध्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्माक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० 82/दिसम्बर/83 —-अतः मुझे, प्रेम मः लिन्धि वासन,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति' जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिन्नको सं० भूमि, है जो नावणहुँ गांव, मेहर नालुका में स्थित है (स्रीर इनके उत्ताबद्ध अनुन्ती में स्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रिजिल्ट कर्ता अधिकार के तर्गातय, मेहर दस्ताकेज सं० 1415/83 में रिजिल्ट करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिसम्बर, 1983

1908 (1908 का 16) के अधान दिसम्बर, 1983
को प्रवेकित सम्मत्ति के उचित बाजान स्ट्रा में काम के स्व्यमान
परिकल के लिए जलानित की गई हैं और माने यह विश्वास
करने का कारण है कि अभागांत सम्बत्ति का लिए। बानार लय,
इसके दश्यमान प्रतिकृत न एने इक्ष्यति क्षांत्रक का पंद्रह्
प्रतिशत से अधिक ही और अग्नुएक (अन्तरकों) स्रोट प्रमारिती (अन्तरितिश्रों) है ते ए एवं प्रतिकृत के स्वरण वाषा गया प्रतिकृत, निष्कितिका बहेग्य से उनन अन्तरण सिक्षित में बास्तिन स्था । अधिक भी कि ए ए हैं दिन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (क) एसी किथी आय या िसी पत मा अन्त्र आस्तियों की, जिल्ही भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या निरा किथीनयम, या अन्तर अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, १०३७ (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नर्थात (1) श्व∴ राजेन्द्रन और अन्य।

(अन्तारक)

(2) श्राः के०आए० सिन्गारवेतु ।

(अन्दर्शिक्षी)

को यह सूचना जारां .करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन का तना कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भी कोई आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स से 45** दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिएन में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भगुस्ची

भूमि, नायप्पट्टी गांव, मेट्टूर तालुका, (वस्तावेज सं० 1415/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रिंत, मद्रास

तारीख: 8-8-1984

मोहार 🎨

प्रकल आहुर, टी, एत. एस. ५ ८ ४ ४००४

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1984

निवेण सं० 84/विसम्बर/83 — अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर मग्गति, जिसका उण्जित याजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जितको सं नामागिरिप्पेट्टै है, जो गांव रासीपुरम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रजिस्ट्र कर्ता अक्षिक र के रापित्रम, सेलप-1, दस्तावेज सं 2616/83 में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्द हैं और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त स्वान्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिवाल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्योष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण स हुई किसी आय श्री बाबत उक्त क्रिंचिनियम के अश्रीन कर दोने के अस्तरक के द्राधित्व में कमी अरने या उससे वचने में सुविधा के लिए; क्रीर/शा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया अना चाहिए था छिपानं में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिक्तिक व्यक्तिसमें, अधीन :--- (1) श्रा मुनुस्वामी पिल्लै भ्रीप अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्रोः आर० रवोन्द्रन ग्रांद अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पृत्रोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतन पूर्वोक्त व्यक्तिया में स किमी त्योक्त स्वार,
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनव्यस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुस्ची

भूमि नामगिरिष्पेट्टै गांव, सेलम जिला, (वस्तावेश संव 2616/83)।

> प्रेम मालिनी घासन सक्षम प्राधिकारी सब्रायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-I, मब्रास ।

तार्चाः 9-8-1984

मोहर 🖫

मुक्य बार्ड दी. एवं. एवं .------

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को बुधीन सुब्ता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मब्रास; दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० 88/विसम्बर/83 — अतः मुक्री, प्रेम मालिनि वासनः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-च के वधीन सकान प्राधिकारों को यह विश्वास करने का काइन हैं कि स्थान्द सम्मदि, जिन्दका नीज़ वाचार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० एस०सं० 47/1—बी—3, भीर 47/2—ए अभवामप्पट्टी है, जो सेलम टाउन में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जें०एस०आर०—I, सेलम, वस्तावेज सं० 2675/83 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेशो से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबता, उक्त जिथिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) की अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत :——

(1) श्री तिरूपती चेट्टियार श्रौर अन्य।

(अन्तरक)

\*(2) श्री टी० वरदराज चेट्टियार

(अन्तरिर्ता)

का यह सूचना जारी करके प्वांक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध कोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ज़न्तु दूरी

भूमि एस०सं० 47/1-जं-3 श्रीर 47/2-ए, अन्नदान-पट्टो, सेलम, (दस्तावेश सं० 2675/83) ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 8-8-1984

मोहर:

प्ररूप आहें टी. एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० 90/दिसम्बर/83 — अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन ।

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० सं० 227, 230/2 ग्रौर 226/1-ए, कोमारस्वामा पट्टागांव है, जो सेलम तालुका सेलम जिला में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जें०एस०आर०-1, सेलम दस्तावेज सं० 3012/83 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिसम्बर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गर्ड है और मझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल धे बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए. जाँर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम ना घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जन्सरण के, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री आर॰ पेरियसामी।

(अन्तरक)

(2) श्रो आर० देवास एम० डी० ग्रौर श्री आर० अमरनाथ, डायरेक्टर, भेसर्स सेवराय प्लान्टर्स, काफी क्यूरिना ग्रोरक्स, लिमिटेड।

(अन्तरिती)

क्यों यह सचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

## मनुसूची

भूमि एस० सं० 227, 226/ए भ्रीर 230/2, कोमार-स्वामीपट्टी गाँव, सेलम तालुका, सेलम जिला (दस्तावेज सं० 3012/83)

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 म्बहमदाबाद

तारीख: 8-8-1984

मोहर 🕄

प्रकम आइ". टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनोक 8 अगस्त 1984

निवेश सं० 94/विसम्बर/83 — अतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन ।

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० एस०सं० 79/3-ए, ग्रौर 79/5, नडफल्लां। नामक्कल तालुका, है, जो सेलम जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रें। कर्ता अधिकारा के कार्यालय, कुमारपालयम, (सेलम जिला), दस्तावेज सं० 2638/83 में भारताय रहजस्ट्रोकरण अधि-नियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्यंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया बातिफल, निम्निलिखत उद्विधों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाक्त, उत्तः जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविधा ची लिए;

जतः जब, उस्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रां रामस्वामा श्रौर अन्यों।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पोन्नो इडगर्स अन्ड, केमिकल्स लिमिटेड।

(अन्तरितो)

को यह सृचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इसं सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकक्षध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## प्रनुसुची

भूमी एस०सं० 79/3-ए श्रीर 79/5, नडपल्ली गांव, सेलम जिला (दस्तावेज सं० 2638/83)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) प्रार्जन रेंज, मन्नास

तारीख: 8-8-1984

मोहर:

प्ररूप भार्दै . टी . एन . एस न् लन्डन्डन्डन्डन्ड

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1 महास

मधास दिनांक 8 भ्रगस्त 1984

निवेश सं० 113/विसम्बर /83---यंतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रत. स अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० एस०सं० 315/3, 315/5 314/7 पूजा
एडेयर मेल मुगम गांव हैं जो नाकृष्यल तालुका सेलम जिला
में स्थित है (श्रीर इससे उपबाद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से बिणत
है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीवकारी के कार्यालय बेलूर (सेलम)
वस्तावेज सं० 3368/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम
1908 (198 का 16) के श्रधीन विसम्बर, 1983
को एकॉबत सम्परित के उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान
श्रीतफन के लिए जन्तरित की गृह है बीर मुक्ते यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मृन्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नसिन्नत उन्दर्भ से उन्त अन्तरण सिन्नत में बास्तिक
स्प से कथित नहीं किया वया है 5—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की भागत, उन्सर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविभा के निए।

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नस्थित व्यक्तियों, बर्धास् हम्म- (1) श्री के० मुख्येसन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० बीरप्पन

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रींक्स संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी अयक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त अयक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

## अनुसूची

भूमि एस० सं० 315/2 315/5 म्रीर 314/7 पुंजा एउँयर मेल मुंगम गांव नामक्कल तालुका सेलम जिला (दस्तावेज सं० 3368/83)

> प्रेम मालिनी घासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 मद्रास

विनाक : 8-8-84

मोहर:

प्रक्रम् बाइ , टी. एन्. एस. ----

कातकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुन्ता

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 मद्रास

मब्रास दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निदेश सं० 127 श्रीर 128/विसम्बर /83--यतः मुझे श्रेम मालिनी वासन

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृन्य 25,000/-रा से अधिक हैं

25,000/-रः से अधिक हैं

शौर जिसकी सं एस एएं 440 तुरेयर रोड़ नामक्कल टौन
है जो सेलम जिला में स्थित है (शौर इससे उपायद्ध अनुसूची
में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय जे ० एस ० श्रार । नामक्कल दरस्तावेज सं ०
1957 और 1958/83 में धारतोय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983
को पूर्वोंक्स संपृत्त के उपित बाजार मूल्य से कम के अस्पमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुफे यह निकास
करने का कारण है कि स्थाप्यांक्त सम्पृत्ति का उपित बाजार
मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिषति से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उस्वरेष्ट से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी शाय मा किसी धन या अन्त शास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्वत श्रीभिनयम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जना जातिए था किया वें सुविधा के तिए;

(1) श्री अवबर श्रहमद श्रौर तीन अन्य

(श्रन्तरक)

(2) श्री पर्लानस्यामी ग्रीर श्रीमती नश्रम्माल

(ग्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, खां बी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ण) इस सूज्ना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन के भीतर उच्य स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति प्रवास, अधाहस्याक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थाधिकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो उन्ति विष्या विश्वित में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में विषय भूमा है।

#### **अम्**स्ची

भूमि एस ° सं० 440 तुर्रयूर रोड़ नामकाल टीन सेलम जिला (दस्तावेज सं० 1957 ग्रीर 1958/83)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायेक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1 महास

बतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः :----

विनांक :- 7-8-84 मोहर !! प्रकृष बार्षः टी. एन. एस. \*\*\*\*

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के ब्रांशिन स्वना

#### भारत सहस्रार

(कार्यासन, सहायक नायकर नायुक्त (निहासन) प्रजन रेंज-1 महास

मद्रास; विनोक 8 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० 129 /दिसम्बर/83—यतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि श्रावित्यर मेलगुगम गांव नामकल है जो तालुका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय डडप्पाडी दस्तावेज सं० 1338/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण मिचित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) वृत्यरण से हुई किसी बाब की बाबत, सकत भक्तिनयम के श्रद्धीन कर देने के भन्तरक के बाबित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा में किए; मीट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा से किए।

कतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पेरुमाल और अन्यों

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कालियप्पन श्रौर ग्रन्य

(ग्रन्सरिती)

का यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकर्ग।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ववृत्त्वी

भूमि प्रावितपट मेलमुगम गांवः इडप्पाश्रीः नामवकल तालुका

(दस्तावेज सं० 1338/83)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज—1ं मब्रास

विनांक :- 8-8-84

मोहर:--

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, गहायक जागवार आग्क्त (गिरीक्षण) स्रजैन रेंज-1 मदास

मब्रास, दिनांक 8 ब्रगस्त 1984 निदेश सं० 136/दिसम्बर/73—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, शिभका विश्व बाजार मृत्य 25.000/- 5. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एस० सं० 53/1 सी तातकपट्टी गांव सेलम हैं जो में स्थित हैं (भीर इससे उपावस प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तातकपट्टी दस्तावेज सं० 3791/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्ह वाजार मूल्य में जा। के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह निज्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिषत से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त शीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विका के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय दा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री एन० वरदराजु

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० सेन्गोड गीन्डर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवि तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्ययित द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**-**(नुसुची

भूमि एस० सं० 53/1-सी तातकपट्टी गांव सेलम (दस्तावेज सं० 3791/83)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 मद्रास

दिनांक :-- 8--8--84

मोहर :-

## प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सङ्घायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 8 भगस्त 1984

निदेश सं० 137/दिसम्बर 83--यत, मुझे, प्रेम मालिनि वासन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत, से अभिक ही श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 417/12 एश्रमपालयम गांव सेलम तालुका, सेलम जिला है जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांगत है) राजस्ट्रीकर्ता म्राधिकारी के कार्यालय ताडगपट्टी वस्तावेज सं० 3798/83 श्रीर 3799/83 में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्राधनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्गत बन्तरण 🌯 लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) ब्रस्तरण ते हुई किसी बाग की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सूबिका के लिए;

(1) एम० वैर्स्यालन्गम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० सेर्गागरी श्रीर टी० पी० रामनाथन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यका हिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45' दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि एस॰ सं॰ 417/12 एरमपालयम गांव, सेलम तालुका, सेलम जिला (दस्तावेज सं॰ 3798/83 और 3799/83)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज~1, मद्रास

कराः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् प्र—

दिनांक :- 8-8-84

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस., -----

नायकर न्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के स्थीन स्थ्ना

#### भारत तरकार

## कायसिय, सञ्चामक भावकर भाग्नर (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनोक 8 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 423/84-85---यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट है, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उगावछ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-कन् विम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण निधित में बास्तविक क्ष्म से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) न्याउन ते हुए किसी नाम्की नावत, अन्यः अधिनियम् के नृथीन् कार दीने के अन्यारक के दादित्व में क्रांती कहने ना उत्तरे द्वाने में सुनिया के सिष्टः बहिर्/सा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य भारितयों की, चिन्हें भारतीय नाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा बन-कर अधिनियम, बा बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए गा, छिपाने में सुविधा खे किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अवृत्रक्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---8---236 GU84 (1) श्रीमती यस० श्रेमलता, 95-ई, पाकंनेन, सिकदराबाद ।

(ग्रन्तरक),

(2) श्रीमती रीना गन,
 1-10-38/ए/10,
 पर्लंट नं० 10,
 अपर्णा अपार्टमेंट्स, बेगमपेट,
 हैदराबाद, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इदारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त धन्यों बीर पदों का, वो उक्क विधिनयम, के बध्याय 20-क में प्रिशाविक् ही, वहीं नर्थ होगा वो उस बध्याय में दिवा गमा ही।

#### नगसची

पर्लंट नं० 10 श्रर्पणा श्रपार्टमेंट्स, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1820 चौ० फूट, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3578/83, राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी बल्लभनगर, ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

दनांक :- 8-8-84 मोहर ।: प्ररूप बाई .टी .एन .एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984 निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नै० 424/84-85—यत:, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति 'जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रौर' जिसकी सं० दूंकान नं० 16 है जो कान्ना काम्प्लेवस, मिकंदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिकंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कृर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनयम अन्यास्तियों इकार प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था छिपार में सुविधा है लिए,

अत अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ने, मैं, तका अधिनियम की क्षार 269-ध की लपधारा (1) जर्मन कि नीविषत व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री भी. श्रीनिवासा रेड्डी, कोंडापूर, गनपूर तालूक, जिला वरंगल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी॰ मनियम्मा, 6-1-290, पदमारावनगर, सिकंदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिति के अर्जन के जिए कायजा हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से िक सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के नीतर उक्त स्थादर सर्पाद्ध मा हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के शम किसन में किए जा सक्ती।

स्यष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्य

दुकान नं 16, कान्ना कामप्लेक्स, रानीगंज, सिकंदराबाद, विस्तीर्ण 234 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 558/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकंदराबाद;

एम० जेंगन मोहन, हैं, सक्षम स्रिधकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद,

दिनांक :-8-8-84 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 260 ए (१) अधिन सुभना

#### भारत सारकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 425/84-85--यत:, मुझे, एस० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कीहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० भूमि है, जो क्कटपल्ली, रंगारेड्डी — जिला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और गन्तिरती (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पान गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंत्रण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण वं शुर्ष किसी बाद की वासत पक्त अधि-ज़िस्स के सभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिभिन्यम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बन्दिती इकाय प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसिस व्यक्तिया, अर्थास् ६—

(1) मैससं ॐ ग्यनगर को-ग्रापरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, बाई श्री ए० एस० राजू, बिटलवाडी, हैदराबाद,
2. मैसर्म ग्रड्डागूटट को-श्रापरेटिव हाऊसींग सोसायटी लिमिटेड, बाई श्री बि० दोमोधर,
3~4~132/4,1 बरकतपूरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) एच एम० टी० एम्।लाइज को-आपरटिव होऊसिग बिल्डींग सोसायटी लिमिटेड, श्री एच० बी० लिगन्ना, एच० एम० टी हाऊस, एच० एम० टी कालोनी, हैदराबाद।।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्मन्ध में कांद्र भी आक्षेप 🗻

- (क) इस भूधना के राजपत्र मा प्रभावन को ताराख साथ के विन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी त्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिदबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्सुची

भूमि विस्तीर्ण 1, 14,000 चौ० गज, कूकटपहली यस नं० 148, 158 159, 160 श्रौर 161, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9715 श्रौर 9057/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद,

विनाक :- 13-8-84 मोहर :-

## प्रकृत आर्च , हरी , प्रकृत , प्रकृत नामान

भारत 269-म (1) को नधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० म्नार० ये० सी० नं० 426/84-85-पतः मुझे, एम० जेंगन मोहन,

आयकरं अभिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रशातः 'उसते अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रमुस्त्री में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोजन सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, धक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्त्रीवधा के लिए; जॉड/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय अग्रयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए!

जतः वतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, अधीत हिन्स (1) डा॰ हैदरम्राली खजानी,
 5~8~505, चीराग भ्रली लेन,
 हैदराबाद,

(मन्तरक)

(2) श्री व्ही कनका राजू पिता व्ही यस० कृष्णामूर्ती, घर नं० 5-8-505, चीराग ग्रासी लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हु<sup>+</sup>।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पर्धक्रिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## **धनुसूची**

प्राऊंड फ्लोर, घर मं० 5-8-505, चीरांग म्राली लेन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 700 ची० फूट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6374/83 रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक भागकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज, हैदराबाद

विनोक :- 13-8-84

मोहर:--

## प्रकृत नार्षात द्वी , एक् एक -----

नाथकर मिर्गिनस्म, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-व (1) के नभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक (निरक्षिण) प्रार्थन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 13 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० ने० 427/84-85--यतः, मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो गचीबावली, हैदराबाद स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है ), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रंगारेडी—जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए बन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के बन्दारक अं बाबित्य में क्यी कड़ने वा उत्तत बचने में सृविधा के निए: जोड़/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जान्तियों की पिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत ह— (1) श्री बी० वेंकटनारायणा श्रौर श्रन्य, गची—बावली, रंगारेडडी—जिला, हैदराबाद ।

(भन्तरक)

(2) डा० श्रीमती मीरा पति सोमेंप्रनाथ, 4 ग्रार० टी, बरकतपूरा, हैवराबाद ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूच्या बादी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुई [1]

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्षीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा जो उस क्ष्याय में दिया एका हैं।

#### जनसन्ती

भूमि, विस्तीर्णे 2 एकड़ 22 गूठे, गची बावली, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8833/83, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, रंगारेड्डी——जिला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :- 13-8-84 मोहर :- प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सञ्चयक वायकर वायुक्त (दिव्यक्तिक) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 13 ध्रगस्त 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो ग्रन्नाराम नरसापुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वरसापूर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 19 दिसम्बर 1983

को पूर्वीक्स सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अद्धारित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और जतरक (अन्तरका) और कन्तरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निविद्य में वास्तुविक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कर्षी वा उन्नते वचने में सुविधा के दिलए। बाँडः/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एम० सायलू और रामलू, पिता राजय्या, श्रन्नाराम, 2. श्री एम शकरय्या, ग्रीर ग्रन्य, ग्रन्नाराम

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स क्वेलन डाइज भीर फाइन क्लाक प्रा० लि० 31-बि, वेगलराव नगर, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को मह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड 23 गूठें, अन्नारामधिलेज, नरसापूर तालूक, मेदक जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2534 और 2538/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नरसापूर ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक :- 13-8-84 मोहर :-

## त्रक्ष वार्षः टी. एतः एषः,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

#### ब्राउव दरकार

कायौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 429/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो मेडचेल विलेज, रंगारेडडी जिला

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो मेडचेल विलेज, रंगारेडडी जिला में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मेडचेल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिलांक 12 दिसम्बर 1983

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृन्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृन्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रायित्व में कमी करने या उससे बजने में स्विधा के सिए; और/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना भाहिए था कियाने से सुविधा के लिए

नतः भव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नसिनित स्यक्तियों, क्यांत क्या (1) श्री प्रेमिकणन प्रसाद ग्रौर श्रन्य,
 3-6-846 हारडीकर बाग,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चीका इडस्ट्रीज, बाई श्रीमती के० श्रंजली, श्रीर श्रीमती बि० राजम्मा, 6-1-84/5, सइफाबाद, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचन। थारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बर्मास के अवंग के सम्बन्ध में काई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकी

स्पष्टीकरणः — इसम प्रयूक्त शब्दा आर पदा का. जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिमा गया हैं।

## अनुसूची

भूमि, विस्तीर्ण 10 एकड, 9 गूठे, मेडचेल विलेज तालका, रंगारेड्धी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6082, 6081, 6080 श्रीर 6151/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी सेडचेल ।

ण्म व जोगन मोहन, सक्षम ग्रक्षिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक :- 13-8-84 मोहुर ध

## प्रकृष वाद् . दी . इन . एत . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) में अधीन सुवना

#### पारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13अगस्त 1984

निदेश मं० आए० ए० सी० न ०430/84-85--यत: मुझे एम० जोगन मोहन

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि है, जो नरमापुर मेदक जिला में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यालय, नरसाभूण, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त विश्वित्यम् के वृथीन कर दोने के वृन्तरण के वायित्य में कभी करने वा खब्बे वसने में सुविधा के विष्; क्षीर््वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हुं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्त्रीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपाने में स्विका के किया के किया

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री आर० **गेशा** राव और अन्य, नस्तावाली क्लिज नरप्रापूर धाल्क जिला मेदक,

(अन्तरक)

(2) मैं सर्म कसीला फार्मस प्रा० लि० वाई एम० डी० श्री विताक्द्दीन शेक इमाम, गिला मोडकुद्दीन शेक इसाम, मलक्षेट, हैदशकाद,

(अन्तरिती)

को यह सुज्ञा जारी करके पृत्रों वत सम्परित के क्षत्रंत्र के लिए कार्यवाहिस्सं करता हूं।

## क्ष्मत् कुम्पतित् के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपूज में मुकाशन की तारी है के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षकों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्दर्य

भूमि, विस्तीर्ण 67--05, एकड़, नरसापूर, तालूक, मेदक जिला, रुजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2565/83,रजिस्ट्रीकर्का अधि-कारी नरसापूर ।

> णमः नेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक स्त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, हैंदराबाद ।

दिन्थाः 13₽8-84

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं. टी. एन. एइ. ------

नगरकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन मुम्ना

#### भारत सरकार

कार्याच्या, सहायक भायकार मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13अगस्त 1984

निदेश सँ० अ१२० ए० सी० नं० 431/84-55-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त व्यक्तिगम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका स्वित वाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि, है जो बोलारम स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसापूर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 विसम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रव्यमान प्रतिफल से, एसे श्रव्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य शास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिणाने में स्विधा खें लिए;

(1) श्रोमती एम० लेता पति बाबू राव,
 1-8-677/13, नल्लाकूटां,
 हैदराबाद ।

(अन्तर्भ)

(2) मैसर्स क्रीअर्स एन्ड केंट्रेनरस प्रा० लि० बाई डायरेक्टर श्री के० व्ही रामना रेड्डी 1-2-29, गगन महल रोड, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जॉ भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (छ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पद्धतिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उभन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस उध्याय में दिया गया है।

## नग्स्पी

भूमि, विस्तीर्ण 1 एकड़, एस नं० 174 और 176 बोलारम, रजिस्ट्रीशृत लिबख नं० 2446/83 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नरसापुर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नतः सन, उस्त निधिनियम, की भारा 269-ग की अनुसरण मं, मं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थितियों, अर्थात् :---9---236 GI/84

विनोक : 13-8-84

मोहर

धक्ष भाषा .टा .एव एस .-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

## क्षाउन् ब्राज्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 432/84 85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य, 25,000/-रु. से अधिक है

जीर जिलकी सं काट है, जो आदर्शनगर हैदशबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रकर्ता अधिजारों के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीबरण अधिनियम 1908 (1908 है। 16) के अधीन दिनांक 19 दिसम्बर 1963

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए बंतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफल निम्निकित उद्देश्य में अक्त अन्तरण लिमित में शम्मिं अस्प से किथान नहीं किया गया हैं:--

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कनी करने या उससे अचने में सुविधा के चिता, और /शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थिया की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192% .1972 की 11) या रक्त गींधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जातित था. कियान क्षें

(1) श्रीमती बि० सराजा देवी8-2-42 रोड नं० 5बंजारा हीलसहैदराबाद

(अन्तरक)

(1) श्रीमती टी० परीमला अनद घर नं० 40. आर्दशनगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को अह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे, अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित का जिल्हों में से किसी क्यक्ति ब्वारा
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए वा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बद्धे और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, शही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनस्थी

भूमि विस्तीर्ण 932.8 चो० गज अदर्शनगर हैदराबाद रिजस्ट्रो हत विलेख नं० 6670/83 रिजस्ट्रोक्स अधिकारी हैदाबाद।

एम० जेगन माहन सक्षम अधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीरा निमालिखित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनांक : 13-8-64

मोहर 🥲

प्ररूप आहूँ. टी. एन्. एस. ------

नायकर मिपीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत **संरकार** 

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984 निदेश सं० आर० ये० स ० नं० 433/84-85--- यतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि हैं, जो नम्सापूर, मेदम में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नरसापूर, में भारती रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के कथीन दिनांक 19 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत, उनत विधिनयन को अभीत कार दोने के अन्तरक के बार्टियल में कभी कर्म या उससे बचने में स्विधा के सिए; मीट्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के मिए;

अतः, अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती यस० राधा तथा अन्य, अगोक नगर, रामचंद्रापूरम, मेवन जिला।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स रासी सांघेटीक्स, और को में क्लंस, लि०
 1,10-1/15,
 असोक नगर,
 हैदाराबाद।

(अन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि को मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्यं किसी अन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## ननुसुची

भूमि, विस्तीर्ण, 72-09, एगड़ नरसापूर, मेदक जिला रिजस्ट्री न विलेख नं० 424, 425 426, 427, 428 और 429, 83 रिगस्ट्री ति अधिकारी नरसापूर

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

विनोक : 13-8-84

मोहर :

## प्रकृप बाह् , दी, एन्, एत्,------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के स्थीन धूचना

## भारत सरकाड

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1984 निवेग सं० श्रार० ये० सी० नं० 434/83-84--यतः युक्को, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो कोटेधाम विलेज, रंगा रेड्डी जिला, मैं स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कस्यालय, रंगारेडडी जिला में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित को जियत काजार मूच्य से कम के क्ष्यमान वितिमस के सिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूच्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिक का मिम्निसिच्च उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निचित में अस्तिक रूप ने किथत नहीं किया ग्या है दिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब , उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्भात्:-- (1) श्री मीर्झा धनसार घहमद श्रीर घन्य, मूबारक गूलशन, मीर लाम टैन्क, हैदराबाद,

(ग्रन्तरक)

(2) अंजूमन ये उस्मानिया एजुनेशनल एसोसिएशम बाई अध्यक्ष श्री मोहम्द हमीद्दीन, अन्बील, 22-6-785, उस्मानिया मंझील, पंजेशहा, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्साक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## मन्त्र्यी

मूमि विस्तीर्ण 11-16 एकड़ कोटेधाम विलेज राजेंद्र-नगर तालूक, रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 592/ 83 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी रंगारेडडी जिला ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक :- 13-8-1984

मोहर:

## भ्रमप् नार्दः, टी., एन्,, एच्.,------

नायकर मुभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचन;

#### नारत दरकाड

कार्यालय, सहायक प्रायक्तर प्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 435/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से मुध्यिक हैं

श्रीर जिसकी सं० शाप है, जो पाशा नेम्बर्स, हंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपबाद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य है कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पामा गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ऑध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; बॉर/बा
- (प) एसी किसी बाय या किसी भग या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधनियम, या भन-कर विधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती ब्वारा प्रकट नहीं किए गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः सन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्त्रिण व्यक्तियों, अधीत हुल्ल (1) श्री ग्रसादूल्लाह पाणा, 6-3-680 पंजागृदूटा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक),

(2) श्री टी० ध्रणोक ,
 टी० कृष्णा,
 6-1-277/1, पद्मारावनेगर,
 सिकंदराबाद.

(भन्तरिती)

को यह नुमना चाड़ी करके पृत्रांक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप: ल

- (क) इब सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इद सूचना के राज्यक के प्रकाशन की तारीच के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कम्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नन्त्रवा

दूकान नं० ए, पाणाचेम्बर्स जे० एन० रोड, हैदराबाद, विस्तीर्ण  $318\frac{1}{6}$ , चौफुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6685/83 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्साबाद

विनांक : 13-8-84

मोहर 🖫

प्ररूप गाई. टी. एत. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के जभीन स्पना

## भारत सुरुकाडु

क्क्षयांलय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) भार्जन रेंज, हैवराबाव

हैवराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984 निदेश सं० ग्रार० थे० सी० नं० 436/84-85--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1/30 थ शेर है, जो 4-1-971 से 974 श्राबडस्, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपबाद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तिवों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० हार्षवर्धन रेड्डी, मैसर्स सीवा हार्षा होटलस, प्रा० लि०, 4-1-971, द्रीवेनी काम्प्लेकस, ध्रबिदस हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री औ० के० गोखले मार्फत शिवा हार्षा होटलस, प्रा० लि०, 4-1-971 से 974, श्रीवेनि काम्प्लेक्स ग्राविदस हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मी कोई भी शाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की समित्र या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की समित्र, यो भी समित्र वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण हि—इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष छोगा जो उस अध्याय में विया नया हैं.!

## नग्स्की

1/40य भाग, 9000 चौ० गज प्रेमीशेन नं० 4-1-971 से 974 ग्रबिदस, हैदराबाद, रिज $\cdot$ स्ट्रीकृत विलेख नं० 6579 83 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाव

दिनांक : 13 – 8 – 84

मोहर:

प्ररूप वाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 प्रगस्त 1984

निदेश सै० श्रार० ये० सी० नं० 437/84-85-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं घर है, जो आंशोकनगर, यक्स्टेनशन, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इक्से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण
रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय,
जीवकडपल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रष्ठीन दिनांक 19 दिसम्बर 1983
को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान
श्रिकल के लिए अंतरित की गई है और स्फे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का अधित बाजार
म्ल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान श्रिकल का
जन्द्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरिप्रयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अप्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ऊं अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन, ह—- (1) श्री जी० जवाहरलाल नेहरू 1-1-380/27/4, श्राणोकनगर यक्सटेनणन, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रेपाका रियय्या पिता नारायणा (लेट) 1-1-380/27/4, द्याशोकनगर श्रक्सटेनशन हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाण होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में दिये था सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गुर्मा है।

#### अनुसूची

धर संपती बिरंग नं० 1-1-380/27/4, श्रौर 4ए, श्राणोकनगर, अक्संटेनणन, हैदराबाद, विस्तीर्ण 200 चौ० गज, भूमि श्रौर 3690 चौ० फुट प्लीथ एरीया रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 954/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी चाम्कउप्पती।

एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक :-- 13-8-84

मोहार ट

## प्रकर बाइं. टी. एवं. एसं. -----

## अग्रेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यात्तव, सहावक जायकर आयुक्त (निरीक्षक) प्रजीन रेंज, हैदरबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 438/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1/30 थ, शेर इन है, जो 4-1, 971 से 974 आबिदस हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 दिसम्बर 1983

को प्वोंक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रजिशत से अधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तया पामा प्रति-फल निम्नलिखित उव्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाद की शायक, वयत् अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक से शायित्य में कमी करने मा बससे अधने में सुविधा के सिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने ये स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपयास (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्रो पी० हार्षवर्धन रेड्डी, मैसर्स शिवा हार्षा होटेलस्, प्रा० लि०, 4-1-971, तीवेनी काम्पलेक्स, ग्रांबदस, हैंदराबाव,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० धार० गोपाल कृष्ण रेड्डी प्लाट नं० 4, रोड़ नं० 12, बंजारा हीलस, हैदराबाद ।

(अन्सरिर्तः)

की यह सुपना जारी करके पृथानित सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकों में।

स्थव्यक्षिरण:---इसमें प्रमुक्त कव्यों और पदों का, वो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ झोगा को उस अध्याय में दिया नया है।

#### भग्सूची

1/30 थ श्रनडीव्हाइडेडगोर 9000 चौ॰ गज 4-1-971 से 974, श्रविवस् हैवराबाद, रिजस्ट्रीकृत लिलेख नं॰ 6626/ 83 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारो हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, हैदराबाद

दिलांक :~ 13-8-84 मोहर ध

## प्ररूप जाइ<sup>र</sup>.टी.एन.एस. ------

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जथीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० भार० क्यु० सी० नं० 439/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

जिसंकी सं० 1/30थ शेर है, जो 4-1-971 से 974 प्राविदस, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कृष्यिलय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 19 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जम्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्स जिमित्सम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; ब्रॉर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

सतः श्रव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को ब्रधीन जिस्नीलिश्वत स्यक्तियों, अर्थीत्ःच स्थ 10—236 GI]84 (1)श्री पी० हार्षवर्धन रेड्डी मैसर्स सीवा द्वार्था होटलस्, प्रा० लि० 4-1-971, त्रीवेनी काम्पलेक्स श्रविदस, हैदरावाद,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें सी० रेड्डी पिता पारा रेड्डी, 671, मूलापेट, नैलोर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्परित के वर्णन के लिए कार्य- वाहियां करता हूं।

जकत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृसुची

1/30थ भाग, ग्रनडीक्हाइडेड, 9000 चौ० गज, 4-1~ 971 से 974, ग्रविदस, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख मं० 6386/83, राजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम भविकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-84

मोहर 🗈

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस -----

मासकर व्यक्तिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैदराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्रार० क्यू०सी० नं० 440/84-85--- यत. मुझो एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1/30 थ शेर इन है, जो 4-1-971 में 974 श्रीबदस, हैवराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाव श्र श्रम्भुष्मी मे श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), राजस्ट्रीकर्मा श्रीधकारी के कायीलय, हैदराबाद में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्ट सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है '---

- (क) अत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें स्थान में सृविधा के लिए और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिविधा के लिए:

भतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रो पी० हर्षंवर्धन रेष्ट्ढी
भैसर्स गिया हार्षा होटेलसू,
प्राह्मवेट लिमिटेड, 4-1-971 से 974,
त्रीवेनी काम्पवलेस श्रवियस
हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स केसरी कन्स्ट्रवशन को बाई श्री मति के० यम, बाई पति के० सी० रेड्ड। 671, मूलापेटा, नेलौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन को लिए नार्यवाहिया वारता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/30थ भाग, 9000 चौ० गज भूमि स्रविवस हैदराबाद, राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6385/83, राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद ।

ए म० जेगन मोहन सक्षम श्रीधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 13-8-84

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाध, विनांक 13 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० भार० क्यू० सी० नं०441/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की. यह विकास वर्ण का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 0 1/30 थ थेर इन है, औ 4-1-971 से 974 अबिदस, हैदराबाद म स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकारमा 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्ध्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विद्य में उक्त अन्तरण जिल्हिंश में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी अाथ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्लिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त किभिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के सभीन. निम्नितिक्ति व्यक्तियों. कर्मातः :— (1) श्री पी० हर्षवर्धन रेष्डी, मैंसर्स शिवा हार्था होटेलस् प्राइवेट लिमिटेड 4-1-971 से 974, विवेनि काम्पलेक्स, मबिदर्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी डा॰ सुरेखारेड्डी पिता डी॰ स्टबा रेड्डी 18, विशाप वैली अवेन्यू, (वेस्ट) मझास-4।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ख्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### and the

1/30थ भाग, भ्रतश्रीवाहिंडिंड 9000 श्रो०गज, भूमि भ्रिबिदस हैदराबाद, नं० 4-1-971-974, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6387/83, र्राजस्ट्रीकृती भ्रिधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहाबक भायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबार्ष

तारीखः:13-8-84

प्ररूप नाइ<sup>‡</sup>. टी. एन. एस.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्याक्षयं, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिका) श्रजीन रेंज, हैरदराबाव,

हैदराबाद, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं घर है, जो वरंगल में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रनुस्थी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, वरंगल, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अभीन दिनांक दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के व्यममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, एमे श्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गमा है:---

- (क) अंतरण ते शुर्द किसी नाय की वाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में मुनिधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, छिपाने में मुनिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  (1) श्री बूरा सुदर्गनम, पिता लक्ष्मीनारायणा, 14-8-132, णारवा वली, वरंगल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० गूरुमूर्ती और भ्रन्य, गोटीपाथी विलेज तूंगाथूथी तालूक, जिला वरंगल,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श स्थाबतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रताक्षन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अस्पति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में विका जा मकींग।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अन्याय में किया गया है।

#### अनुसूची

घर मं० 16-10-500 विस्तीर्ण 331 ची० गज, भूमि भीर 891ची० फुट, प्लीय यरीया, शिवनगर काम्प्लेक्स वरंगल राजस्ट्रीकृत विलेख 3118/83 राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वरंगल, ।

एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रिव्हिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-8-84

माहर:

प्ररूप आह".टी.एन.एस. -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैहदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 मगस्त 1984

निदेश सं० ग्रार० क्यू० सी० द० 443/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,

भीर जिसकी सं० पलैट है, जो बंजाराही लस् हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, खेरताबाद में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोमत सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य स कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अवस्ति की गई हैं और मूओ यह विकास करने का कारण ही कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति की उभित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्देश्य से उभेद अंतरण में वास्तिक स्प से क्षित नहीं किया गया हैं:—

- (क) नन्तर्थ से हुई किती माथ की बाबत, उक्त न्यिनियम के अभीन कर दोने के झन्तरक के खासल्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अडि/या
- (क) इसे किसी बाय वा किसी भव या बन्यू आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 192; (1922 का 11) या अक्त बिधिनियम, या भव्य कर विधिनियम, या भव्य कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छियाने में स्विधिक के लिए;

श्रतः श्रवः उक्त सिधिनियमं की धारा 269-ए के कनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-में की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) श्री ग्रली खाजा, बंजारा कस्टलस, रोड़ नं० 12, बंजारा हीलस्, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डी० व्ही० जे यन० पर्लैट नं० सी 12, बंजारा गार्डनस, रीड़ नं० 12, बंजरा हीलस् हैदराबाद '

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्स सम्मृत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण :---इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## *स*न्**स्थी**

प्लैंट नं ० सी; 12, बंजरा गार्डनस, बंजरा हीलस्, हदराबाद विस्तीर्ण, 2000 चौ० फुट, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं 360/83, र्राजस्ट्रीकृती श्रीधकारी खैरताबाद,

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रीवकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हदराबाद

विनांक :- 13-8-84

मोहरः

प्रकप बाह्र . टी. एन. एव. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० न्नार० ये० मो० नं० 444/81-85--प्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकार्य को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको मं० फ्राँट है, जो बंजाराहीलस् हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16)के श्रधीन दिनांक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे कृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मीलित उद्देश्य से उसत अंतरण लिचित में बास्तिबंक कृप में क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उसते वचने में सुविधा असिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य अपिस्ता को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या उप-कर प्राथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृजिधा के लिए;

अतः अब, अकत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण धैं, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीगः निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

(1) श्री मली खाजा, बंजारा कस्टलस्,रोड नं० 12 बंजरा हिलस्,हैवराबाद,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीर श्रीमती जान झान्ड जानी श्रवाहम, प्लीट नं० 502, जयंती झपार्टमेंटस, बैगमपेट, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी कर्क पूर्वीक्य सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धार;
- (व) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किरण : ---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पत्तों का, जो उत्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्वी

पलैट बंजारा गार्डनस रोड नं. 12, बंजारा हीलस्, हैदराबाद, विस्तीर्ण 2000 चौ० फुट र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 359/83 राजस्ट्रीकर्ता मधिकारी खैरताबाद,

> एम **जेग**न मो**ह**न, सक्षम श्रीविकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्ण**न रेंज, हैदराबाद

विनांक :- 13-8-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सुचना

#### भारत तक्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० म्नार० ए० सी० नं० 449/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

जायभार मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से विधिक हैं

और जिसकी संव घर है तथा जो अकबरबाग, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आझमपूरा, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्तत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरिंक्त्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिकित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण जिलित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बचने में सविधा के किए: बीर/बा
- (w) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्षत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री विश्वास आर० भीडे,
 केयर आफ एच० आर० काले,
 16-12-146/28/5, अकबर बाग,
 हैदराबाद-36।

(अन्तरक)

(2) श्री अवूला बाबूराव,4-1-1070, बगूलकूंटा,हैदरावाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्वित्यों में में किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्दूष्ट किसी अन्य स्थावत द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कच्छों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमस्ची

घर नं० 16-12-146/28/8, अकबरबाग, हैवराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3713/83, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, आक्रमपूरा ।

एम० जेगत मोह्न, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-8-1984

माहर :

प्ररूप भार्ड. टी. एन. एस. -----

नायकर निभित्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश मं० आर० ए० यी० त० 446/84—85→—यत, मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिल्को सं० प्लॉट है तथा जो बन्जारा हील्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीजर्मा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 गा 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल निक्तिनिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधितयण के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा क निए; बरि/बा
- (श) ऐनी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री असिफ हूं शन, 8-2-614, बन्जारा हील्स हैदराबाद।

(अञ्चरक)

(2) श्रीमती निरजाणिरि पति विरेन्द्रगीरी, 27, श्रीनगर नालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरितंत)

को नृह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविज्ञ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकन।

स्थव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुषी

प्लॉट, भूमि, विस्तीर्ण 1010 चौ० गज बन्जारा हीलस्, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6731/83, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> ्षम**् जेगन मोहन,** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयगार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैवराबा**द

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🦠

प्ररूप आहाँ, टी. इम. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत बद्रकार

कायां तथ, सहायक भायकर आयुक्त (नित्रीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाध 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 447/84−85---यत, मुझे; एम० जगन मोहन,

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ये इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स्० ब्लाट हैं तथा जो बंबाराहीलस् हैंदर,ब्सद में स्थित है (और इसपे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन, दिनांच दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्षत संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के श्रमान प्रतिएल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके श्रमान प्रतिफल में, ऐसे श्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने गंध उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) डा०पो० प्रयागायणामूर्ति, पिना डा०पी० एस० वेंकटराव, 3→2→322, बजारा हीलम्, हैंदराबाद। (जन्तरक)

(2) मेसर्स कोस्टल केवल स्, प्रा० लि०, स्यूजियम रोष्ड, तिजयवाड़।।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्विक्त सम्पत्ति के मर्थान के जिए कार्यवाही शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पर्शिक कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन को तार्रीख सै 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों कर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों सैमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षेहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होरेग को उस स्थाप के किया गरा है।

#### सन्स्य

भूमि विस्तीर्ण, 948 चौ० गज, प्रेमीसेस नं० 8~ 2-322, बंजारा हिलस्, हेंदराबाव, रिजस्ट्रीयत विलेख नं० 325/83 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राक्षियारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अधीत :---

दिनां : 13-8-1984

मोहर 🖫

## प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन-सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांव: 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० मी० नं० 448/84-85-~यतः मुझी, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के जिस्साम अधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसार नं प्याट है तथा जो साइदाबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणा है), रिक्टोकर्ना अधिकारी के कार्यालय, अझमपूरा, में भारतीय रिक्टी रूपण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विशोक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्रश्मान असिपान के लिए अन्तिरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार गल्य, उसके इध्यान पानकल से एमें इध्यान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया परिप्रान, निम्नितिशत उन्दिश्य से उक्ते अन्तरण लिखित में वास्तिवक मूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहार्द्र किसी जायकी बाबत, उक्त श्रीधित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य मी कमी करने या उससे बचने में सृविधा के शिए शरिं
- (ख) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपार में मुविधा के ितए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत हिन्स

 (1) श्री पी० मध्सूदन राव, 5-1-237/1, स्रंदर भयन, जामबाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० प्रमीला देवी, 17-1-383/99, विनयनगर, कालोनी, हैदराबाद-36।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्वना की तामील से 30 दिन की अधिक, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति क्याय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे ।

स्पद्धिकरण ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पौरभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट आफ लेण्ड, विस्तीर्ण 1015 ची० गज, सहदाबाद, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3735/83, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी अझमपूरा।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिदारी, सहायक्र आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांदा . 13-8-1984

प्र**रूप मार्**, टी. एन. एस.-----

## वाय्कर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वृधीय सुव्या

## भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर वागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्वेश सं∘ आर० ए० सी० नं० 449/84—85—⊸यतः मुझे, एम० जोगन मोहन

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त विभिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत् वाजार मृत्य 25,000/- सं अभिक हैं

और जिसकी सं० घर है तथा जो सीख विलेज सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक विसम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) नग्तुः जु सं हुद्द निक्तीं नाय की वावत्, उक्त जिथितियम् के न्यीन कर दोने के नृत्युरक के शियुरक में कमी करने या उससे श्वने में सुविधा के लिए; जीयु/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अप्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुन्धा के लिए;

बताय बच्चा उपना विधिनियम की भारा 269-ण की वन्तरण मों, भी, उकत विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को विधीन, निम्निचिवित व्यक्तियों, अर्थात् ः—  श्रीमती हाशमत जहाँ 8-3-668/1/4, यहलारेड्डी गूडा हैंदरावाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० गुलगान कुमार और अन्य, नं० 5 बिअरर लाइनस् मीख विलेज सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाविक संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुएं।

उम्रत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तियों में से किसी स्पक्ति वृद्यारः
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्परित मों ति निक्र किसी बन्ध व्यक्ति युवारा अभाहस्त्राक्षरी के एक लिकित मां किए जा सकीयों

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## अनुसूची

घर प्लाट नं० 52 चन्दूलाल बावली सीख विलेज सिवन्दरा-बाद विस्तीर्ण 450 चौ० गत्त, भूमि विस्तीर्ण 2100 गौ० फूट, प्लीधयरीया, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2480/83, रिजस्ट्रीकर्तां अधिकारी मारेडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; हैदराबाद

विसांकुः 13-8-1984 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकार नायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984 निर्देण सं० आर० ए० सी० नं० 450/84-85---यतः मुझी एम० जेगन मोहन,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का थे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

अंदि जिसकी मं भूमि है तथा जो इटकापल्ली अनन्तपूर जिला में स्थित है (और इतने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्री एक्ती अधिकारी के कार्यालय अनंतपुर में भारतीय दिलस्ट्रीकरणअधिनियमत 1908 (1908 का 18) के अधीन दिलांक दिजमबर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तरण से हुई किती बाय की बायत खकत वीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और्र/या
- (स) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आसिता को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, अक्त अधिरियम् की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती मी० एउ० देवरम्मा, श्रीटलापल्ली विलेज, अनंतपुरा जिला ।

(अन्तरक्)

(2) श्री पूजारी नारायणा और अन्य 17/83 धरमात्ररम अनतपूरा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वध्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बच्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष द्वांगा को उस अध्याय में दिया मदा है।

## अनु सूची

भूमि इट्रुगापल्ली अनतपूरा जिला विस्तीर्ण 7 एकर 54 सेंटस् रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 9468/83 रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अनन्तापूर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आजलर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंग, हैदराबाद

दिनांक: 13-8-1984

मोहर

प्रकृष नार्षः, दी, इन. एस.------

## बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-५ (1) के मुत्रीन सुन्ता

## भारत सरकात

कार्यानय, सहीयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 451/84-35 -- यत: मुझे एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स फे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हे कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,009/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नीरूनलगीरी विलेज सिकंदरा बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रिजस्ट्रोकत्ता अधिकारी के कार्यालय- इस्ट-मारेडपल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीदरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983।

को पूर्वेकिश संपरित के उिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रसिष्टन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्सि का उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरिशियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवय से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उच्छ मिनियम के मधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; बहुर/ना
- (श्रा) ए`सी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान भे सविभाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग की असलरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीजे० आ २० रमेश जी 3-18-86 पेदाकोंडा शिकंदर)बाद । (अन्त्रक)
- (2) दिनंदनवन को-आपरेटीव्ह हाऊसींग सोगाइटी लि० तीरमलगीरी विलेज, रन राक रोड़, सिकंदराबाद कन्टोमेंट ।

(अन्तरिती)

को यह सुभना भारी करके पूर्वोक्त, संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय 45 विन् की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वानाकी तामील से 30 दिन की बविध, जा भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति न्यभितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकी।

स्पच्छोकरणः ---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 2420 चौ० गज तीरूमलगीरी, विलेज सिकंदराबाद, कटोमेंट रजिस्ट्रीगृत विलेख न० 2355/83, रजिस्दीकर्ता अधिकारी इस्ट मारेडपर्ल ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रैज, हैवराबाद

दिनांक 13-8-1984

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

भागकार मीभीनमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन स्वता

भारत सरकार

## सार्वासय, सद्वायक जामकर जापूनत (जिर्दास्त्र) अर्जन रेंज, हैं दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 452/84-85---यत: मुझे, एभ० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पेव्वायोकाटा, सिकंदराबार में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इस्टमाडरे-पल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एोसे द्रियमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बस्तरण तं हुइं किसी बाव की बावतः, स्थल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दबीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; बहुद/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या था किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री बी० मुदर्शन रेड्डी, ओवेनपल्ली, सिकंदराबाद।

(अन्तरकः)

(2) बनीता को-आपरेटीव्ह हाऊसींग सोसाइटी, बोबेनपल्ली, सिकंदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्वी

भूमि, विस्ती र्ण 1 एकर, पेव्दा थोकाटा विलेज, सिकंदराधाद रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2407/83, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी इस्ट मारेडपल्ली ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी; सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज, हैदराधाद

बता अब उक्त बीधीनयम की धारा 269-ग के जनुसरण भें न में ने उक्त बीधीनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वो बधीन निम्मलिकित व्यक्तियों न वर्षात् :——

विनांभ : 13-8-1984

प्रक्ष नाइ. टी. एन. एस :------

भायकार आंभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन सुचना

## भारत् बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० अई०-3/37-जी०/2463/83-84--अतः मुझो/, ए० प्रसाद,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं मर्बे व नं व 444, हिस्सा नं 2 (पार्ट), सी व टी व एस व नं 1109, मालाड साउथ, तालूका बोरीवली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 दिसम्बर 1983 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान भित्रिक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित) और अन्तरित (अन्तरित) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण भे हुई किसी आय की बाबत, उक.. अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एमी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा धा या किया जाना साहिए था, छिपाने भी सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्मरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निम्तिलियत व्यक्तियों, अर्थात्:⊶ (1) मेसर्स युसुफ चोकर्सा एंड कंपनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रा अझिझूल हक मोहम्मद हुसैन बदामी। (अन्तरितो)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यनाहियां करता हूं।

दक्त सम्पर्दित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की लारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की लागील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी श्रवित द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्वो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त की

अनुसूची जैमा कि विलेख मं० एस०-3325/83 ग्रीर जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 31-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, वस्बई

दिनांक: 14-8-1984

<sup>!</sup> मोहर:

म्बन् नार्ह, जी एन् एतः ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के जभीन सुचना

## भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निदेश सं० अई०-3/37-जी०/2424/83-84--अतः मझे, ए० प्रसादः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं असर्वे नं ० 70 ग्रीर 71 (पार्ट), सी ० टी ० एस ० नं ० 729 ग्रीर 1169, त्रिनेज मुलूंड (पूर्व), तालूका—कुर्ला, नवधरपाडा विलेज, मुलूंड (पूर्व), बम्बई—81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, विनांक 8 दिसम्बर 1983 को पूर्वोत्रम सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान ग्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रव् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल कल निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, अब्द अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कनी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (स) एंगी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो रधुनाथ महादेव सुर्खाः

(अन्तरक)

(2) मृ लूंड णितल को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेख ।

(अन्नरिती)

(3) अन्तरक ।(यह व्यविः जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) दो भाडूत । (बह व्यक्ति जिसके कारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनकड़ है)।

को वह बुचना चारी करको पृशांक्त सम्मरित के अर्थन को तिए कार्यमाहियां करता हुं.1

उनत सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना को राज्यन में प्रकाशन की तारील में 45 विन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताकरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

## अमुस्यो

अनुसूची जैसा कि थिलेख नं० एस०-2833/82 श्रीर जी ऊपर रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 8-12-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 14-8-1984

बोहर 🕄

## प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3. बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० अ० ई०-3/37-जी०/2434/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे० तं० 192 (पार्ट), श्रीर हिस्सा तं० 2 श्रीर सर्वे० तं० 192 (पार्ट), हिस्सा तं० 4, सिटी सर्वे० तं० 290 पार्ट आफ कुर्सा वेअरींग एल० वार्ड तं० 3599 (७ए०), स्ट्रीट तं० 243 ए० डी० ए० में स्थित है श्रीर इसमे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 31 दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की वावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में मृविधा के सिए;
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

- (1) 1. श्रं अब्दुल हुसैन फमलअब्बास रसीवाला,
  - 2. श्री मन्सूर फझलअब्बास रसीवाला,
  - 3. श्राः नजमुद्दीन अब्बास रसीवाला,
  - श्रीमती मरीअमबाई फाझल अब्बास रसीवाला, ग्रीर
  - 5. श्रीमती फातेमाबाई फाझलअब्बास रसीवाला। (अन्तरक)
- (2) हुसैना मॅन्मन को-श्रॉपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड।

(अन्तरितो)

- (3) सोसाईटी के सदस्य । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनस संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

#### अगत्त्रची

अनुसूची जैसा कि बिलेख सं० एस० 989/82 स्रीर जी ऊपर रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक दिसम्बर 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ग्∘ प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुंक्त (निरीक्षण), अर्जन रैंज-3, बम्बई

विनांक: 14-8-1984

## श्रक्य बार्ड .टी. एन् .एस .-----

आयबाद अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्वेश सं० अ० ६०-37-जी०/2418/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. में अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 14, म्रॉफ दि हेमंत नगर की-म्रॉपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, सी० टी० एस० नं० 133 मॉफ व्हिलेज किरोले, घाटकोपर (पिष्यम), बस्बई—86 में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 दिसम्बर 1983। को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मित्तित उच्चेह्य से उक्त अन्तरण लिकत में वास्तिविक रूप से किथल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा खें जिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाब मा किसी धन या बन्य आस्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिश्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिश्रम, या धनकर अधिनिश्रम, या धनकर अधिनिश्रम, या धनकर अधिनिश्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्याराप्रकट महीं किया गया वाजा किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के सिष्ट:

जतः अबः, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्हीलियन व्यक्तियमें अर्थातः : ....

- (1) श्री शांताराम बालकृष्ण कुलकर्णी, श्रीर श्रीमती लिलावती शांताराम कुलकर्णी । (अन्तरक)
- (2) धुनूदया प्राईवेट लिमिटेड । (अन्तरितो)
- (3) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उका। अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 1928/79 ग्रीर जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा विनोक्त 31-12-1983 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज~3, बम्बई

दिनांक: 14-8-1984

प्ररूप **वार**ि टी., धन् , एस .- - - ----

# आयकर् अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अ० ६०-3/37-जी०/2427/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० लैण्ड एट व्हिलेज पेस्टम सागर, चेंबूर सेक्टर ही, एस० एस०-III. प्लाट नं० 82, चेंबूर, बम्बई में स्थित है ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है,) रिजस्ट्रीकर्सा के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. दिनांक 27 दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार भून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे जचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, मर्थातु:—

(1) श्रीमती रजनी रमेश ठक्कर।

(अन्तरक)

(2) बच्चभाई अर्जुनभाई औहान ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया गूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्त्यी

अनुसूत्रो जैसा कि विलेख सं० एस० 2571/76, धीर जो ऊपर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 27-12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 13-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अ ई०-3/37-जी०/2423/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद.

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'टक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव बेअरींग एसव नंव 211 (पार्ट), है जो भाडूप, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किननिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्ष) अंतरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—— (1) श्री रतनशी करसनदास श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रो गोपालदास एम० पटेल।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## **मम्स्**ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 1168/81 श्रीर जो ऊपर रजिस्ट्रार, अम्बई द्वारा दिनांक 6~12-1983 को रजिस्टर्ड किया गया।

> **५०** प्रसाद; सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, सम्बद्ध

दिनांक: 13-8-1984

मोहर: ं

प्रकल बाह . दी . एव . एस . ------

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक नायक र नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० अ ई०-3/37-जो०/2428/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अभिनियम, 1961 (1.961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269- का अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० लेण्ड बेअरीग सी० टी० एस० नं० 4486 (पार्ट), विहलेज कोले कल्याण, सांताकूझ (पूर्व), बम्बई कार्लाना सर्वेठ नं० 334, एच० नं० 6 (पार्ट) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 5 दिसम्बर 1983।

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल , निम्निसित्ति उथ्यदेय से उक्त अन्तरण मिकित में वास्तिवक्त रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वानता, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के विष्; बॉए/बा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्य आस्तियां ...को, जिन्ही भारतीय जाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन मिन्न्यलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) श्री अमरशो शामजी मिस्त्री ।

(अन्सरक)

(2) कालोना भक्त समाज।

(अन्तरितो)

सर्वे यह तृथना जारी करके पृथानित सन्तरित के वर्षन के हिस्स कार्यजाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस त्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की जनभि या तत्संत्रभी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अन्धि, व्यक्तिशी अन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पुन्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या तकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, यही वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिया गुवा

## अनुसुची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०/2232/83 और जो ऊपर रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 15-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 13-8-1984

## प्रम् बाइ .टी.एन.एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बर्ड, दिनांक 14 अगस्त 1984

निर्देश सं० अ ६०-3/37-जी०/2422/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कारबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० लेण्ड अट व्हिलेज आफ बोर्ला, तालूका कुर्ला, सर्वे० नं० 66, हिस्सा नं० 4, सी० टो० एस० नं० 766, हैं जो कुर्ला, बम्बई में स्थित हैं ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है, रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17 दिसम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतुष्ट प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पामा गया प्रतिफल निम्नितिचत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में यास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को निन्हें भारतीय जायकर किभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, विधान के स्थित वा वाना चाहिए था, कियान में सुनिधा के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घकी उपधारा (1) के अधीन, अमिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री एन० जो० के० पिल्लाई।

(अन्तरफ)

(2) माउट रेस्वार्ट को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त स्थितरा में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विश्व के भीतर उक्त स्थायन संपत्ति में द्वित-बब्ध किसी जन्म स्थायत व्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास जिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण :--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हुं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

## मन्त्रभी

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 3894/82 धौर जो ऊपर रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनोक 17-12-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बम्बर्र

दिनांक: 14-8-1984

मोहर.

## त्ररूप जाइ.टी.एन.एस.-------

## अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 जुलाई 1984

निर्देश सं० मी० आर० 62/794/84-85--यतः मुझे आर० भारक्काज,

कायकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० ए० आर० नं० 717, खाता नं० 1199 है, तथा जो के० आर० पुरम, हासन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हासन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्द्धान दिनांक 23 दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) भो बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्रीमती एस० सुमिता, मिसेस जि० कमलाम्मा, श्री एस० जगर्दाण मोहन, डोर नं० 717. मैं सूर मेन रोड़, विमेंड पुलिस क्वार्ट्स, होलेनरसिंहपुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एन० नागोजी राव. सन/आफ, एच० एन० नागोजी राव. पुराना पोस्ट आफिस रोड़. हासन नगर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2431/83 ता० 23-12-83) सम्पत्ति है जिसकी सं०ए० आर० 717, खाता नं० 1199. जो के० आर० पुरम, हासन में स्थित है।

> आर० भारद्वाज , सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, बंग्लूर

दिनांक: 6-7-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/795/84-85---यतः मुझे, आर० भारकाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

प्रोक्ट जिसकी सं० 30-वी है तथा जो कनटोनमेंट, बेल्लारी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूर्या में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बेल्लारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 19 दिसम्बर 1983,

को पूर्वेक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वेक्त सम्मित का उचित वाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से, एसे स्वयमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अम्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नीलिंकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों कों, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री की० महेंग; सन/आफ बी० सं८० मलेय्या, सं० 6-856/ए/1, सदफ मंजिल, बेगमपेट, हैं दराबाद-16।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर सी० टी० लक्ष्मी दुरगामबा, बाइफ/आफ डाक्टर टी० श्रीनियासा राव, नं० 30-बी० वार्ड नं० XXV, ब्लाक नं० 21, टी० एस० नं० 233, कनटोनमेंट, बेल्लारी। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जो सकोंगे।

स्पव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ द्वीगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

## जन्स्यी

(दस्तावेज मं० 4209/83 ता० 19-12-1983) सम्पत्ति है जिसको सं० 30-बी, वार्ड नं० XXV, ब्लाक मं० 21, टी० एस० नं० 233, कनटोनमेंट, बेल्लारी में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलुर

दिनोक: 13-8-1984

प्रकृष आहे. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/8101/83~84, नोटिस नं० 796—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित् बाजार मूस्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे० 9/1 है तथा जो गड्डी ग्रामा, गंगवर्ती में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीप पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 31 दिसम्बर 1983,

को प्याँक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरफ लिखित में बास्तविक रूप से कीथत नहीं किमा गया है:---

- (क) अन्तरण नं हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री नागेश राघ, सन/आफ भीमसेना राव,

(अन्तरक)

(2) श्री गंगावति उदया भानू आग्री फरमा, पार्टनस : (1) श्री बी० सत्यनारायण (2) श्री सुब्बा राव, (3) श्री वेंकटा मुख्याराव, (4) एच० मार-कन्डेंयलु (5) गंगावित ।

(अन्तरितो)

को यह स्थना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत श्रीधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया स्या है।

## अनुसुची

(बस्तावेज सं० 1673/83 ता० 31-12-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० मर्वे० 9/1, जो गड्डी ग्रामा, गंगावित' में स्थित है।

> आर० भारत्नाज, सक्षम प्राधिकारो, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज; बंगलीर

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

13-236 GI[84

दिनांक: 13-8-1984

प्ररूप काइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलीर बंगलीर, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/8080/83~84, नोटिस नं० 797—यत: मुझे, आर० भारद्वाज,

वायक अधिनियम, 1961 , 961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 5 000/ रुज में अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 102, 103 है तथा जो बिन्दागिन ग्रामा जमार्भनिड तालुक, बिजापुर डिस्ट्रेक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रेक्ति के कार्यालय जमकंडि में रिजस्ट्रेक्रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1 दिसम्बर 1983, ।

को पर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पित का उचित आजार कृष्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी शबन्दितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदाने में सुविधा के लिए;

मन अप अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :—

(1) श्रां गुरूलिंगप्पा, निगाप्पा करकलमट्टी, निवासा मदरबाडा ता० डामरवंडा जि० विजापूर जमाकंडो ।

(अन्तरक)

(2) श्री ई० यू० हिसायतुल्ला, पो० बिंदनहक्को, ता० डामखंडी, जमांकंडो।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्रांध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नन्स्यी

(बस्तावेज सं० 1813/83 ता० 1-12-1983) सम्पत्ति है जिसको सं० 102, 103, जो बिन्दागनि विलेज, जमकंडो ताल्लुक, बिजापुर डिस्टं,क्ट में स्थित है।

> आर० भारक्राज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🤃

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० 798/84-85--यतः मुझे आर० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुरै), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुरै कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हुरै

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 41/1 है तथा जो सालियम कोकोरा के विलेज पंचायत, क्यूपेम सब डिस्ट्रिक्ट गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विषत है) रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधोन, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, मिन्निसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिस्तित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से झुड़े किसी नाय की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जुन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा चे सिष्टु; म्हें द्रिंगा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारताथ नाय-कर नाधानधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या किया जाना चारिए ना छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अतः, उक्तः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्तः अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्रोमती पोलाना मेरिया ग्रना कुन्हा ई० कास्टा श्रोमती मेरिया तेरेया ग्रगस्टा डा० कास्टा श्रीर श्रो केटानो वर्लेरियानो बारेट्टो कुरटोरिम, सालसेट, गोवा ।

(श्रन्तरक)

- (2) 1. मेरिया दुर्लासना में केला राष्ट्रिम्यूस ईकुन्हा काकोर क्य्पेम ।
  - 2. कारलेस मेरिया तेरेसा फर्नाडीस कारकोरेम गोवा
  - 3. ब्रालेक्सो फार्नसंस्को डाकास्टा काकोर ाक्यूपेम
  - 4. पटोर्रालना पौलिना कुन्हा का नोरा अपूरेम
  - वर्राजित्या पेरैरा, करकोरेम
  - 6. बेन्जियन पियाक्रेड जिमेरिनो कौटिन्हो
  - 7. भ्रान्टानियो डामियो पेर रा कुरकोहेम, गोवा अौर
  - रचरड राष्ट्रिम्यूस वागेम, शिरोडा, पोंडा । (ग्रन्तरिला)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ंक्

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की बनिभ, आ मौ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस त्वना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख है 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरा के पास लिखत मो किए जा सके गे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गयः है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 289/83-84 तारीख 20-12-1983) सब सम्पत्ति है जो सर्वे० नं० 41/1 में प्लाट 'ए' और 'बा' और उसका नापना 11257 स्केवर माट्रस जो सोलियम, काकोरा के विसूज पंचायत तालूक्क और सब डिस्ट्रिक्ट भ्राफ क्यपेम, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 13-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, अंगलीर

बंगलीर, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

सं० सी० भार० 62/41650/83-84--यतः मुझे श्रार० भारकाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 12-3-195 से 187 है तथा जो कार स्ट्रीट 12 वोनगरकेरि वार्ध, कस्वा बाजार विलेज, मगलूर सिटो में स्थित है (श्रौर इससे उपावळ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनोक 31 दिसम्बर 1983।

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निविद् में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त **अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में** स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री के० बालाकृष्ण सेनाय,
 टी० टो० रोइ, मंगलूर—1 ।

(अन्तरक)

(2) श्री दयानन्दा रागवेन्द्रा प्रभु व्यापारी, वार्वित स्ट्रीट, मंगलूर-1।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्पहर्या करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1401/83 ता० 31-12-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 12-3-185 से 187, जो कार, स्ट्रीट, 12 दोनगरकेरि वार्ड, कस्वा बाजार विलेज, मगलूर सिटो में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 13-8-1984

मोहर ३

पक्रथ बाह्र टी. एन एस, -----

लायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 13 ग्रगस्त 1984

निर्वोश सं० नोटिस नं० 41626/83-84--यतः सुझे, म्रार० भारक्षाज,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसकी नई सं० 12/16 (पुरानी सं० 36) है तथा जो रामकृष्णपा रोड़ काक्सटीन बंगलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाजत है), राजस्ट्रीकरण श्राधानयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 15 विसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूर्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की शासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रकारार्थ अन्युरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, जिल्ली कि स्थितियों, अर्थात्:---

- (1) श्री सो० नारायतप्पा, सन/ग्राफ चिश्रप्पा, नठ० 15, ग्रान्जनेया टेम्पल स्ट्रीट, कब्बनपेट, बंगलौर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० बसवराज, नं० 16/1, रामकृष्पा रोड़, कावस टौन, बंगलीर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृत्रों बत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत राम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कल क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अध्य जा सकों गे।

स्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्र्यो

(दस्तावेज सं ० 2333/83-84, तारीख 15-12-83) सब सम्पत्ति है जिसकी पुरानी सं ० 36 नया सं ० 12 जी रामकृष्णप्या रोड्ड क्षाक्स टीन, बंगलीर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 13-8-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, विनांक 13 श्रगस्त 1984

निर्वेश सं० सी० ग्रार० 62/41661/83-84--यतः मुझे, ग्रार० भारकाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 97 (भाग) है तथा जो एम० जी० रोड़ अंगलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकरण श्रिक्षिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप सं किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री एम० सी० रास, नं० 14, चर्च स्ट्रोट, बंगलौर।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स नेशनल म्रांटिक्वाटर्स प्रा० लिमिटेड, नं० 76, एम० जी० रोड़, बंगलौर । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे। हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2523/83 ता० 22-12-1983) सम्पति है जिसको सं० 97-(भाग), जो एम० जो० रोड़ बंगलौर में स्थित हैं।

> ग्रार० भारक्काज, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, बंगलीर

दिनोक: 13-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रज्न रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 6 ध्रगस्त 1984

निर्वेश सं० 62/41582/83-84/प्रर्जन/बी--यतः, मुझे, भार० भारताज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 169 है तथा जो राजमहल विलास एक्टेंशन, बंगलौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बागत है), राजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, गांधीनगर में राजस्ट्रीकरण श्राधानयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाअत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में क्षेमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः जव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्रीमती सीता देवी जातिया,81, वीरली सी० फेस,बम्बई-400018।

(श्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार जालन, श्रीमती कला जालन, श्री विनोद कुमार जालन (एच० यू० एफ०) नं० 149, ग्रार० बी० एक्सटेंगन, बंगलीर-80।

(धन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **यन्स्**ची

(वस्तावेज सं० 2593/83-84 ता० 9-12-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 169, नया सं० 4 जो 3 कास रोड़, राजमहल विलास एक्सटेंशन, बंगलीर-80 में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकरो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

विनांश: 6-8-1984

प्ररूप आहें. टी एन. एस. -----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 10 श्रगस्त 1984

सं० 62/41683/83-84/मर्जन/बी---यतः, मुझे, म्रार० भारताज,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

श्रीर जिसको सं० म्युनिसिपल नं 8 है (पुरानी सं० 34/2) है तथा जो 7 कास, वसंतनगर में स्थित है (श्रीर ६ससे उपाबछ श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रोकत्ति के कार्यालय गांधोनगर, में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30 दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूळ से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्च स्थ से उस्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसहण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिकित व्यक्तियों, अधीत् हिल्ला (1) श्री जी० वश्लभरायप्पा, नं० 8, 7 कास, अंसतनगर, अंगलीर।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीमना श्रोमर, नं० 5, पेहिसु स्ट्रीट, वंगलौर ।

(भ्रन्तंरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस मृचनः के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जा भी अविधि बाद में समाप्त हांसी हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (का) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्थावतीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याम में दिया गया है।

## वन्त्रवी

## भन्स्वी

(दस्तावेज सं० 2466/83-84 ता० 30-12-1983) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० म्युनिसपल सं० 8 पुराना सं० 34/2 जो 7 कास, बंसतनगर डिविजन नं० 44, बंगलीर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलीर

विनांक: 10-8-1984

मोहर: 💡

प्ररूप नाइ . टी. एस. एस. . - - - ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, बंगलौर

वंगलौर, दिनांक 6 प्रगस्त 1984

निर्देण सं० नं० 62/41581/83-84/प्रर्जन/बी०---सतः, मुझे, भार० भारद्वाज,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन स्थाम प्राधिकाणी करो, यह निष्णात करने पा कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

घोर जिसकी सं० 168 है तथा जो राजमहल विलास एक्सटेंगन, बंगलीर में स्थित है (श्रीर इससे उपावदा धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, गांधीनगर में राजस्ट्रीकरण घांधानियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाक 9 विसम्बर 1983

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के निए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के स्वैतिथा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् :--14---236 GI|84

(1) श्री मशोक कुमार जातिया,तं० 81, वोरली सी० फैस,बम्बई~400018।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री घरिवन्द तोशानिवाल घौर, श्रीमती ऊषा तोशानिवाल, नं० 315, 14 मेन रोड़, राजमहल विलास, एक्सटेंशन, बंगलौर-80 ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आसप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का क्षेत्र 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में निया गया ह1।

#### अनसची

(दस्तावेज सं० 2192/83-84 ता० 9-12-1983) जगह नं० 168, जो राजमहल विलास एक्सर्टेंशन, अंगलौर में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

विनोफ: 6-8-1984

प्रकप बाहाँ, टी. एन. एस.-----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

## भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, अंगलीर

भंगशीर, दिनांक 6 भगस्त 1984

· निर्मेश सं० 62/41621/83-84/मर्जन/भा०---यतः मुझे, मार० भारताज,

बायकर मिश्रीनायम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रीनयम' कहा गया है), की धारा 269-क के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,009/- रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० 37/23 है तथा जो मलसूर रोड़ अंगलीर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय मिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8 दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से अधिक हो और अंतरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युवश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरन से हुई किसी जाय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विध। के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

नतः नव, उनत अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरका में, मैं उनतः अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रीमती एच० जी० नारायणम्मा पार्वतीनगर, बेल्लारी-2।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री हुसैन मृसा,15/6, प्रिमरोस रोड,बंगलौर।

(ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के बर्जन के सबंघ में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं क्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स. 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बच्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होंगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

## भम्सूची

(दस्तावेज सं० 2476/83-84 ता० 8-12-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 37/23, जो प्रलसूर रोड बंगलीर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी. स**हायक श्रायकर ग्रायुक्त (**नित्रीक्षण-), **ग्रर्जन रेंज, अंगली**र

दिनांक: 6-8-1984

प्रक्म गाई. टी. एन. एस.-----

## नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के न्थीन स्मना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 6 श्रगस्त 1984

निर्देश 62/41686/83-84/मर्जन/बी--यतः 'मुझे, ग्रार० भारताज.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 42/446 है तथा जो XI मेन रोड़, राजमहल विलास एक्सटेंशन बंगलीर में स्थित है (भीर इससे उपाबड़ अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्टीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 24 दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरिस की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण सं हुई किती बाब की बाबत, उक्त जिथिनियम के संधीन कार दीने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; स्रीप/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अध्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में म्जिया के लिए;

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भों, मों, उत्रत जिधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) दे अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री के० राषवा रेड्डी, 42/446, XI मेन रोड़, राजमहल विलास एक्सटेंगन, बंगलीर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मैसूर सुगन्धी धूप फैक्टरी, प्राईवेट लिमिटेड, नं 19 सी/19 डी, गोपालपुरम, मागबी रोड, बंगलौर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी स्थितयाँ पर स्थान की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी स्थित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उत्त नध्याय में दिया नवा हैं।

## मन्त्रपी

(दस्तावेज सं० 2773/83-84 ता० 24-12-1983)

सम्पत्ति है जिसकी सं० 42 (पुराना नं० 446) जो XI मेन रोड, राजमहल विलास एक्सटेंशन बंगलीर में स्थित है।

> स्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, क्षंगलौर

दिनांक: 6-8-1984

## प्रकृप नाइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 4 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० 41688/83-84/म्रर्जन/बी०--यतः मुझे, म्रार० भारद्वाज,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं 565 पी है तथा जो एच ० ए० एल व II स्टेज इंदिरा नगर, बंगलीर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय णिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक 30 विसम्बर 1983

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गमा है:----
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंपियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उसने वयने में मृथिया के लिए; और/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

(1) श्रीमती बिमला देवी श्रग्नवाल, नं० 1002, पंचवटी, एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर, बंगलीर-560038 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत घोष,
श्रीमती मधुलिका घोष,
श्री राजीय श्रोहरी, नं० 3366,
एच० ए० एल० II स्टेज, इंदिरानगर,
बंगलौर-38।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के स्विध कार्यन व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (का) अस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

(दस्तावेज सं० 2730/83-84 ता० 30-12-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 565 पि० जो एष० ए० एक० II स्टेज, इंदिरा नगर बंगलीर-560038 में स्थित है।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांक: 6-8-1984

माहर:

प्ररूप बाहें.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अभीन स्वाना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 6 ध्रगस्त 1984

निर्देग सं० 62/41574/83-84/म्रर्जन/बी०--यतः मुझे, भार० भारदाज,

कायकर जाँभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वें नं० 709 डी॰ जगह नं० 70 है तथा जो लोकल फंड रोड़ सदरन एक्सटेंशन, कोल्लेगाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय कालोल्गाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 14 दिसम्बर 1983। को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान श्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया इतिफल, निम्निविवित उच्च हेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बलारण से हुइं किसी बाब की बाबस अबल बिध-निवम के अधीन कर दोने के बंतरक के वारित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, श्रीपहर्ग भारतीय नाय-कर गीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ नृषिनियम, वा धन-कर गीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जांगा चाहिए था, जिंगाने में गुनिया में निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) चे वभीन, निस्तिविक व्यक्तियों, अभीत स्रम्म (1) श्रीमती के० एस० रामलक्ष्म्मा, श्री के० बी० श्रीनिवासा गेट्टी, कोल्लेगाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मंजुनाथ गुप्ता,
केअर/ग्राफ ए० क० नागराजा णेट्टी ग्रीर बक्ने,
केमिस्ट ग्रीरड्रगस्टि
कोल्लेगाल

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के वर्जन सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनक्ष अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

### अन्स्ची

(दस्ताबेज सं० 1248/83-84 सा० 14-12-1983)

सम्पत्ति है जिसकी सर्वे० सं० 709 डी० जगह नं० 70 जो लोकल फंड रोड़ सर्वर्न एक्सटेंगन, कोल्लेगाल में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगसीर

विनांक: 6-8-1984

प्ररूप नाईं. टी. एन. एस. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

## भारत सर्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलीर, दिनांक 6 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० 41627/83-84/ग्रर्जन/बी०--यतः मुझे, ग्रार० भारदाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

ध्रीर जिसकी सं म्युनिसिपल नं 1 है तथा जो VII कास विक्टोरिया लेक्साऊट डिविजन नं 61 (नया डिविजन नं 62) सिविल स्टेशन, बंगलौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय शिवाजी नगर में राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक 5 दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिंखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से किया गमा है :——

- (क) जन्तरण ते हुई किसी लाग की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिवधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजन ए० देवन, श्रक्षवोकेट न० 5, विजया राघवा, चारियर रोड़, सेलभ-7।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० एम० नानस्या,
 श्रीमती एम० एन० यणोदा नं० 22,
 1 (पलोर) क्रास, 1V क्मेबियर लेखाऊट,
 बंगलौर-560047 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा काई भी बाक्षंप ----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **भनुसूची**

(दस्तावेज सं० 2323/83-84 ता० 5-12-1983)

सब सम्पत्ति है जिसकी पुरानी सं० 61 नया म्यूनिसिपल् सं० 1 जो VII कास विक्टोरिया लेग्राऊट डिविजन नं० 61 (नया डिविजन नं० 62), सिविल स्टेंगन, बंगलीर में स्थित है।

> श्रारः भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलीर

दिनांफ : 6~8~1984

# प्रकृत वार्डाः हो। एवः एषः ----

# नायकर निभितियम, 1961 (1961 का 43) की नाच 269 व (1) की अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, बंगलीर

बंगलीर, दिनांक 6 भ्रगस्त 1984

निर्देश सं० 62/41584/83-84-यतः मुझे, झार० भारक्षाज बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की थारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/-रह. में अधिक हैं

श्रोर जिसकी संख्या 5 है तथा जो XII मैन रोड राजमहल विलास एक्सटेंगन, बंगलौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में राजस्ट्रीकरण श्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 1 दिसम्बर 1983

को पृत्रोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यापान प्रतिफम के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेश्यों से सक्त अन्तरण लिकित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण वे हुई फिली बान की बाबत, बन्त अधिनित्म के अधीन कर वोने के बन्तरक के धानित्व को कभी करने वा उसने वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (व) एसी किसी नाय या किसी भन वा अन्य जास्तियाँ की जिन्हें भारतीय साय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—  श्री एस० टी० कागली, सन/श्राफ टी० पी० कागली, नं० 28, I फ्लोर काई रोड़, II क्लाक राजाजीनगर, बंगलौर~10

(भन्तरक)

(2) श्री यू० एन० रामदास बल्लाल, सन/ग्राफ श्री यू० नारायण बल्लाल, नं० 105, VII कास लोयर प्लेस, आर चरडस, बंगलौर ।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचमा जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्चन् के सिर् कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में पकालन की तारीख के 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्थानतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकोंगे।

## अमृत्यी

(इस्तावेज सं० 2491/83-84 ता० 1-12-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० नई सं० 5 जो XII मेन रोड़, राजभहत्र विलास एक्सटेंशन बंगलौर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज. सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

दिनांक: 6-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/4920-अतः मुझी, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 1164/3, 1165/2, 1166/5 का भाग है, तथा जो लोहा मंदी, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य में कम को इज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकश्स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से एसे इक्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के शिए:

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (﴿) के अधीन, निम्नीनिधात व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री कैलाश अग्रवाल पिता श्री विश्वाम्बर दयाल अग्रवाल निवासी—बेतवा अपार्टमेंटस. भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आणाबाई पुत्री श्री हीरालाल निवासी-1, खटखटपुरा, इंदौर ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत श्यक्तियों में से किसी श्वयक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि सर्वे नं 1164/3, 1165/2, 1166/5 का भाग, लोहा मंडी, इंदौर में स्थि तहै।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आययुक्त (निर्राक्षण) गंगोर्क्षा बिल्डिंग, चौधो मंजिल टो०टी० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 21-7-1984

प्रकृष बाहाँ. टी. एन. एस.-----

# मामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थान

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक अवयक र जायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश सं० आर्थ० ए० सी०/4921—अतः मुझी, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 1166/1 है तथा जो लोहा मंड़ी, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के गार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर 1983

को प्रवेकित संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफान को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफान से, एसं दश्यमान प्रतिफान का बन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफान, निम्निनिष्त उद्देश्य से उक्त क्नारण मिक्ति में वास्तिसक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त जीभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बार/बा
- (थ) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वष, उक्त निभिनियमं की भारा 269-च के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के निध्नित, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---25---236 GI|84 श्रीमती कुसुमलता गर्ग
परनी श्री दिनेशाचन्द्र गर्ग
निवासी—9/2, न्यू पलासिया.
इंदौर ।
 योग्रेश गोयल
पिता श्री रमेश चन्द्र गोयल
निवासी 35, अग्रवाल नगर,
इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामेण्बर पिता श्री रमेणचन्द गीयल पिता हीरालाल निवासी खटखटपुरा, इंदौर ।

(अन्तरितो)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वों कर संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी मन्य भ्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया

## अनुस्ची

भूमि सर्वे नं० 1166/1, लोहा मंडी, इंदौर में स्थित है। बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गंगीत्री बिल्डिंग, चौथी मंजि ल टों० टों० नगर, भोपाल भर्जन रेंज,

सारोख: 21-7-1984

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सीं०/4922—अतः मुझी, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार म्स्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 1164/2 है तथा जो लोहा मंडी, इंदौर में स्थिति है (मौर इससे उपावड अनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के उर्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल फल निम्निलिश्वत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकिक कप से कथित नहीं किया गया है कु

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उबत अधि-नियम के अधीब कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बीक/का
- (च) ऐसी किसी आथ या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सिवधा के लिए;

बतः बदा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अगमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कथीत :—— (1) श्राः अजय पिताः श्राः विशम्भर दयाल अग्रवाल निवासी-- बेतवा अपार्टमेंट, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भान्ताबाई पुत्रो श्री हीरालाल निवासी-1, खटखटपुरा, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रांसत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित के हित- बद्ध किसी अन्य अधिनत द्वारा अधीर/शाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पट्यीकरण:---इसमें प्रधूषत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

## मनुसुची

भूमि सर्वे नं० 1164/2, लोहा मंड़ो, इंदौर में स्थित है।

वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-7-1984

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. - - -

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर माय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/4923---अतः मुझे, वारन्त्र कुमार बरनवाल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० भूमि एव गोदाम, सर्वे न० 20 पर है तथा जो लसूडियामोरी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय इदौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (19008 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करा का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाबा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइं किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्∄ औंड√या
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग कौ अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :--

(1) श्रीमती दोहीबेन पत्नी श्री सीनाभाई पटेल नियासी—गमदी सहः आनद जिला खेरा ।

अन्तरक)

(2) श्री मास्टर अनिमेष अग्रवाल (अवयस्क)
पुत्र श्री राजेन्द्र अग्रवाल
निवासी →23/3
यशावत निवास रोड़,
इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामीं से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए ना मकोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमा प्रयक्त शब्द और गदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मों परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मो विद्या गया है।

## **अनुसूची**

भूमि एवं गोदाम, सर्वे नं० 20 पर, लसुडिया मोरीः बम्बई आगरा रोड, इदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सदुम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)) अर्जन रेंज भोपाल

तारीख: 21-7-1984

प्रक्रप काइं. तो . एन . एस . ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### शारत बद्धमार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/4924—अन मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनद्याल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि एवं गोदाम, सर्वे नं० 20 पर है. तथा जो लभूडिया मोरी इंबीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्श अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वा क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निविधित उच्चेश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जायकी बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिपाने में मूबिया के लिए:

जतः जन, उत्तत अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) श्रोमतः मनोबेन पत्नी श्री दयाभाई पटेल निवासी-गमदी तह० आनंद (जिला खेरा गुजरात)

(अन्तरक)

2) श्री बरखा सागला (अवयस्क)
पुत्री श्री यशवंत सागला
निवासी-2/23,यशवंत निवास रोड़,
इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन की अविधि या तरहम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांकित व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त विभिन्नियंत्र, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नम्स्ची

भूमि एवं गोवाम, सर्वे नं० 20, लसूड़िया मोरी, इंबौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निष्ठित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गंगोली बिल्डिंग चौथी मंजिल टी०टी० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 21-7-1984

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

अंजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश स० आई० ए० सी०/अर्जन भोपाल 1925—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूंल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि एवं गोदाम सर्वे तं 20 पर है तथा जो लसूड़िया मोरी, इंदौर में स्थिति हैं (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की अअत उस्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ निए;

बंतः वयः, बक्त बंधिनियमः, कौ धारा 269-ग कै बनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन,, निस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री बिट्ठलभाई सोमाभाई पटेल निवासी—छूगमदी तहः आनंद जिला खेरा (गुजरात)

(अन्तरक)

(2) श्रोमती मधूलिका अग्रवांल (अवयस्क) पुत्री श्रो राजेन्द्र कुमार अग्रवाल निवासो~23/3, यशवंत निवास रोड़ इंबीर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्संखंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

हाड्डीकरणाः—-इसमें प्रयुक्त गांध्यों और पदों हा, जी सकत अधिनियम के अध्याय 20- ह में परिचाधित है, सही धर्म होगा, मंद्रिय अध्याय में विया गया है।

### मन्स्या

भूमि एवं गोधाम, सर्वे नं० 20 पर, लसूड़िया मोरी, इंदौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी०टी० नगर, भौपाल अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 21-7-1984

मोहर 🗈

्रका, साह<sup>्र</sup> हो . एन **एस** . .....

# कायकर मणिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जुमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल भोषाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश स० आई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4926--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पहचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसकी स० भूमि एवं गोदाम, सर्वे न० 20 है तथा जो लसूड़िया मोर्रा, इंदौर में स्थित है (ग्रीप इसमें उपाबद्ध अनुसूर्णा में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रांकर्ता अधि-कारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर्ग 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद किसी जाव की बायत, बक्त जीविषयून के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्स अवने में सुनिभा को शिष्ठ; वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों सबे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सविषा के लिए।

कतः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य से अनुसरण कों, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष---

(1) श्री कुंजु बिहारी पुत्री श्रंत दयाभाई पटेल निवासी—गमदी तह० आनंद जिला खेरा (गुजरात)

(अन्तरक)

(2) श्रोमती रिष्म अग्रवाल (अवयस्क) पुत्री श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल निवासी ~23/3 यशवंत निवास रोड़, इंदीर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना कारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

## वक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी हैं दें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जांभी बर्बाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## समृत्यी

भूमि एवं गोदाम, सर्वे नं० 20, लिसूडिया मोरी, इंदौर मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जो० में निहित है।

> वारन्त्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गंगोर्जा विल्डिंग, चौथी मंजिल, टो०टी० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 21-7-1984

मोहार 🕃

# प्ररूप **मार्**ु टील **ए**क्ट्र **एर्**ट्र<del>ा । स्टार्थ ।</del>

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल,दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश मं० आई० ए० सो०/प्रर्जन/भोपाल 4927→-अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- राज्य में अधिक हैं

धीर जिसकी मं० अविकसित भूमि सर्वे नं० 424,424/1 एवं 426/2 है तथा जो ग्राम निरंजनपुर इंदौर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति, रत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को वायरभ में कभी करने या उससे यचने में सर्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत हु—

(1) श्रः तोलाराम पिता श्रः चुन्न लाल निवासः—ग्राम निरंजनपुर जिला इंदौर ।

जज

(अन्तरक)

(2) श्रो छन्नपति नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था भर्याक्ति इंदौर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेवित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पस्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिमा गया हैं।

## जनस्वी

अविकसित भूमि सर्वे नं० 424, 425/1 एवं 426/2, ग्राम निरंजनपुर इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिता द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जो० में निहित है।

वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर अर्जन रेंज भोपाल

सारीख : 21-7-1984

मोहर 🛭

्कप आहे<sup>त</sup>. टी. एन . एस<sub>.,~~~~</sub>~======

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्स (निर्धिकण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश मं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/4928---अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलेट नं० 73, मातवी मंजिल, है तथा जो मंगलम बिल्डिंग, 5-श्री, श्रोल्ड पलासिया, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीक्तर अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिर्ण; बीर/बा
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तौरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

बत: बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री राजेन्द्र कुमार पिता श्री गोरधन मुच्चाल निवासी→2, उदापुरा, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स चिमीफाइन, भागीदार गैलेप विनूभाई गाह निवासी-4/1 श्रोल्ड पलासिया, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पृथाक्त सम्पात्त क अजन कालए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि मा तत्यं होंगी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नग्राप्

फ्लेट नं० 73, मंगलम बिल्डिंग, सातवीं मंजिल, 5-बी ग्रोल्ड फ्लासिया इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार घरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गंगोत्री बिर्हिडग, चौषी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, मोपाल

तारीख : 21−7−1984

प्रकाप आहाँ. टी. एन. एस. - - - - - - अग़्यकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सीं०/4929—अत: मुझे. वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-क. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० ग्राम कृषि भूमि ख० नं० 419/1,419/2 है तथा जो ग्राम निरंजनपुर में स्थित है (ग्रौर इससे अनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधि—कारों के कार्याक्षय इदौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोम तारोख दिसम्बर 1983

को पृयों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया। गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाप की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिश्व में कभी करने या उससे बचने में जुविधा के लिए; बौट्र/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) की भधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~- 16—236 GI[84

(1) श्रा सावंत पिता सौभान 2 रामरतन पिता सौभान निवासो—ग्राम निरंजनपुर तहः इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो लक्ष्मी कीपरेटिय हाउसिंग सोसायटी लि० तरफे अध्यक्ष श्रा मनोहरलाल पिता श्रो हीरालालजी चास्टा नियासी—20,मार्तण्ड चौक, इंदौर ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित दों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और प्रवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

कृषि भूमि ख० नं० 419/1, 419/2, ग्राम निरंजनपुर तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गंगोत्री बिल्डिंग, कौषी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 21-7-1984 मोहर प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सं:०अर्जन/भोपाल/4930---अतः मुझे, व रेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसके सं० कृषि भूमि ख० नं० 415 है तथा जो ग्राम निरंजनपुर तह: इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूच में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रं कर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रं करण अधिनियम 1908 (1908 का 6) के अधिन तार ख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त मम्पित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करहे या दश्को वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धम या जन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के विवद;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) े बीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रो कर्नल राणा केणरोसिंह पिता श्रो बालासिंह सोढ़ा निवामी--ग्राम निरंजनपुर तह० इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी कोपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मार्तण्ड चौक, इंदौर तरफे अध्यक्ष मनोहरलाल पिता श्री हारालाल जा चाष्ठा

(अन्तरितो)

क्षे यह तुक्ता धारी करके पृक्षेक्त सम्पत्ति के कर्कन के किए कार्यवाहिया शुरु करता है।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी में 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वार अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और उदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्ची

कृषि भूमि ख॰ नं॰ 415, ग्राम निरंजनपुर तह॰ इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरतो द्वारा सत्यापित फार्म नं॰ 37 जो में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण ) गंगोत्रो बिल्डिंग, चौथो मंजिल टंग्० टो० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 21-7~1984 मोहर ७ प्ररूप बाहाँ. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कार

# कार्धास्य, सहायक साय्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4931—अतः मुझे, वंश्रेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० मकान नं० 238, ब्लाक नं० 32 एवं प्लाट नं० 118/1,119/2 है तथा जो न्यामतपुरा में बुरहान पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचः में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय बुरहानपुर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त बन्तरण हिलिखत में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी कर्ने या उससे अधने में सृविधा के दिसए; बीड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनाथं अन्तारता द्वारा अकट नहा किया गंधा था या किया जाना चोहिए था, छिपान म सुविधा के सिए;

जतः क्व, उक्त जिभिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण मों, मों. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो सिराजअलं वल्द बन्देअलो इस्माईलः खोजा निवासा—न्यामतपुरा तहु० बुरहानपुर ।

(भन्तरक)

(2) श्री: भागवत वल्द श्री: गुलाबचन्द जैसवाल निवासी चापोरा तह: बुरहानपुर ।

(अन्तरितो)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की उत्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अर्वाध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
- (क) इस सूचना की राजपत्र में पकाशन को तारीक स 45 दिन क भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णाम सिक्ति में किए था सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ हागा जा उस अध्याय में विश् गया हैं:

## वन्त्वी

मकान नं० 238, ब्लाक नं० 32, प्लाट नं० 118/1 भीर 119/2, मोहल्ला न्यामतपुरा बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्मति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जो में निहित है।

वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) गंगोल्लो बिल्डिंग, चौर्था मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-7-1984

मोहर 🛭

# प्रकृत बाह्र . ही, एन, एस. - - - ----

# भागकर निभितियम, 1961 (1961 का 43) की थाझ 269-म (1) के नभीत सुचना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/4932~-अत मधीवीरेन्द्र कुभार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि सङ्ख्या ख० 74 है तथा जो नं० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संविणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिनयम 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे क्याने में सूबिधा के सिए सौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्सित स्पिक्तयों, अर्थात :--- (1) श्रोमती लक्ष्मीबार्द पत्नी माधवराय बेड़ेकर निवासी हरीगडुज, खण्डवा।
2. श्री यगवन्तराय आत्मज श्रो नाधवराय बेड़ेकर निवासी-हरीगन्ज, खण्डवा।
3. सौं वितासी आत्मज माधवराय बेड़ेकर पति श्री प्रभावर छेयभ देसाई, चिच पाहली सोमनगर 2/56, भयखली गुडल डिपो परेल बम्बई।
4. अनन्तराय आत्मज माधवराय बेड़ेकर पारेण वी/12, जेव मुणीव रोड गोटेगांव ईस्ट बम्बई लक्ष्मीबाई स्वम् एवम् आम मुव की हैसियत से क्षमीच 2 सं 4।

(अन्तरक)

(2) खण्डवा डायोसिस,
खण्डवा रिजस्टर्ड सोसायटी नं० 589,
खण्डवा द्वारा अध्यक्ष रेवरेन्ट
विषय अवाहीम , खण्डवा ।

(अतरिती)

को ग्रह सूचना बारी करके वृत्तीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तियों में से किसी क्यांक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्वंधदीकारण --- इसमें प्रयुक्त सम्यों भीर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

**मन्**स्ची

भूमि खा० नं० 74, खण्डवा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्थापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवला सक्षम श्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) गंगोसी बिल्डिंग चौथी में जिल टी० टी० नगर, अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 21-7-1984 मोहर 3 प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984 निदेश लं० आई० ए० सी०/4933---अत मुझे,

कुमार बरनवाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सठ० मकान नं० 111 है तथा जो सती मार्ग उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजिस्ट्रीगर्ता अधिकारी के वार्यालय, उज्जैन में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पोत के उचित बाजार मृल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिदत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तिसों, अर्थात् ः—— (1) श्रो अरुण कुमार पिता श्री मांगीलाल जो सित्तल निवासी जा लुमोदी बाजार, रतलाम।

(अन्तरकः)

(2) श्री कैलाधा चन्द पिता श्री लाधूराम जी निवासी-मिर्जा नईम बेग मार्ग उज्जैन ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्रवी

मकान नं० 111, सती मार्ग, उज्जीन में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आ4कर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोर्ज बिल्डिंग, **चौथी** मंजिल **टी०टी० नगर, भोपा**स

तारीख 21-7-1984 मोहर

# प्ररूप नाइं. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984 मंद्र सर्वाद प्रकृति (१८८५)

निदेश सं० आई० ए० सं०/4934--अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

गायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-स. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि सर्वे न० 1310, 1312, 1315 भूखण्ड कमांक 25 है तथा जो ग्राम खजराना तह इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री जर्ती अधिए।री के कार्यालय, इंदौर में रिजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कौरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरवमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 2—

- (1) श्री बापूराव पांडुरंग
  - (2) श्रीराम
  - (3) अनिल (4) सुनील पिता गणपत राव
  - (5) सुरेश पिता बत्तात्रप
  - (6) दीपक पिता ग्रेष राव निवार्स -47, गुलमोहर कालोनी, इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल पिता श्री देशराज आहुजा निवास -पोलोग्राडण्ड, इन्दौर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्ष्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीच से 45 विन् की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवृधि, जो भी जविष् वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।।

# ननुस्ची

भूमि सर्वे नडु० 1310, 1312, 1415. भूखण्ड क्रमांक 25, ग्राम खजराना तह इन्दौर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्थापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> ॄ्रंबीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ष (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग चाँबी मंजिल ठी० टी० नगर, भोपाल

तारील 21-7-1984 मोहर्

# प्रकृप बाइं. थी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोषाल जिलांक ११ जन्म ११

भोपाल, दिनांक, 21 जुलाई 1984

निदेश सं० माई ए० सी० मर्जन/भोपाल/4935—मतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/ रु. से बधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 1310, 1312, 1315 भूखण्ड क्रमांक 13 है तथा जो ग्राम खजराना तह० इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्या— लय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिसम्बर 1983

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संधुर्ध किसी बाय की बाबत, उक्तः अधिनियम वी अधीन कर देने के कल्तरक के दावित्व में कनी करने वा अवसे क्यने में सुविधा के शिष्ट; और/शा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा चे जिए;

अतः अधः उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के कन्दरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर जिन्नीसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

- (1) (1) श्री बापूराव पिता श्री पांडुरंग
  - (2) राम
  - (3) भ्रनिल
  - (4) सुनिल पिता श्री गणपत
  - (5) सुरेश पिता दत्तावय
  - (6) दीपक पिता शेषराव निवासी-47 गुलमोहर काूलोनी, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम जन्द्र सीताराम भिन्नारे 19 है, तिलक पथ, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंण :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की शरीच व 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्याक्तमों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, ने विभाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याद में विका प्या हैं।

## अनुस्ची

भूमि सर्वे नं० 1310, 1312, 1315, भूखण्ड क्रमांक 13, ग्राम खंजराबा इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) गंगोत्री बिल्डिंग चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल धर्जन रैंज, भोपाल

तारीख: 21-7-1984

मोहर ॥

प्ररूप आहु . टी, एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निवेश सं० श्राई०ए० सी० श्रर्जंन/भोपाल/4936—श्रतः मुक्तो, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा →69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जान है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 1310, 1312, 1315 भूखण्ड क्रमांक 24 है, तथा जो ग्राम खजराना तह० इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर के श्रधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विद्यास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित के बाम्लिक रूप में कथित नहीं किया गया है अन्तरण के वाम्लिक रूप में कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जरि/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा. प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत क्—

- (1) (1) श्री बापूराव पिता श्री पांडूरंग
  - (2) राम पिता श्री गणपत
  - (3) ग्रनिल
  - (4) सुनिल पिता श्री गणपत
  - (5) सुरेश पिता श्री दत्तावय
  - (6) दीपक पिता श्री गेषराव निवासी-47, गुलमोहर कालोनी, इंदौर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल पिता श्री वेशमुख ब्राह्मजा पोलोग्राउण्ड, इंबीर ।

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 1310, 1312, 1315, भूखण्ड क्रमांक ग्राम खजराना तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी०टी० नगर, भोपाल ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-7-19484

# प्रकृष बाहें.टी. प्रन. १व. -----

यायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के संधीन सुचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंग, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश मं० ग्राई० ए० मो०/4937—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुप्त से अधिक हैं

ष्प्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 1310, 1312, 1315 भूखण्ड क्रमांक 23 है तथा जो ग्राम खजराना तह० इंदौर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिद्यत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण् से हुई किसी बाय की बाबत,, उक्त वृधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे दचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धर या किया जाना चाहिए था लिपाने में रिवण के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--17—236 GI 84

- (1) (1) श्री बापूराव पिता श्री पांडूरंग
  - (2) राम
  - (3) भ्रनिल
  - (4) मुनिल पिता श्री गणपत
  - (5) सुरेश पिता श्री दरनावय
  - (6) दीपक पिता श्री णेषराव निवासी-47, गुलमोहर कालोनी, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डा० चन्द्र कुमार
पिता श्री चन्दनमल जी खासगीवाला
हाल मुकाम युनाइटेड
स्टेट बैंक ग्राफ अमेरिका
तरफे ग्रा० मु० डा० मुभाय
पिता श्री डी० सी० जैन
12/1, उषागंज, इंदीर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी. अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमि खु० नं० 1310, 1312, 1315, भूखण्ड क्रमांक 23, ग्राम खजराना तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) गंगोत्नी विस्डिंग, चौथी मंजिल टीउ टीउ नगर, भोपाल ग्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 21-7-1984

भोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज, भोषान

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० मी० भ्रर्जन/भोपाल/4938—ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, वह विशास करने का कारण हैं कि स्थावर मंपत्ति जिसका उजिन बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी गं० भूमि मर्चे नं० 1310, 1312, 1315, प्लाट नं० 33 है तथा जो ग्राम खजराना इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण, रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908, का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1983

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह लिख्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ठत स अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गए। प्रतिफल, निस्मितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण विलिख्त में वास्त्विक एप से विश्वत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सीतथा के जिए: और /का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय लायकार अधिनियम, 1925 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा पक्त नहीं किया गर्या था या दिल्या जाना चाहिए था, जिल्हों में गरिक्ष के निर्ण;

अते. अव. उक्त अधिनियम की धारा १६०-५ के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा १६९-ए की उपधारा (1) के अधीन, निरनिलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) (1) श्री बापुराव पिता श्री पांड्रंग
  - (2) राम पिता श्री गणपत
  - (3) अनिल पिता श्री गणपन
  - (4) मुनिल पिता श्री गणपत
  - (5) सुरेण पिना श्री दत्तान्नय
  - (6) दीपक पिता श्री शेपरात्र निवासी-47 गुलमोहर कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री डा० चन्द्र कुमार पिता श्री चन्द्रन मल जी हाल मुकाम युनाईटेड स्टेट बैंक श्राफ श्रमेरिका तरफे श्राम मु० डा० सुभाषचन्द्र पिता श्री डी० सी० जैन, 12/1, उषागंज, इंदौर ।

(ग्रन्निरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिगां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वश्वीकरणः -- - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा भया है।

## अनुसुची

भूमि सर्वे नं० 1310, 1312, 1315, प्लाट नं० 33, ग्राम खजराना तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है

बीरेन्द्र कुभार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) गंगोत्री विल्टिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल श्रर्जन रेंज, भोपाल

**सारीख**: 21-7-1984

मोहर ः

प्ररूप आध्रा. टी. एन. एस. -----

नायकर ज्यिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनोंक 21 जुलाई 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी० म्रर्जन/भोपाल/4939—म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 1310, 1312, 1315 प्लाट नं० 22 है तथा जो ग्राम खजराना तह० इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्निसित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उच्नत अधि-दिवाल याँ सभीन करा दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करूप वा समये व्यवे में दुविधा के सिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन कर अधिनियम, मा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उप्धारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अथाति ३──

- (1) (1) श्री बापूराय पिता श्री पांड्रगंग
  - (2) राम पिता श्री गणपत
  - (3) भ्रनिल पिता श्री गणपत
  - (4) सूनिल पिता श्री गणपत
  - (5) सूरेश पिता श्री दत्तान्नय
  - (6) दीपक पिता श्री शेषराव निवासी-47, गुलमोहर कालोनी. इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० चन्द्र कुमार
पिता श्री चन्दनमल जी खसगीवाला
हाल मुकास
यूनाइंटेड श्रॉफ श्रमेरिका
तरफे श्राम मु० डा० सुभाध जैन
पिता श्री डी० सी० जैन,
12/1, उपागंज,
इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त चालिन्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में रिहत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित् में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

भूमि सर्वे नं० 1310, 1312, 1315, ष्लाट नं० 22, ग्राम खजराना तह् ० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गंगोद्री बिस्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-7-1984

प्ररूप आईं ुटी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकाउ

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्धीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश स० आई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4940—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको स० भूमि सर्वे न० 1310,1312, 1315 है तथा जो ग्राम खजराना तह० इंदौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता धिकारो के कार्यालय, इंदौर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 4508 (1908 कम 16) के अधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किमी अन या अन्य अस्तिकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः गवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, ज्यात् ६—

- (1) 1 श्री बापूराव पिता श्री पांड्रग
  - 2 राम पिता श्री गणपत
  - 3. अनिल पिता श्री गणपत
  - 4. सुनिल पिता श्री गणपत
  - 5 सुरेश पिता श्री दस्तालय
  - 6. दीपक पिता श्री गेषराव निवासी-47, गुलमोहर कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) डा० चत्द्रकुमार
पिता श्री चन्दनमल जी
हाल मुकाम
युनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका
तरफे आम मु० डा० सुभाषचन्द
पिता श्री डी० सी० जैन,
12/1, उषागज,
इंदीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यजीहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त क्वाया।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्तिस में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त जिभिनयम, को जध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्यी

भूमि सर्वे नं० 1310, 1312, 1315, ग्राम खजराना तहु० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी० में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी गगोत्री ह्यिफिडग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 21-7-1984

मोष्टर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकरु मिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्स (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्जन/भोपाल/4941—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- दुरु से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं मकान म्यु पा नं 46 है तथा जो पार्ट बी , प्रेमनगर कालोनी, इंबीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर से रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिकल से, एसे ख्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखिल उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरुण संहुइं किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करुने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्⁄वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्टिप्ट में सुनिभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ण के अनुसूरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिशित व्यक्तियों अर्थातः हु—— (1) श्री झामनदास पिता श्री गोपालदास निवासी—बी—955, नया बाजार नई दिल्ली।

(अन्तरका)

(2) श्री अशोक कुमार पिता श्री मथुरालाल जी जैन

 विनोद कुमार पिता मथुरा लाल जी जैन निवासी-15/1, आलापुरा जुनी, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

## नन्त्र ची

मकान म्यु० पा० न० 46, बी०, प्रेमनगर कास्तौनी, इंदौर में स्थित है।

> बोरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी महाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गंगोको बिस्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपास अर्जन रेंज, भोपास

तारीख : 21-7-1984

# प्रकल आई. टी. एन. एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्राघीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यांतय, सहायक भायकर भायक्त (निर्धिक)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 21 जुलाई 1984 निदेण मं० आई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/4942—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, ग्रायकर ग्रां**वनियम, 1961 (1961** का **43) (जिसे इस**में

प्रायकर प्रावितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवितियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 46 बी पर बना हुआ मकान म्यु० पा० नं० 46 है तथा जो प्रेमनगर कालोनी, इंदीर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भा या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री क्षामनदास पिता श्री गोपालदास जी निवासी-3955, नया बाजार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री संतोष कुमार
2. श्री बसंतकुमार
पिता श्री मथुरालाल जी जैन,
निवासी—बीडाना मार्कीट,
इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्ति ए पर सूचना की नामीन से 30 दि। ही ग्रविध, जो भी अविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकत व्यक्तियों ने ने किसी व्यक्ति इस्साः
- (ख) इस मुखना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भोगर उक्त स्थावर प्रमाति में हितबब्ध कियो प्रत्य क्यक्ति द्वारा, यक्षीत्रस्ताक्षरी के पास किया मंदिर जा मर्कींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त गारिंग के १३६७ 23 हुने परिमाधित हैं बरा प्रयोगित, जो उन प्रकार में दिया गया है।

# अनुस्ची

प्लाट नं० 46बी० पर बना हुआ म्यु० पा० नं० 46, प्रेमनगर कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> बोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गंगीली बिल्डिंग, चौथो मंजिल, टो०टी० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 21-7-1984

मोहर ध

## प्ररूप जाहाँ, टी. एन. एस.-----

# भासकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निर्वेक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/4943---अतः मुझे, जीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक ह

श्रौर जिसकी सं० एक किना प्लाट है नथा जो नई आबादी छिदवाड़ा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिदवाड़ा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिसम्बर 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निक्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदेश से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुर्द किसी आय की बाबत उक्स जिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमं वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी विज्ञी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीष आष-न्य अधिनियस, १९२५ (1922 को 11) या उथत अधिनियस, १९२५ अन-कर अधिनियस, १९३७ को 27) हे प्रयोजनार अन्यानियस, 1957 (1957 को 27) हे प्रयोजनार अन्यानियस, विज्ञानिय अन्यानिय अन्य

अप्तः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसर्थ में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिधन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रं माधवलाल पिता श्रो हरीचन्द गरवैया निवासा—तई आबादो, छिडवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रो सुभाषचन्द्र पिता श्रा चरनदास भगान निवासी-नई आबादी, छिदवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति ब्वार कथोहस्ताकारी के पास निर्धित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ग्रनुसूची

एक किना प्लाट नई आबादो, छिदवाड़ा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिता द्वारा सत्यापित फार्स नं० 38 जां० में निहित है।

> वारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी यहारक अध्यक्त (निरोक्षण) गंगोला विलिडग, चौथो संजिल, डा० टा० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोताल

नारोख : 30-7-1984

# प्रकथ आई. टी. एन एस्.-----

# नायकर निर्मित्समं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुनना

## भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश म० आई० ए० मी० ग्रर्जन/भोपाल/4944-अतः मुझे बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्यत बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान है तथा जो नई आबाबी, छिदवाडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिदवाडा रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिसम्बर 1983

को पृत्रांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भे धास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बायस सक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा को नियो; बर्गर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः थव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्रा माधवलाल पिता श्री हरीचन्द सरवैया निवासी—नई आबादी, छिदताड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पारानी पर्त्न श्री विलोक्तनाथ भसीम निवासी—नई आबादी, छिदवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोर्ड भी वार्श्य हन्न

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्यान्ति ;
- (च) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुसूची

मकान, नई आबादी, छिदवाड़ा में स्थित है। यह घह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, वौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

नारीख: 30~7-1984

मोहर 🛭

# प्ररूप नाई. ही. एन. एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन भूमना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक जायकर भायक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० अर्खन/भोपाल/4945—अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उषित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्नीर जिसको सं० एक मंजिला मकान ख० नं० 68/2 है सथा जो ग्राम उपनिया जिला रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है) , रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारों के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर 1983

को पूर्वे क्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण में हुई किसी अग्र की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपध्रार (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अधीन किम्निसित व्यक्तियों, अधीन किम्निसित

- (1) 1. नर्बदाबाई पिता श्री शासीग्राम चर्त्वेदी 2. गोपाल चर्तुवेदी पिता श्री शालोग्राम चर्तुवेदी निवासी—नया हैदराबाद दि काटन टी० वी० सिविल लाईन, हैदराबाद, लखनऊ-226007 । (अन्तरक)
- (2) श्री अभय कुमार जैन पुत अमरचन्द जैन निवासी मौदापुरा, रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त राज्या और पदों का, जो उक्त जिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया हैं।

## बनुस्ची

एकः मंजिला मकान ख० न० 68/2, ग्राम उगानिया जिला रायपुय में न्थित है। यह वह स्थावर सम्पित है जिसका विवरण अन्तरितः द्वारा सन्यापित फार्म नं० 37 जो में निहित है।

> वं रेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) गंगोती बिल्डिंग, चौषी मंजिल, टी०टी० नगर, भोपाल अर्जन रेंज, भोपाल

ताराख : 30-7-1984

प्ररूप बाह्रे. टी. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, १९६१ (1961 का 43) का घारा **269-ण (1) के अधीन स्चना** 

## भारत सरकार

शायांसिय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजन केंद्र भोपाल भोपाल, दिनांक 30 ज्लाई, 1984

सं**० ग्राई०** ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4946:—-ग्रत: मुङे **वीरेन्द्र कुमार** बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कि. सं अधिक है

श्रोर जिनकी संख्या एक मंजिता मकान, ख. नं० 68/2 है, तथा जो है. तथा जो ग्राम डंगानिया जिला रायपुर में स्थित है (ग्रीर इयमे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन, दिसम्बर, 1983

को पूर्वे दित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापवों क्स मंपित्स का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिनियों) के बीज एपे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल किम्मिलिस उद्देश्य से उद्देश बन्तरण लिखित में धास्तिक कर स कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाजिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत्ः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----  श्रीभिती नर्बदादार्द पानी या लोग्नाम चतुर्वेदी
 मोताल बतुर्वेदा दिता लाक्तियान चतुर्वेदी निवासी नवा हैद्यरायाद वि काटन टी० वी० सिविल लाईन्स, नवीन हैदराबाद, लखनप्र-226007।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रमस्यन्द जैन पुत्र श्री जहिस्मश जैन निवासी-भीदापास, स्थापुर।

(भ्रन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके प्रवीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारती हू ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 रेपन की अपिथ या नलाम्बन्ती व्यक्तियों पर मृथना को तामील स 30 दिन की अवधि , आं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति ब्या नत्यों में स जिसी त्यांचन ब्यापा;
- (ख) यस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकारी के पास लिखित मो किए जा सकारी।

स्पष्टोकरण -- इसमा प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उनन अधिनियम के अध्याय 20-क मीं परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा की उस अध्याय मीं दिया गया है।

# मनुसूची

एक मंजिला मकान, ख॰ न॰ 68/2, ग्राम डगानिया जिला रायपुर में स्थित हैं यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं। जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी॰ में निहित हैं।

त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त निरीण ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 30<del>-7-</del>1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ, टी. एन. एस.-----

**गायकर म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-च (1) के ब्धीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 1984

संव ग्राईव एव सीव/म्रार्जन/भोपाल 4947.—म्रात: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या मकान कारपोरेशन नं 121/122 (पुराना) (423) (नया) नं है, तथा जो गंजीपुरा, राम मनोहर लोहिया वार्ड, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपयद्ध अनुमूर्वा में श्रौर पूर्ण के रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिसम्बर, 1983।

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शिक्षक, निम्नुनिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित के बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की नावस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे यचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी शाय या किसी धन मा अन्य वास्तिमों को, जिन्हें भारतीय आग्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उक्त निधिनयम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—  शि सीचयन्य जैन बल्द १३० सेठ कर्नुवालाल जैन निव ।सीचस्त्राता ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विशाल कुमार नाबालिग तब्द व वली श्री श्ररविन्द कुमार केनिया श्रात्मज श्री सुरजीभाई केनिया निवासी—59, जी पंचशील, कालोनी, जबलपुर।

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित्ब हुं भे किसी अन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकेरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, **को उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होमा जो उस अध्याम में विदा गया है।

## **मन्**स्ची

मकान कारकोरेशन नम्बर 121/122 (पुराना) नया **गं०** 423, ग्लाट नम्बर 51, ब्लाक नं० 79, गंजीपुरा, राम मनोहर लोहिया वार्ड, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थाबर सम्पत्ति हैं जिनका विवरण प्रन्तरिती द्वारा सन्यापित प्राप्त नम्बर 37 जी में निहित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरन**वास,** सक्षम प्राधिका**री,** महायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, भोपाख

িবাগীয়া: 30-7-1984

महार्च ३

January Commission

प्ररूप भार्दे. टी., एन., एस.,- - = =--=

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण)
श्रर्जन क्षेत्र भोपाल
भोपाल, दिनाक 30 जुलाई, 1984

सं० ग्राई० ए सी०/ग्रर्जन/भोगाल/4948 -- ग्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निर्मानयम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निर्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या मकान न० 423 का भाग है, तथा जो राम मनोहर लोलिया वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ण ग्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राघीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उनत मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा के लिये;

अतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्युक्तियों, कथित ह— श्री सोमचन्द पिता श्री कन्हैया लाल जैन निवासी सतना ।.

(भ्रन्तरक)

श्रीमती कमलादेवी
पत्नी श्री कऽणकान्त खण्डेलवाल
निवासी–मिविल सेटर,
जबलपुर।

(श्रन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तु सम्पृति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्याकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्तों भौर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा क्र<sup>8</sup>।

## अनुसूची

मकान न० 423 का भाग, राम मनोहर लोहिया वार्ड, जबलपुर मे स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राक्षिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षी श्रर्जन रेज भोपाल

तारीख : 30-7-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.------

बायकर बीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 1984

सं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4949:----ग्रतः मृझे बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान न० 423 का भाग है, तथा जो मढ़ाताल, राम मनोहर लोहिया बार्ड, जबलपुर में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णं रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजिस्ट्रीकरश्र श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1983

को प्वोंक्त सम्मान के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गण प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कबी करने या उन्से बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जना था तिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, व्यक्तिसिस व्यक्तिमों, अर्थात्:—  श्री सोम चन्द पिता श्री कन्हेया लाल जैन निवासी सलना।

(ग्रन्तरक)

 श्री सजय कुमारनाबालिंग द्वारा पिता एवं सर कृण कान्त पिता श्री राधा किशन खण्डेलवाल निवासी~2, सिबिल सेंटर, जबलपूर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिदों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ने पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमा प्रयूक्त कार्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची** 

मकान नम्बर 423 का भाग, मकावताल, राम मनोहर लोहिया वार्ड जबलपुर में स्थित है।

> शीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम श्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायक्त निरीक्षी श्रर्जन रेज, भोषाल

तारीख: 30-7-1984

प्ररूप माइ'.दा.एन.एथ.-----

श्रीयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोशल, दिनांक 30 जुलाई, 1984 सं०-भाई० ए० सो०/भ्रजैन/भोपाल/4950:---श्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है. कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000′- रह से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं० 800 (पुराना म० नं० 19, 1900) का भाग है, तथा जो उपरैनगंज, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप में विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप में विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रशीन, विसम्बर, 1983

- का पूर्विक्स सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंचक स्मित्रियात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति कि करम से अधिक हमीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए: और/था
  - (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाः आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात ६──

- श्रीमती रामरती बाई
  पत्नी स्व० मैयालाल नन्दराम, रामस्वरूप गुप्ता
  निवासी—ग्राम सिरिया जिला जबलपुर।
  (श्रतरक)
- थी राजेश कुमार यादव पिता श्री गोबिन्द प्रमाद यादव निवामी—उपरैजगंज, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 विन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकनो।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## **म्य**!सची

मकान नम्बर 80**0 (पु**राना म० नं० 189, 190) का भाग, उन्हेनगंत्र, जबस्**पूर** में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, **स**ढायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षी ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीब: 30-7-1981

# प्रकृष आइ. टी. एन. एस . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीर मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरौक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 1984

मं० ग्रार्ड ए० मी०/ग्रर्जन/भोणल 4951:---ग्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार वरनवाल.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम पाधिकारों को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या में नं 768, 801 (पुराना में नं 189, 190) की भाग है, था जी उपरैनमंज, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपतड़ ग्रमुम्बी में ग्रौर पूर्ण हुए में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमार प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहु प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अतरकों) और अंत-रिती (अतिरिन्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निज्ञित उद्योग्य से उकत अन्तरण निश्चित में अस्तिकक रूप में कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विध्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

**बत: ब्रब, उक्त वैधिनियम को धारा 269-ग के बन्सरण** मो, मी, उक्त अधिस्यम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीर: जिस्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात :—- श्रीसर्ता रामरती बाई
पत्ती स्वर भैयालाल नन्दराम, रामस्वस्य गृग्ता
पिता स्वर भैयालाल गुप्ता
निवासी सिरिया
जिला अबलपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सुशीला पत्नी गोबिन्द प्रसाद यादव निवसी उपरैनजंज, जबलपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विशेष कार्यकाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी मैंसिंग :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारी विश्व 45 दिन की अविधि या तत्सं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों बर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील भी अर्ड विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के शिहतक्ष्म किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, मभोहस्ताक्षरी के शब्द लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :----इशमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं की, जी विकेष अधिनियम के अध्याय 20-क. में पेरिभीकित ही, वहीं अधे होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### जन सची

म० न० 768, 801 (पुराना म० नं० 189, 190) का भाग, उपरैनगंज, जबलपुर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कृमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भाषाल

नारोब: 30-7-1984

प्ररूप आइं.टी.एन.एम.-----

द: एकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 1984

निर्वेण सं श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 4952—श्रतः मुझे बीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पठकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० नं० 798, 800, 801 (पुराना म० नं० 189, 190) का भाग है, तथा जो उपरैनगंज, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप में विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जबलपुर स्में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिसम्बर 1983

करे पूर्धोंकत सम्पत्ति को उचित वाजार मृत्य स कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हो आर मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; आरे/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्हरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कैं, कैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—→

श्रीमती रामरतीबाई
पत्नी स्व० भैयालाल नन्दराम, रामस्वन्त गुप्ता
पिता स्व० भैया लाल गुप्ता
निवासी-खिरिया
जिला जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रमित यादव नाबालिग पिता गोविन्द प्रसाद यादव वली मां श्रीमती सुशीला यादव पत्नी श्री गोविन्द यादव निवासी-उपरैनगंज, जबलपुर।

श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की बटींध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्सूची

मकान नम्बर 798, 800, 801 (पुराना मकान नम्बर 189, 190) का भाग, उपरैतगंज, जवलपुर में स्थित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपास

तारीज: 30-7-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एत. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 2**69-थ (1) के संभीन स्व**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 4953---प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरन्वाल,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उदत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्ववित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या मकान नम्बर 798, 800, 801 (पुराना मकान नम्बर 189, 190) का भाग है, लग जो उपरैनगंज, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिगम्बर, 1983

को पूर्वे कि एक्पित के उनित बाजार मूल्य से कम के दरगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वे कित सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दरगमान प्रतिफल से, एसे दरगमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीव एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उपन अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्न में कमी काने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपने किया गाम किया गाम किया गाम किया गाम किया गाम किया गाम किया के लिए:

अतः अब, उत्पा अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निविधित व्यक्तियों, अथित :—
19—236 GI[84

श्रीमती रास्ती बाई
पत्ती स्व० भैयालाल नन्दराम, रामस्यष्ट्य गुष्ता
पिता स्व० भैयालाल गुप्ता
निवासी—िखिरिया
जिला जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री मुकेश कुमार यादव पिता श्री गोबिन्द प्रसाद यादव, निवासी उपरैनगंज, जबलपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सभ्यीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

मकान नं० 798, 800, 801 का भाग (पुराना म० नम्बर 189, 190) का भाग, उपरैनगंज जबलपुर में स्थित हैं।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीच: 30-7-1984

## प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

मायकर आंधिनियम, 1961 (1901 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

## भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र; भोपाल **भोपा**ल, दिनांक 31 जुनाई, 1984

सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्शन/मोसः//4954:—प्रतः, मुझे, श्रीरेम्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

धीर जिसकी संख्या मकान नम्बर 580 का भाग है, तथा जो दक्षिण सिविल लईन, जवलपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबंद्ध मनुभूची में और पूर्ण के रूप में वणित है), रजिस्ट्री-कत्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जवलपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर 1983

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविध्तित उद्योग के उपार अनारण किलिस में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावन, उपत अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उनसे बचाने में मृथिया के निए; और/या
- (म) एंगी जिसी आग या किसी धन या क्या आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं जिया गया धा मा जिया जान चाहिए था, फिल्पाने मी स्विधा के लिए;

कत: अस, उत्तत अधिनियम को धारा 260-स धे, अनुसरण मों, मों, अक्त अधिनियम की धारा 260-स की उपयास (1) के अधीन, निम्मलिस्थिन क्यक्तियों, अधीत :---

- 1. श्री रामचन्त्र पिता श्री गुलजारी लाल,
  - 2. श्रीमती चन्द्रानी पत्नी रामचन्द्र जैन,
  - 3. राजेन्द्र कुमार,
  - म्रभय कुमार जैन
     पिता रामचन्द्र जैन,
     सभी निवासी—जवाहरगंज, जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुभाष सेठी पिता स्व० मुन्शी राम सेठी,

809 बाई का बगीचा धमापुर, जबलपुर,

- महेण पुरोहित पिता स्व० श्री कृष्ण पुरोहित, राईट टाउन, जबलपुर।
- 3. डा० जगदीश प्रसाद पाहवा पिता स्व० माहलाराम पाहवा
- 4. कमला गरवारा पति श्री जे० डी० गरवारा,
- 5. प्रेम कुमार भण्डारी पिता स्व० जगन्नाथ भण्डारी,

**376, माउथ सिविल लाईन्स, जबलपुर ।** 

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाउर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## वन्स्ची

मकान नम्बर 580 का भाग, रक्षाक नं० 32 के प्लाट नं० 9 के भाग, सिविल लाईन्स जबलपूर में स्थित हैं। यह वह स्थायर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षी) अर्जन रेंज, भीमल

नारीख: 31-7-1984

प्रसम्म भाष्ट्री, प्रमा, प्रसा, -----

अध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर मागुक्त (निर्दोक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/4955:---ग्रतः, मुझें, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नं 584 का भाग है, तथा जो साउथ सिविल लाईन्स जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिसम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्प्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह त्रिश्यम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निर्मित से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सीवधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था खिपाने में सुविधा के निएं।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित राक्तियों, अर्थातः :—

- 1. श्री रामचन्त्र पिता श्री गुलजारी लाख
- 2. श्रीमती चन्द्रानी पत्नी राम चन्द्र जैन,
- 3. राजेन्द्र कुभार,
- ग्रभय कुमार जैन विता रामधन्द्र जै सभी नियामी—कवाहरगंज, जबलपुर।

(ग्रन्तरकः)

श्री सुभाष सेटी
पिता स्व० मुन्गी राम सेटी,
 809, बाई का बंगीचा धामापुर, जबलपुर,
 2. महेग पुरोहित पिता स्व० श्री कृण पुरोहित,
 राईट टाउन, जबलपुर
 3. डा० जगदीण प्रसाद पाहवा
 पिता स्व० माहलाराम पाहवा,
 4. कमला गरवारा

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

376 साउथ सिविल लाईन्स, जबसप्र ।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🛌

पति श्री जे० डी० गरवारा,

पिता स्व० जगन्नाथ भण्डारी,

प्रेम कुमार भण्डारी

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अथिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अथिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेषित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व से**.
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के वाच लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशादिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्या गया है।

## जन्सूची

मकान नम्बर 580 का भाग, ब्लांक नं० 32 के प्लाह नम्बर 9 का भाग साउथ सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण **प्रन्तरिबी** द्वारा मत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> ूंबीरेन्द्र कुमार ब**रनवाल** सक्षम **ग्रधिकारी** महायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षी)** ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारी**ख**: 31-7-1984

माहरू

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 जुलाई, 1984

सं० ग्राई० ए० सी० /ग्रर्जन/भोपाल/4956:—ग्रतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नम्बर 580 का भाग है, तथा जो साउथ सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्री-क्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उक्त अभिनियम के अभीन कथ दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अभीन, निम्निखित व्यक्तितां, अध्यक्ति :---

- 1. 1. भी रामभन्द्र दिता श्री गुलजारी लाल,
  - 2. श्रीमती चन्द्रानी पत्नी राम चन्द्र जैन,
  - 3. राजेन्द्र कुमार
  - 4. ग्रभय कुमार पिता रामचन्द्र जैन

सभी तिवासी-जवाहरगंज, जयलपुर।

(ग्रन्तरक)

श्री सुभाष सेठी `
पिता स्व० मुन्शी राम सेठी,
809, बाई का बगीचा धामापुर, जबलपुर,

2. महेश पुरोहित पिता स्व० श्री कृष्ण पुरोहित, राईट टाउन, जबलपुर,

डा. जगदीश प्रसाद पाहवा
 पिता स्व० माहलाराम पाहवा,

4. कमला गरवारा पति श्री जे० डी० गरवारा,

5. प्रेम कुमार भण्डारी
 पिता स्व० जगन्नाथ भण्डारी,
 376, साउथ सिविल लाईन्स, जवलपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

मकान नं 2 580 का भाग, व्लाक नं० 32 का प्लाट नम्बर 9 का भाग सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-7-1984

## प्ररूप बार्ब, टी. एन्. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ए (1) के वधीन सूबना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यर्जन क्षेत्र, भौपाल

भोगान, दिनांक 31 जुलाई, 1984

स० ग्राई० ए० सी०/प्रजंन/भोवाल, 4958:—प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर दिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके इस्वात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी संख्या मकान न० 581 का भाग है, तथा जो साउथ जितिक लाईन्त, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूबी में और पूर्ग के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्याक्य, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयीन दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और प्रश्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक हैं और लंबरफ (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए उस प्राथा गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी अग्य की बाबत उनत शिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के किए; बार/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी घन या अस्य सार्यित्य को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, गा अव- कर अधिनियम, गा अव- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणान मो सुनिया खें किया;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिक्निमिसित व्याक्तियों, अधीत्:—

- 1 1 भारामसन्द्र पिता गुनजारी लाख्।
  - 2. श्रीवती चन्द्रानी पत्नी रामचन्द्र जैन,
  - राजेन्द्र कुमार,
  - 4. अभय कुनार,

पिता रामवन्द्रजैन

सभी नियासी प्रवाहर गंत्र, प्रवलपुर।

(श्रन्तरक)

श्री सुभाष रोठा
 पिता स्वरू सुन्ती राग रोठी,
 809, कई छा वर्गाचा धामापुर, जबलपुर,

2. महेण पुराहित पिता रव**े श्री कृष्ण पुरोहित,** राईट टाउन जवलपुर,

3, डा० जनदीम प्रयाद पहिता

भिता स्व० माह्या <mark>राम पाह्</mark>वा - 4. कक्षणा सर्वारा

पति श्री जै० डी० गरवास,

5. श्रेम कुषार भण्डारी पिता स्व० जगताय भण्डारी, 376, साउा सिवित लाईन्स, जबलपूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- ्क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि यात्र में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में में निवारी व्यक्ति दुगरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन किए के द्वारा स्थोहम्ताक्षरी के पास विस्थित में किए का सकीं।

स्पाद्धीकरणः - इसमे प्रयादि मन्दों जीर पदीं का, जो उनत मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## अनुसुधी

मकान नम्बर 531 का भाग, ब्लाक नं० 32 का प्लाट नं० 9 का भाग साउय सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थायर सथाति हैं जिसका विवरण बन्तरिती द्वारा सावाधित फार्य नमार 37—जी में निहित हैं।

> बीरेन्द्र कुमार बरनबाल सक्षम श्रश्चिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) स्रजन रेंज, भोपाल

नारीब: 31—7—1984

## प्ररूप बाद'.डी.एन्.एस्.,-----

जायवार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-घ (1) के अधीन म्चला

#### भारत सरकार

कार्यालगः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेस क्षेप्त. भीपाल

भो तल, दिनांक 31 जुलाई 1984

सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/4958——अतः मुझे, धीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर कि धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

मीर जिसकी संग्या एक मंजिला मकान नम्बर 583 का धार है, तथा जो साउथ सिविल लाईन, जवलपुर में स्थित हैं (मीर इससे उपबंद मनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जवलपुर में, रिजस्ट्री-करण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उिमत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिमत बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम में शिक्ष नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सह्यं किसी आम की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृके अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री रामबन्द्र भिता श्री गुलजारी लाल
  - 2. श्रीमती चन्दरानी पत्नी रामचन्द्र जैन,
  - 3. राजेन्द्र कुमार
  - 4. ग्रभय कुमार

पिता रामचल्द्र जैन

सभी निवासी जवाहरगंज, जवलपुर।

(भ्रन्तरक)

2. सभाव संठी

पिता स्व० मुन्गी राम मेटी.

309, बाई का बगीचा, धमापुर, अबलपुर

2. महंशा पुरोहित पिता स्व० थी कृष्ण पुरोहित, राईट टाउन जबलपुर

3. डा० जगदीश प्रसाद पाहवा पिता स्व० माहला राम पाहवा

4. कमला गरवारा

पनि श्री जे० ही० गरवारा,

प्रेम कुमार भण्डारी
 पिता स्व० जगन्नाथ भण्डारी

376, साउथ सिविल लाईन्स, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की जबिध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सके गे।

स्थव्योकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मम्भूरी

मकान नम्बर 583 का भाग, ब्लाक नम्बर 32 के प्लाट नं० 9 का भाग, साउथ सिविल लाईन जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 31-7-1984

प्ररूप शार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज भाषाल

भोपाल, दिनांक 31 ज्लाई 1984

सं० भ्राडि० ए० सी०/म्रजन/भोषाल/ 4959—श्रतः मुझे. वेरिनेद्र कुमार वरनेवाल,

शायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमाँ इसके परचाल 'उन्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीर सक्षम शाधिशारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सक्ष्यि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-गा से अधिक हैं

भौर जिसकी गांचा एक गांजिला मकान नम्बर 582 का भाग है, तथा जी साउध सिविल लाईन, जबलपुर में स्थित हैं (और इसने उपायद्ध अनुस्त्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्री करण श्रिथित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य असके दृश्यकान प्रतिफल से, एसे दृश्यकान प्रतिफल का पन्नह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिगा) के बीच एमें क्लारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हाई किसी आय की शक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में ग्विधा के लिए; और/मा
- (क) एमें किसी अप या फिसी थन या अन्य आस्तियों का, किसी आप या आपक्ष आप्यानपन, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गा था या धिया जाना उतिहुए था, छिताने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिवियम, को भारा 269-र के अन्यरण में, में, उक्त अधिक्षित की पास 200-य की उपलब्ध (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अधीस :---

- १ शि रामचन्द्र पिता श्री गुलजारी लाल
  - अमिता चन्द्रानी पत्नी सम चन्द्र जैन
  - अ राजेन्द्र कुमार
  - ' अगय कुमार

पिता रामचन्द्र जैन

सभी निवासी जवाहरगंज, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

2. थी सुभाप सेठी

पिना स्व० मुन्गि। राम सेटी,

809, बाई का बगीचा, धमापुर, जबलपुर

महेश पुरोहित पिता स्व० श्री कृष्ण पुरोहित,

्राईट टाउन, जबलपुर

डा० जगदीश प्रसाद पाहबा

पिता स्व० माह्ना राम पाहवा

कमला गरवारा पति

पति भी जैं० डीं० गरवारा

प्रेम कुमार भण्डारी

निवा स्व० जगन्नाथ भण्डारी,

376 साउथ सिविल ला**ईन जबलपुर** ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकनी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया हो।

## बनस्ची

मकान नं० 582 का भाग, ब्लाक नम्बर 32 का प्लाट नम्बर 9 का भाग साउथ सिविल लाईन, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थाय सम्यति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित पार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, यक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, भोपाल गढोवी विस्डिंग, चौथी मंजिस, टी०टी० नगर, भोपाल

नारीख: 31 7-1984

प्रत्य आही. टी. एत. एत. ----

Management of the state of the

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन राचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयज्ञ अध्युक्ता (निरीएण)

## अर्जन क्षेत्र, भोपान

भोधार, तिस्ति ३६ स्टाई १०८५

सं० आई० ए० स.०/अजेन/फोपान/ 4960---अप: मुझे, वीरेन्द्र कुमार व्यन्त्याल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-च को अधीन सजन प्रतिपाती को यह विद्यास दारों का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जियका उचित बाजार सूव्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको संख्या महान नं० 78 है, क्या जो जवाहर मार्ग, उज्जैन में स्थित है (जीट इसी उपावद धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से क्याप है), स्विस्ट्रीट श्री अविद्यार के नार्यालय, उच्जैन में, रिलिजू क्याण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के बदान, दिनम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य हो बम को प्रथमान प्रतिफल को लिए दलारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एगे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के जिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय बती वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चारिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिरियम की धार 260-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपवास (1) के अधीर. निम्निक्षित व्यक्तियों, वर्धीर .-- 1. श्रीमती राधा वाई पत्त: चांदमल जी निवासी जहाजगली मु० नं० 31, उज्जैन।

(अन्तरकः)

- 2. 1. रमेश चन्द्रपुत्र भगशादनासजो जैन
  - मुन्तोबाई पत्नो रमेशचंजो जैन निवासी-पापड गली, नयापुरा उज्जैन

(अन्तरितो)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की उविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

## अन्स्ची

म ान तंप्त्रर 78 (तल व प्रथम मंजिल) का भाग, जवाहर मार्ग, न्यू महावाल मार्ग, गृदरीवाजा र उच्जैन में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टील्टील नगर, भोपाल

हार्च : 30-7-1984 मोहर : प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

## भारक बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन टेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 ज्लाई 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4961—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको संख्या मकान नं 78 का भाग है, तथा जो जवाहर मार्ग, उच्जैन में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखन उद्देश्य में उक्त अंतरण निख्यित में वास्त्यिक करना से से स्वार स्वार स्वार स्वार से

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत अवसं अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे अवने मी सुविधा हो लग्, और धा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिवों को जिन्हों नार तेन शहर-का श्रीधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---20---236 GI[84 श्रा राधाबाई
 पस्नी धादमल जो
 निवासी-31, जहाज गली,
 उज्जैन।

(अन्तरक)

 श्रा सन्तीय कुमार पुत्र श्रा भगवान दास जा जैन
 सुधाबाई पत्ना सन्तीय कुमार जैन निवासा पापड़ गला, नयापुरा,, उज्जैन।

(अन्तरियः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिस्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त . अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

## नन्स्यी

मकान नम्बर 78 का भाग, (दूसरी व तीसरी मंजिल) जबाहर लाल मार्ग, न्यू महाकाल मार्ग, गुदरे बाजार, उज्जैन में स्थित हैं।

> वारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 30-7-1984

## प्रकृष जार्ष टी एट एस -----

**अग्रिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-प (1) को अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक कायकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जुलाई 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 4962---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवास.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान न्यू नं० 1/893 (नया नं० 11) है, तथा जो आर्य समाज मार्ग, बहादुर गंज, उज्जैन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अनरण के निए तय गया गया प्रतिकृत का चन्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अल्परण से हुई किसी आय की वायम, लग बिधिनियम के अभीन कर धने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से मुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त आंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—  क्पनारायण दत्तक पुत्र लोलाधर जो निवासो चिमनगंज मन्डो, उज्जैन।
 मनी बाई पत्नी लोलाधर जो निवासी विमनगंज मण्डो उज्जैन।

(अन्तरक)

 श्री पूनम चन्द्र आत्मज हीरालाल निवासा मालोपुरा उज्जैन।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छोक्षरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो छवत अधिनयम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्त्यी

मकान न्यू नं० 1/893 क भाग, (नया नम्बर 11) आयं समाज मार्ग, बहादुरगंज उज्जैन में स्थित है वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आप्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गैगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिस टी० टी० नगर√भोपःस्ल

तारीख: 30~7~1984

मांहर:

त्ररूप बार्ड . टी . एस . एस . -----

# नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांच 30 जुलाई, 1984

सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/ 4963:---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स की अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, अधिका उचित बाजार मूल्य 75,000 - एक. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या मकान म्यू नं० 1/893 का भाग (नया नम्बर 12) है, तथा जो आर्य समाज मार्ग, बहादुरगगंज, उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन सें, रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुर्द किसी जाय की बाणता, उसत **समिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के** दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचमे भें सृक्षिण के सिए और/या
- (क) एसी किसी बार या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की केपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमतः मनं धाई
 पस्नी सोलाधर जी
 निवासी चिमनगंज मण्डा उज्जैन।

 रूपनारायण दत्तक
 पुत्र श्री लीलाधर जे।
 निवासी चिमनगंज मण्डा, उज्जैन।

(अन्तरक)

श्रीमतः भागवतः बाई
 पुत्रो नारायण जी
 निवासः मालं।पुरा, उज्जैन।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ड भी आक्षीप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमान्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### भगतयौ

मकान म्यु नं 1/893 का भाग (नया नम्बर 12) आर्य समाज मार्ग, बहादुरगंज, उज्जैन में स्थित हैं।

> वारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिर्टिडग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर भोपाल

तारीख: 30-7-1984

मोहरः

## 

## शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के स्थीन सुम्बा

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोषाल, दिनांक 3 अगस्त, 1984

सं० आई० ए० सं१०/अर्जन/भोपाल/ 4964:---अतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से निधक है

ग्रीर जिसकें संख्या भूमि खसरा नं० 515/9 है, तथा जो ग्राम कोरिनभाठा जिला राजनन्दगांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, राजनन्दगांव में रजिस्ट्राकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसबम्र, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकी ख्रमान प्रतिफल से, एमे ख्यमान प्रतिफल का पन्छई प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तय पावा गया प्रतिफल, निस्निचित्तत उद्वेष्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक इप से किया गया है:—

- (क) वस्तुरण स इन्हां काशा जाब का बाबता, उपन्त विधितियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायिस्ल में कमी करने या उससे बचने में श्रुविधा के सिए; वर्गिया
- (क) एसी. किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसांजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निरा।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, नर्धात्ः—

- श्री खेम चन्द जैन आत्मज हमोप्सल जैन खुद व मु० खास तरफ में श्रांमती शांतिदेवी पत्नी श्री खेम चंद जैन निवासी कामठी लाईन, राजनंदगांव
- पारसमल आत्मज सूरजमल वैध
   फूल चंद्र आत्मज सूरजमल वैध
   तिवासः अजुनी जिला राजनंदगांव।

(अन्तरिती)

(अस्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र. में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद्ध किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषया गया है।

## अनुसूची

भूमि ७० नं० 515/9, ग्राम कोरिनभाठा जिला राजनंद गांव में स्थित हैं। यह बहस्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिते द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37 जें। में निहित हैं।

> बोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मेंजिल टी० टी० नगर भीपाल

तारी**ख** 3~8-1984 मोहर

## प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श्र (1) के अभीन स्थना

## भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अगस्त 1984

सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/ 4965—अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भागकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा पया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,300/- रह से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मकान है तथा जो मेन रोड, जूना बिलास-पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचे में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

का प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित साजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से विधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्त न निम्नितियों उद्देश्य से स्वत अंतरण निम्नित्यों से सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंसरफ के दायित्य में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और या
- (क) होती किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-काण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के किए;

अतः अप, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रं। वामोदर प्रसाद शर्मा पिता श्रो राजाराम शर्मा निवासं। नेवरा जिला रायपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमित शांति बेन पटेल पति श्री गोकुल दास पटेल निवास:, जुना बिलासपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त स्थात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस, सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारील सं
  45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाका करण: --- इसमें प्रयुक्त कर्यों और पदों का, वो उक्त जीधनिवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

## मन्स्ची

मकान जो कि प्लाट, ख० नं० 202 पर स्थित हैं जूना बिलासपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-8-1984

प्रकल्प बाइ टी एन एस ---- ----

आवकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्किण) अर्जन रेज भोपाल भोपाल, दिनोक 3 अगस्त 1984

निदेश स० आई० ए० मो०/अर्जन/भोपाल/ 4966----अत मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269 के अधीन मक्षम प्राधिकारी को उह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रौर जिसकी स० ख० न० 582/2, 582/5 है, तथा जो मोनडोगरी जिला रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच, में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रोन दिनाक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य में कम के करमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करन का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मृस्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐस दृष्टमान प्रतिफल का बंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीब एसे अन्तरण के लिए तय पाया गढा तिफल निम्नलिन उद्दृष्य से उसल अन्तरण निस्ति में नस्तिबक कम से किथत नहीं किया गया हैं —

- (क) जन्तरण में हुए किसी बाम की बाउत, उपनत ऑधनियम के सभीन कर दोन के जन्तरक के शांवित्य में कभी करने या उसते बचने में सुविधा क निए; बॉर/वा
- (य गिसी किसी जाय था किसी भन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय अग्य कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में सुविधा के विष्;

अप अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसर्यों, अर्थास् —

- (1) श्री फूलिंसिंह पिता अमृत साहू निवासो —सोनडोगरी जिला रायपुर (अन्तरक)
- (2) श्री सतीश वासवानी पिता गगन वासवानी निवासी—मोह बाजार, रायपुर द्वारा मंसर्स रवी ट्रेडर्स, एस० जी० रोड, रायपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति क बंजन का तर कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सर्वंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति इवारा,
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थागर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कांगे

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह°, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## वनसंभी

भूमि ख नं॰ 582/2, 582/5, मौज सोनडोगरी जिला रायपुर में स्थित है ।

बीरेम्द्र कुार बरनवास मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन र्रेज, भोपाल गगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नमर, भोपास

दिनांक 3-8-1984 मोहर

## प्रक्रम बार्ड, टी. इत , एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) को अभीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. भोषाल

भोपाल, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोषाल/4967---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो सोनडोगरी जिला रायपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983.

को भूकोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का फारण है कि यथाएगोंकत संपत्ति का उचित बाहार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिकात से बीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण निख्त में बास्तियक अप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाम की बागत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में स्विधा कै सिए।

अतः अव , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में . उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अयो न , निम्निलिखित व्यक्तियों ; अर्थात :—

- (1) श्री दुखनीभाई पत्नी पोला साह निवासी—सोनडोगरी जिला रायपुर । (अन्तरक)
  - (2) 1. श्रा रिं वासवानी 2. ज्ञान चन्द्र निवासी—मोहवा वाजार, रायपुर द्वारा रिंब ट्रेडर्स, एम० जी० रोड, रायपुर।

(अन्तरक)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पन्ति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त तम्पील के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीयो।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

भूमि, मौजा सोनडोगरी जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण्) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, भौषी मंजिल टी० टी० नगर, भोषाल

विनांक : 3-8-1984

प्रकृष आहें. टी. एन. एस. - - - ----

क्षायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/अर्जन/मोपाल----4968----अतः मुझे बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकः संख्या भूमि ख० सं०. 464/2 है, तथा जो मौजा टिकारापारा, रायपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूर्चः में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रजिस्द्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्द्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिसम्बर 1983,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नीसिकत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जल. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (।) के अधीन, निम्नीलिस्ति व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) 1. श्रो जयलाल बल्द सुकदेव साहू निवासी—टिकारापारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मणदास वस्य विभानदास निवासो—सदाणी नगर, रायपुर ।

(अन्तरिती)

**का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्**त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतज्ञ उक्त ज्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## **त्रन्**सूची

भिम ख॰ नं॰ 464/2, मौजा द्विकारापारा, रायपुर में स्थित हैं। यह वह स्थाबर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> बीरेत्द्र कुमप्र बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेंज, भोपाल गंगोदी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, मोपाल

दिनांक : 3-8-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आ**यकर आयक्क (निरी**क्षण)** अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनोक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-4969 - अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 464/2 है, तथा जो मौजा टिकारा-पारा, रायपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जयलाल वल्द सुबादेव साह निवासी—टिकारापारा, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री राहन्दराम बल्द दुलहानुमल निवासी—सदाणी नगर, रायपुर।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धीं व्यक्तियों पर स्नान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाद्वा अधोहस्ताक्षरी के पार्श लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुस्ची

भूमि ख० नं० 464/2, मौजा टिकारापारा, रायपुर में स्थित है। यह बढ़ स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आ्रथुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3--8-1984

मोहर 🖇

21-236 GI 84

प्रकृष , बाहु हो पुरा पुरा प्रमानन्य व्यवस्था

नायकह अभिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के अभीन स्चना

## भाउत बरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 3 प्रगस्त 1984 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजंन/भोपाल/4970---मतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात 'उक्त निर्धानयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्तम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से निधक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि हे, तथा जो भौजा टाटीबन्द जिला रायपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिलस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, रायपुर में रिज-स्ट्रीकरण भौधिनयम, 1903 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक विसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके रायमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिचत उद्देष्य से उक्त अंतरण तिवित् में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; ब्रीट/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती सुरजीतिनबाई उर्फ भूरीबाई पति हीरालाल सतनामी निवासी—टाटीबन्द जिला रायपुर । (भन्तरक)
- (2) श्री हरभजन सिंह वरुद भगर सिंह 2. श्रीमती जलजीत कौर पति हरभजन सिंह निवासी-राजातालाब, रायपुर ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कड़क कड़ता हुई !

## उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना थो उस कथ्याय में दिया गया है।

## जन्सूची

भूमि मौजा टाटोबन्द जिला रायपुर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति ही जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्याणित भाम नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिस्टिंग, भोशी मंजिल टी० टी० नग्र, भोपाल

दिनांक : 3-8-1984

मोहर ह

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 मगस्त 1984

निदेश सं० भाई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4971--- भ्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संव भूमि खब्मं ० 464/2 है, तथा भो भौजा टिकार पारा जिला रायपुर में स्थित है (और ६ससे उपावस धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, रायपुर में पीजर्र्ट्र करण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जयलाल वल्द सुकदेव साह निवासी—टिकारपारा, रायपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कृपालदास बल्द जेठामल निकासी — सदाणी नगर, रायपुर ।

(अन्तरिती)

कौं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहम्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सके ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

भूमि खा० नं ० 464/2, भीजा टिकारागारा जिता रायपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर संगाति हैं जिसका विवरण प्रत्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

> बीरेन्द्र कुमार वस्तजाल संज्ञम प्राधिकारो सहायक प्राथकर श्रायुक्त (निरोक्षण) प्रकृत रेंज, भीजन गंगोत्रो बिल्डिंग, खौशी संजित, टी० टी० नगड, भोजन

दिनांक : 3-8-1984

मोहरः

प्ररूप आहें ु टी ु एन ु एस ु-----

भायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन क्षील, भीपाल भीपाल, दिनांक 3 भ्रगस्त 1984 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रजीन/भीपाल-4972--भ्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० भूमि छ० सं० 123/2 है, तथा जो मौजा तित्रिक्षीह, दुर्ग में स्थित है (श्रीर इससे उपावस अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कर्यालय, दुर्ग में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् केल्ल (1) श्रीपाय राव ठाकुर भ्रात्मज कृष्णाराव ठाकुर, भ्रात्मज कृष्णाराव ठाकुर भ्रा० मु० तरफ से शरद कुमार ठाकुर भ्रात्मज श्रीपादराव ठाकुर निवासी—तितुरश्रीह, दुर्ग

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेण कुमार जैन श्रात्मज श्री हीरालाल जैन निवासी—–दुर्ग जिला दुर्ग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि ख० नं० 123/20, मौजा तितुरहीह जिला दुर्ग में स्थित है। यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल गेंगोल्ली बिल्डिंग, चौथी मजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 3-8-1984

प्रस्प आहें टी. एम. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रज्न रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रगस्त 1984 गार्सक ग्राहकार सीक्षेत्रकारी भोषाल / 4973-

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4973--ग्रतः

मुझ, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 18, 16 है, तथा जो गोंगावां तह । खरगोन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, खरगोन में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वीर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 को 11) या उक्त आधानयम. या धन-कर ऑधीनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:——

- (1) श्री कमला आई ल मिल खरगोन में मालिक श्री सुशील कुमार 2. भगवान स्वरूप 3. हरशिचन्द्र 4. प्रकाशचन्द्र पिता रामलालजी निगम, खरगोन, आरेगपुर।
  - प्र (अन्तरक)
- श्री प्रह्लाव मिल्स सरगांन के मालिक श्री दिनेशचन्द्र पिता प्रहलादवास जी अग्रवाल निवासी ।

(इन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीकत संपृत्ति के कर्रन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एथं सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, थो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नगृत्वी

भूमि खा० नं० 18, 16, गोंगावा सह० खरगोन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोगल गंगोत्री बिर्लिडग, चौथो मंजिल टी० टी० नगरं, भोगल

दिनांक : 3-8-1984

साहर 👶

प्ररूप बाई ुटी एन एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भायः 269-म (1) के स्थीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-4974--अतः मुझे, विरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रवात (उक्त अधिनियम) कहा ग्या है), की भाउ 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि ख० सं० 16 है, तथा जो गोगावां तह० खरगोनमें स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरगोन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- (1) 1. कयता आहित निन खरगोतके मालिक श्री सुमील कुमार,
  - 2. भगवान स्वरूप,
  - 3. हरीश चन्द्र
  - 4. प्रकाशचन्द्र, खरगोन ।

(अन्तरक)

(2) प्रहलाद जिनिंग फैक्टरी खरगोन के पार्टनर कन्हैयालाल नाथूलाल पिता प्रहलाददास अग्रवाल निवासी—खरगोन ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगाः, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 16, गोगावां तह० खरगोन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक 3−8~1984 **मोद्दर** ध प्ररूप आइं.टी.एन.एस 🖯 -----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### थारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायका (निर्धाण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-4975---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में बिधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० म० नं० 61 है तथा जो इन्द्रा गांधी नगर, इंबौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि वारा के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्र -करण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक दिसम्बर, 1983

को पूर्गोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, एमे कश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उच्चेत्रय से उन्तरण निम्नित को बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए; वर्षः/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अप आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाण प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम कर धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री: हीरालाल बाखर्ल वाल, निवासी----12/2, मल्हारगंज, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र कुमार वर्मा निवासी—62, इन्द्रा गांधी नगर, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## अनुसूची

मकान नम्बर 61, इन्द्र गांधी नगर, इंदौर में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयपःर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिस टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 3-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व(1) के धनीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्स (निर्धिक) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4976---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संब्द्याट नंब 66 व उस पर निर्मित मकान है तथा जो इन्द्र पुरी कालोनी इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- 'क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के बभीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे स्थने में सुविधा के सिए; और/सा
- (ह) एसी किसों बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में . में ., उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) स्त्रे अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रोमतः नुमित्याई पति स्थ० विष्यासराघ गावडे नियासः——66, इन्द्रपुरः कालोनः, इंदौर । (अन्तरक)
- (2) 1. श्री सुनील,
  2. प्रनिल अज्ञान तथा श्रवयस्क होने से संरक्षिका माता विमलाबाई पिता नानक सिंह जी
  3. विमलाबाई पिता नानक सिंह जी निवासी—लुनियापुरा, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कुर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, वां उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 66 व उस पर निर्मित्मकान का भाग, इन्द्रपुरी कालोनो, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग,चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 3-8-1984

मोहर 🤃

प्रारूप बाइं. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यानयः, महायक कार्यकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 3 अगस्त 1984 निदेश सं० आई० ए० सं१०/अर्जन/भोपाल/4977—अतः

मुझे, वारेन्द्र कुमार बरनवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात् 'उबस अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संब प्लाट नंव 123 है, तथा जो जानकी नगर एक्स-टेंगन, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्याजय, इंदौर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक दिसम्बर, 1983

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उमके दरममान प्रतिफाल से, एसे दरमधान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उम्बर्धिय से उमत अन्तरण निख्त में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे तवन में सर्विधा के निए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चांडिए था, खियाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उपत अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, अकत अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीतः---- 22—236 GI/84

(1) श्री भंबरसास पिता बद्रीप्रसाद सारहा निवासी--पारसी मोहल्ला, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता कुसुम तिबारी पति श्रो कौशल प्रसाय तिवारी निवासी——जानकी नगर एक्सटेंशन, इंदौर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन को तारीस से 45 पिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितअव्थ किसी बन्य स्थावत द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए आ सकने।

स्थव्यक्तिकरण: ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों स्ट्रीर पदीं का, वा उपस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## बन्सूची

ण्णाट नम्बर 123, जानी नगर एक्सटेंशन इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निर्शक्षी सहायक आयक्तर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिस्डिंग, चौथी मंजिल टो० टी० नगर, भोपास।

दिनांक : 3-8-1984

प्ररूप भार्च . टी . एम . एस . ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकार बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिलांक 3 ग्रगस्त 1984

निदेश मं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल--4978--म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् जिक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं म्यु पा नं 6 बी का मकान है, तथा जो सर्रासरेमल बापना मार्ग, इंदौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और रूप पूर्ण से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वे किस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित कि तम् त्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वद्य से उसत्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुन्द किमी काय की बाबत, अक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृति। के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर औधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात :—

- (1) श्री क्रुष्णदास पिता श्री पुरुषोत्तमदास गुप्ता, निवासी—8, जवाहर मार्ग, गली नं० 6, इंदौर । (भन्तरक)
- (2) श्री कृष्णराव फड़नीस पिता श्री हनुमन्तराव फड़नीस निवासी—6, सर सिरेमल बापना मार्ग, इंदौर ।

(ब्रन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सस्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विकत म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पान सिखित में किये जा सकी।

स्वब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का. जो उन्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## **मन्**स्ची

म्यु० पा० नं० 6—बी का मकान, सरसिरेमल बापना मार्ग, इंदौर में स्थित है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहाधक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, वौधी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनोक: 3-8-1984

प्रकृष बार्ड. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक जामकर जामृक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मोपाल

भोपाल, दिनाक 3 धगस्त 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल-4979-श्रतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 22 है, तथा जो शंकर नगर, इंदौर में स्थित है (घर इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित याजार मृत्य में कम के दश्यमान बतिफस के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम ये पथीन कार दोने के अंतरक के दायित्य में कभी कारने या उक्तने बचने में गृविभा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनयम, या धन- कर ऑधिनियम, या धन- कर ऑधिनियम, 1957 1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा किट नहीं किया गया था या किया जाना चालिए या जिया है निया।

बत न्नब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भे, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीत्र, निस्तिस्तित व्यक्तितां, वर्भात्:—

- (1) श्री श्रोम इण्टरप्राइसेज, माल गोवाम रोड इंदौर, राय बहादुर कन्हैयालाल भंडारी मिल श्रांगण इंदौर तरफे मालिक राजेन्द्र सिंह भंडारी पिता सुगनमलजी भंडारी (एच० यू॰ एफ० कर्ता) निवासी—माल गोवाम रोड, इंदौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री याकूब पिता इक्षाहीम भाई द्वारा ग में नं 495, महारमा गांधी मार्ग, इंदीर ।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त राम्पतित के अर्धन के मध्यक्त में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (♥) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उपन स्थाका कम्पत्ति में हितबयुध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहन्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु रा सकींगे।

स्भव्यतिकरण.----इसमा प्रयोकता शब्दो और पद्यांका, जा उक्त अधिनियम के शक्ताय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमृस्ची

प्लाट नं० 22, शंकर नगर, इंदौर में स्थित हैं। वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, गंगोदी बिस्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3-8-1984

प्रकृत मार्च. टी. एत. एस.------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

## भारत स्पन्तर

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंस रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4980----श्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार वरनवण्ल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विज्ञास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 375 है, तथा जो प्रीवमपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावश्च श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोवत सम्परित को उचित बाजार सूल्य से कम के धरयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है जीर नूओं यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोवत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकास से एसे ध्रयमान प्रतिकाल का पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है जीर अन्तरक (जन्तरका) जीर अन्त-रिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकास, निम्नलिक्त उद्वोद्य से उन्त अन्तरण लिकित में नास्तरिक रूप से कांशत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संबुद्धं किसी नाय की शाक्षः, उपकेष सीमीनवास के जभीत कार दोने के अन्तरक के सामित्य में कामी कारने या उपस्थे वचने में सुविधा के बिए; ब्यूडि/का
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या अस्य जास्तया को, चिन्हें भारतीय नायकार जिथितियस, 1922 (1922 का 11) या जनत नीधित्यस, या धनकर नीधित्यस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में हुविधा के निए;

अंतः जब, उक्त अधिभियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अ्धार्तः :---

- (1) श्री नरधूलाल जगन्नाथ, प्रीथमपुर ।
- (भन्तरक)
- (2) मेसर्स चिनार इण्डस्ट्रीज पार्टनर जसबीर सिंह जोगेन्द्र सिंह, इंदौर ।

(मन्तरिती)

को सह सम्बना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रक्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थांवर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकर्ग।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>त</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्सूची

भूमि ख॰ नं॰ 375, प्रीयमपुर जिला धार में स्थित है। यह बह स्थाबर सम्पत्ति है जिसका विवरण धन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, भोपाल, र्गगोली बिल्डिंग, बौधी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनोक : 3-8-1984

मोइदः

प्रकल कार्स. टी. एव. एस<u>.</u> -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

## मारंद सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर <mark>काम्क्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 श्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल--4981---ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर जिभिनिग्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्धानसम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भवन कमांक 32/29, है, तथा जो श्रार्य नगर, मुरार, ग्वालियर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1983,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य में कम के उध्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि सथापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाधार मूक्य, उत्तके उध्यमान प्रतिफल से ऐसे अध्यमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिशत से अधिक हैं और मंतरक (जंतरकाँ) और जंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्मितियत उद्योचन से अन्तर्भ ने किया पर्वे क्लाइ के स्थान के स्थान के स्थान ने किया पर्वे क्लाइ के स्थान के स्थ

- (क) अन्तरच वे हृद किकी नाव की नावत उक्त अभि-निथम को सभीन कर थीने के अंतरक की गायित्व में कामी करने या उससे नजने में स्विधा के लिए। और/था
- (व) ह्वी निकारी बाब वा विकासी भन वा बच्य बास्तिको की, विकार वार्षियो वावकार विधियवन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वृधिनियन, या भन-कार विधिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियान में मृतिभा से किए;

अतः अतः अतः चक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मैं उद्यत अभिनियम की धारा 269-श की एपधारा (1) के सभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधितः—— (1) सुरेशचन्द वर्मा पुत्र द्वारकाप्रसाद वर्मा निवासी-गंगामाई सन्तर, मुरार, खालियर.

(भ्रन्तरक)

(2) 1. लोकेन्द्र सिंह,
2. नरेन्द्र सिंह,
3. बसवीर सिंह पुत्रगण
मातवरसिंह गूजर
निवासी—ग्राम सोनपुरा तह्रं० गोहद
जिला—भिण्ड ।

(भन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी क्योंक्त व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## शन्स्ची

भवन कमांक 32/29, धार्यनगर, मुरार, ग्वालियर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिस्डिंग, बौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनोक : 3-8-1984 ----

मोहरः

## प्रकल कार्ड टी. एन. एस.

सामकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

#### भारत जरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रजंन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, विनांक 3 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/मोपाल-4982--मतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनयाल,

आयकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उण्जित बाजार नृष्य 25 000/राज से बिधिक हैं

े और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 74 है, तथा जो ग्राम शक्करखेड़ी तह० इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्वेद्य ते उच्त बन्तरण किवित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विश्वित्व के बचीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व के ककी करने वा उन्नसे बचने के स्विभा के विद्यु ब्रीट/का
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) था उन्छ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था बा किया चाना चाहिए था, कियाने यो सुनिया के सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-न की अनुप्रण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. प्रजमेरी खांत पिता प्रकृत रहमान,
  - 2. प्रध्वास खां
  - 3. गफ्फार खां
  - 4. युनुस खां
  - मनवर खां पिता मञ्जूल रहमना
  - जम्नतबाई पति श्री भ्रब्दुल रहमान निवासी—भाग गक्कर खेशी तह० इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश पिता हरीप्रसावजी चौकसे निवासी—15/2, नया परदेशीपुरा, इंदौर ।

(मर्लारती)

का यह सृष्णना कारी कारके पृत्रोंकत संयक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

## उक्त सम्बद्धि के क्षर्यन के सम्बन्ध के खोड़ों भी वाक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन की अवधि गा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामीस से 30 दिन की अवधि को भी अवध्य को समस्य होती हो, से जीतर प्रवेशिक कान्सियों में से किसी व्यक्ति हुन। से
- (क) इस स्थान के राजवृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जबत स्थातर संपत्ति में हित्तबक्थ किसी बन्य स्थावत ब्वारा, वशोहस्ताक्ष्री के वास सिवित में किए वा सकेंचे।

स्यव्योकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दी जौर पदों का, जा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा इ<sup>8</sup>।

भूमि सर्वे नं० 74 ग्राम शक्करखेड़ी तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पन्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फाम नम्बर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहाप्रक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल, गंगोली बिन्डिंग, भौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3-8-1984

\_\_\_\_

प्ररूप नाइ . टी. एन. एस. ------

नाम कर मी भी नयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की अभीन स्पना

## भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 धगस्त 1984

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/4983—स्मनः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के व्यक्ति सक्षम जिधकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि सर्वे नं० 74 है, तथा जो ग्राम शक्कर-खेड़ी तह० इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्व ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान पातफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्त यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृत्रीकत सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एस रूपमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात ने अधिक ही और अन्तरका (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के सिए दब पाया म्या प्रतिकल, निम्नलिनित उद्देश्य ने उचत अंतरण निचित में काम्स्राध्य रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंशरण से हुए किसी नाय की नायतः, अवतः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी करने या उसके वचने में सुविधा के निष्; वर्षः/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बत्य जास्तियों को, जिस्हें भारतीय बायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जॅतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त तथिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) 1. प्रअमेरी खां,
  - 2. भन्धास खां,
  - 3. गफ्फार खां,
  - 4 श्रृनुस खां
  - मनबर खाँ पिता श्री मञ्जूल रहमान,
  - श्रीमती जन्नतबाई
  - पति भ्रब्दुल रहमान

निवासी---ग्राम शक्करखेड़ी, तह० इंदौर ।

ग्रन्तरक)

(2) श्री कैलाशचन्द्र पिता श्री हरीश्रसाद चौकमें निवासी—94/2, परदेशीपुरा, इंदौर ।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिल्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जन्म सम्परित के गर्जन के सम्मन्ध में कोई भी धाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रक अचना की तानील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अविश्वास में से किसी व्यक्ति बृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर पटना स्थानर गरपील में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति वृद्यारा, अभोहस्ताकारी के पास निर्मित में किस्य का करोगे।

स्पर्वाकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियः एका हैं।

## मन्स्ची

कृषि भूमि सर्वे नं० 74, ग्राम शक्करखेड़ी, तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेम्ब्र कुसार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, [सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेज, भाषाल क्षेत्र गंगोली बिल्डिंग, चौथी संजिल टी० टी० नगर, भोषाल

दिनांक : 3-8-1984

मोहुरु 🛭

अक्ष आहें, टा. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

#### भारत संस्कार

भार्णालयः, सहायक बायकर जास्**क्त (निरीक्षण)** 

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-4984--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

गायकर बांध्यानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क को अधीर पश्चम प्राण्यानाची का था विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 15.000/ से अधिक हैं

स्रोर जिसका संक्ष्मि भूमि सर्वे नं ० 74 है, तथा जो प्राम शक्करखेड़ी, तह ० इंदौर में स्थित है (स्रोट इससे उपावड अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983

को प्वांक्त सम्परित के उचित बाजार भूल से कम के स्रमान भितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिक्तिल, निम्निलित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिवित में बास्तिक एय से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जाद की बाबत, अक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के इतीयत्व में कमी करने या उससे 'बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम्, 1922 ते 11) प्र शास्ति किसीनियम्, सा धन-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया प्रता किया शास किया शास के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, ही, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. अजमेरा खा. 2. अब्बास खा. 3. गफ्कार खा.
   4. युनूस खां, 5. अनवर खां पिता अब्दुल रहमान.
   6. जन्नतथाई पिता अब्दुल रहमान निवास:—-ग्राम शक्करखेंड:, तह० इंदौर ।
   (अन्नरक.)
- (2) श्री क्याम सुन्दर पिता श्री हरीत्रसाद चौकर्म निवासी—94/2, परवेकीपुरा, इंदौर । (अन्तरिती)

की य**ह** भूचना प्रारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अपने के लिए कार्यकाहियां करता हो :

उक्त सम्मिरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों। पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त विक्तित्या भी ने सिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अयुभ किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकाँगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### ≂≉नस**ची**

भूमि सर्वे नं ० 74, ग्राम शक्करखेड़ी, तह्र० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पन्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नं ० जी में निष्टित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरमवाल सक्षम प्रोधिकारी महायक आयकर आ**युक्**त (गिरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बि**ष्टिंग, जोपी** मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3-8-1984

प्ररूप बाह् . टी.एन . एस . ----- ....

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए०सी०/अर्जन/भोपाल/4985:—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण 8° कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 35,000/रा. से मधिक है

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 12 है, तथा जो ग्राम नयापुरा, जिला भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिशक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्ये, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अब ्र उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त स्पक्तियों अर्थीत् :— 23---236 GI]84 1. श्री बाबूलाल पिता मुंशीलाल,
 2. छोटीबाई परनी मुंशीलाल,
 निवासी—नयापुरा, तह० हजूर,
 जिला—भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री वीरेन्द्र कुमार पिता केप्टन हैमराज निवासी—-35, क्यामला हिल्स रोड, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त कम्परित में वर्षम् में सम्बन्ध में धोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस- अस्थ किसी अन्य क्योंक्त द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा मकोंगं।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

## वन्त्वी

भूमि ख॰ नं॰ 12, ग्राम नयापुरा जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सरवापित फार्म नम्बर 37जी में निहित है।

> बीरेन्द्र कुम।र बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल, गंगोत्रो बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाझ

दिनांक : 3-·8--1984

**बाह**ाः

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269—घ (1) के प्रधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अजंन/भोपाल/4986—-अतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 12 है, तथा जो ग्राम नयापुरा, जिला भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एसे रश्यमान प्रतिफल का पेन्ब्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उप्रधारा (1)** ं के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) 1. श्री बाबूलाल पिता मुंशीलाल 2. छोटीबाई परनी मुंशीलाल निवासी—नयापुरा, जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री सौभाग्य मलिक पत्नी एम० आई० मलिक 11 डो, 74 बंगला, भोपाल।

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि ख० नं० 12, ग्राम नयापुरा, जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्या-पित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 3-8-84

## प्रकृत नार्ड . सी . स्त . एस . -----

वावकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की पारा 269-श (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यां जय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनोक 3 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4987---अहः पुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, 😹 ।यकर अधिनियम, ∗1961 (1961 का 43) शकै पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह°), की धारा 69- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने ा <mark>कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका</mark> उचित बाजार मृल्य 5,000∕-रा. संअधिक ही और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 12 है, तथा जो ग्राम नयापुरा, जिला भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुर्णे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोपाल, में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) हे अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983 ो पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान तिफल को लिए अन्तरित की गद्द है और मुक्ते यह विश्वास रन का कारण हैं। कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार ल्य, इनके स्प्यमान प्रतिफाल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफाल का इह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती भन्तरितिच∛ं के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में **म्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है:---**

- शिक्क) जन्तरक से हुँई किसी जाय की शायतः, उक्त जिमिनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में (प्रशः और/याः)
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या बस्य आस्तियों कि, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

नतः, जब, उक्त अधिनियमं, की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री बाबूलाल पिता मुंधीलाल 2. छोटोबाई पत्नी मुंधीलाल निवासी—प्राम नयापुरा, जिलां भोपाल। (अन्तरक)
- (2) श्रो सुरेन्द्र मल्होता पिता लाला मुल्कराज मल्होता निवासी—27, श्यामला हिल्स, भोपाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाय;
- (ख) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि खा॰ सं॰ 12, ग्राम नयापुरा, जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोद्री बिल्डिंग, यौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 3-8-1984

प्रकप नाइं. टी. एन. एस.------

मायकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4988---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 92 है, तथा जो ई-7, अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल 'के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिती (अन्तरितियार्गे) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उच्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती विजयलक्ष्मी बंसल पत्नी मुकेश बंसल निवासी—एच० आई० जी० 22, शिवाजी नगर, भोपाल ।

(अम्सरक)

(2) श्री अंबेचरण सक्सेना पिता श्री मयराप्रसाद सक्सेना नियासी----69/15, साउथ टी॰ टी॰ नगर, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गें।

स्यब्दोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

प्लाट नं० 92, ई-7, अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौर्या मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 7-8-1984

मोहर 🥲

# मुक्य बाह् . दी . एव . एक . ......

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुचना

#### श्रापक प्रचल

कार्यासय, सहायक बायकर वायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सं/०/अर्जन/भोपाल/4989- -- अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा बना है), की धारा 269-च के वधीन सभाव प्राधिकारी को यह हिच्चाय करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि ख० नं० 5/1, 5/2, 5/6 है, तथा जो मीजा अमलेसर, जिला दुर्ग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया हैं:---

- (क) जलारण से हुई कियी जाय की वावत, उच्छ जीपीन्दल के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कबी करने ना उत्तसे उचने में सुविभा में लिए; आर्/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी भन या जन्द आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विष्णाने में मुजिधा अं लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्ः— (1) श्री घनश्यामवास वस्य गंगादास निवासी---सदरबाजार, रायपुर ।

(अन्तरकः)

(2) विमल कन्स्सट्रवंशन रायपुर द्वारा भागीवार मूलचन्द ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की वविध , जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पब्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाविल हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुवा है।

## अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 5/1, 5/2, 5/6, मौजा अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण बन्त-रिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री विस्डिंग, चौषी मंजिल टी०टी०नगर, भोपाल

विनांक : 7-8-1984

मोहर 🕃

प्रकृत बाई. टी. एन. एस.-----

नारकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए. सो०/अर्जन/भोपाल/4990---अतः मुझे, वीरे द्र कुमार बरनवाल,

नायक र निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से मिषक हैं

और जिसकी भूमि ख॰ नं॰ 17/8 है, तथा जो मौजा अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य,, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का बंब्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया अतिफल, निम्नलिखित उड्डिय से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाण्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; अऔर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के बनुसर्ण म, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अक्रिकीन, निस्तिविक्त स्वीक्तयों, नर्वात् :---- (1) श्री षनस्यामदास वल्द गंगादास निवासी---सदर बाजार, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विमला देवी जोजे विमल अन्द्र चौबे कालोनी, रायपुर ।

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थितत्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकरें।

स्पब्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्धी और भवीं का, जो उक्त सिंगियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसुची

भूमि ख॰ नं॰ 17/8, का भाग, मौजा अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं॰ 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल,

दिनांक : 7-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप भाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनोक 7 अगस्त 1984

मिदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4991--अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार करनवाल,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्पों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000% रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 17/8 का भाग है, तथा जो मौजा अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिशारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार पूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अभिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उद्देश मंतरण कि लिकित के बास्तिक क्य से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायतः, उक्त विभिन्नियंत्र के बजीत कर दोने के अंतरक के वायित्व मों कभी कारने या उनमें अचने मो सुनिधा के लिए; और/बा
- (च) एंसी किसी बाथ या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में हिम्भा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-ए की उपधारा (1)- में अभीन, निम्निविचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री धनश्यामदास वल्द गंगादास नत्याबी निवासी--- सदर बाजार, रायपुर ।

(अम्सरक)

(2) श्रीमती प्रात्मादेवी जोजे दिलीप कुमार निवासी— चौबे कालोनी, रायपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अथोहरनाक्षणी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## मन्सूची

भूमि ख० नं० 17/8 का भाग मौजा अमलेसर जिला हुगें में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती हारा सस्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार करनजाल सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल)

विनोक : 7-8-1984

मोहर् 🦠

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) को अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4992—अतः म् झे बोरेन्द्रकुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज़ित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० भूमि ख० नं० 514/515 है, तथा जो मीजा अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है (और हससे उपबद्ध अनुसूची में अौर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियन 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्याम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रांत्रशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुद्दं िकसी आय की बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ध) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को अन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विध्या गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रोमतो कुसुम बाई जौज राजकुमार निवासो—सदरबाजार, रायपुर । (अन्तरक)
- (2) श्री विमल कन्स्ट्रक्शन पायपुर द्वारा भागीवार मूलचन्द ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचनाः जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का., जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्**स्ची

भूमि ख॰ नं॰ 514, 515 मौजा अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अस्तरिती बारा संस्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

विनोक : 7-8-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मंत्रीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भागक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-4993—अतः मुझे, वोरेन्द्रकुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

भौर जिसको सं० भूमि खा० नं. 17/6 है, तथा जो मौजा अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्बोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की नावत उक्त जिथ-नियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में स्विभा के लिये: बीर/वा
- (प) ऐसी किसी बाय या किसी अन बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

- (1) श्रो सुन्दरलाल वल्द शंकरलाल वगैरह निवासं।—सदर बाजार, रायपुर (अन्तरक)
- (2) श्रोमतो सुनंदादेवी जौज कमलचन्द नियासी—चीबे कालोनी, रायपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह युचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गुणा है।

## जन्सूची

भूमि ख॰ नं. 17/7, मौजा अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिपका विवरण अन्तरिता द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> विरिन्द्र कुमार बरनघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल)

दिनांक: 7-8-1984

बोहर 🖫

प्रक्ष आहा. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निवेष सं० आई० ए० सी:०/अर्जन/भोपाल/4994—अतः मुझे, वारेन्द्र कुमार वर्नवाल,

शयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्रौर जिसक: सं० भूमि ख० नं० 17/9 है, तथा जो मौजा अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच में घ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय दुर्ग में रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वेश्वत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का ग्रेड प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वंश्य से उक्त अन्तरण सिंबत में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १७२२ (1922 का 11) या उस्थ अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जाकी अधीरती देवारा एक्टर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा की लिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्रः सुन्दरलाल पिता णंकरलाल निवासः—संदर बाजार, रायपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लिलता जीज स्वक्ष्पघन्द निवासी—चौबे कालीनी, रायपुर ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यस्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## नगुस्त्री

भूमि ख॰ सं॰ 17/9, मौजा,अमलेसर जिला दुर्ग में स्थित है यह बह स्थावर सम्पत्ति है, जिपका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है ।

> र्वं।रेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल,

दिनांक : 7-8-1984

मोहर 😘

अस्य आहें .टी .एन एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकाड -

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोवाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सः०/अर्जन/भोपाल/4995---अतः मुझे, वःरेन्द्र कुमार बरनवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकः सं० प्लाट नं० 9, बंगला नं० 47 है, तथा जो न मन केन्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूच में श्रौर पूर्ण इप से वर्णित है), रिजस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय, नीमच में रिजस्ट्रं करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित नाथार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्में यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दों के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे √धने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उका नामिकार के कर करिवित्यम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदिका के लिए;

अतः अब, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थातः— (1) श्र.मित जरबानों पुत्रः जाहगीरजः नःमचकैन्टः,

(अन्तरक)

(2) श्री शौकीनलाल पिता कंबरलाल जी पाटादार नामच अवयस्क द्वारा संरक्षक कंबरलाल पाटादार नीमच, कैन्ट ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी त्यायत्या पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# नगुजुनी

प्लाट नं. 9, बंगला नं० 47, नीमच कैन्ट्र, नीमच में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिता द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 7~8~1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल- 4996---

अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वरी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बालार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट तं. 3, बंगला नं. 47 है, तथा जो नीमच केन्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में श्रीर जो पूर्णा रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीमच में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रिक्ति के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एवं दृष्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत सं प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिबित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक कप से अधित नहां किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए, आर्र/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ज्या न क्लिक्ट 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिवित व्यक्ति में, अर्थात ए०००  कुमारी जरवानों पुत्र जहांगोरजी कान्द्रेक्टर नीमच केन्ट ।

(अन्तरक)

2. श्री घोंकारलाल पिता मूलधन्द पाटीदार नीमच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तिस्थी में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्थीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं 3, बंगला नं 57, नोमच, केन्ट, नोमच में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नं 37 जो में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-8-1984

प्रारतप वार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल 14997—अतः मुझे वारेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसका सं० प्लाट नं० 6, बंगला नं० 47 है, तथा जो नोमच केन्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय नामच में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनोक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी काय या किसी धन या बन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे लिए;

 जरबानो पुत्री जांहगीरजी कान्ट्रेक्टर, नीमच केन्ट ।

(अन्तरक)

 श्री पूतमचन्द, पिता मदन लाल जी चोपड़ा, निवासी—नीमच, केन्ट।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुछ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्थव्यीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मन्त्र्या**

प्लाट नं० 6, बंगला नं० 47, नीमच, केन्ट, नीमच में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जो में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेंज', भोपाल

जतः अवः, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अवृक्षरण में, में, अन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

विनांक: 7-8-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4998—अतः मुझे वं रेन्द्र कुमार मार बनरवाल

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकं पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्त्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9, बंगला नं० 47 है, तथा जो नीमच केन्ट में स्थित है (स्त्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्त्रीरजो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय नामच में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत से वास्तिवक रूप से किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

 श्रामतो जरवानो तुत्री जहाँगीर जी काट्रेन्क्टर नामच केन्ट ।

(अन्तरक)

 श्री विमलचडुद पिताश्री कंवरलाल जी जैन, नीमच कैन्ट।

(अन्तरिती)

भगे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की क्रामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए आ सकाँगी।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विमा गया ही।

# अनुसू**ची**

प्लाट नं० 9, बंगला नं० 47, नीभच केन्द्र में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति जिसका विवरण अन्तरिनो द्वारा सत्यापित फामं नं० 37 जो में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्कितिश्वत व्यक्तियों, वर्धात् :---

विनांफ: 7-8-1984

मोहर 🖫

प्रश्नेष्य आह्र . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1951 (1961 का 43) का धारा 269 म (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/4999——अतः मुझे बोरेन्द्र कुमार धरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 24, खुला भूमि खण्ड, बंगला नं० 40, है, तथा जो नोमच,केन्ट, नीमच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित याजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे सन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति- पत निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्स में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों अधीत :—

 श्री प्रितपालसिंह, पिता श्रो हरभजनसिंह जी निवासा गुरुद्वारा रोड, कोटा (राजस्थान)

(अन्तरक)

 श्रोमिति ईष्वर कोर पत्नी श्रो सरदार दर्शन सिंह सलूजा निवासी नीमच केन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोंक्स सम्परित के अर्थन के सिद्द कार्यवाहियां करता हुं।

## एक्ट सम्पत्ति के वर्षन के तस्वन्य में कोई" मी बासोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख का 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजॉक्ट स्वित्यों में से किसी क्योंक्ट द्यारा
- (ज) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की दारीज स .45 दिन के भात र उक्त स्थावर सम्पारत में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा ककोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त कट्यों और पद्यों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिजाबित हैं, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्री

प्लाट नं० 24, खुला भूखण्ड बगला, नं० 40, नीमच, केन्ट, नीमच में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7 अगस्त 1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (१) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5000—अतः मझे बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मन्त्य 25.000/-रूड से मुधिक है

मौर जिसकी सं० बगेचा नं० 19 की कृषि मूमि है तथा जो नीमच केन्ट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णिन है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यालय नोमच में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिक्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ले हुई किसी जान की बाबत, उचत निमित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने वा उससे बचने में बूबिधा के लिए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः ज्ञा, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-श कर उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियरें, अर्थात् हरूरू  श्री खुएमोद अली पिता अब्दुल हुसैनो बोहरा, निवास:-न:मच कैन्ट ।

(अन्तरक)

मालवा इन्टर प्राइजेस नीमच द्वारा पार्टनर :
 महेन्द्र कुमार पिता समरथमलजी पटवा
 निवासी-नीमच केन्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत में 45 दिन कि अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, आगे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितनव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## वगुलुची

बगीचा नंबर 19 की कृषि भूमि, नीमच केन्ट में स्थित है यह वह स्थाघर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरितः द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जो में निहित है।

> विरेन्द्र कुमार बनरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-8-1984

भोहुद्र 🛭

प्ररूप आहें. टी. एन. प्रस. -----

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5001---अतः मझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 105, बंगला नंबर 55 है, तथा जो छावनी नीमच में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुमूचों में भौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय नीमच में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित और बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उकत बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विधा के लिए;

मत: आप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण मी, भी, खक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— 25—236 GI[84  श्री ग्रोकारलाल पिता श्री आनन्दी लाल निवासी-छावनी नीमच।

(अन्तरक 🕇

 कान्ताबाई धर्मपत्नी श्री चुन्नीलाल जी, निवासी-छावनी नोमच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वों कर, सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शास्त्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धतीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# सनुसुची

्रशाट नंबर 105, बंगला नं० 55; छात्रनी। नीमच में स्थित

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-8-1984

मोहर 🛭

प्रारुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं(०/अर्जन/भोपाल/5002--अतः मुझे, वारेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. ये अधिक है

ग्रीर जिसकी संव मकान, भूखण्ड क्रमांक 49 है, तथा जो नोमच केन्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चः में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नोमच में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मृल्य में अम दे दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित में वाम्नियक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मृबिया के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिलाने में सरित्या के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कः अपूलिण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपसार (1) के अधीन, निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थान :—

 श्री पन्तालाल आर्थ पिता श्री नथमलजी आय निवासी-नीमच।

(अन्तरक)

 श्री कामलकात्ना जैन, पत्ना श्री भंवण्लाल जैन, निवासी-नीचम, नंबण-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्मबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

## **बन्स्ची**

मकान भूखण्ड कमांक 49 का भाग नोचम केन्ट्र में स्थित हैं : यह वह स्थावर सम्यक्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जो में निहित्त है।

> वंरिन्द्र कृमार वरनलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भौषाल

दिनांक : 7-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

# **आयक्ट्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० मीं०/अर्जन/भोपाल/5003---अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान भूखण्ड कमांक 49 का भाग है, तथा जो नोमच केन्ट में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) जिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय नोमच में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्त्रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एस अस्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से अधिल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व बीर/मा
- (क) एसी किसी आय का किसी भन या जन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) ा उपन की बीत यस मा भग- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीरा, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—  श्रं पन्नालाल जो आर्य पिता श्रो नथमलजो आर्य निवासी-नीमच, केन्ट ।

(अन्तरक)

 श्रीमती मोहनदेवा पति बापूलाल जैन, निवासो-नीमच-2

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्त-:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

## वन्स्ची

मकान, भूखण्ड कमांक 49 का भाग, नीमच केन्ट में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 7-**--8**-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5004—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० बिल्डिंग नं० 11 क्या भाग, बंगला नं० 58 है, तथा जो नीमच में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सो, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी बाय की शबद, उस्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक से दायित्व में कमी कारने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी अन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अनकार अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा औं सिए;

 श्री कुरील जें०, कान्ट्रेक्टर, नीमच ।

(अन्तर्क)

 श्री खेले कस्तूरचन्द, गोपवत, नीमच ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया है।

## अनुसूचो

बिल्डिंग नं० 11 का भाग, बंगला नं० 58, नीमच में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जो में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अवं, उक्तं अभिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 7-8-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अगस्त, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5005--अतः मुझे विरेन्द्र कुमार वरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसको सं० बंगला नं० 25 है, तथा जो प्रताप मार्ग, नीमच में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीमच में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृन्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबक, उक्त बिभिन्यम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उद्यूसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

- 1. (1) श्रीअ खरूद्दीन
  - (2) अकबर अली
  - (3) कमरूद्दीन पिता नजरअली बोहरा निवासी-नीमच केन्ट।

(अतरक)

 श्रीमती खक्तवाई पत्नी अकबरअली बोहरा निवासी-बोहरा बाजार, नीमच केन्ट।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—-इसमें प्रमुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

बगला नं2 25, प्रताप मार्ग, नीमच केण्ट का खुला भूखण्ड।

> वीरेन्द्र कुमार बरनावाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 7-8-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एसु.-----

# भागभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-स (1) को अभीत स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 8 अगस्त, 1984

निर्देश मं० आई० ए० नां०/अर्जन/भोपाल/ 5006---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-र से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 80 आग० पर बना हुआ मकान है तथा जो खानीवाला टैंग स्मीम क्रमांव 44, इंदौर में स्थित है ग्रीर इससे पाइडअनुनूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप सविणित है। रिजिस्ट्रीकर्रा अधिकारा के कार्यालय इंदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908-116) के अधान दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वीका प्रशानित के उपिन जाजार मूल्य भ कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिश्त की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तिरती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिक का निम्नीतिष्ठ उद्वेष्य से उक्त बन्तरण निम्नीतिष्ठ उद्वेष्य से उक्त बन्तरण निम्नीतिष्ठ उद्वेष्य से उक्त बन्तरण निम्नीतिष्ठ प्रवृद्धिय से उक्त बन्तरण निम्नीतिष्ठ प्रवृद्धिय से उक्त बन्तरण निम्नीतिष्ठ स्व

- (क) अन्तरण को सूद्र किसी बाद की बावत सक्त वीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व मी कमी करने या उगरी अधने मी सुविधा के निए; और/या
- (ब) एंसी किसी बाथ या किसी धन या अन्य बास्तियाँ की, चिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर विद्या प्रथा भारतीय वा किया जाता अधिक्रम या जिल्ला कर किया जाता अधिक्रम या चिन्या के लिए;

अतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सथित् .—

 श्री अर्जुनदास पिता श्री जेठानन्द जो चावला निवामी-195, पलसीकर कालीनी इंदौर।

(अन्तर्क)

2. (1) श्रालक्ष्मणदाम

(2) गुलाबराय पिता श्री मोर्तारामजी निवासी 10 सिन्धु, नगर, इंदौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वांक्स सञ्ज्ञीतः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत् सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्भावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में ेएए जा सक्ति।

स्पष्टीकरण:--एसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, वा उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं मर्भ होगा को उस् अध्याय में दिया ग्या है।

## अनुसुधी

प्लाट नंबर 80 आर पर बना हुआ मकान, खातीवाला टैंक स्कोम क्रमांक 44, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 8-8-1984

प्रमण आहाँ टी एस एस -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भीपाल, दिनांक 8 अगस्त, 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी:०/अर्जन/5007---अतः मुझें, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2, एपर निर्मित फ्लेटों में से फ्लेट नं० 13 है तथा जो मनोरमागंज, कैलाण पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे जपाबद्ध अनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदोर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल सं, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया इया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---
  - (क) अंतरण सं हुइ किसी जाय की बाबत, उसत अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक वे सायित्य में कमी करने या उसने बचने में सिविश्त के लिए; और/मा
  - (ख) एसी किसी आय या किसी यह हा अन्य १००० को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1000 (1920 का 11) या उबत अधिनियम, १००० सनकर अधिनियम, 1957 (1957 का १००० के प्योजनार्थ अंतरिकी दुएसा प्रकार नहीं किएए। स्वार्थ के प्रयोजनार्थ अंतरिकी दुएसा प्रकार नहीं किएए। स्वार्थ के निर्मा की निर्मा स्वार्थ के निर्मा की निर्मा स्वार्थ के निर्मा की निर्मा

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 मैसर्स प्रगति कंस्ट्रक्शत कंपति इंदीर तस्कि पार्टनर सतत कुमार बङ्जात्या, 146, जावरा कम्पाउन्ड, इंदीर ।

(अन्तर्क)

 श्रारमेण कुमार पिता गिरधर तागर, निवासी-27, अहिल्यापुरा, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचन, जारी करके पूर्वोक्त तम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की जबिध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अवाहस्ताक्षरी के प्रम निस्तित में किए जा सकरों।

स्यष्टिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

प्लाट नं० 2-ए पर तिमित पलैटों में ये पलेटनं० 13, मनोरमार्गज, जैलाशपाकं कालोनं/, इंदौर में स्थित है।

> व ंग्स्ट कुमार वरसवाल सक्षम प्राधिकारी सहायकः आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषास

दिनाकः:8-8-1984

प्ररूप आर्ड्.टी.एन,एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त, 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5008—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बपनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

श्रीर जिसकी प्लाट नं० 2-ए पर निर्मित फ्लैटों में से फ्लट नं० 4 है, तथा जो कैलाण पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक दिसम्बर, 1983

1908 (1908 का 16) के अधीन विनाक दिसम्बर, 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उत्तर्श बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मैसर्स प्रगति कंसट्रक्शन, कंपनी
 36, सियागंज, इंदौर।

(अल्लंग्कः)

श्री शणि खण्डेलवाल पति श्री गोपालदास,
 17. सोतलामाता बाजार, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

# अमृसूची

प्लाट नं० 2-ए पर निर्मित पलेटों में मे पलेट नं० 4 . कैलाग पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीष, निम्निजिधिक व्यक्तियों, अर्थात् ह—

षिनांक: 8-8-1984

मोहर 🖫

# प्रकल् बार्धः दी\_युन् . एस . --- -------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5009—अत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 196! (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त सीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह त्रिक्शस करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 81/5 है, तथा जो ग्राम मिषोली तह० इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रित्तिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अस्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकृत का निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आँड/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्स जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त निर्मित्यम, की धारा 269-ग के निर्मरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) भौ अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 26—236 GI[84  श्री राधेश्याम पिता बतुर्भुज पाटीयार निवासी खजराना, इंदीर।

(अन्तरकः)

 नीर नगर, गृह निर्माण सहकारी संस्था, मर्यादित इंदौर के अध्यक्ष, कुलदोप किणोर पिता अजय किणोर गुप्ता, निवासी-नर्वदा प्रोजेक्ट, भूसाखेडी, इंदौर।

(अन्तरितः)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्स अम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप ्--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थळीकरणः;---इसमें प्रयुक्त पाळों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ शोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# **ग**नसूची

भूमि सर्वे नं० 81/5, ग्राम भिचोली, तह० इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंवर 37 जी में हैनिहित है।

> र्व/रेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

दिनांक : 8-8-1984

मोहर 🕄

# प्ररूप वार्षः टी, एन. इस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>बायकर वायुक्त (निराक्षण)</mark> अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल ,दिनांक 8 अगस्त, 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/5010—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 75,000/-रः से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० मकान नं० 47, तीन मंजिला बना हुआ है तथा जो नेताजी मुभाष मार्ग, इंदौर स्थित है (स्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की वाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 डा० एकनाथ नरायण चासकर, निवासी 15/4, फिल्म, कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

 श्री अतच्युत विदुलराव जी ढोबेल, निवामी 6/1, तिसकपथ, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आड़ी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के धास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

मकान नंबर 47, तीन मंजिल, बना हुआ नेताजी सुभाष मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 8-8-1984 मोहर प्ररूप आर्थः, टी., एस्., एस्.,------

बायकर विभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सं१०/अर्जन/भोपाल/5011---अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन 'सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० भूमि ख. नं० 442, 443/5/1 है, तथा जो ग्राम बावड़ियाँ, कलाँ, जिला भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983 को पूर्वेक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे व्हयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे वितरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण जिल्हा मिलाइ से वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—

- (क) बस्यहरू से हुई किसी बाव की वावता, अक्टा अप्रिनिम्म के अभीन कहा कोने के अन्तरक की वापित्व में कमी कहने या उससे बचने में सुविधा की सिए: अहि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थिपाने में स्विभा औं शिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री गंगाप्रसाद पुत्त श्री हरीप्रसाद, निवासो ग्राम बाविङ्या कलां, भोपास ।

(अन्तरक

2. संग्रिला को० हाउसिंग सोसायटी लिमि० भोपाल, द्वारा अध्यक्ष, पी०डी० चौधरी, श्री जे०डी० चौधरी, अरेरा कालोनी, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य ध्यामित ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

## नन्स्की

भूमि ख०नं० 442, 443/5/1, ग्राम बार्वाङ्या कलां जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

धीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 8-8-1984

मोहर 🕹

प्रकृप नाही, दी, एन, एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

## भारत संस्थार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० संा०/अर्जन/भोपाल/5012—अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख०नं० 442, 443, 15/2 है, तथा जो ग्राम बावड़िया कलां, जिला भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनांक दिसम्बर, 1983

ग्रें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वास, करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, जिन्निलिखित उद्योदय से उच्च बन्तरण निष्ति में बास्स-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्दरण से हुई किसी आगुकी गावत उपस् मधि-निवन से ब्योन कर दोने से ब्याइक के दायित्व में करी करने या अबुद्धे वचने में सुविधा के सिने; और गा/
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना बाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- 1. श्रो लखनलाल पिता श्री हरीप्रसाद बार्वाङ्या कलां, जिला भोपाल

(अन्तरक)

2. संग्रिला को० हाउसिंग सोसायटी लिमि० द्वारा अध्यक्षपी०डी० चौधरी पिताश्री जे०डी० चौधरी ई-6/112, अरेरा कालोनी, भोपाल ।

(अन्तरितो)

को यह भूचना कारी कर के पूर्वोक्त संपर्हित के अर्चन की लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ख्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन क़ों भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, को उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नका हैं।

#### अनुस्ची

भूमि ख० नं० 442, 443, 15, 2 प्राम बाविष्या, कला में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरित द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार घरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 8-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहुरै, देरी, एन, एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5013—अतः मुझे, विश्नेद्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास काने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० ग्राम बाविड्या कलां, जिला भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, अक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था स्थिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री लखनलाल पिता हरीप्रसाद निवासी बार्वाङ्गा कलां, जिला भोपाल ।

(अन्तरक)

2. संग्रिला को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमि० भोपाल, द्वारा अध्यक्ष श्री पी० डी० चौधरी पिताश्रो जे०डो० चौधरी, ई-6, 122 अरेरा कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कीर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं
  45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भूमि ख० नं० 442, 443/5/2, प्राम बाविड्या कलां, तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा भत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 8-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप नाइ ै. टी. एन : एस : ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग थारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निहाँकाण) अर्जन रेंज, भोपाल

भीपाल, विनांक 8 अगस्त 84

निदेश ्रुषं ० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5014--अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संजप्लाट नंज 26 का आधा भाग, नादिर कालोनी, है, तथा जो श्यामला हिल्स, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिचित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाव की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दावित्क में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

जतः, जल, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जनुकरण भौ, तै, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- सरदार हरवयाल सिंह पाल पिता सरवार पुरन सिंह निवासी 38, ई-ज्लाक, श्री गंगानगर, राजस्थान । (अन्तरक)
- 2. श्री मती मंजु शर्मा पत्नी श्री प्रमोद शर्मा 14, नादिर कालोनी, श्यामला हिल्स, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी ऋठके पृथींक्त संपरित के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुत्।

उनत सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्टाक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्व्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुस्ची

प्लाट नं० 26 का आधा भाग, (प्लाट नंबर 26-ए) नादिर कालोनो, श्यामला हिल्स भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

चिनांक: 8-8-1984

मोहर 🛭

# प्ररूप आई.टी.एन.एस:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/5015—अतः मुझें, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/न्तः से अधिक है

यौर जिसकी सं० प्लाट नं० 239 है, तथा जो मेंजर शापिंग सेंटर, हबीवर्गज, भोपाल में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्णंक्य से वर्णित है)रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तितयों, अर्थात :--

- श्री भौतिलाल पटेल पित लल्लूभाई पटेल
   (2) भरत पटेल पिता गांतिलाल पटेल निवामी—भारत टार्काज कम्पाउन्छ, भोपाल । (अन्तरक)
- 2. श्री णणिबाला गांधी पत्नी श्री डी० आर० गांधी निवासी—हमोदियारोड, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीराभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### समस ची

प्लाट नं॰ 238, में जर शार्पिंग सेंटर, हबीबगंज, भोपाल में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

विनांक 13-8-1984 मोहर :

# प्ररूप आईं ्टी एन एस . -----

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यात्रयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/5016-—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्वत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मल्य 25,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संज्यकान नंज 4/423 है, तथा जो टोपी बाजार, लक्कर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उत्विष्य से उक्त अन्तरण निम्नुलिखित उत्विष्य से उक्त अन्तरण निम्नुलिखित उत्विष्य से उक्त अन्तरण निम्नुलिखित उत्विष्य से उक्त अन्तरण

- (च) जन्तरण में हुई किसी जान की नावत, उक्त जिथिनियस के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी फरने या उससे बचने में सृदिधा के लिए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों जो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नाथ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीः रामजमल पुल सूरजभल श्रोसवाल कावड़िया दृस्ट, सराफा, वाजार, जरिये दृस्टा, प्रबन्धक ।
  - [(1) श्री धीसूलाल आत्मज भेरोवान पारख, सराफा बाज़ार,
    - (2) केशारी मल आत्मज चम्पालाल सराफा ृ्वाजार ।
  - (3) श्री नरेन्द्र कुमार नाहरा आत्मज अमोलकचन्द, जिल्लाको गंज,
  - (4) अल्मचन्द आत्मज पार्समल, बेरागपूरा,
  - (5) तेजमल हर्षावत आस्मज सौभाग्यमल निवासी सराफा बाजार, लण्कर ।

(अन्तरक)

 कार्लं चरण गुप्ता, आत्मज दुर्गा प्रसाद गुप्ता, टोर्पः बाजार, लश्कर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

हमक्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्थी

मकान नं. 40/423 टोपी बजार, लक्ष्कर में स्थित है। बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भीपाल

दिनाँक 8-8-198,4 मोहर ॥

## प्रकृप आहें .टी .एन् .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## धारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजेन/भोपाल/5017-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र क्षुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिस की संव मकान नंव 40/423 है, तथा जो टोपी बाजार, लफ्कर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावक श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण के रूप से वाणत हैं) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय खालियर में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हुण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; जौर/या
- हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 27-236 GI|84

- (1) राजमल पुत्र सूरजमल श्रीसवाल कार्वाध्या ट्रस्ट, सराफा बाजार जरिये ट्रस्टी प्रबंधक
  - धीसुलाल झात्मज भैरोवान पारख, सराफा बाजार,
  - 2. केणरीमल म्रात्मज चम्पालाल, मेराफा बाजार
  - नरेन्द्र कुमार श्रात्मज ग्रमोलकचन्द्र, जीवाजीगंज
  - जलम चन्द म्रात्मज पारसमय, बेरामपुरा
  - तेजमल भ्रात्मज सौभाग्यमल सराफा, बाजार, लक्ष्कर ।

(भ्रन्तरक)

(2) भ्रणोक कुमार गुप्ता ग्रात्मज कालीचरण गुप्ता निवासी——टोपी बाजार, लक्ष्कर ।

(श्रन्त(रती)

को यह स्थान जारी कर्क पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में को दंभी आक्षेप हैं—
(क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से
45 दिन की जबधि या तरसम्बन्धी स्पृतित्यों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
बृद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
स्पृतित्यों में से किसी स्पृतित ब्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध फिसी जन्य म्यन्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## मन्सुची

मकान नं० 40/423, टोपी बाजार, लण्कर में स्थित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक प्रायकर प्रायुक्त ग्रर्जन रेंज भोपाल

विनांक: 8.ग्रगस्त 1984

मोहर 🎖

# **प्रकप् आह<u>ित</u> टी<u>.</u> एन**ु एस ., ----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 प्रगस्त 1984

निवेंग सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भीपाल/5018---श्रतः मुक्ते, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कान नं कि 40/423 है, तथा जो टोपी बाजार, नश्कर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से बाजत है) राजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, लश्कर में राजस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीभीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम कं स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सित्; और/या
- (का) एसी किसी आय वा किसी भन वा अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मूजिमा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राजमल पुत्र सूरजमल श्रोसवाल, काविश्या दूस्ट सराफा बाजार लक्कर
  - 1. भैरोमल, सराफा बाजार
  - 2. केशरीमल ब्रात्मज चम्पालाल, सराफा बाजार
  - तरेन्द्र कुमार श्रात्मज श्रमोलकचन्द्र, जीवाजीगंज
  - 4. उसम्बन्द भ्रात्मज पारसमल, बैरागपुरा
  - तेजमल श्रात्मज सौभाग्यमल, सराफा बाजार, लक्ष्कर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमादेवी पत्नी कालीचरणजी टोपी बाजार, लश्कर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करती हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पत्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों औद्भ पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

मकान नं∘ 40/423, टोपी बाजार लश्कर में स्थित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 8 भ्रगस्त 1984

प्ररूप नाही, द्यी, एनं, एस, -----

भायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निर्येष सं० आई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल—--म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्रमांक 306 हैं, तथा जो ग्राम मालनपुर, गोहद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबग्र श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गोहद में रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों)। के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जान की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्निजित स्मृतितयों, सर्थात् क्रिस्ट (1) श्री क्षिजलाल पुत्र मंगल ग्राम मालनपुर तहु० गोहद।

(ग्रन्तरक)

(2) फर्म-ग्लास इंडिया प्रा० लि० मालनपुर द्वारा व्यवस्थापक शिवनन्दन पुत्र रामबन्स सिंह निवासी-ग्राम मानहङ् तह० मेहगांत्र जिला भिण्ड । (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टींकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## नगस भी

भूमि क्रमांक 306 ग्राम मालनपुर तह० गोहद में स्थि है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> बोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, भोपास

दिनोक: 8 ग्रगस्त 1984

प्ररूप भार्द : दी ् एन . एस .------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रजंन/भोपाल/5020--मतः भुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- हर से अधिक हैं

श्रीर जिस की सं० भूमि कमांक 306 है, तथा जो ग्राम मालनपुर, तह० गोहद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत हैं) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गोहद में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुए किसी नाम की नावत, उक्त विभिन्नम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा कें सिए;

अतः असः, उक्त सिंभिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कलियान पुत्र संगल , ग्राम मालनपुर तह० गोहद

(भ्रन्तरक)

(2) फर्म ब्लास धृण्डिया प्रा० लि० मालनपुर क्वारा व्यवस्थापक शिवनारायण सिद्ध पुत्र रामनाथ सिह निवासी—गोरमी, तह० मेहगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरी।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

# बदसूची

भूमि अर्माक 306, ग्राम मालनपुर तह० गोहव में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म मंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिमांक: 8 म्रगस्त 1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत इरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज क्षेत्र भोपाल भोपाल, दिनांक 13 ग्रंगस्त 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5021---ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मृन्ब 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिस की सं० मकान, ख नं० 242/1 का भाग है, तथा जो फाफाओह, रायपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भीर पूर्ण के रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रजीन, दिसम्बर 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) आरे अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क), अन्तर्प्रम् संहुद्दं किसी आय की भावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के निए; ब्रोहर/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए था, कियाने में सर्विया के तिए;

अतः अडः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग औं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ख़ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति ं— (1) श्यामजी हिरजी भाई पटेल तरफ से मु० श्राम बस्ताराम बल्द लालजी पटेल निवासी—-फाफाडीह रायदुर

(अन्तरक)

(2) गिरनार टिम्बर कंपनी पार्टनर करसन भाई वल्द रामजी पटेल निवासी---फाफाडीह, रायपुर (अन्तरिती)

स्त्रे वह त्यान पाड़ी करके प्यानित वस्पतित के वर्षन के लिह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित को अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्त्रस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सक्छ जिथिनियम, के जभ्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया रक्षा है।

# अन्स्ची

मकान, भूमि खा० नं० 242/1 का भाग, फाफाडीह रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती क्षारा संस्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक : 13 झगस्त 1984

मोष्ट्र 🛭

प्रकृष् बाह्र्ं, टी. एत्. एसं., -------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के ज्थीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकद्व आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/5022—म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 93/2 है, तथा जो एम०जी० रोड़, मेघ बिल्डिंग, इंदौर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरितियाँ) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त बन्तरण मिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत , उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के शांदिल्य में कमी करने या अवसे बुखने में सुद्धिभा के शिय; बाँड/वा
- (ब) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धृत्कर अधिनियम विद्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः बन्धः, उत्तर विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :--- (1) कुमारी रंजना पिता वी०के० जाधव, निवासी-84, साकेत नगर, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवकी नंदन उर्फ देवदास पिता मुरंदमल रामचंदानी निवासी बी-6, मेघ बिल्डिंग, एम०जी० रोड, इंदौर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूनों कत सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ू--

- (क) इस संघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्श्ति में हितबत्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

.स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 93/2, एम०जी० रोड, मेत्र बिल्डिंग, इंदौर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर (श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-8-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस् -----

आधकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 श्रगस्त 1984

निदेश सं० ब्राई०ए०सी०/ब्रर्जन/भोपाल/5023---ब्रतः, मुझे,वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान है, तथा जो धांसबाजार, रतलाम में स्थित हैं (ग्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के कम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे वचने में सुविधा के लिए, और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारताय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों. अधीत ६—— (1) श्री राजेन्द्र पिता झमकलालजी पोखरना, निवासी-मानक चौक, रतलाम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलतादेवी पति मनोहरलालजी जैन, निवासी—धासबाजार, रतलाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ्र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बहुभ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुंबा है।

#### नन्स्ची

मकान, धांसबाजार, रतलाम में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल)

तारीख: 13-8-1984

# प्रारूप आहर्.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 13 ध्रगस्त 1984

निवेण सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5024—ग्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार जरनवाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिमकी संख्या मकान है, तथा जो धांसबाजार, रतलाम में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर 1983

की पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल तो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया थया प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तारण संहुदं किसी आय की आवत, उच्छा अधिनियम के अधीन कर सनं को जन्तरक के वर्त बत्य में कमी करने या उससे अपनं में सुविधा में सिए; अदि/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय बायकर किसीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, गा धन कर अधिनयम, गा धन कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गम था किया बाना चाहिए था कियाने में माजणा औ लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रमेशचन्द्र पिता झमकलालजी पोखरना, निवासी—मानक चौक, रतलाम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलातादेवी पति मनोहरलाल जैंन, निवासी-धांसवाजार,

(अन्तरिनी)

महें बहु सूचना चारी करके पृत्रीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी बार्धण उन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए था सकेंगे :

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुसुची

मकान, धांसवाजार, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित हैं।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-8-1984

मोहर 🙏

# धुक्षपु आद्र<sup>2</sup>.टी.एन.्एस्.------

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

### भारत घरकार

कार्यालय, सहारक जारकर नायुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भौपाल, दिनांक 13 ध्रगस्त 1984

निदेश सं० श्राई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5025—अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार अरनवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी संख्या मकान हैं, तथा जो धांसवाजार, में में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी आयु की नावत, उकत अभिनियम के अभीन कर बने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे अधूने में सुविधा के लिए। बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्नियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के नित्ए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :— 28—236 GI|84

(1) श्री सुरेण पिता झमकलालजी पोखरना, निवासी-मानक चौक, रतलाम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मंजुबाला पति ग्रानंदीलालजी पूनत, निवासी—धांसगाजार, रतलाम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता हो।

जनत् संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षप् :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित्त में किए का सकेंगे।

स्पृष्टीकर्णः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, यो उक्त स्थि-नियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मन्स्यी

मकान, धांसबाजार, रतलाम में स्थित हैं यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक भ्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 13-8-1984

मोहर 🛚

प्ररूप बार्ड. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्शालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 प्रगस्त 1984

निदेश सं श्राई ०ए०सी ० श्रिजेन | भोपाल | 5026 -- श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान है, तथा जो घांसमाजार, रतलाम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन, विसम्बर 1983

को पृथ्वों कि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिकल से, ऐसे रूप्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :---

(1) श्री झमकलाल पता भागीरथजी पोखरना, निवासी—मानक चौक, रतलाम।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पता मनोहरलालजी जैन, निवासी—धांस बाजार, रतलाम।

(श्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान, धास बाजार, रतलाम में स्थित हैं। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-8-1984

मोहर 🗄

प्रकृष् नाहु , टी , एन्., एस्.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-५ (1) के बभीत त्युमा

### भारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं०आई०ए०सा०/अर्जन/भोपाल-5027--अतः, मुन्नो, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान म्यु० कमांक 68 का भाग है, तथा जो गोपाल मंदिर मार्ग, सराफा बाजार, उज्जैन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप, से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाबार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्रम से हुई किसी बाद की वादण उसस मिर्मिन्यम के जभीन कर योगे के बन्तर्रक के समित्य में कमी करने या उसने बचने में स्विभा के सिए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी जाम ना किसी धन ना अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट वृद्धी किसा वृता वा ना किना जाना चाहिए था, कियाने सें स्विधा के सिक्;

मिं, में, उक्त अधिनियम की भाष 269-क में ज्युकरण में, में, उक्त अधिनियम की भाष 269-क की उपधार (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, सर्थात् ्र—

(1) श्री रामपाल अग्रवाल आत्मज मुझालालजी अग्रवाल, निवासी—गोपाल मंदिर मार्ग, जन्ठाल, उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) श्री रामधन्द्र कुमावत आत्मज धूलजी कुमावत 2. हक्मणी बाई पत्नी रामधन्द्र कुमावत, निवासी---कलालसेरी, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनक सम्पृतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित मों किए का सकोंगे।

स्पर्काकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्त्रची

मकान म्यु० गृह क्रमांक 68 का भाग, गोपाल मंदिर मार्ग, सराफा बाजार, उज्जैन में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-8-1984 मोहर

# ्रक्ष आर्च्छ द**ि स्त**ु <u>पुर्ुः ३५००० वरस्य</u>

नायकड निभिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत सूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निक्षेण संव्याईव्एव्सीव/अर्जन/भोषाल-5028 --अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके परवात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिस्त्रास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 25,000/- हा से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 134 है, तथा जो महाराणा प्रताप नगर, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

को प्रोंबत संपरित को उणित बाजार मृत्यु से कम को द्वायान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपरित का उणित बाजार मृत्य,, उसके द्वायान प्रतिफल से एसे द्वायान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (45) क्लार्ज वे हुई किसी बाद की बावस, बाबस बाधिनियन के ब्योन कर दोने के ब्लारक के दादित्व में कभी करने या उत्तरे द्यान में स्वीत्था के बिह्द; ब्योड/वा
- (अ) एसी किसी नाय वा किसी वृत्या नृत्य नास्त्यों को, विन्हीं भारतीय नायकर निष्तियम्, 1922 (1922 का 11) या उच्छ नृषितियम्, या चुनकर नृषितियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतार्थ नस्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या ना या किया जाना नाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

कतः वक, उक्त विधिनियम की भाष 269-म की अनुतर्थ में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

> (1) श्रीमती आणा जैन पत्नी अवधनारायण जैन द्वारा रामनारायण गुप्ता निवासी "रेलवे कालोनी, पुट्टा मिल के सामने, भोपाल।

(2) श्री गोविन्दसिंह पटेल पिता बाबूलालजी पटेल

2. रमेश कुमार पिता बाबूलालजी

3. बाबूलाल पटेल पिता मुरलोधरजी

4. गोविन्दसिंह पटेल पिता नारायणसिंह जी

5. अनिकृद्ध सिंह पटेल पिता नारायण

6. श्रीमती मीराबाई परनी बाबूलालजी; निवासी—मारफर्स ई-2,/242, अरेरा कालोनी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्भक्ति की वर्षन की जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

चक्छ सम्मक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बासेंच हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की वारीस से 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी स्व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विता में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पर्वाक रण्: -- इसमें प्रयुक्त सम्बाधित पर्वो का, वा उत्तर अधिनियम, के बध्याय 20 क में पृरिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वाही।

### नन्त्रची

प्लाट नं० 134, महाराणा प्रताप नगर भोपाल में स्थित है।

> वीरेख्य कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

**तारीख: 13-8-1984** 

मोहर 🖫

(अस्तरक)

प्रक्ष बाद्र°ा टर्नुः एन∴ एस∴------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5029 --अतः मुझे, धीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० ई-3/69 पर बना हुआ अधूरा मकान है, तथा जो अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कीर्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983।

कां पूर्वोक्त संपरित के जिसत बाजार मृल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विष्वाम करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उत्दृष्टिया से उक्त अन्तरण् लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जसः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण हों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्री बिहारीलाल गोयल पुत्र राम सहाये गोयल, निवासी-भोपाल द्वारा मु०आ० ललिस कुमार अरून पुत्न राम लाल अरून, निवासि-चौके इमामबाड़ा, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री मनजीत सिंह बेदी पुत्र सरदार नियासी-पातरा पुल, भोपाल।

(अन्तरक)

को यह सूचना कारी करको पूर्वोक्त संप्रात्त के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हिसनद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकी।

स्वव्यक्तित्व : --- इसमें प्रयुक्त कव्यों बाँड पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वनुसूची

प्लाट नंबर ई-3/69 पर बना हुआ अधूरा मकान, अरेरा कालोनी भोपाल में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-8-1984

# प्र<del>क्ष</del> वार्ष**्टी** एव*्*एस् :------

# जापकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ज्थीन स्पना

### भारतं सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निवेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5030-अतः

मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाचार मृश्व 25,000/- रु. से अधिक हैं:

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 5 का भाग है, तथा जो बैरिसया रोड़, भोपाल में स्थित हैं (और इससे उपबद्ध अनुचनी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983।

को पूर्वोक्त संपहित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमाभ प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से की भत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुन्द किसी नाम की नामस, उक्स किमीन्यन के नभीन कर पोर्ग की अन्तरक के वासिन्य में कमी करने या उससे व्यन में बृद्धिमा के लिए; सर्पिया
- (क) पति किसी जाय वा किसी वृत् वा अन्य वारिस्त्यों का , जिन्हें भारतीय जाय-कर जिन्हें भारतीय जाय-कर जिन्हें भारतीय जाय-कर जिन्हें भारतीय जाय-कर जिन्हें भारतीय जाय उकत जिन्हें निया है। पति कर जिन्हें किया गया भन-कर जिन्हें विभाग जाया पति प्राप्त किया जाया वा वा का जिल्हें किया जाया वा वा का जिल्हें किया जाया वा वा का जाहिए था , जिल्हों किया जी सिए;

(1) श्री राजेश कुमार तक्षरेजा पिता ब्रजलालजी, निवासी—51, **ईदगाह हि**ल्स, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) मेसमं लुनाज बिल्डमं एक रजि० पार्टेनरिशप फर्मे मार्फत ग्मेश चन्द्र तौरानी पिता पग्सरामजी तौरानी , निवासी-सौरानी, इन्टर प्राइजेस, हमीदिया रोड़, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्दके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

# उन्त संपत्ति के न्यंन् के तंबंध् में कोई भी आक्षेष् ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मुब्धि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्थ किसी बन्य व्यक्ति इंगारा नृशोहस्ताक्षरी के शस किसित में किए का सकेंगे।

स्वाधित्यमः च्यापित्यमः स्वाधित्यमः स्वाधित्यम् स्वाधित्यमः स्वाध

# अमूस्ची

प्लाट नं०-5 का भाग, वैरसिया रोड, भोपाल में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित अयिकतारों, अधित्र

सारीख: 13-8-1984

भृ<del>क्ष</del>पुत् **भाष**ि दीत् पुनुतु पुस्त वस्त्व

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृं(1) के ब्रधीन सृष्मा

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5031--अतः मुझे, वीरेम्ब कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 108,109 है, तथा जो ईद-गाह हिल्स, भोपाल में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

को पूजेंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूजेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेंद्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तुविक रूप से किथात महीं किया बया है हि—

- (क) अन्तरण संहुदं किसी आय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर वीने के अन्तरत के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय मा किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

कतः जब, उन्स अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१० को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कुमारी समीनाबानों पुत्री श्री सरबत अली खां, निवासी—-वजेरापुरा, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सलीम जहां बेगम पत्नी साहिबजा अब्दुल सलीम, निवासी-शाहंजानाबाद, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपर्तित म हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकरेंगे!

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विकास गया है।

नन्स्ची

प्लाट नंबर 108, 109, ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवला सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13--8--1984

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन., एस. =----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भाउत् चुडुकाङ

कार्यालय, सहायक आमकार आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी० अर्जन/भोपाल-5032:--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 20 है, तथा भी बी सेक्टर, इन्द्रपुरी कालोनी, भोपाल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्तर, प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उपत अन्तरण निम्लिख में बास्तिक कप में किथल नहीं किया गया है हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियुम् के अधीन कट दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कटने या उससे ब्लामें में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत :-- (1) श्री बीव्डीव सायलानी वस्त्र आसनदास 2. श्रीमती हसीदेवी पत्नी वीव्डीव सायलानी, 171, ए सेक्टर, इन्द्रपुरी, भोपाल।

(अन्द्ररक)

(2) श्री म्रंगूरी वाई नेमा पत्नी श्री प्रेमानारायण नेमा, निवासी—लखेरापुरा, भोपाल।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्स सुम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सुभूना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि को समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी ब्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीक डेण ६—--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुष्यी

प्लाट नं० 20. सेक्टर बो, इन्द्रपुरी, भोषाल में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-8-1984

मोहर 🕾

प्ररूप आई., टी., एन., एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

### मारत बहुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश संब्जाईब्एब्सोब्/अर्जन/भोपाल--5033:---अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या मकान नंबर 1308, जो कि नगर निगम नं प्लाट 172 है, तथा जो मदनमहल एक्सटेंगन, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च) में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिसम्बर 1983।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक मूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः 29—236 GI[84 (1) श्रो शिवकुमार मिश्रा आत्मण स्व० श्रो जगदोश प्रसाद मिश्रा, निवासा-मिकान नम्बर 165, उपरेनगंज, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रोः श्रोलाल दुबे आत्मज श्रो बाबूलाल दुबे, निवासी:-1308, उपरैनगंज, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शस निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं!

### वन्स्यो

मकान नं 1308, नगर निगम प्लाट नं 172, मदन महल, नेपियर टाउन, अबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जो में निहित हैं।

वीरेन्द्र कुमार **बरनवाल** सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-8-1984

प्ररूप नाइ". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेण सं०आई०ए०सो०/अर्जन/भोपाल-5034 --अतः मझे, वंश्निद कुमार बरनवाल,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मंख्या प्लाट है, तथा जो रिक्का, जबलपुर में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उिश्वत बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्रो राजेश कुमार पिता
म्ब० सेठ नर्रामह दास मालपानी,
निवामी—हनुमानताल,
जबलपुर।

(अन्तरकः)

(2) श्रो मन्नोबाई पत्नी दुर्गाशंकर, निवासा-खमारिया, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध को कोई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीखं सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरा के पान निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों कां, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

प्लाट, रिझो, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थाघर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37–जो में निहित हैं।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल जी०टी० नगर, भोपाल

तारीखा: 13-8-1984

### प्रक्य बाइं.ढी.एन.एस.,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल--5035--अतः , मुझे, विरिन्द्र [कुमार]बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गुरूस 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो राझो, जबलपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्र। में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रांकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, विसम्बर 1983

नो पृत्रांक्षित सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे बढ़ विष्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) ग्रीर जन्तरिनी (अन्तरितियों) से बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिकल, निष्नतिश्विष्ठ उद्देश्य से उकत मन्तरण निश्चित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में भूशिका के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राजेश कुमार पिता स्व० सेठ नरसिंहदास मालपानी, निवासी—हनुमानताल, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोकुलप्रसाद पिता किशोरीलाल, निवासी—रांझी, जबलपुर।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (३) इस सूजना के राज्यत में प्रध्यत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि का जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रज्ञाणन का तारील से 45 चिन के भीतर उक्त स्थायर अभ्यत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसर्मे प्रयुक्त मध्यों थोर पदा का, त्रा उक्त प्रक्षि-नियम के अध्याय : 0-क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा, जो उस सक्याय में दिया कथा है।

### जनसची

प्लाट रांझो, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37–जो में निहित हैं।

> र्वारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिडिंग, चौथी मंजिल जी० टी० नगर, भोपाल

तारीखा: 13-8-1984

मोहरः

प्रकृष कार्च. टी. एन. एस. :----

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269'-म (1) के अधीन सूमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बाय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5036 ---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट है, तथा जो रांझी, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरवमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग औं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थांत क्ष----

(1) श्री राजेश कुमार पिता स्व० सेठ नरसिंहदास मालपानी, निवासी—हनुमानताल, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री एस०आर० मझूमदार पिता आर०एन० मझूमदार, निवासी—खमरिया, जबसपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां गुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

प्लाट रांझी, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37--जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13--8-1984

प्ररूप बाइ. दी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश मं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5037 —अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या प्लाट है, तथा जो मौजा रांसी, जबलपुर में स्थित हैं (स्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जबल-पुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983।

को प्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य , आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्रो राजेण कुमार मालपानो पिता स्त्र० सेठ नर्रासहदास मालपानो, निवासी-→हनुमानताल, जबलपुर।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती तगंम्मा सेमुयल पत्नी सेमुयल, निवासी—-रांझी, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सें 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट, मौजा रांझो, जबलपुर में स्थित हैं। य**इ** वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नंबर 37–जी में निहिस हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहाय**क आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भौपाल

तारीख: 13-8-1984

प्ररूप भाषे. टी. एन्. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5038 --अतः मुझे, विरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 का को अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको संख्या भूमि ख नं० 262 है, तथा जो रतलाम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावत अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, रतलाम में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1983।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिविद्यत उद्विदयों से उक्त अन्तरण लिखित वे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, जिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रो मकसूद खां पिता मेहबूब खां खेरानी, खैरानीपुरा, रतलाम।

(अन्तरक)

(2) श्रो राम इन्वेस्डमेंट कारपोरेशन रजि० फर्म द्वारा श्री इन्द्रनारायण पिता मनसुखरामजो झालानो, गौशाला रोड, रतलाम।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कुई होगा जो उस अध्याय में दिया न्या हैं।

### नगत्त पी

भूमि ख नं० 262, रतलाम में स्थित हैं। यह वह स्थाबर सम्बत्ति हैं जिसका विबरण अन्तर्ति। द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित हैं।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक अत्यकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाहु . टी.. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म (1) के मधीन सुषना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 अगस्त 1984

निर्देश मं० आई०ए०सो०/अर्जन/भोपाल-5039 ---अतः, मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि ख नं० 262 है, तथा जो रतलाम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिखित में बास्तिविक कण में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण्ये हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तः अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व रितयों, अर्थात — (1) श्रो मकसूद खां पिता मेहबूब खां मैरानी, खैरातीपुरा, रतलाम।

(अन्तरक)

(2) श्री राम इन्बेस्टमेंट कारपोरेशन रजि० फर्म द्वारा भागोदार श्रो इन्द्रनारायण पिता मनसुखराम सालानो, गौशाला रोड, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना कारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष्क कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाका में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया वसा है।

#### बस संची

भूमि ख नं० 262, रतलाम में स्थित हैं। यह बह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित हैं।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन रेंज, भोपाल

तारोख: 13-8-1984

भ्रूष्ट्यः आह्राः, टी. एन. एस्., - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधीन सुष्या

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1984 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-1/ 12-23/779--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 26/34, है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषक्त बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, अक्ट बीभनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उद्यंश वक्षी में सुविका की सिष्ट; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) श्री जगजीत सिंह सुपुत्र श्री जय राज सिंह 26/34, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) मैं० रिशी मोहन बिरुडर्स प्रार्शल० 6/4792, चान्दनो चौक, कटरा सुभाष दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-लद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के 'गस सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—-ध्समों प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ननस्थीं

प्रो॰ नं॰ 26/34, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तादाक्षी।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्लो-110002

दिनांक 8-8-1984 मोहुर ⊬ प्रस्य आहे.टी. एन. एस. -----

भागकड मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-ग्रार-1/12-33/780--ग्रनः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से ब्रीधक है

ग्रीर जिसकी सं० ए०/2/17, है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावस प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्जा प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्री करण प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक दिसम्बर, 1983

्रां पृषंवित सम्पत्ति के उपित भाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विद्रशास करने का कारण है कि यभाप्वांक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरित्यों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिला, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप में किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आम की आवत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कर्म या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, -उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—
30 —236 GI|84

(1) अर्थे सरूप चन्द गुप्ता सुपुत्र श्री मामचन्द गुप्ता, निवासी—-दैगोर पार्व, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गौरो दल णर्मा मृपुत्र श्री लघु राम णर्मा, निवासी——ए—2/17, माडल टाउन, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उप्तत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन है भीतर उक्त स्थातर संपन्ति में हिनबहुध किसी करू व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाका किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### **अनुसूर्जी**

डबल स्टोरी मकान प्लाट नं ० ए-2/17 तावायी 456.25 वर्गगज, माडल टाउन, दिल्ली ।

न्नार० धी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-8-1984

# प्ररूप. बार्च. टी. एन. एस. - - - -

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० ब्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०ब्रार०-1/12-83/782--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सी०-156, है तथा जो मानसरीवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावस श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

का पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अन्तरिनियार्ते) के बीच एमें अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुव् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्न में सूविभा कि लिए; और/गा
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्वीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में लीकिंग के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, तिम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री किंदार नाथ भेल्ला सुपुत्र श्री दुर्गदास भरूल निवासी—18/9 श्रीत्व राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पाली राम शर्मा सुपुत श्रो रामजी लाल शर्मा, निवासी—ए-885, शास्त्री नगर, दिल्ली । (अन्तरिती)

का यह सम्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत;
- (च) इ.स. सूचना के राजपप में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया गया है।

### मन्स् ची

्लाटनं ० 156, स्लाक 'सी' तादाक्षी 300 वर्गगज, स्थापित-मानसरीवर, गार्डन, नई दिल्ली ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम श्राधिकारो महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-8-1984

प्रकृष नाइ. टी. एन. एस. ----

भायकर गरिभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस॰ब्रार०-1/12-83/783--ब्रुत: मझे, ब्रार० पी० राजेश.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 49-ए, है तथा जो बी० श्री० ६स्टेट, तिमार पुर, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में पूर्ण रूप से वाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवीन, दिनांक दिसम्बर-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुफे यह िश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्छ निमितियम के जभीन कर दोने के अंतरण के दावित्य में कमी करने या उससे व्यन में सुविभा के निए; मौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- (1) श्री नाथू सिंह गिन्बल भगत राम, श्रानन्व प्रकाश, वेद प्रकाश, सुपुत्रगण स्व० सारधा राम और सभी निवासी——प्राम——पो० डटोली, नियर गैनोर, जिला——सोनीपत, हरियाणा वर्तमान पता——49—ए, बी० डी० इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली। श्रन्तरक)
- (2) श्री मितश गुप्ता सुपुत्र श्री मदनलाल गुप्ता, निवासी—49-ए, बनारसी वास इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्त्रकी

ग्राउण्ड फ्लोर का भाग, वस्टर्न साउथ भाग, तादादो, 42 वर्गमीटर, 49-ए, बनारसी वास इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली ।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) म्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-119002

विनांक 8-8-1984 - मोहार∷

# प्ररूप आहं. टी. पुन. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन स्थाना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नर्ष पिल्ली। दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस०आर०-1/12-83/784—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 49-ए, है तथा जो बी० डी० इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों), और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त जिथ-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।;

श्रतः अव्, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की वनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, पनम्तिनित्त व्यक्तियों, अर्थात् ब— (1) श्रो नाथु सिंह जिन्दल, भगत राम, आनन्द प्रकाश, वेद प्रकाश सभी मुपुत्रगण स्व० श्री सरधा राम, निवासी—ग्राम-पो० बटोली, नियर गनोर जिला सोनोपत, हरियाणा, अब निवास स्थान 49-ए, बनारसी दास इस्टेट तिमारपुर दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमती आणा गुप्ता पत्नी श्रो मदन लाल गुप्ता, निवासी → 49~ए, बी० डी० इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

हिस्सा नार्थ वेस्ट एन्यू पी० एफ० प्रो० नं० 49-ए, ताबादी 45 वर्ग मोटर, बनारसी दास इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ला ।

आर० पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2 दिल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनांक : 8-8-1984

प्ररूप . आर्ड , टी . धून , एस , - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस०~आर-1/12-83/790-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसको सं० सोप नं० 18, है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली, में स्थित है (स्रीर उसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

कां पूर्वीकत सम्परित के उजित वाजार सूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विष्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्स मंपित्त का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिता (यंतरितियाँ) के लीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुइ किसी नाय की नावत्, जनत निभित्त्व के मुभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी कर्ने या उससे बचने में सृविधा के लिए; महि/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अल, उत्मन अधितियम, की धारा 269-ग के अनसरण मी, भी. अक्त अधितियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्पक्तियों, ज्यीत् क्ष्र--

- (1) श्रांमती सरोज राना पत्नी श्री धरमपाल,  $v \rightarrow 5/21$ , पश्चिम विहार, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रामता कुलजात कौर पत्नो श्री हरबंस सिंह सेठी, निवासी—4/64, पंजाबी बाग, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या ततस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्ति व्यक्तियों में से किसी स्थित हाता हाता.
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्रची

सोप नं 18. नार्थ-वेस्ट एवेन्यू भार्केट , पंजाबो बाग, नई दिल्ली, तादादी 28 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्लो-110002

विनांक: 8-8-1984

मोहर 🕄

प्र**रूप बाइ**ं., टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं आई० ए० सी०/एक्यू०//2/एस०-आर०-1/ 12-83/798--अतः मुझें, आर० पी० राजेश,

भायकर अभिनिगम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसको सं० सोप नं० 46, है तथा जो ग्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ला में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उच्त जन्तरण जिचित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गवा है है—

- (क) बन्तरण वे हुई कियी थान की वायद्, सक्त विभिन्नियं के वभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने वा स्वस्थे ब्ल्ने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री गुरबचन सिंह, निवासी---बी०/72 सुभाद्रा कालोनी, सराय रोहिल्ला, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी श्री बाधु राम, निवासी—47, विवेकानन्द पुरी, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या स्ट्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए पा सकना।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्वी

सोप नं ० 46, घोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तादादी 16 वर्गगज

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, दिल्ली, नई विल्ली—110002

दिनांक : 8-8-1984

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-11, नई दिल्लं।

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/एक्यू०/2/एस०→आए-1/12 - 83/801--अतः मुझे, आर० पो० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.060/-रा. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं० एम० सी० डा०-29, है तथा जो किशन गंज, विल्ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत अनुसूचा में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, विल्ला, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक विसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षियित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में सविधा के लियः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (१) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अमृतलाल सुपुन्न एल० सन्त राम,
  पी०-पी०-32, पितमपुरा, दिल्ली,
  किणतलाल मुपुन्न श्री मन्त राम,
  निवासी-ई-138 अग्रोक निह।र, दिल्ली ।
  श्रीमता श्राणा रानी अटानी श्री राजेण मलिक पत्नी
  श्री सिकन्दर अजय मलिक सुपुन्न सिकन्दर सरिता देवी
  निवासी-8933 पुल बंगस दिल्ली
- (2) श्रोत कंबर लाल सुपुत्र बनवारी लाल, निवासी-~29-किशन गंज, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्रो० नं० एम०-सी०-डो०-29, प्लाट बो०-3, खसरा नं० 472, खाता नं० 238 सेवत नं० 197, किणन गंज, दिल्ली ।

> आर० पां० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, दिल्ली,नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-8-1984

# प्रस्य भाइं.टी.एम.एस. ------

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहारक वायकः अागृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आए-1/12-83/804--अनः मुझे, आर० पी० राजेण,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी-218, है तथा जो मजलिस पार्क, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 83,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से कृषं किसी जाब को बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे अचने में मृतिधा के लिए: और/मा
- (क) एंगी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विश्य के लिए;

अतः अत्र, उंग्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के कधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :--

- (1) श्रोत मोतो राम, सुपुत्र श्री शादी राम, निवासी—मी-218 मजलिस पार्क, दिस्ली । (अन्तर्क)
- (2) श्रामता दुर्गा देवा परनी एस० इन्दर सिंह, निवासी—-ए-34, पंचवटी कालोनी, आजादपुर, दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की, सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी स्यक्ति द्धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पृष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्वा है।

### नम्स्यी

एक मंजिला मकान नं० सी०-218, मजलिस पार्क, दिल्ली-33, भूमि नादादी 111 वर्गगज ।

> आर० पी० राजेग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निर्धायण) अर्जन रेंज~2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-8-84

मोहर ः

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं) धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/12-83/816-अतः मुझे, आर० पं० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० 10-ए/34, है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को प्रवोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 31---236 GI|84

- (1) श्री राम प्रकाश भला सुपुत्र श्री जय राम श्रीर श्रीमती कौशल्या रानी भला, पत्नी श्री राम प्रकाश, निवासी—10-ए/34 शक्ति नगर, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री मुकेश गर्ग सुपुत्र श्री आर० सी० गर्ग, निवासी---10-ए/34, शक्ति नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, पो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के सक लिखित में किए वा सकेग

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्यों का, को उक् अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा ग्या है।

### असर्थी

प्रो० नं० 10-ए/34, तादादी 241.11 वर्ग गज, रोशनारा रोड निवासीय योजना, सब्जी मण्डी, शक्तिनगर, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-8-1984

### प्रकृष वाह' . हो . एवं . एवं . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### नारत सरकार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर--1/12--83/821--अत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- क से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 8 8 3 ग्रीर 84, है तथा जो गोखले मार्केंट, दिल्लो, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण्याभिवित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि सभापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया वया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तीबक रूप से करीयत नहीं दिवस गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे दचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विक्ष के लिए:

अतः सम, उक्त सिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखिठ स्यक्तियाँ, अर्थान :---

- (1) श्रो जोगराज भासान ग्रौर विजय कुमार भासोन सुपुत्रगण श्रा दिनानाथ भासोन, जो ए० श्रो दिनानाथ मार्फत निवासो—मकान नं० 48, डब्स्यु—ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली ।
- (2) श्रं बलदेव सिंह सुपुत्र श्रं गुरदयाल सिंह, निवासा---सोप नं० 65, गोखले मार्केट, दिल्ला । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, अर्थ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ष किसी अन्य स्थावर द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  शाम निविद्य में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसंची

बी० बी० वी० पत्नैट सीप नं० 83 भ्रीर 84, गीखले मार्केट, दिल्ली, नादादी 119.03 वर्गगज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज→2, दिल्ला, नई दिल्ला—110002

विनांक : 8→8→1984

मो**ह**र 🤞

# प्रकृष् आहें.डी. एवं. एवं., -----

जायफर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत तरकार

गार्यासय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सीः०/एक्यू०/2/एस-आर-1/12-83/8222-अतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर वांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-इस को वाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का काएण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित गाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 3483-89 (नई) है तथा जो बाराहिन्दु राव, दिल्लों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्ती अधिकारों के कार्यालय, दिल्लों में भारतीय रजिस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक न निम्ननिश्चित उद्देश्य से उस्त बन्तरण निश्चित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण, तं हुइ किसी यान की वानत, उनस् विश्वतियुव के नभीन कर दोने के जन्तरक की दासिस्य में कवी करने या अबसे नचने में सुविधा के विष्ठ; जरि/या
- (व) एसी किसी जाग या किसी धन या जन्म वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

(1) श्रीभती स्वर्ण देवा पत्नी स्व० श्री बुलाकी राम, निवासी-X111/3483/88, गला संगद्वेशन, बाराहिन्दु राव, दिल्ली ।

(अन्तरिसीरक)

(2) मे० काले खान मोहम्मद इनिफ, आफिस इब्राहिभपुरा, भोपाल, भागे द्वार मोहम्मद अजिज सुपुत्र श्रो काले खान सौदागर, । (अम्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृथानित सम्परित के जर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

### बनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुपुची

प्रो॰ नं॰ 3483-89 (न्यु) बार्ड नं॰ 13, भूमि तावादी 89 वर्गगज, बाराहिन्दु राव, गली संगत्रेशन, दिल्ली ।

> आर. पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैन्ज-2, दिल्ली, नई दिल्लो-110002

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भों, मौं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अभीन, भिन्दिस्सित व्यक्तियों, जर्थात :—

विनोक : 8→8→1984

मोहर 🛭

प्ररूप. नाई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्पना

### भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक नायकर वाय्वतं (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-म्रार-1/12-83/826-भातः, मुझे, भार० पी० राजेश,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 2247 है तथा जो तुर्कमान दरवाजा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्हार, 1983,

को प्रशिक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसिचल उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के किए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) की अधीत.. निम्निकित स्पक्तियों, अर्थात् ८००० (1) श्री जगदीश सुपुत्र श्री गनेशी लाल, निवासी—2247 गली डाकटेन, तुर्कमान दरवाजा, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद ग्रमिर सुपुत्र मोहम्मद शरीफ श्रीर श्रीमती रहिखा बेगम, सुपुत्री श्री जहिरुद्दीन पत्नी मोहम्मद श्रमिर, निवासी—850 गली गोदामवाली, हवेली, हजाम खां, चितली कावर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कांड्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुम्ची

2247 गली डकेतन, तुर्कमान वरबाजा, विल्ली, तादादी 56 वर्ग गज ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-8-1984

प्रसंप बाहाँ.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज;-2, नई विद्वली

नई दिल्ली चिनांक 8 ग्रगस्त 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका लिखत बाजार मृल्य 25.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 52-यू० बी०, है तथा जो जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित है ग्रौर इससे उपाब है ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह जिस्मास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिसित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण संहुई किसी गाम को यानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए।

- (1) श्रीमती बुदवन्ती देवी पत्नी श्री कहन चन्द, निवासी--- 52, यू० बी० जवाहर नगर, दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रवीन कुमार, नवीन कुमार सुपुत्रगण श्री रोहताश कुमार जैन, निवासी—एफ०/43, कमला नगर, दिल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त , संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में जितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जा उस रूथगंप में दिया गया ही।

# **मन्**त्रची

प्रो॰ नं॰ 52-यू॰ बी, तादादी, 172.2 वर्गगज, (2-1/2 मिजिला) नार्थ सिटी एक्स॰ योजना, नं॰ 1, सक्जी मण्डी, जवाहर नगर, विल्ली ।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भार 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिविह व्यक्तियों, अर्थाद:—

दिनांक: 8-8-1984

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----अध्यक्तर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के सधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त साय्वत (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 भ्रगस्त 1984

निवेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-मार०-1/ 12-83/835--- ग्रतः, मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 346 से 349 है तथा जो दरीबा कला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक विसम्बर 1983.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफान के एसे दश्यमान प्रतिफान की पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के शीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त मतरण निश्वित में बास्तविक रूप संकिथल नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाब काँ वस्त्रत, स्वस् समितियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के के सिए: और/या
- (क) ए<sup>रे</sup>सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर **अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** के प्रयोजनार्थ अस्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गमा था मा क्रिया जाना चाहिए था, सिंगाने में सविधाके लिए;

अत: अब, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के अनुसर्थ भा, माँ उभत अधिनियम् की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन,, निम्नलिबित म्यन्तियों, मर्वातः :---

- (1) श्री मोहम्मव जाकी मेरी सुपुत्र मोहम्मव मुस्ताकिम बेरी, भ्रटानी श्रीमती मरियम बी पत्नी स्व० शेख महस्मद रकी बेरी. निवासी--1054, मोहल्ला किशनगंज, तेलिवारा, विल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मुशीला रानी पत्नी श्रीतिलक राज अरोड़ा, निवासी--1619, दरीबा , कलां, दिल्ली । (अन्त रिती)

को यह स्थाना कारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुक्ष करता 👸 ।

# उस्त संपर्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अविक्तयों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अर्थीं थ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्टीक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम् के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं मर्थ होंगा को उस कथ्याय में दिना गया है।

# भग्नुका

प्रो० नं० 346 से 349, वार्ड नं० 4, तादादी 55 वर्ग गज. स्टेहकेश नं 346 कमन के साथ प्रो० नं 345 दरीबा कलां. दिल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जेम रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 8-8-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निवेण सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-मार-1ण12-83/836--मतः, मुझे, म्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० 2/26 है तथा जो दरीबा कला, दिल्ली, में स्थित है (श्रोर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983,

को प्वेंक्ति सम्मित्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण-के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक कुप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुदं किसी जान की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के श्राधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध्य के लिए; और/या
- (हा) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः :---- (1) श्री शान्ती नाल जेन सुपुत्र श्री मुसादी लाल जैन, सुकमल कुमार जैन, सुशील कुमार जैन, कमल कुमार जैन, सुपुत्रगण श्री शान्ती लाल जैन. निवासी—2/4, श्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम भ्रवतार चमारीया सुपुत्र श्री विलास राय चमारिया, श्रोमती मगी चमारिया पत्नी श्री रामग्रवतार चमारिया निवासी—2/25, श्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उबत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाकि राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास किसी अन्य क्यें किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूर्याः

तीसरी मंजिल तादादी 900 वर्गगज, चौथी मंजिल, तादादी 900 वर्गफीट, इण्टायर बि:ल्डग तादादी 205 वर्गगज, प्रो॰ नं॰ 2/25, एम॰ नं॰ 4242 230 – 31 खसरा नं॰ 60, प्रंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 8-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269-म (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्लं

नई विल्लो, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/एक्यू०/2/एस०⊶आर-1 12-83/837---अतः, मुझी, आर० पो० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 2/25, है तथा जो दिरयागंज, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारो के कार्यालय, दिल्ली में भारतोय रिजस्ट्रोक्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक विसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की जिन्ह भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रा णान्ता लाल जैन सुपुत्र श्रा मुसादी लाल जैन, सुकुमाल कुमार जैन, सुणोल कुमार जैन, श्रो कमल कुमार जैन सुपुत्रगण श्रो शान्ती लाल जैन, निवासी—2/4 श्रंसार रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रां सक्ष्मो नरायण अग्रवाल सुपुत्र श्रो लाल चन्च अग्रवाल निवार्स:—67/47 स्टेंड बैंक रोड, कलकत्ता—70 वर्तमान 2/25 श्रांसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्लो ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे- कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

3--मंजिल, तादादी, 950 वर्ग फोट, चौथी मंजिल, घोषेन 950 वर्गफीट. भूमि तादादी 205 वर्गगज, 2/25 ग्रंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली ।

> आर० पो० राजेग सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्लो, नई दिल्लो

दिनांक : 8-8-1984

मोहर 🏻

(अम्तरक)

प्ररूप बाह्रं टी.एन.एस. ------

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला नई दिल्ली, धिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/12-83/843--अतः मृत्ते, आर० पी० राजेश,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव बी०-300, है तथा जो मजलिस पार्क, नई दिस्ली से स्थित है हुग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोक्सी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ला, मैं भारताय रिजस्ट्रोक्सण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक दिसम्बर, 1983

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्दिरितियों) के बीच एसे मन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य में उच्च प्रकारण लिखिन में वास्त- विक कर से इचित नहीं किया यशा है:——

- (क) अन्तरभ से हुई कियाँ बाव की बाबत प्रथम प्रितः विवस के धारीन कर देने के अन्तरक के वावित्य में कमी करते या क्यांत बजने में सुविधा के विद्या भीष/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

बतः वष, उक्त शिंधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) **डे बधी**न, निम्नेसिकित स्पिक्तमों, अर्थात :----32 —236 ⊡[84

- (1) श्रो अवतार सिंह सुपुत्र श्रो फकीर सिंह निवासो---4/24-ए, विजय नगर, (डा॰ एस॰) विल्ली।
- (2) श्री कंबल कुमार टंडन, सुपुत्र श्री के० सी० टंडन, निवास(--बा०-एच-44, सालामार, बाग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर प्रविक्त स्विक्ता में से किसी स्विध द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-मव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा संकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० 300 गर्ला नं० 3, ब्बलाक 'बो' खसरा नं० 11, मजलिस पार्क, ग्राम-भरोला, दिल्लो, तादादी 125 वर्गगज ।

> आर० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॅंज→2 दिल्लो, नई दिल्लो-110002

चिनांक : 8-8-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई विल्लो, दिनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/12-83/847--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000√-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० सो०-100, है तथा जो मानसरोवर गार्डन, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय, दिल्ली, में भारताय रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक दिसम्बर 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विस्वास काने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसवे स्थमान प्रतिफल को एमें स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अव्य अपस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्तः सय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रा मदन गोपाल शर्मा सुपुत्र पं० जैय नारायण, निवास:— अब्ह्यू-जैड-1283 ताज भवन, नागल राया, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता राम मूर्ति आनन्द पत्नी स्व० श्री मोहनलाल आनन्द, श्री रामेण चन्दर आनन्द, श्री रिव राज आनन्द, श्री सुरिन्दर पाल आनन्द, सतपाल आनन्द सुपुत्रगण स्व० श्री मोहनलाल आनन्द, निवासी—3-ए/7.0 डब्ल्यू-ई०-ए-करोलबाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्मीन के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए का सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नम्स्यी

प्लाट नं ० 100 ब्लाक-सी, तादादी 257 वर्गगज, मानसरीवर गार्डन , नई दिल्ली ।

> आरं० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 विल्लो, नई दिल्लो-110002

दिनां ह : 8-8-1984

मोहर 🕹

प्ररूप बाइ . टी. एनं. एस. ------

शायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

### भारत धरकार

कार्यासय, महायक आधकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 8 अंगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सं/०/एक्यू०/2/एस-आर/1/12-83/849--अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपहित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी सं० सी०-41, हैं तथा जो मजलिस पार्क, नई दिल्ली, में स्थित है (म्रौर इससे उपाबद अनुसूचो में पूर्ण रूर्ण से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1983.

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उणित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उच्त अधि-णियम की अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजिधा के सिए;

अतः जय, उन्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रोमतो ज्ञान कौर पत्नो श्रः भगवान सिंह, निवास:—स ०-41, मजलिस पार्क, नई दिल्ल । (अन्तरक)
- (2) श्री जयखूब सिंह सुपुत्र श्री जौहरी लाल, निवासा—3808, डेविड स्ट्रीट, दिया गंज, नई दिल्ली।

(अर्त्तारती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदी का, जो उकत जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

प्रो० नं० सी-41, तादादी-55-1/2 वर्ग गज, खसरा नं० 14/2 मजलिस पार्क, नई दिल्लो ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 8-8-84

मोहरू 🛮

## प्रकृप बाह्र . टी. एन. एस. ----

# आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन म्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सा०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/12-83/851--अत: म्झे, आर० पो० राजेश.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षंत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000√- रा. सं अधिक ही

ग्रीर जिसको सं० जो०-1, जा-1ए है तथा 24/24 दरिया गंज, नई दिल्लो में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड अनुसूचों में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्लों में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक दिसम्बर, 1983,

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उधित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की धावतः, अक्त जीधनियत के जधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिक्षा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) में इमका कंस्ट्रवशन कं 24/24 मंसारी रोड, दिरया गंज, नई दिल्ली-2, द्वारा प्रो० महामंद प्रसाद गुप्ता पत्नो स्व० आर० के गुप्ता। (अन्तरक)
- (2) श्रोमती गीगी गुष्ता पत्नी श्री एस० पी० गुप्ता, नियासी—17-रिबन्द्र नगर, नई विल्ली । (अन्तरिती)

को यह स्थना चारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

### नन्त्वी

फ्लैट नं॰ जी०-1, और जी०-1ए, ग्राउन्ड फ्लोर प्रो॰ सं॰ 24/24 ग्रंसारी रोड, खसरा नं॰ 52, दरिया गंज, नई दिल्ली तादादी 600.98 वर्गफीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 विल्ली, नई दिल्ला-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थातु :—

**दिनांक : 8-8-1984** 

मोहर 🤉 🖰

प्रकृप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आग्रकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- I. नई दिल्ली

नई दिल्ली' दिनांक 8 अगस्त 1984

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू/2/एस--आर-- /12-83/ 858--यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- क्यमें सं अधिक है

ग्रीर जिसकी मं ० 5/2, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के रार्यालय, दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983.

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्ष्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया अया शितफल, निम्नीबित्त उद्योक्य से उक्त अन्तरण निवित्त में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) शन्तरण से हुद्दं किसी बाय की सावत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के राजित्य में कमी फारने वा सचसे वचने में सुविधा के किए: और/वा
- (क) ऐसी किसी अग्र या किसी भन या जन्म आस्तियों स्ते, विस्तृ भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा से किए:

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री प्रदीत कुमार बेरी सुपुत स्व० श्री नरायण दास बेरी, निवासी— -1580-सी, शाह्दरा, दिल्ली—32, (अन्तरक)
- श्रीमती सावित्री देवी निवासी—2738 गली नं० 13ए, रणजीत नगर, नई दिल्ली.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुस्ची

प्रो<sub>0</sub> नं 0 5/2 वेस्ट पटेल नगर, नई विस्ली,

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली--110002

दिनांक : 8~8~1984

मोहर 🤃

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई विल्ली-दिनां हः 8 अगस्त 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यू०/2/एस-आर--I/12--83860, यतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 4147 से 4150, है तथा जो अजमेरी गेट, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, जें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को प्रवीवत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए।

श्रीमती सुशीला देवी पानी सांझी राम, श्री रिव किरन महाजन सुपुत्र सखार लाल, निवासी-136, राजा गार्डेन, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मव शरीफ सुपुत्र मोहम्मव हुसैन, निवासी-4148 गली शाहतारा, अजमेरी गेट, विल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंकत सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वत्रवीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नग्त्र्या

2-1/2 मंजिला प्रो० नं० 4147 से 4150 बाह नं० 7, गली नं० शाहतारा, अजमेरी गेट, दिल्ली—तादावी-171.30 वर्गमीटर,

आर॰ पी॰ राजेश सक्षम आधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, विस्ली, नई दिल्ली--110002

अतः अवः, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) तारीख: 8-8-1984

प्रकप. बार्च. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-गा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 8 अगस्त 1984,

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवयु०/2/एस-आर--I/ 12-83/861, ४त: मुझे, आर० पी० राजेश.

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2598/12, है तथा जो बस्ती पंजाबीयन, एस/मंडो, दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पृणं रूप से वणित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथिम नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एतेरी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ जंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

श्रीमति जमुना वेवी सुपुत्री श्री रधु राम निवासी-2598,
 बन्ती पंजाबीयन, एस/मंडी, दिल्ली-7,

(अन्तरक)

2. श्री शानु वास सुपुत्र श्री एच आर खन्ना, श्री बाल किशन खन्ना और श्री श्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री शानु राम खन्ना, निवासी—-531, बग्गी अब्दुल करीम, क्षेलीबारा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िए ए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हवारा,
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्सिन में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:—इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम: के अध्याय 20-क मों परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय मों दिश्वी गया है।

#### वमसर्थी

प्रो॰ न॰ २५९८/ १२, बस्ती यंजाबीयन एस/मंड्डी, दिल्ली-७।

आर० पी० राजेश सक्षम प्रक्रिकारी सहायक आयक्षर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अपृत्तरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

**तारीख: 8-8**≢84

प्रकृप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जल रेज-II, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1944

निर्देण मंख्या आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 12-४९/864--अन मुझे, आर० पी० राजेश,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 2337/XI, तथा जो कुचा चेलम, दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर्ग 1983

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपत्ति, का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्धिश्य से उक्त जन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- श्री हरो चन्द मुपुत्र महंगा राम, निवासी 3/35 सूभाष नगर, नई दिल्ली।
- ज ज (अन्तरक)
- 2. डा० ओम प्रकाश भुटानी सुपुत श्रीभगवान दास भुटानी, निवासी एफ०-1/11, मालबीया नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त तम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिस्सित में किए जा सकारी।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वगत्त्रची

जी ० एफ ० मा १ नं ० 2337/Xा। कुचा चेलम, दिल्ली तादादी 67 वर्गफुट।

आरर्ंपी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्लें-110002

विनांक : 8-8-1984

#### श्रक्ष बार्च हो, एन् एष् -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्जेज-II, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1984 निर्देश सं० अ१ई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर० 1/865 अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उनत अधिगियम' कहा गया है'), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 4858-ए/24, है तथा जो दरीया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से लिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को प्रविध्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्येक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसों जाय की वाबत, उजत अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वासित्य में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, स्थिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभोदा (1) के अधीन निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह—- 33—236GI/84

अभिनती विचा वती पत्नी स्व० श्री गोपी नाय, निवासी, 4858-ए/24, हरबंस सिंह स्ट्रीट, दरीया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री हिरा लाल गुष्ता सुपुत्र श्री सुरज भान, निवासी-113, छत्ता भवानी शंकर, फतेहपुरी, विल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त क्रिभियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा क्रो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्र्या

बेसमेन्ट तावादी 15 वर्गफीट, प्रो० नं० 4858-ए/ 24, दरीया गंज, नई दिल्ली।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेंज II नई दिल्ली 110002

ता**री ख**ै 8—8—1984

मोहर

प्रकार कार्यो । दो तु स्वतु । एक<u>त</u>्र कारण्या ।

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 12-83/866----श्रतः, मुझे श्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० X/132 है तथा जो छटा लाल मियां तीरइ बेहरम खान, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि हारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1983

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण नेलिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के सिए; बौर्ड/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चत व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. श्री मोहम्मद श्रतिक सुपुत्र श्री मोहम्मद युसफ, वह स्वगं जी० ए० उनका भाई, मास्टर मोहम्मद युत्तस, मोहम्मद हफीज सुपुत्र स्व० मोहम्मद युत्तफ, निवासी—2507, सूचा बाका उलाह तीरह बेहरम खान, दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद हुसैन सुपुत्र मोहम्मद युनुस, श्रीमती नजाक बाई पत्नी मोहम्मद हुसैन, निवासी—— 1054, गली मदरसा हुसैन, बक्स बाजार, मिटया महल, जमा मस्जीद, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिहरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त औधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्यी

हिं एक सौप नं० X/132, छटा लाल मिया, तिरह बेहरम खान, दिल्ली, तादादी-21.40 वर्ग गज।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम श्रविकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-8-1984

प्ररूप आहें, टी. एव. एस. -----

बाय्कुड बिभिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय हा सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 भगस्त 1984

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भार०-1/12-83/867—श्रतः, मुझे, भार० पी० राजेश,

आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- ए. से अधिक है

भीर जिसकी सं० XIII/1367 है तथा जो बहादुरगढ़ रोड़, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है 5—

- (क) मन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को धिनहाँ भारतीय वायकर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गृया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अंतः अवं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं भी, भी, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-कं की उपधारा (1) कुं स्थीन्त्र निम्बज्ञिषिक स्थितियों क्यांत् ह——  श्रीमती इन्द्रा देवी गिरधर पत्नी स्व० श्री हरी चन्द गिरधर, निवासी—1366, गली नं० 4, फैंजगंज; बहादूरगढ़ रोड़, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती माया देवी पत्नी श्री सुभाष चन्द जैन, निवासी—
 1366, गली नं० 4, बहादुरगढ़ रोड़, बिल्ली।
 (श्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मित् के वर्षन् के विष्

उन्त सुम्पत्ति के नुर्वात् के सुम्बन्ध् में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्ति हुण : इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

पहली मंजिल प्रो० नं० XIII/1367, भौर गली नं० 4, ऊपर बैठक और इयोढी प्रो० नं० 1366 गली नं०-4, फैज गंज, बहादूर गढ़ रोड, दिल्ली

> भार० पी० राजेश सक्षम भक्षिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-8-1.984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. 🕫 - 📲

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म(1) के मुभीन सुभाग

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 धगस्त 1984

निर्देश सं० धाई० ए० सीं०/एक्यू०/2/एस० धार०-1/ 12-83/879---यतः, मुझे, धार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० 14 (एस०-एक) है तथा जो रमेश नगर, नई विल्लो में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिसम्बर 1983

- को पुत्रोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करेने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का भेदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या जग्य भारितगी की, जिन्हें बारतीय 'धायकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त भविनियम, या धन-कर भविनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्क भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

(1.) श्रीमती राम चमेली धवन, पत्नी श्री श्याम सुन्दर धवन, निवासी---ई०-219 नरायणा विहार, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2.) श्री रणजीत सिंह सुपुत्र एस० सुरेन सिंह, निवासी——
फ्लेट नं० 14, म्युनिसीपल मार्केट, रमेश नगर,
नई विस्ती।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूची

फ्लेट नं० 14 (एस०-एक) म्युनिसीपल मार्केट, रमेश नगर, नई दिल्ली, सादावी 865.19 वर्ग फुट।

> ग्रार०पी० राजेग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 8-8-1984

प्ररूप शाइ. टी. एव. एस., ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 धगस्त 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एच०-11 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबत भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, सारीख दिसम्बर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- 1. श्री हरीन्दर पाल सिंह सुपुत्र एस० तिरलोक सिंह, निवासी एच०-11, बाली नगर, नई दिल्ली। (श्रन्सरक)
- श्री पृथ्वी राय नागपाल सुपुत्र श्री विर भान, मार्फत मै० धमिजा एण्ड सन्स, ई-1, बाली नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🏣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

4/5 भाग प्रो॰ नं॰ 11, ब्लाक 'एच' बाली नगर, एरीया ग्राम बसई दारापुर, बिल्ली, तावादी 120 वर्गगण।

> श्रार०पी०राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. =======

भाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 मगस्त 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-1/ 12-83/885—श्रतः मुझे भ्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2160-61 है तथा जो धाह इन्वरा-ड० एघ० सी० रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावत अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16, के अधीन तारीख दिसम्बर 83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

- 1 श्री सुनील मोहन निवासो डी-316, डिफैन्स कालीनो नई धिल्ली, जी० ए० श्रीमती विमला देवी। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गौरी शंकर ब्यास सुपुत्र श्री जीव राज ब्यास, निवासी-32, गली पराठे वाली, जान्दनी श्रीक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्स्यी

प्रो० नं० 2160-61, चाह इन्दरा, डा० एच० सी'० रोड़, दिल्ली एरीया तादादी 100 वर्गेगज।

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बिल्ली, नई बिल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात् ः—

तारीख: 8-8-1984

मोहरः

प्रकृप बाइ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

#### भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 ग्रगस्त 1984

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/
12-83/888—ग्रतः मृझे ग्रार० पी० राजेश
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम्मे इसमें इसमें पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रापये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 2080/12, है तथा जो 3080 मुकिमपुरा, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाग्रद्ध श्रनुसूथी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख विसम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक इस से कर्षित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की वाबत, उक्त बिधीनय्स के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने ब्यूचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात ह—

- 1. श्री वीपक बवेजा सुपुत्र श्रार० एन० बवेजा, ग्रटार्नी श्री ए० के० बवेजा श्रीर श्रीमती सीमा श्ररोड़ा पत्नी श्री रमेश श्ररोड़ा श्रीर श्रीमती पुष्पलता जाबा पत्नी श्री श्रार० एन० जावा सभी निवासी-502, डबल स्टोरी, न्यु राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बुद्ध राम सुपुत्र स्व० श्री देवी साहाय निवासी-2080 मुकिम पुरा, दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

#### अनुसूची

प्रो० नं० एक मंजिला मकान कचा हाउस, एम० सी० नु० XII/3080-99/2080, भाग 111 श्रौर मोहला मुकिम-पुरा, दिल्ली , जो श्रब 2080/XII, मुकिमपुरा, दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-8-1984

मोहरः

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. =----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज 2, नई विल्ली

नई बिल्ली, विनांक 8 श्रगस्त 1984 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० श्रार०-1/ 12-83/890—श्रतः मुझे श्रार०पी० राजेश

क्षायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट से अधिक है

धौर जिसकी सं० ए-12 है तथा भी हाथी खाना, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाद्यक्ष प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विजित है), राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण धिक्षितियम 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन, तारीख दिसम्बर 1983

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतेंक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें., एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं बाद की बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक को बायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉट/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए [8]

ततः शव उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण कें, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ि  श्री सतीश कुमार सुपुत्र श्री ग्रमृत लाल, निवासी-12-ए, हाथी खाना, विल्ली, राज्य विल्ली।

(प्रन्तरक)

श्री वीपक कुमार सुपुत्र श्री वास देव, निवासी-की-3/81
 बी, लारेंस रोड़ दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन कि कार्या पा तत्सम्बन्धी क्या सितायों पर स्वना की तानक से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

#### वनुसूची

प्रो० न'० ए-12, हाथी खन्ना, तादादी 250 वर्गेफीट; दिल्ली।

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) (श्रजेंन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-8-1984

मोहुर् 🛭

### शक्ष वाष्ट्रं दी एन् एत् ,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रोंज 2, नई दिल्ली

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं . 454 1/2, 453-55 है तथा जो मेन बाजार, खारी बावली दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख दिसम्बर 1983

को प्राेंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं जार मूके यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निणित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम की जधीन कर दोने के अन्तरक के वर्षियल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गार था किया जाना चाहिए था. खिणाने में मुनियस के लिए;

जतः थव, छवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---34---236 GI[84  श्री जगक्षाण चन्द मुपुत्र भगवान दास, निवासी-3 टोडरमल रोप, नई दिल्लो।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो सुनोल बुमार सुपुत्र श्रो दिवान चन्द्र, निवासी सी-4/2, कृष्ण नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

#### जनत संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेत् !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी स्वक्रियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकित व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुस्ची**

प्रो० नं० 454, (ब्राधा भाग प्रो० नं० 453-55 का) तादायी-70 वर्ग गज, एम० नं० 455, भेन बाजार, खारी बावली, दिल्ली।

> स्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक् श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-8-1984

### प्रस्य नार्व<sub>ा</sub> दी<sub>ल</sub> एव<sub>ल</sub> प्रस्ताननमञ्ज्य

### भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गामकर मामुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू० ०/2/एस० धार०-1/ 1-84/932--यतः मुझे, भार० पी० राजेश,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथात 'उकत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 20 है तथा जो नजफ गढ़ रोड, इन्डस्ट्रीयल एरीया, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायक अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रीक्षकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्रक (अंतरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उक्से बचने में सूविधा औ सिए; औड़/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिये था छिपाने में मृत्रिभा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र---  श्री रमेश गोयल, प्रदीप गोयल श्रोर संजय गोयल सुपुत्रगण श्री बलवन्त सिह, निवासी-35, ओरबाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. सं विनोद प्लास्टिन इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 56-वी० रामा मार्ग, नई विस्सी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

#### उन्त संपत्ति के नर्जन संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकादन की तारीज है 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इत् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकते।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त चन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### प्रमुख ची

प्लाट सं० 20, तावाधी-1162 वर्गगज, नजफगढ रोड, इन्डस्टीयस एरीया, दिल्ली।

> भार०पी० राजेश सक्षमप्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-8-1984

मोहर ३

प्रकंप नाई", टी. एन. एस . ; --------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायक र बायुक्त (निरीक्षण)

मुजेन रेंज-II, मई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 8 मगस्त 1984

निवेंग सं प्राई० ए० सी०/एवयू०9/2/एस० मार०-1/ 2-84/105-1059—मत: मुझे, मार० पी० राजेग,

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मुस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 25 है तथा जो नजफगढ रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावछ धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारों के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण धिकियम, 1908 (1908 का 16 के धिका, फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल के पन्दह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चत में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जमसरण का, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीन,

- मैं० नेशनल केमिकल इन्डस्ट्रीज लि० 26-नजफगढ़ रोड़, नई विल्ली, बारा घटानी श्री घार० सी० गोंइका सुपुत्र श्री चिरंजी लाल गोइंका, निवासी-16 वालकेंग्वर रोंड़ गोइंका हाउस, बम्बेय।
- 2. मैं० सुपर रज्बर धन्टरप्राह्जेज, 71/3, माइल स्टोन, जी० टी० रोड़, करनाल, द्वारा एम० भागीदार श्री सतीम चावला।

(भ्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

का यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हंू।

जनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उचल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### .मन्स्ची

प्रो० नं० 25, तादायी 0.98 एकए, जो 3965.18 वर्ग मीटर के बराबर है, स्थापित इन्डस्ट्रीयल एरीया स्कीम नजनगढ़ रोड़, नई दिल्ली।

श्रार०पी० राजेश सक्ष्म प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्केषण) ग्रजेन रेंज-3, विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 8-8-1984

#### प्रकृष बार्ड ुटी , एन् , ध्रम् ...-----

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ष् (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 अगस्त 1984

निर्देश सं० सं० ए० 5/37जी/84-85→-अतः मुझे संतोष दत्ता

शायकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृज्य 25.000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाटनं 0.02/ai/7 + 8 + 9/24 बंह, भवानी पेठ है तथा जो सोलापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसून। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रीर सोलापुर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 m - 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित् में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गमा है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आभ की बाबत, उनस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बच्ने में सूबिधा के लिए; और/या
- एसी किसी बास या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः अतः अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिङ म्युवितयों अधील :---

- 1. (1) श्रीमृति सुमनबाई वस्तराव पाडे,
  - (2) श्रो अनिल वसंतराव पांडे,
  - (3) मिसम रोहिणा वा पांडे, सब रहने वाले : भवानो पेठ, सोलापुर ।

(अन्तरक)

2. श्रो भगवान नामदेव भोसले,  $102|\vec{a}|/7+8+9|$ 2.4बी, भवानी पेठ, सोलापुर-413001

(अन्तरितः)

को यह स्थाना कारी करके प्योंक्स, संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ रिकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास तिस्ति में किए का सकारों!

स्परटीकरण: -- इसमें प्रयूष्ट्रन शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम दें अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### ्भनुसूची

प्रोप्तर्टी अट स० न०  $102/\overline{a}i/7 \pm 8 \pm 9/24$  बी, 'शिव-शिक्त' भवानी पेठ, डो० ए० वा० कालेज के पास,

(क्षेत्र : लेंड : 4800 चोरस फ्ट, बिल्डिंग 235.8 चौरस माटर  $\pm 26$  चौरस माटर) ।

(जैमे को रजिस्ट्रोक्कन सं० सं२० ए० 3/37 जी/3445/ 83-84, जो दिनांक दिसम्बर, 1983 को सब रजिस-ट्रार, सोलपुर, के दफ्तर में लिखा है।)

> सन्तोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 17-8-1984

मोहार 🛭

#### SUPREME COURT OF INDIA New Delhi, the 4th September 1984

No. F.22|84|SCA(G).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 (as amended) and in partial modification of the Notification of even number dated 28th November, 1983, the Hou'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that Friday, the 1th September, 1984 shall be observed as a Court holiany on account of Id-ul-zuha, instead of Thursday, the 6th September, 1984.

BY ORDER
R. SUBBA RAO
Registrar
Supreme Court of India

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-110 011, the 13th August 1984

No. A.12025(ii) | 1 | 83-Admn.III.—Consequent upon his inclusion in the Select List of Section Officer' Grade for the year 1983 through 'Seniority' Ouota vide Department of Personnel & Administrative Reform O. M. No. 5 | 8 | 84-CS(I) dated 30-6-84 Shri Omvir Singh (SC), a permanent Assistant of the C.S.S. Cadre of UPSC presently officiating as Section Officer on ad-hoc basis in the same cadre, is appointed to officiate as Section Officer in the same cadre with effect from 30-6-84 until further orders.

M. P. JAIN
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 23rd August 1984

No. 2|3|84-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Ahuja, an officiating Section Officer, presently working as Research Officer in the Commission in a substantive capacity in the grade of Section Officer in the Central Vigilance Commission with effect from the forenoon of 17th October, 1983.

BRAHM DUTT Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONAL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd August 1984

No. A-14013|1|84-AD.V.—The following Inspectors(FP)| CFPB|CBI presently working as Dy. Supdt(FP)|CFPB on ad-hoc basis are appointed to officiate as Dy. Supdt(FP)| CFPB on regular basis with effect from 29th February, 1984, till further orders:—

- (i) Shri Y. V. S. Rao
- (ii) Shri O. U. Cherian

#### The 24th August 1984

No. A-19014|9|84-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Panwar, IPS (MP-1977) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 16th August, 1984 until further order.

No. A-19014|10|84-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Abhayanand IPS(Bihar-1977) as Superintendent of Police on deputation basis in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the Afternoon of 14th August, 1984 until further orders.

No. A-19015 24 84 AD.V.—The Director CBI and Inspector General of Police Special Police Establishment is pleased to appoint Shri A. P. Singh, Inspector to officiate as Dy.

Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation on ad-hoc basis from the forenoon of 10th August, 1984 until further orders.

#### The 28th August 1984

No. S-20|65-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Angrish, Dy. Legal Adviser as Addl. Legal Adviser in Central Bureau of Investigation with effect from 7th August 1984 on regular basis.

R. S. NAGPAL Administrative Officer(E) CBI

## DIRECTORATE OF COORDINATION (POLICE WIRELESS)

New Delhi, the 21st August 1984

No. A 13018/1/83-Admn-II—The following Officiating Extra Asstt Directors/Extra Asstt Directors (Cipher) of the Directorate of Coordination (Police Wireless) are confirmed in the posts of Extra Asstt Directors/Extra Asstt Directors (Cipher) in the Directorate of Coordination (Police Wireless) with effect from 1st August 1984:—

1. Shri H. Sutradhar . . Extra Asstt Director Shri S.K. Malhotra . Extra Asstt Director 2. Shri S.K. Sharma Extra Asstt Director Extra Asstt Director 4. Shri S.D. Phoujdar Shri N. Ramakrishnan Extra Asstt Director 5. Extra Asstt Director Shri C.P. Stivastava Extra Asstt Director Shri R.P. R. Chaudhary 8. Shri H.S. Khera Extra Asstt Director 9. Shri Sher Singh Extra Asstt Director Shri A.K. Sen Extra Asstt Director (Cipher) 10. Extra Asstt Director (Cipher) 11. Shri P.K. Dey

B. K. DUBE Director Police Telecommunications

#### BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 25th August 1984

No. 3|14|79-Adm.I.—Consequent upon his repatriation to the U.T. Cadre Shri Goutam Kaul IPS (UT-1965) has relinquished the charge of the post of Deputy Director, Bureau of Police Research & Development, New Delhi on the forenoon of 23-7-1984.

S. K. MALLIK Director General

#### DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110003, the 17th August 1984

No. O.II-1942[84-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. (Mrs.) G. Ratna Kumari as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 9th July, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

#### The 23rd August 1984

No. O.II-1475|80-Estt.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. D. S. Parate, GDO Grade-II (Dy. SP| Coy. Commander) in the CRPF with effect from the forenoon of the 11th June, 1984.

#### The 23rd August 1984

No. O.II-241|69-Estt.—Consequent on their retirement from service on superannuation, the following officers relinquished the charge of the posts from the dates as shown against their names:—

1. Shri N. Shemsuddin
Commandant 23 Bn. CRPF

2. Shri M D. Singh 31-7-84(AN)

Asstt, Commandant 38 Bn, CRPF

No. D.I-29]84-Estt.I.—The services of Shri B. K. Karkra, Commandant of 28 Bn CRPF are placed at the disposal of Principal|Director National Security Guard New Delhi on deputation basis w.e.f. 2-8-84(FN).

#### The 24th August 1984

No. D.i-24|82-Estt-I.—The services of Shri G. K. Datta, Dy. S. P. of 1st Signal Bn. CRPF. New Delhi are placed at the disposal of Directorate General of Industrial contingency (Ministry of Industry), on deputation basis, w.e.f. 16-8-84 (AN).

#### The 25th August 1984

No. O.II-1799]83-Estt(CRPF).—Consequent on acceptance of resignation by the Govt. Lt. Col. (Retd) J. K. Berry, Commandant Ist Signal Bn. CRPF relinquished the charge of the post w.e.f. 11-8-84(FN).

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt)

## DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 10th June 1984

No. E-32015(4)|56|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri J. K. Pahari, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit FCI Ramagundam with effect from the forenoon of 22nd May 1984 on purely ad hoc basis temporarily for a period of Six months or till such time regular appoints are made, whichever is carlier.

No. E-32015(2) 3 84-Pers.—President is pleased to appoint Shri K. R. C. Nair, on promotion as Commandant CISF Unit Marmugao Port Trust Goa with effect from the forenoon of 25th April 1984 on purely ad-hoc basis temporarily a preiod of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(3)|5|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri M. M. Thapar, on promotion as Deputy Commandant Western Zone CISF HQrs Bombay with effect from the afternoon of 4th May 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|65|84-Pers.—President is pleased to appoint Shrl N. K. Talwar, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit Bokaro Steel plant Bokaro with effect from the forenoon of 28th May 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appoints are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|77|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Surai Mal, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit HFCL Durgapur with effect from the forenoon of 15th May, 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. 2-32015(4)|82|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Bal Krishan on promotion as Assistant Commandant CISF Unit. BCCL Jharia with effect from the forenoon of 27th May 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

#### The 26th June 1984

No. E-16013(2)|1|84-Pers.—On appointment on deputation Shri P. K. Tiwari, IPS (Raj: 72) assumed charge at CISF HOrs in the forenoon of 16-5-84 and was posted to CISF Unit OTPP Obra where he assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit OTPP Obra with effect from the forenoon of 18-5-84.

No. E-32015(4)|74|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri S. K. Pal, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit Alloy Steel Plant Durgapur with effect from the forenoon of 19th May 1984 on purely ad-hoc basis temporarily for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

#### The 13th July 1984

No. E-32015(4)|67|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri K. M. Balagopal, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit MAPP Kalpakkam with effect from the forenoon of 25th May 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

#### The 16th July 1984

No. E-16013(2)|20|83-Pers.—On appointment on deputation Shri Narayan Singh Naruka, IPS (Raj: SPS) assumed charge at CISF HQrs in the forenoon of 21-5-84 and was posted to CISF Unit ONGC Bombay where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit ONGC BOP Bombay with effect from the forenoon of 25-5-84.

No. E-16013(2) [9]84-Pers.—On appointment on deputation Shri Swaranjit Sen, IPS (AP:68) assumed charge of the post of Assistant Inspector General (I&P), Central Industrial Security Force New Delhi with effect from the forenoon of 2nd July 1984.

#### The 18th July 1984

No. E-38013(4)/1/84-Pers—Persident is Pleased to appoint the following Inspectors/Executive on promotion as Assistant Commandant with effect from the dates shown against their names purely on ad-hoc and temporary basis:—

S. No.	Name		Date of promotion as Asst. Commandantt,	CISF Unit where posted on promotion
1. Sh	ri S.K. Mondal .		2-5-84 (F.N.)	(EZ) HQrs. CISF Calcutta.
2. Sh	ri C.S. Saini .	•	16-4-84 (F.N.)	ECL.
3. Sh	ıri P.S. Nair .		20-5-84 (F.N.)	DIOM Donimalai.
4. Si	ıri A.S. Shekhawat		27-6-84 (F.N.)	OTHPP Obra.
5. St	nti R.N. Banarjo <del>c</del>	-	9-5-84 (F.N.)	NPPCL Nagaland.
6. Sł	ri S.C. Ray .	•	25-5-84 (F.N.)	IDPL Muzafarpur.
7. Si	ıri R.B. Rao Sharma	٠	22-5-84 (F.N.)	NFL Bhatinda.

#### The 23rd July 1984

No. E-16013(2)|19|84-Pers.—On appointment on deputation Shri S. C. Mina, IPS ((J&K :72) assumed charge at CISF HOrs in the forenoon of 22nd June 84 and was posted to CISF Unit Bokaro Steel Ltd. Bokaro where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit BSL Bokaro with effect from the forenoon of 9th July 1984.

No. E-32015(4)[53]84-Pers.—President is pleased to appoint Shri A. V. N. Namudiripad on promotion as Assistant Commandant CISF Unit VSSC Thumba with effect from the

forenoon of 4th June 84 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

No. E-32015(4) [70]84-Pers.—President is pleased to appoint Shri N. K. Banerjee on promotion as Assistant Commandant CISF Unit VPT Visakhapatnam with effect from the forenoon of 25th May 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

#### The 24th July 1984

No. E-32015(2)|7|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri A. B. Majumdar on promotion as Commandant CISF Unit, Security Paper Mill Hoshangabad with effect from the basis for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-16013(2)|20|84-Pers.—On appointment on deputation Shri G. S. Aujla IPS (Pb:70) assumed charge at CISF HOrs New Delhi in the forenoon of 2nd July 84 and he was posted to CISF Unit NFL Naya Nangal where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit NFL Naya Nangal with effect from the afternoon of 7th July 1984.

#### The 25th July 1984

No. E-16013(2) 984-Pers.—On appointment on deputation Shri S. C. Avasthy, IPS (WB: 70) assumed charge of the post of Group Command at CISF New Delhi with effect from the afternoon of 5th July 1984.

No. E-16013(2)|11|84-Pers.—On appointment on deputation Shri A. Sivasankar, IPS (AP: 77) assumed charge of the post of Commandant CISF Unit VPT Visakhapatnam with effect from the forenoon of 4th June, 1984.

No. E-16013(2)|1|78-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre. Shri J. P. Verma, IPS (Orissa, 66) relinquished charge of the post of Commandant CISF Unit BSL Bokaro with effect from the forenoon of 28th June, 1984.

#### The 18th August 1984

No. E-32015(4)|83|84-Pers.—President is pleased to appoint Shri Bairagi Ram on promotion as Assistant Commandant CISF Unit IOC GR Baroda with effect from the afternoon of 12th July 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

#### The 23rd August 1984

No. E-16013(2)|1|81-Pers.—On dismissal from service Shri S. S. Mann, IPS (Pb: 67) relinquished charge of the post of Group Commandant CISF Bombay with effect from the afternoon of 3rd July 1984.

No. E-16013(2) 12 82-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre Shri T. Thyagarajan, IPS (Kar: SPS) relinquished charge of the post of Commandant CISF Unit SHAR Centre with effect from the afternoon of 12th June 1984.

No. E-16013(2)14|84-Pers.—On appointment on deputation Shri S. V. Singh IPS (Pb: 67) product charge at CISF HQrs New Delhi in the forenoon of 24th July 84 and was posted to CISF Unit BSL Bokaro where he assumed charge of the post of Commandant CISF Unit BSL Bokaro with effect from the afternoon of 25th July 1984.

Sd. ILLEGIBLE Director General CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 22nd August 1984

No. 11|82|79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri P. Lalnithanga, an officer belonging to the Indian Administrative Service, who was working as Director of Census

Operations, Mizoram, Aizawl, on deputation basis, to the Government of Mizoram, with effect from the afternoon of the 11th June, 1984.

#### The 25th August 1984

No. 11/83/79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri M. B. Rai an officer belonging to the Union Territories Cadre of the Indian Administrative Service, who was working as Director of Census Operations, Arunachal Pradesh, Shillong, on deputation basis, to the Government of Arunachal Pradesh, with effect from the afternoon of the 4th August, 1984.

V. S. VERMA Registrar General, India

### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE

#### CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 18th August 1984

No. AN [I] 1174 [I] II.—In partial modification of this Departments' notification No. AN [I] 1174 [I] II dated 19-1-84 regarding promotion of officers to the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) of the Indian Defence Accounts Service, under the "Next Below Rule" in respect of Shri Guru Prasad Mohanty for a period of six months from 28-2-83, the President is pleased to extend the benefit of "Next Below Rule" beyond that date and until further orders.

A. K. GHOSH
Additional Controller General of Defence Accounts

### MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION DEPARTMENT OF LABOUR

#### DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE

#### SERVICE & LABOUR INSTITUTE

Bombay-400 022, the 22nd August 1984

No. 15|10|83-Estt.—The Deputy Director General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri Prakash Srivastava as Assistant Director (Industrial Hygiene) in the Directorate-General of Factory Advice Service and Labour Instt. in an officiating capacity with effect from the forenoon of 7th August, 1984, until further orders.

S. B. HEGDE PATIL Dy. Director General

#### DIRECTOR-GENERAL OF MINES SAFETY

Dhanbad-826 001, the 21st August 1984

No. 7(2)84-Adm.I/12496.—Shri A. K. Roy, Superintendent, is promoted to officiate in the post of Assistant Administrative Officer, R. & D Wing—Plan Scheme in the Directorate-General of Mines Safety with effect from 10-7-84 (F.N.).

Sd-ILLEGIBLE Director-General of Mines Safety

# MINISTRY OF COMMERCE DEPARTMENT OF TEXTILES

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400 020, the August 1984

No. 2(63) EST. I 84 4645.—Shri A. P. Ramanathan, Assistant Director, Grade I in the Regional Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from service on Superannuation from the afternoon of 31-7-1984.

R. K. KULKARNI Joint Textile Commissioner

### OFF'CE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th August 1984

No. 1|8|84-DCH|Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Agnihotri, IAS (A.P.: 1968) as Additional Development Commissioner for Handlooms in the Office of the Development Commissioner for Handlooms, Ministry of Commerce, Department of Textiles; with effect from the forenoon of the 1st August, 1984.

P. K. DATTA Additional Development Commissioner (Handlooms)

#### OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

#### Calcutta, the 22nd August 1984

No. Jute(A)|147|58-V.—Jute Commissioner hereby appoints Shri S. K. Hajra, Inspector (Non-Technical) Grade-I in this office in the scale of Rs. 550—900|- as Assistant Director (Exports)—a Group "B" Gazetted post in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200|- on regular basis with effect from 1st August, 1984 (F|N) until further orders.

D. K. GOSWAMI Executive Officer for Jute Commissioner

### OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the August 1984

No. 58(224)|80-Admn.I.—T<sup>4</sup>cc President is pleased to appoint Shri Baldev Singh, Section Officer of the C.S.S., as Vigilance Officer, in the scale of Rs. 1100—1600 in the Office of the Development Commissioner (Handicrafts), New Delhi, on deputation and on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 1st May, 1984 and until further orders.

SHIROMANI SHARMA Development Commissioner (Handlerafts)

### DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

New Delhi-110 001, the 6th August 1984

No. A-17011|283|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Subhash Chandra, Examiner of Stores (Met.) in Bokaro under D. I. (Met.), Jamshedpur to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met.), on ad-hoc basis in the office of Dy. Director of Inspection, Kanpur under this Directorate General with effect from the forenoon of 7th June, 1984 until further orders.

2. Shri Subhash Chandra relinquished charge of the post of Examiner of Stores (Met.) at Bokaro on 31-5-1984 (A.N.) and assumed charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Met.) at Kanpur on the forenoon of 7th June, 1984.

RAJBIR SINGH

Deputy Director (Administration) for Director General, Supplies and Disposals

#### New Delhi, the 23rd August 1984

No. A-17011|284|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Vindhyachal Ram. Examiner of Stores (Metallurgical) in the Directorate of Inspection (Met), Jamshedpur to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met) on ad-hoc basis in the office of Dy. Director of Inspection (Met), Bokaro under this Directorate General with effect from the forenoon of 30-5-1984 until further orders.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

#### ISPAT AUR EJIAN MANTRALAYA

#### (KHAN VIBITAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 21th August 1984

No. 5922-B/A32012(4-Driller)/78/198—The following Officers of the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India by the Director General, G.S.I. on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40 1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the date mentioned against each until further unders:—

Sl. No.	Namo	Date of joining
	Shri S.K. Kar STA (Drilling) Shri Bijan Banerjee (Drilling) Shri P.K. Bhattacharjee (Drilling)	21-5-84 (F.N.) 19-5-84 (F.N.) 19-5-84 (F.N.)

#### The 22nd August 1984

No. 5983B|A-32013(AO)|80|19A.—Shri D. Subramanian, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, G.S.I. on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 4-6-84 to 7-7-84 (FN) against the leave vacancy of Shri P. N. Sharma, Administrative Officer, A.M.S.E, Wing, GSI, Bangalore.

No. 5965B|A-19012(GSR)|19B.—Consequent upon his permanent absorption to Oil and Natural Gas Commission, Shri G. S. Reddy, Asstt. Geophysicist, G.S.I. tendered resignation from this Deptt. w.e.f. 16-4-84 (A|N).

No. 5974B|A-32013(AO)|84|19A.—Shri A. G. Lahiri, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, G.S.I. on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29-6-84 until further orders.

A. KUSHARI Director (Perfonnel) Geological Survey of India

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 23rd August 1984

No. A.19012(194) 84-Estt. A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri V. K. Misar has been appointed to the post of Assistant Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 2nd August, 1984.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

#### NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 25th August 1984

No. F.8-9|83-Estt.—The undersigned hereby appoints Smt. Sudha Rani Sharma and Shri S. R. Bhateja, Asstt. Archivists, Grade-J (Genl.), to the posts of Archivists (General) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 22nd August 1984, until further orders.

The ad-hoc appointments of the above mentioned officers will not confer any right or claim for their regular appointments and will not count for the purpose of their seniority and for eligibility for promotions to next higher grades.

No. F.8-9|83-Estt.—The undersigned hereby appoints Shri Kishin Chand, officiating as Archivist (General) on ad-hoc basis, to officiate as Archivist (General) on regular temporary basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-ER-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the National Archives of India with effect from the forenoon of 22nd August, 1984, until further orders.

Sd|- ILLEGIBLE Director of Archives

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

#### PH (CDL) SECTION

New Delhi-110 011, the 23rd August 1984

No. A.12025[15]82-(AIIH&PH)[Admn.I]PH(CDI) --The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. C Srivastava to the post of Assistant Research Officer (Biologist) in the All India Institute of Hygiene and Public Health. Calcutta in a temporary capacity with effect from the forenoon of 29th February, 1984 until further orders.

NARAIN SINGH Dy. Director Admn. (N)

#### New Delhi, the 23rd August 1984

No. A.19018/10/83-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kum.) G. R. Arya to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt Health Scheme, on temporary basis, with effect from the forenoon of the 18th July, 1984.

T. S. RAO Deputy Director Admn. (CGHS.I)

#### MINISTRY OF AGRICULTURE

#### DEPARTMENT OF AGRI. & COOPERATION

#### DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 6th August 1984

No. F.2-4/84-Estr.I.—Shri J. S. Bedi, Assistant Exhibite Officer (Grade II) is promoted to the post of Assistant bition Officer (Grade I), Group B' (Gazetted) (non-Ministerial), in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation), purely on \*id-hoc\* basis with effect from 4-8-84 until further orders.

No. F.2-4/84-Estt.I.—Shri N. Sivarama Krishnan. Assistant Exhibition Officer (Grade II) is promoted to the post of Assistant Exhibition Officer (Grade I). Group 'B' (Gazetted), (Non-Ministerial) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, (Department of Agriculture and Cooperation) purely on ad-hoc basis with effect from 4-8-1984 until further orders.

R. G. BANERIEE Director Administration

### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 9th August 1984

No. PA|79(5)|83-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Gopalakrishnan Gopalkumar, permenent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade 35—236GI|84

Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of July 24, 1984 until further orders.

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr-202 389, the 24th August 1984

No. NAPP[Rectt.]9(2)|84-S|7346.—Project Director, Narora Atomic Power Project hereby appoints Shri Ashok Singh, as Scientific Officer|Engineer Grade-SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of April 2, 1984 until further orders.

#### The 27th August 1984

No. NAPP[Rectt.|11(6)|84|8|5777.—Project Director, Narora Atomic Power Project, hereby appoints Shri Govind Singh, a permanent Assistant Accountant and officiating Asstt. Accounts Officer to officiate as Accounts Officer II on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 1, 1984 vice Shri M. Srinivasan, Accounts Officer II appointed as Accounts Officer-III.

R K. BALI Administrative Officer

#### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 21st August 1984

No. Ref. DPS N-24 Est. 22527.—On attaining the age of superannuation, Shri V. V. Nair, a permanent Storekeeper and officiating Assistant Stores Officer, Directorate of Purchas and Stores, retired from Government Service with effect from the afternoon of March 31, 1984.

#### The 22nd August 1984

No. DPS|41|9|83-Adm.22602.—The Director. Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Prakash Chandra Sharma a permanant Store-keeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-bus basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 27-2-1984 (FN) to 31-3-1984 (AN) in the same Directorate vice Shri C. H. Balagopalan, Assistant Stores Officer promoted as Stores Officer (ad-hoc).

P. GOPALAN
Administrative Officer

#### ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 21st August 1984

No. AMD-8]1|81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby cancels the officiating appointment of Shri M. S. Viswanatham, Assistant Security Officer as Security Officer on an ad-hoc basis from May 6 to 16, 1984 issued vide gazette notification of even number dated May 29, 1984.

No. AMD-16/3/82-Rectt.Vol.II.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division to efficate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of June 25, 1984 to July 27, 1984 vice Shri V. V. Rao, Assistant Accounts Officer, proceeded on leave.

S. Y. GOKHALE Sr. Administrative & Accounts Officer

### THE GAZETTE OF INDIA, SEPTEMBER 15, 1984 (BHADRA 24, 1906)

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st August 1984

No. A. 32014/5/82-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on a regular basis w.e.f. the date of taking over charge of the Higher post and to nost them to the stations indicated against each:

Sł. No.	Name	Stn. to which posted	Date taking cha	
	ri Harnagar Singh ri Satwant Kishor	ACS, Delhi ACS, Delhi	29-6-84 29-6-84	

O. P. AGGARWAL
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 14th August 1984

No. A-119011 3 80-FL.—On attaining the age of superannuation, Shri G. R. Kathpalia, Deputy Director General in this Office retired from Government service on the afternoon of 31-7-1984.

#### NEW DELHI the 21st August 1984

No. A. 32013/1/83-EC.--The President is pleased to appoint the following Technical Officers to the grade of Senior Technical Officers on ad-hoc basis for a period of six months with effect from the date of taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:

Si. No.	Namo	 Station of Posting	Dato over	of taking charge
			,	
1, K.	S. Narayanaswamy	ACS, Madras		16-7-84
2. S.	Bhattacharya .	ACS, Bombay		29-2-84
3. P.I	K. Bandopadhyay	ACS, Calcutta		29-2-84
4. C.	R. Sudhir	ACS, Madras		29-2-84

O. P. AGGARWAI.
Assistant Director of Administration

#### New Delhi, the 27th August 1984

No. A.32014|1|84-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri M. Chakraborty, Sucerintendent in the Office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta as Administrative Officer, on an ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in the Office of the Principal, Civil Aviation Training Centre. Allahabad with effect from the forenoon of the 27th July, 1984 for a period of 6 months or till the post is filled up on regular basis, whichever is carlier.

Assistant Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

#### Bombay, the 23rd August 1984

No. 1|91-84-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri V. Kothandaraman, Supervisor, Madras Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 30th June, 1984 and until further orders.

No. 1/80/84-EST.—The Director General, Oversens Communications Service, hereby appoints Shri N. R. Nair, Supervisor, Madras Branch, as Dy. Traffic Manager, in an officiat-

ing capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 20th July, 1984 and until further orders.

> R. K. THAKKER Dy. Director (Admn.) for Director General

## DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi-110002, the 22nd August 1984

No. 11|84.—Shri C. P. Malhotra, on return from deputation (Ministry of Commerce), New Delhi assumed charge of the post of Assistant Director in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi w.c.i. 26-7-84 (Forenoon) vide Ministry of Finance, Department of Revenue's Order No. 127|84 dated 25-7-84 issued vide letter F. No. 32012|32|84-34.II.

A. C. SALDANHA Director of Inspection

#### CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Vadodara, the 18th August 1984

No. 12 1984.—Shri P. N. Shukla, Assistant Collector of (Legal) C. Ex. & Customs (Group-'A') Vadodara, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-7-1984.

No. 13|1984.—Shri R. Z. Solanki, Superintendent of Central Excise & Customs, (Group-'B') Vadorara Din. III, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 31-7-1984.

N. B SONAVANE Collector Central Excise and Cush

#### CUSTOMS|ESTABLISHMENT

Madras-1, the 14th August 1984

No. 3|84.—The following Union Public Service Commission candidates are appointed as Direct Recruit Appraisers (Non-experts) in this Custom House with effect from 1-8-1984 FN in a temporary capacity and until further orders. There will be on probation for a period of two years.

S|Shri

- 1. T. S. Shivakumar
- 2. P. Muthusamy
- 3. R. Guru Nathan
- 4, C. Ram Kumar

C. BHUJANGASWAMY
Collector of Custom

## CENTRAI, WATER AND POWER RESEARCH STATION Pune-24, the 25th August 1984

No 608|191|84-Adm.—In continuation of this office perification of even number dated 19-9-1983, the Director Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Punethereby extends the appointment of Mrs. Rohini Vijaykumar Karkhanis, Hindi Translator, CWPRS, as Hindi Officer odeputation basis for a further period of six months in the CWPRS. Pune, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 17th August, 1984. The terms and conditions of her deputation will be same as contained in this office Notification No. 608|191|83-Adm., dated 19-9-1983.

B. G. PATWARDHAN Administrative Officer for Director

#### CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110 066, the 21st August 1984
No. 22|4|83-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri R. D. Jain, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th July., 1984, until further orders.

B. M. LAL Under Secy.

# MENISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Cochin-382 011, the 23rd August 1984

In the matter of Companies Act 1956, and in the matter of New India Produce Agencies Private Limited

No. 1970 Liq 560(3) 8850.—Notice is hereby given pursuent to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of New India Produce Agencies Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act 1956 and of Jeet Papers Private Limited

Jalandhar City, the 25th August 1984

No. G|STAT|560|4307|3537.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of section 560 of the Companies

Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jeet Papers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company wilyl be dissolved.

B. M. JAIN Punjab, H.P. & Chandigath Registrar of Companies

In the matter of the Companies Act 1956 and of Ms. Sivakumar Mutual Benefit Fund (P) Ltd.

Madras-600 006, the 27th August 1984

No. DN[3590]560(3)[84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M[s. Sivakumar Mutual Benefit Fund (P) Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s. Attur Motors Company (P) Ltd.

Madras-600 006, the 27th August 1984

No. DN|4236|560(3)|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s Attur Motors Company Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd|- ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

 Smt. Santi Devi Gupta, 65, Arabinda Road, Salkia, Howrah.

(Transferor)

(2) M|s. Amstar Investment Pvt. Ltd., 33-A, Jawahar Lal Nehru Road, Calcutta-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1984

Ref. No. AC-23|ACQ.R-IV|CAL|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

25, 25[1, 26, 27 situated at J. N. Mukherjee Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at D.R. Howrah on 16-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 6 cottahs, 1 chittak 6 sqft. with structures. Address: 25, 25 1, 26, 27, J. N. Mukherjee Road, P.S. Malipanch-ghora, Distt. Howrah. Deed No. 6861 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-8-84

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1984

R.f. No. AC-20[ACQ.R-iV|CAL|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

25, 25|1, 26, 27 situated at J. N. Mukherjee Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the control of the control

nas been transferred as per deed registered under Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) the office of the Registering Officer at D.R. Howrah on 16-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Santi Devil Singh, 65, Arabinda Road, Salkia, Howrah.

  (Transferor)
- (2) Mis. Ainstar Investment Pvt. Ltd., 33-A, Jawarlal Nehru Road, Calcutta-16.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 5 cottahs 5 chittaks 29 sqft. with structures. Address: 25, 25[1, 26 & 27, J. N. Mukherjee Road, P. S. Malipanchghors, Distt. Howrah. Deed No. 6793 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-8-84 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1984

Ref. No. AC-21|ACQ.R-IV|CAL|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

25, 25]1, 26, 27 situated at J. N. Mukherjee Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 % of 1908) in the office of the Registering officer at D.R. Howrah on 16-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Arun Kumar Singh, 65, Arabinda Road, Salkia, Howrah.
- (Transferor)
  (2) M|s. Amstar Investment Pvt. Ltd., 33-A, Jawaharial Nehru Road, Calcutta-16.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 3 cottahs 0 chittaks 25 sqft. with structures.
Address: 25, 25/126, 27, J. N. Mukherjee Road, P. S.
Malinpanchahors, Distt. Howrah.
Deed No.: 6859 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-8-84

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1984

Ref. No. AC-22|ACQ.R-IV|CAL|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B c? the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

25, 25[1, 26, 27 situated at J. N. Mukherjee Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.R. Howrah on 16-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India: Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Benoyendra Kumar Singh, 65, Arabinda Road, Salkia, Howrah.
- (2) M/s. Amstar Investment Pvt. Ltd., 33-A, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-16.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 6 cottahs, 0 chittak 40 sqft, with structures. Address: 23, 2511, 26, 27, J. N. Mukherjee Road, P. S. Malipanchghora, Distt. Howrah, Deed No. 6860 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
suspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-8-84

Scal:

(1) Sri Benoyendra Kumar Singh, 65, Arabindo Road, Salkla, Howrah.

(2) M[s. Amstar Investment Pvt. Ltd., 33-A, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1984

Ref. No. AC-19|ACQ.R-IV|CAL|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERIFE, being the Competent Authority under 'Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saia Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No.
25, 25|1, 26, 27 situated at J. N. Mukherjee Road,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
D.R. Howrah on 16-12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period o

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 6 cottabs 0 chittak 36 sqft. with structures. Address: 25, 25|1, 26, 27, J. N. Mukherjee Road, P. S. Malipanchghora, Distt. Howrah. Deed No.: 6792 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rufi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-8-84

Seal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1984

No. AC-18]ACQ.R-IC|CAL|84-85,---Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000|- and bearing No. 25, 25|1, 26, 27 situated at J. N. Mukherjee Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at D.R. Howrah on 16-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) Shri Arun Kumar Singh 63, Arabinda Road, Salkia Howrah.

(Transferor)

(2) M/s. Amstar Investment Pvt. Ltd. 33-A, Jawar I all Nehru Road, Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and: 6 cottahs 0 Chittak 40 Sqft with structures Address: 25, 25|1, 26 & 27 J. N. Mukherjee Road, P.S. Malipanch Ghora. Dist. Howrah. Deed No.: 6791 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 18-8-1984

Seal:

FORM ITNS----

(1) Smt. Bakul Rani Biswas.

(Transferor)

(2) Smt. Sati Mitra.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

## ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1984

Ret. No. 1501|Acqn.R-III|84-85 --Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinatter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Flat No. 535 situated at Jodhpur Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule appeared hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 17-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer and/or
- b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other pasets which have not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabiproperty, within 45 days from the date of the publcat on of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 535, Jodhpur Park, Calcutta, measuring 1075 Sq. ft. registered on 17-12-1983 vide Deed No. 13021 of 1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Scal:

Date: 9-8-1984

(1) Sri Gour Charan Guha.

(Transferor)

(2) Sri Nityananda Panja.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OTFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1984

Ref. No. 1502|Acqn. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to bolieve that the immovable property having a fair market\* value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 2A situated at Abhoy Guha Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

manufer with the object of :--

Calcutta on 6-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforssaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

. All that land measuring 1 kottah 14 ch. 20 Sqft. together with a 3 storeyed building thereon at Abboy Road, Calcutta registered on 7-12-1983 vide deel No. 1-12458.

SANKAR K. BANERJFE
Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Rond,
Calcutta

Date: 9-8-1984

Seal:

(1) Smt. Srimați Sein.

(Transferor)

(2) Smt. Dhira Ghosh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-111 CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1984

Ref. No. 1503 ACQN. R-III 84-85.--Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 164]3A situated at Lake Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-12-1983

Officer at Karnal in December, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that flat No. B|8 measuring 1150 Sqft, at the premises No. 164|3A, Lake Gardens, Calcutta, registered on 19-12-1983 before the I.A.C., Acqn. R-III, Calcutta.

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rasi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 9-8-1984

Seal:

(1) Sahu Properties Ltd.

(2) Mansukh Family Trust.

may be made in writing to the undersigned :-

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1984

Ref. No. 1504|ACQN, R-III|84-85,--Whereas, I. SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11 situated at Clive Row, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908, in the Registering Officer at Calcutta on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, dietefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as tre defined in Chapter XXA of the said Act. hall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that uoor space No. B on the 5th floor and uncovered roof area measuring 1300 Sqft at 11, Clive Row, registered on 31-12-1983 vide deed 13586 dt. 31-12-1983.

SANKAR K. BANERJEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IJI
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 7-8-1984

Scal:

(1) Purbasha Nirman Udyog (P) Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Iva Chanda.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1984

Ref. No. 1505|Acqn. R-III|84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERIFE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 17D situated at Aushutosh Chowdhury Avenue. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 2C on 2nd oor and car-parking space No. II measuring 1210 Sq. ft. at the premises No. 17D, Ashutosh Chowdhury Avenue, registered on 3-12-1983 vide deed No. I 12301.

SANKAR K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 14-8-1984

Seal:

(1) Haripado Housing Company.

(Transferor)

(2) Dr. Bibhuti Bhushan Banerjee.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III

#### CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1984

Rcf. No. 1506|ACQN. R-HI|84-85.—Whereas, I. SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 31A situated at Shyma Prasad Mukherjee Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has oeen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 16-12-1983

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the laid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aroresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 3.62 share of land out of plot measuring 18 cottah 5 chittak 16 Sqft. and flat aret. No. 5 in full and flat area No. 3 in part including covered car parking space on ground floor at 31A, Shyma Prusad Mukherjee Road, Calcutta.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcuttn

Date: 14-8-1984

Scal:

rns\_\_\_\_ (1) Nripendra Kumar De.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Basundhara So-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1984

Ref. No. 1507 Acqn. R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 204 to to 204C situated at N.S.C. Bose Rd., Calcutta

No. 204 to to 204C situated at N.S.C. Bose Rd., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the (16 og 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-12-1983

Calcutta on 14-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that \$\pm\$th of 28 cottans of land at the premises No. 204 to 204C N.S.C. Bose Road Calcutta-47 registered with the SRA on 14-12-1983 vide deed No. I 12791.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-8-1984

Seal:

FORM I.T.N.S.——

(1) Diwakar Chaturvedi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Basundhara Co-opperative Housing Society Ltd.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1984

Ref. No. 1508 Acqn. R-III 24-85 —Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 204 to to 204C situated at N.S.C. Bose Rd., Calcutta-47 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cn-cutta on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
37—236GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that 1th of 28 cottahs of Land situated at 204 to 104C, N.S.C. Bose Road, Calcutta-47, registered with SRA. Calcutta vide deed No. I 12792 dt. 14-12-1983.

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta

Date: 14-8-1984

FORM ITNS (1)

(1) Smt. Bina Khandelwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Vasundhara Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1984

Ref. No. 1509|Acq R-III|84-85.—Whereas I, SANKER KR. BANERIEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing 204 to 204E situated at N.S.C. Bose Rd., Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- For twell in the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

All that 1]4th of the property consisting of 7 Cottahs of Land with structure at 204 to 204C N.S.C. Road., Calcutta-47, registered with S|R|A, Calcutta, vide Deed No. I-12741 dt. 13-12-83.

SANKER KR. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Roud, Calcutta

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons, namely

Date : 14-8-1984

Scar.

(1) Smt. Raj Kumari Khandelwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vasundhara Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 14th August 1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 1510 Acq. R-III 84-85 .- Whereas, I, SANKER KR. BANÈRIEE.

and bearing 204 & 204C situated at N.S.C. Bose Road, Calcutta-47 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trnasfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; a**nd**lor
- (b) far-facting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1957);

THE SCHEDULL

All that 1 4th area of land at 204 to 204L, N.S.C. Bose Rd., Calcutta-47, measuring 22104 sft., registered on 13-12-83, vide Deed No. I-12742 with SIR A, Cal.

> SANKER KR. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14-8-1984

Scal:

FORM ITNS----

(1) Dev-all Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hind Tin Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th August 1984

Ref. No. Acqn. R-III|84-85.—Whereas 1, SANKER KR. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing 107A, situated at Raja Dinendra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Lease hold building authority 107A Raja Dinendra Street, Calcutta, I 13269 dated 16-12-1983.

SANXER KR. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 16-8-1984

- (2) Manilal Ghatak and Dipak Kr. Ghatak
  - (Transferor)
- ·(2) Haripada Housing Society.

('Transferee')

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1984

Ref. No. 1512 Acqn. R-III 84-85.—Whereas I, SANKER KR. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 1|46 situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. R-III, Calcutta on 22-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 427 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that part of land measuring 5K-3Ch-11 Sft. registered with the IAC. Acqn. R-III in Form No. 37EE vide Se. 133 on 22-12-83 situated at 1|46 Garihat Road, Calcutta.

SANKER KR. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 22|Dec.|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Door No. 15-A, Panthadi 6th street, situated at Madurai (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jt. Sub Registrar-I, Madurai (Document No. 6701|83) on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arotesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. T. Bhagawandas Goloni, Slo Shri Tikamdas, 15, Panthadi 6th street, Madurai.

(2) Shri M. Sundaram Chettlar Slo Shri Muthuchokki Chettlar, Ilayangudi (Ramnad Dt.)

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 15-A, Panthadi 6th street, Madurai-Document No. 6701]1983)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 606,

Date: 8-8-1984

(1) Haripada Housing Society

(Transferor)

(2) Monoi Kumar Mukheriee

(Transferre)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcuita, the 17th August 1984

Ref. No. 1514 Acq.R-III 84-85.-Whereas, I. SANKER K'JMAR BANERJEE:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing
No. 1/46 s tuated at Gariahat Read, Calcutta

No. 1146 s thated at Garnahat Read, Calcutta fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Aug. R-HI/CallS I. No. 139 on 26-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more filtern per control of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer—with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned >-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that flat No. 305 at 1246, Gariabat Road, Calcutta registered in the IAC Acq. R-III, Calcutta on 26th December 1983 vide SI. No. 129 (Form No. 37EE).

SANKAR KUMAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54. Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 2000 of the said Act, I hereby initial proceedings for the requisition of the aforesaid projects in the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, nomely :-

Date: 17-8-1984

21388

#### FORM ITNS -

(1) Surendra Kr. Puri

(Transferor)

[PART III--Sec. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Sukhjit Singha

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1984

Ref. No. 1516 Acq.R-111 84-85.—Whereas, I, SANKER KR. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reserves being a few reasons to believe that the immovable of the content being a few reasons to believe that the immovable of the content being a few reasons to believe that the immovable of the content being a few reasons to be a second to be property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

No. 1-C situated at Balygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-12-1983 for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executs the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNY of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 108 at 1C, Ballygunge Circular Road, Calvetta-19 registered with the S[R|A], Cal. vid. Deed No. 1 11119 dated 30-12-1983.

SANKAR KUMAR BANERIFE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

Date: 17-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1984

Ref. No. 1517 Acqn R-III 84-85.--Whereas, I, SANKAR KR. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. F at No. 5C, situated at 63A, Bright Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC, Acon R-III, Calcutta with SI 140 37EE on 17th

December 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--38-236GI 84

(1) M|s. Pushpa Apartment

(Transferou)

(2) Snigdha Mukherjee

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that Flat No. 5C at 63A Bright Street Calcutta registered with the IAC, Acqn. R-III, Calcutta vide Sl. No. 140 on 17-12-1983.

> SANKAR KUMAR BANERIFE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inc me-Tax, Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 17-8-1984

FORM ITNS-----

(1) N. K. Properties (Pvt.) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. R. T. Investment Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING A'STT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1984

Ref No. 1518 Acq.R-III 84-85.—Whereas, I, SANKAR KR. BANERJE,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tail market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 25A, situated at Sarat Bose Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), but been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC, Acqu. R-III'Sl. No. 135 on 19-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any recovers or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCIEDULE

All that Flat No. 'A' at 25A, Sarat Bose Road, Calcutta, registered with the IAC Acq. R-III Cal. vdie S. L. No. 19-12-1983 (Form No. 37EE).

SANKAR KUMAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Raft Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 17-8-1984

# FORM TINS-

### (1) K N. Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX.ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M|s., Modern Forge Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd August 1984

Ref. No. 1519 Acqn.R-III 84-85.—Whereas, f, SANKAR KR. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing

No. 11A situated at Palm Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, Acon. R-III Calcutta vide SI, 129 37EE on 9th December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the atcressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Flat No. 9B at 11A, Palm Avenue registered with the IAC, Acqn. R-III, Calcutta vide St. 129 in Form No. 37EE dated 9-12-1983.

SANKAR KUMAR BANERIEH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54. Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta

Date: 22-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 3|Dec|83.-Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

at Kannivadimalai Village, Palani Tk, Madurai Dt. (and more fully described in the schedule annex d hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Athur (Palani) Doc. No. 1983[83]

Doc. No. dt. 27/12/83 on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Minor Saravanan By guardian Sri Arpunaraj Srivilliouthur, Rajapalayam. Ramanad Dt.

(Transferor)

(2) Shri S. Ramakrishnan Slo Amarar V. Subramaniam Balajinagar, Madras-61.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days 110m the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazotto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Kannivadimalai Village. Athur, Palani (Doc. No. 1983[83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras 600 006.

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-J MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 8|Dec.|83.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 25,000]and bearing

8. Nos. 93]1, 93]2,, 93-3, 94[1, 94]2, 95[1, 95]2, 95, 3, 96]1, 96[2, 96]3, 97[2, 97]3, 98[1, 98]2 & 98[3 situated at Koovanuthu village, Dindigul Tk. Madurai District.

(and more fully described in tht Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at St narpatty (Doc. No. 1049/83) on Dec. 1983

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property AS aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration s and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- .
  - (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri A. Venkatesan, Slo Sh. Appai Naicker, Palani (Dadural Dt.)

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Mohan, Wo Sh. Balamohan and Smt. Wo Sh. V. Nagaraju, Santha Nagarajan, Kulckkaranpatli-Koovanuthu Village, Dindigul Tk. Madurai Dt.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publicion of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that · Chapter.

# THE SCHEDULL

(Lands m S. Nos. 93|1, 93|2, 93|3, 94|1, 94|2, 95|1, 95|2 95|3, 96|1, 96|2, 96|3, 97|2, 97|3, 98|1, 98|2, 98|3, Koovanuthu village, Dindigul Tk. Madurai Dt.—Document No. 1049[83].

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date: 8-8-1984

# FORM T.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 12 Dec|83.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Jacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to beneve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No. situated at Vilampatti (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Nillakottai (Doc. No. 146[83]) on Decrember, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason obscieve that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as access but enter of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the North Act, 1937 (27 of 1957).

(1) Sut. Pushpavalli Wio Subramaniapillai Mushmapuram.

(Transferor)

(2) M/s. Danalakshmi Paper Mills P. Ltd. Vilampatti Post, Nilakottai Via. Madurai Dt.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vilampatti Village (Doc. No. 146[83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey:—

Date: 8-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE I MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 7th August 1981

Ref. No. 14|Dec. 83.--Whereas J PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 129/8 (Ward No. 1), situated at Unarupulavai

street, Thirumangalam (Madurai Dt.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oflice of the Registering Officer at

Thirumangalam (Doc. No. 3016/83) on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by moto than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the flowing persons, namely:

(1) Smt. Kamatchi, Wio Sri Ch nnasamy Asari, Umarubu'avar street (New Ward No. 1), Thirumangalam. (Transferor)

(2) Smt. Vanapichi Ammal, Wo Sri Balu Thevar, Umarupulavar St. (New Ward No. 1), Thirumangalam (Madurni Dt.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, schever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days 2 om the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 129/8, Umarumulavar street, Thirumangalam (Madurai Dt.)—Doc. No. 3016[83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Punge-I Madras-600 006.

Date: 7-8-1984

Scal:

(1) Haripada Housing Society.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranjit Kumar Ghosh & Ols.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 17th August 1984

Ref. No. 1513 Acan. R-41184-85,--- Whereas 1, SANKER KR. BANERIFE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000 and bearing No.

1|46 situated at Gariahat Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at IAC. Acqn. R-III, Cal. vide St. 130 cm 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Acc. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

All that Flat measuring 1100 Sq. ft. situated at 1/46. Gariahat Road, Cal. registered before 1AC., Acqn. R-III, Cal. on 31-12-83 vide Sl. No. 130 by Form No. 37EE.

SANKER KR. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 17-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Mhdras 600 006, the 8th August 1984

Ref. No 23|Dec |83 —Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Door No. 15-A, Panthadi 6th street, situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) at It Sub Registrar-I. Madurar (Document No 6701/83)

in the office of the Competent Authority at

on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been titily stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following organs namely --39--236 GI 84

- <u>2.1 4. <del>- 1.1 -</u></del> (1) Sh T. Bhagawandas Coloni, So Shri Tikkandas, 15, Panthadi 6th street Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Shyamala Devi, 15-A, Panthady 6th street, Madural-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made an writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(I and and building at Door No. 15-A, Panthadi 6th street, Madurai-Document No 6702 1983),

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 8 8-1984

The second of the second secon

(1) Sh. T. Annamalai, Sarojini street, Chinna Chokkikulam, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pethal Achi, Shanmughanathapuram, Thiruvadanai Taluk, ·Ramanathapuram Dt.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 39 Dec. 83.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 484 (S. No. 167|1) K. K. Nagar, situated at Madurai (and more fully described in the Control of the Contro

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tallakulam, Madurai (Document No. 5693[83) on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Land at Plot No. 484 (S. No. 167|1), K. K. Nagar, Madurai Town—Document No. 5693|83).

THE SCHEDULE

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 48[Dec]83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

teing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing
No. Land and building situated at Trinelveli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Tirunelveli-II (Doc. No. 2190/83)

on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the ... I instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) itacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I har by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Minor Venkateswari Aspathiri Theru **Palayank**ottai Tirunelveli Dt.

(Transferor)

(2) Shri Manthira Moorthy Slo Nayinarpillai No. 20 Amman Sannadi Theru Palayankottai, Tirunelveli Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- tb' by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FRPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land and building 20 Amman Sannathi Theru Palayankottai (Doc. No. 2190|83).

> PREMA MALINI VASAN Competent Anthority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 62|Dec|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
S. No. 28/2, situated at Komarasamypatti village,
Salem and S. No. 26/10, Periyeri village, Salem
(and more fully described in schedule annexed hereto),
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
Jt. Suo-Registrar Selem (Document No. 26/13/83),
on December 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- k) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. K. Subbarayan,
   Sho Shri S. Kalianna Gounder,
   Gandhi Road, Lakshmipuram,
   Salem.
  - (i) Sh. P. Kishore Kumar,Slo Shri T. Paramanand(ii) Shii P. T. Prakash
  - Father & Guardian of Minor P. Ashok, (Transferor)
- (2) No. 62, Mettu Mariamman Koil street, Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Land in S. No. 28/2, Komarasamypatti village, Salem and S. No. 26/10 in Periveri village, Salem—Document No. 2513' 83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madins-600,006.

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Mudras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 64|Dec.|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing S. Nos. 186|4, 185|2, 186|6 and 185|3, situated at Rakkaveri village, Rasipuram Tk. Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rasipuram (Document No. 2528|1983) on Dec. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accurated property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely im-

 (i) Sri Mariammal, Wo Late Sri Arulappa Gounder,
 (ii) Smt. Pushpa Meri,
 Wo Late Shri Antony Muthu Kakkaveri village, Rasipuram Tk.
 Salem Dt.

(Transferor)

(2) Srui R. Ponnusamy, Slo Sri Ramasamy Udayar, 60/9, Nagara Vangi street, Rasipuram (Salem Dt.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of pub. cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Lands in S. Nos. 106|4, 185|2, 186|6 and 185|3, Kakkaveri village, Raispuram Tk. Salem Dt.—Document No. 2528|83).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006:

Date: 8-8-1984

### FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF, 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MARAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 75 Dec 83 .-- Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B. of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Mohanur Road, Namakkal Town, situated at Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration. Act, 1908 (16) of the Registering Officer at It. Sub-Registrar-I, Namakkal (Salem Dt.) (Doc. No. 999 83) on Dec. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the wansferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. Muthusamy, K. Muthusamy, 2. Shri Nachimuthu, Sjo Sh. K. Muthusamy, 3. Shri Natarajan Sjo Sh. K. Muthusamy, 4. Sh. Balu Sjo Sh. K. Muthusamy, 5. Shri Mani Sjo K. Muthusamy,

Vettayagoundanputhur, Salem District (Tamil Nadu).

(Transferor)

(2) Smt. Sinnammal, Wo Sh. N. Palanisamy Gounder, Vasanthapuram, Namakkal Tk. (Salem Dt.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whickever period expires later;
- (b) by any other person inferested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land in Mohanur Road, Namakkal Town, Salem Dt .-Document No. 999 83)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date: 8-8-1984.

Soal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J MARAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 82 Dec 83.—Whereas. I. PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land at Navapatti Village, Metrur Tk situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mettur (Doc. No. 1415 83) on Dec. 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Rajendran and others Slo Late Chennakesavan 2.252A Anaimattasalai Sampalli Village, Mettur Tk.

(Transferor)

21403

(2) Shri K. R. Singaravelu, Slo K. A. Rangaswamy 57 Nehrunagar, Veerakkalputhur Village Mettur Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property av be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaki persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Navapatti village, Mettur Tk. (Doc. No. 1415|83)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600 006.

Date: 8-8-1984.

FORM I.T.N.S.----

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sr: Muniswamy Pillai and others C|o R. Muniandi Sub Judge Salem Dt.

# (2) Sn R. Raveendran and others So Ramanathan Chettiar

Namgiripet, Salem Dt.

(Transferce)

(Transferor)

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I MARAS-600 006

Madr. s-600 006 the 8th August 1984

Ref. No. 84|Dec|83.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(heteinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding

Rs 25,000|- and bearing
No. situated at Namagicipetta Village, Rasipuram
(and more fully described in the Schedule annexed pereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Office at at Salem I (Doc. No. 2616/83) on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitee; per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2592 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiretion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHIDULE

I and at Namagiripet village Salem Dt. (Doc. No 2616|83)

PRFMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 8-8-1984.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MARAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 88|Dec|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

S. Nos. 47|1-B-3 and 47|2-A, situated at Annadanapatti, Sulem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

at Jt. SubRegistrar-I, Salcm (Document No. 2675|83) on December 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

40-236 GI|84

(1) 1. Shri Thirupathy Chettlar, Slo Shri Vadamalai Chettlar and 2. Sivagami and seven others, Clo Shri C. Subramaniam, B.Com., B.L., alem Sub-Judge, Salem,

(Transferor)

(2) Shri T. Varadaraj Chettiar, Slo Shri Thirumalaidas Chettiar, Mecheri village, Chamajettai, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Land in S. Nos. 47|1-B.3 and 47|2A, Annadanapatti, Salem—Document No. 2675|83).

PREMA MALINI VASAN
Acquisition Range-I
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Madras-600 006,

Date: 8-8-1984.

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MARAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 90 Dec 83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.
as per Schedule situated at Batinda
S. Nos. 227, 230 2 and 226 1A, situated at
Kumarasamypatti village. Salem Taluk, Salem Dt. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at at Jt. Sub-Registrar-I, Salem (Document No. 3012/83) on

December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri R. Periasamy, 7, Mettu Makkan Street. Salem-1.

(Transferor)

(2) Sh. R. Devas, Managing Director and Shri R. Amarnath, Director Ms. Sevaroy Planters Coffee Curing Works Ltd., 12-A, New Street, Ponnammapettai. Salem-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Land in S. Nos. 227, 226|1A and 230|2, Kumarasamypatti village, Salem Taluk, Salem Dt.—Document No. 3012|83).

> PREMA MALINI VÁSAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date: 8-8-1984

Scal:

----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 84

Ref. No. 94|Dec.|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. S. Nos. 79|3-A and 79|5, situated at Nadapalli village, Namakkal 71. (Salem Dt.) Kumaraplayam (Salem Dt.) Doc. No. 2638|83) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at on December 1983

for an apparent consideration which is less than me fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Ramasamy,

2. Shri Palaniappan,

Shri Nachiappan
 Shri Chinnaramasamy,

5. Shri Marappan and others Nandapalli village (Salem Dt.)

(Transferor)

(2) Penni Sugars and Chemicals Ltd., No. 89, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date continuous the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Land in S. Nos. 79|3A and 79|5, Nandapalli village Salem District-Document No. 2638|83)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600-006

Date: 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 84

Ref. No. 113/Dec./83.—Whereas, i, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Rs. 25,000|- and bearing
No. S. No. 315|2, 315|5, 314|7,
situated at Punjay Edyar Mel Mugham village, Namakkal
Tk. (Salem Dt.) (Doc. No. 3368|83)
Velur (Salem) Document No. 3368|83
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
on Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than aften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (t) raciditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. Murugesan, So Shri N. V. Kandasamy Gounder, Edayar. Namakkal Tk. (Salem Dt.)

(Transferor)

(2) Shri P. Vcerappan, Slo Sri Persiasamy Gounder, Kuppuchipalayam. Namakkal Tk. (Salem Dt.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aot, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Lands in S. Nos. 315/2, 315/5 and 314/7, Punjay Edayar Mel Mugham village, Namakkal Tk. Salem Dt.-Document

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600-006

Date: 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 84

Ref. No. 127 & 128|Dec|83,--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. S. No. 440, Thuraiyur Road, NAMAKKAL

situated at Town. Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jt Sub-Registrar-II, Namakkal (Document Nos. 1957 and 1958/83

on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Akbar Ahamed and 3 others, Slo Mr. Ismail, Thattara Street, NAMAKKAL (Salem Dt.)

(Transferor)

(2) Shri Palamisamy Slo Shri Marisamy, Ganespuram, NAMAKKAL (Salem Dt.) (ii) Smt. Nachand Wlo Shri Palanisamy, Ganespuram

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land in S. No. 440 Thuraiur Road, Namakkal Town, Salem Dt. Document Nos. 1957 and 1958[83].

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madras-600-006

Date: 8-8-84

(1) Shri Perumul and others, Avaniper Melmugam Village Namakkal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 129|Dec|83.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

No. situated at Land at Avaniper Milmugam Village Namakkal TK,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Idappadi (Doc. No. 1338/83) on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-wild exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(2) Shri Kaliappan, Shri K. S. Mani, Shri Sithan, V. N. Palayam, Avaniper Melmugam, Namakkal TK.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Avaniper Melmugam Village Idappadi. Namakkal TK, (Doc. No. 1338|83).

Competent Authority
PREMA MALINI VASAN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madias

Date: 8-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-U MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 136|Dec|83.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

S. No. 53 1-C, Thathagapatti Village situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thatthagapatti (Document No. 3791|83) on Dec. 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri N. Varadharaju, So hri Nagappa Chettiar, 59, Trichy Main Road, Salem.

(Transferor)

(2) Shri S Sengoda Gounder, Slo Shri Chinnakuppanna Counder, Soundaram Nagar, Thathagapatti, SALEM Soundaram Nagar, Thathagapatti, SALEM.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land in S. No. 53|1-C, Thathagapatti village, Salem Document No. 3791|83).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras

Date: 8-8-1984

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th August 1984

Ref. No. 137 Dec. 83.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

S. No. 417 12, Erumapalayam village, situated at Salem TK. Salem Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thathagapatti, (Salem Dt.) Document No. 3798 83 and

3799 83) on December 1983,

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri M. Vaithialingam, So Shri Muthusamy Gounder, Mettu Street. Udayapatti, Salem TK. (Salem Dt.).

(Transferor)

- (2) (i) Shi R. Seshagiri, Sjo Shri T. P. Ramanathan, Cuddalore Main Road, South Extension, Ammapettai
  - SALEM TOWN.

    (ii) Shri T. P. Ramanathan,
    So Shri P. K. Sasthri,
    Cuddalore Main Road, South Extension, Ammapettai, SALEM TOWN.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Land in S. No. 417|12, Erumapalayam\_village, Salem Tk. Salem Dt. Document Nos. 3798[83 and 3799[83]).

> Competent Authority
> PREMA MALINI VASAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madras

Date: 8-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th August 1984

RAC No. 423|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oeffic of the Registering at Vallabh Nagar 12/83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (i) of Section 269D of the said Act, to the follow-41—236 GI|84

(1) Smt. S. Premalatho, 95-F, Park Lane, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rina Rao, 1-10-38]A|10, Flat No. 10, Aparna Apartments, Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date or the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 10 in Aparna Apartments, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1820 sft. registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 3578|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hydembad (A.P.)

Date: 8-8-1984

- (1) Sti P. Srinivasa Reddy, Kondapur, Ganapur Tq., Warrangal Dt. (Transferor)
- (2) Smt. T. Maniamma, 6-1-290, Padmaraonagar, Secunderabad. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 8th August 1984

RAC. No. 424|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the in ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 16 Kabra Complex Secunderabad, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Secunderabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper.y, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 16 in Kabra Complex, Ranigunj, Secunderavad admeasuring 234 sft. registered by the S.R.O., Secunderabad vide document No. 558 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-198)

Scal:

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 13th August 1984

RAC. No. 425|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. Land situated at Kukatpally R. R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at R. R. Dt., on 12/83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than lifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Bhagyanagar Co-operative Housing Society Ltd., Rep. by Sri A. S. Raju, Vittalwadi, Hyderabad (2) M|s. Addagutta Co- Op. Housing Society Ltd., Rep. by Sri B. Damodar, 3-4-132|1, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) H. M. T. Employees Co-operative House Building Society Ltd., Rep. by Sri H. B. Linganna, HMT House, HMT Colony, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 1,14,000 sq. yds. at Kukatpelly in S. Nos. 148, 158, 159, 160 and 161 registered by the S.R.O., R. Dt., vide document No. 9715 and 9057/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 13th August 1984

RAC. No. 426 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN-being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing
No. Flat situated at Chirag-ali- Lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

No. Flat situated at Chirag-ali- Lane, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|83,

at Hyderabad on 12/83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Dr. Hyder Ali Khojani, 5-8-505, Chirag-ali-lane, Hyderabad.
- (Transferor)
  (2) Mr. V. Kanaka Raju S|o Shri V. S. Krishna Murthy,
  H. No. 5-8-505, Chirag-ali-lane, Hyderabad.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground floor portion in H. No. 5-8-505 at Chirag-ali-lane, Hydembad admeasuring 700 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6374|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

(1) Sri B. Venkatanarayana and Other, Rlo Gachi Bowli village, R. R. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Smt. Meera Wo Somendranath, 4 RT, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 13th August 1984

RAC. No. 427|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. land situated at Gachi Bowli Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at R. R. Dt., on 12|83

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 22 guntas at Gachi Bow Hyderabad registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 8833|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 13th August 1984

RAC. No. 428|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Annaram Narsapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsapur on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri M. Sailoo & Ramloo So Shri Rajaiah, Annaram,
   Sri M. Sankaraiah and Other, Annaram.
   (Transferor)
- (2) M|s. Kvelan Dies & Fina-Blank Pvt., Ltd., 31-B, Vengalraonagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 23 guntas at Annaram village Narsapur, Tq., Medak Dt., registered by the S.R.O., Narsapur vide document No. 2534 and 2538|83,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 13th August 1984

RAC. No. 429|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Medchal (V) R.R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on 12 [83,

Medchal on 12/83, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of the consideration and the considera of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1 the following persons, namely :--

(1) Sri Prem Kisen Prasad and Others. 3-6-486, Hardikarbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Chakra Industries, by Smt. K. Anjali and Smt. B. Rajamma, 6-1-84|5, Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said Immova ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions uses herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 10 acres 9 guntas situated at Medchal village Medchal Tq., R.R. Dt., registered by the S.R.C., Medchal vide document No. 6082, 6081, 6080 and 6151|83.

M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri R. Sesha Rao and Others,

# (Transferor) (2) M.s. Kasila Farms Pvt. Ltd., Rep. by its M.D. "ri Vikaruddin Shaik Imam, Sjo Mohuddin Shaikh Imam, Malakpet, Hyderabad. (Transferee)

Nellavally village Narsapur Tq., Medak Dt.

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 13th August 1984

RAC. No. 430/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Land situated at Narsapur Medak Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Narsapur on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 67-05 acres situated at Narsapur Tq., Medak Dt., registered by the S.R.O., Narsapur vide document No. 2565 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

Scal:

### \_

# FORM ITNS-

 Smt. Meka Latha Wo Shri Babu Rao, 1-8-677 13, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 13th August 1984

RAC. No. 431|84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, No. Land situated at Bolarum

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

at Narsapur on 12|83,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the registering officer at

Jalandhar in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) M|s. Cores and Containers Pvt., Ltd., Rep. by its Director Sri K. V. Ramana R.ddy, 1-2-29, Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acres in S. Nos. 174 and 176 situated at Bolarum registered by the S.R.O., Narsapur vide document No. 2446[83.

M. IEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—236GI|84

Date : 13-8-1984

Scal t

(1) Smt. B. Saroja Devi, 8-2-42, Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)

Smt. T. Parimala Anand,
 H. No. 40, Adarshnagar Hyderabad.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 432 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot situated at Adarshnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oeffice of the Registering Officer at Hyderabad on Dec. 1983

Officer at Hyderabad on Dec. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land admeasuring 932.8 sq. yds. situated at Adarshnagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad idve document No. 6670[83.

M. JEGAN MOHAN
Compentent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

Scal:

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt. S. Radha and Others, Ashoknagar, Ramachandrapuram, Medak Dt. (Transferor)

(2) Mls. Ransi Synthetics and Chemicals, Ltd., 1-10-1|15, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 13th August 1984

RAC, No. 433 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Narsapur Medak Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1901) in the Office of the Registering Officer at

at Norsapur on 12|83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesold property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazcii.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 72-09 acres situated at Narsapur, Medak Dt., registered by the S.R.O., Narsapur vide document No. 424, 425, 426, 427, 428 and 429 83.

> M. JEGAN MOHAN Compentent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), 13th August 1984

RAC. No. 434|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lands situated at Katedhan (V) R. R. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at R. R. Dt., on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforasaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Sri Mirza Ansar Ahmed and Others, "Mubarak Gulshan", Miralam Tank, Hyderabad. Fransferor)
- (2) Anjuman-E-Husamia Educational Association, Rep. by its President Sri Mohammed Ham eduddin Aquil, 22-6-785, Husamia Manzil, Pumjeshah, Hyderabad.

(If in ferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that. Chapter

# THE SCHEDULE

Lands admeasuring 11-16 acres situated at Katedham viiiage, Rajendranagar Tq., R. R. Dt., registered by the S.R.O., R. R. Dt., vide document No. 592|84.

M. JEGAN MOHAN Compentent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984

Scal:

(1). Mr. Asadullah Pasha, 6-3-680 Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri T. Ashok and T. Krishna, 6-1-277/4, Padmaraonagar, Secunderabad.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 435/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop situated at Pasha Chambers, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said memovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. A in Pasha Chambers, J. N. Road, Hyderabad admeasuring 3183 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6685 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984.

Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ()F INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. N.o 436/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and b.aring
No. 1 4th Shared in 4-1-971 to 974 Abids Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 12 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Siva Harsha Hotels (P) Ltd., Rep. By Sri Harsha Vardhana Reddy, 4-1-971 to 974, Triveni Complex, Hyderabad.

(Transferor) (2) Sri G. K. Gokhale, co. Siva Harsha Hotels (P) Ltd, 4-1-971 to 974, Triveni Complex, Abids, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1|4th share of 9000 sq. yds, in premises No. 4-1-1971 to 974 Abids, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6579 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authoraty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 437/84-85.—Wherese, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. House situated at Ashoknagar Extension, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri G. Jawaharlal Nehru, 1-1-380|27|4, Ashoknagar Extension, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Repaka Veerajah, s|o. Narayana (Tate) 1-1-380|27|4, Ashoknagar Extension, Hyd' bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property bearing No. 1-1-380|27|4 and 4A, situated at Ashoknagar Extension, Hyderabad admeasuring 300 sq. yds. of lard area and 3690 sft., plinth area registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 954|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984.

# FORM LINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. Harshavardhana Reddy, Ms. Siva Harsha Hotels (P) Ltd., 4-1-971, Triveni Complex, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri P. R. Gopala Krishna Reddy, Plot No. 4, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 438|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1|30th share in 4-1-971 to 974 Abids, Hyd (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1|30th undivided share of 9000 sq. yds. in 4-1-971 to 974, Abids Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6626|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984.

## FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSITY COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 439|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 25,000|- and

No. 1|30th share 4-1-971 to 974 Abids, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Hyderabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justificant of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—43—236GI/84

 Sri P. Harshavardhana Reddy, M[s. Siva Harsha Hotels (P) Ltd., 4-1-971, Triveni Complex, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri K. C. Reddy, slo. Pera Reddy, 671 Mulapet. Nellore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the oublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1|30th share (Undivided) in 9000 sq. yds. at 4-1-971 to 974. Abids, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6386|83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A

Date: 13-8-1984.

# FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 440|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 1/30th share in 4-1-971 to 974 Abids, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereta), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to nelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. (922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:——

 Sri P. Harshavardhana Reddy, M|s. Siva Harsha Hotels (P) Ltd., 4-1-971 to 974, Triveni Complex, Abids, Hyderabad

(Transferor)

 Mls. Kesri Constructions Co. Rep. by Smt. K. M. Bal, wlo. K. C. Reddy, 671 Mulapeta, Nellore.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/30th share in 9000 sq. yds. of land at Abids, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6385/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 441|84-85,---Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. 1/30th undivided share Abids, Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri P. Harshanavardhana Reddy, M|s. Siva Harsha Hotels (P) Ltd., 4-1-971 to 974, Triveni Complex, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Kum D. Surekha Reddy do D. Subba Reddy, 18, Bishop Wally Avenue (West), Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1/30th undivided share in 9000 sq. yds. of land situated at Abids Hyderabad bearing No. 4-1-971 to 974, registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6387/83.

M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984.

Seal

# FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 442|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Warrangal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Warrangal on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Sri Burra Sudarshanam, Slo. Laxminarayana, 14-8-132, Charbowli, Warrangal.

(Transferor)

(2) Sri Mithinti Gurumurthy, and other Gottiparthy village,
Tungathurthy Tq.,
Warrangal Dt.,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 16-10-500 admeasuring 331 sq. yds. of land and 891 sft., plinth at Shivnagar Colony, Warrangal registered by the S.R.O., Warrangal vide document No. 3118 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984.

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 443 84-85 Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing

No. Flat situated at Banpara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairatabad on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Ali Khwaja, Banjara Castle Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri D. V.J.N. Raju, Flat No. C12 Banjara Gardens, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C-12 at Banjara Gardens, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 2000 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 360]83.

M, JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th July 1984

RAC. No. 444|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Banjara Hill Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Khairatabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facthtating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Ali Khawaja, Banjara Castles, Road No. 12. Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. Johan John & Jenny Abraham Flat No. 502 in Jayanht Apartments. Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat in Banjara Gardens, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 2000 sft., registered by the S.R.O. Khairatabad vide document No. 359 84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-8-1984.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 445 84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House situated at Akbarbagh Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of th Registering Officer at

Azampura on 12]83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Mr. Vishwas R. Bhide, co II. R. Kale, 16-2-146 28 5, Akbarbagh, Hyderabad-36.

(Transferor)

(2) Mr. Avula Babu Rao, 4-1-1070, Baggulakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 16-2-28/8 at Akbarbagh, Hyderabad registered by the S.R.O., Azampura vide document No. 3713/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Aupthority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-8-1984

(1) Mr. Asif Hussain, 8-2-614, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Niraja Giri, wo Virendragiri, 127, Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 446|84-85.—Whoreas, 1, M, JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. Plot situated at Banjara Hils Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on 12|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

No. 7, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 1010 sq. yds. situated at Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 6731/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-8-1984

(1) Dr. P. Satyanarayana Murthy, slo. Dr. P. S Venkat Rao, 82-322, Ginjara Hills Hydeiabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Ms Coastal Cables (P) 1td, Museum Road, Vijayawada (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the sail property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No 447/84-85 -- Whereas, 1

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. Plot situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on 12'83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947);

Land admeasuring 948 sq yds in premises No 8-2-322, Eanjain Hills, Hyderdbad registered bythe 5 R O, Khairatabad vide document No 325/84

THE SCHEDULE

M JFG NN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A P)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 13-8-1984 Scal :

44-236GI 84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. Madhudhan Rao, 5-1-237 1, Sundar Bhavan, Jambagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sint. N. Pramila Devi, 17-1-383|99, Vinayanagar Colony, Hyderabad-36.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 448/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Plot situated at Saidabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Azampura on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument.

(a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the mublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actional have the same meaning as given in the Chapter,

# THE SCHEDULF

Plot of land admeasuring 1015 sq. vds at Saidabad, Hyderabad vide document No. 3735 83

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

Scal:

# FORM ITNS ----

(1) Smt. Hashmat Jahan, 8-3-668 14, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri S. Gulshan Kumar and Others, Rlo. No. 5 Bearer Lines, Sikh village, Secunderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 449|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. House sit nated at Sikh (v) Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Marredpally on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

House Plot No. 52 in Chandulal flowli, Sikh village, Secunderabad admensuring 450 sq. yds. of land area and 2100 sft., plinth area registered by the S.R.O. Marredpally vide decument No. 2480 83

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Smt Ch Deveramma I hotapalli village, Anantapui Dt,

(Transferor)

(2) Sti Poojati Natayana & Others, 17/83 Dharmavatam Anantaput Dt.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A P)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC No. 450,84 85.--Whereas, 1,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing

No Lands situated at Itukapally Anantapin Dt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at

Anantapur on 12183

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

lands at Itukapalli, Ananthapur Dt. admeasuring 7 acres 54 cents registered by the SR1. Anantapur vide document No. 9468[83]

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A P)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 13-8-1984

# FORM ITNS----

(1) Shii Sureshbhai Indupiusad Thakore. 2. Thaker Park Socy. Sarkhej Road, Secunderabad

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Nandavana Cooperative Housing Society, Ltd., Thirumalgherry village, Run Rock Road, Secunderabad Cantonment.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 451|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to oclieve that the immosas the said Act), have leason to believe that the immediable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Lands situated at Tirumalgherry village, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at least Morredually on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the cair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilityof the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the attoreshed persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Indianation - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open land admeasuring 4240 sq. yds. situated at Thirumalgherry village, Secunderabad Cantonment registered by the S.R.O., East Marredpally vide document No 2355/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Secunderabad

(Transferor)

(2) Vanitha Coloperative Housing Society, Bowenpally, Secunderabad.

(1) Str B. Sudarshan Reddy to Bowenpally,

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th August 1984

RAC. No. 452|84-85.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Lands situated at Peddathokat Scounderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at East Wantedpally 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atorcased property by the issue of this notic; under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:-

Objections, it any, to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

I ands admeasuring I acre situated at Pedda Thokatta village Secunderabad registered by the S.R.O., East Marredpally vide document No. 2407/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-8 198‡

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIII|37G|2463|84-85—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Survey No. 444 Hissa No. 2, (Part) CTS No. 1109, Malad South Taluka, Borivali, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 31-12-1983

has been transferred and the agreement is registered under for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay my under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) M.s Yusuf Choksi & Co.

(Transferor)

(2) Shri Azzezul Haque Mohammed Hussen Badami.

(Transferee )

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Onicial Gazette.

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial No. S.-3325/83 dated 31-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-8-1984.

Scal:

FORM ITNS ---

(1) Shri Raghunath M. Sukhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME LAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mulund Sheetal Co-op, Hsg. Sct. Ltd.

(Transferee |

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR.III|37G|2434|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Piece of land, Survey No. 70 and 71 (part CTS No. 729 and 1169, Village Mulund (E) Taluka, Kurla, Navgharpadu Village, Mulund (E) Perekey

lage, Mulund (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-12-1983

at Bombay on 8-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Authority Bombay vide serial No. S-2833/82 dated 8-12-1983.

A. PRASAD
Competent Autho
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ing persons, namely:—

Date: 14-8-1984.

### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Abdul Husain Fazcabbas Rasiwala & Ors. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Huseina Mansion Co-op Hsg. Sct. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIII3/7G/2434/84-85.--Whereas, I, A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Piece of land Hussena Mansion situated at Agra Road, L.L.S.

Marg, Kurla, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

45-236 GI[84

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

f-XPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Officer Bombay vide serial No. S.989|82 dated December. 1983.

> A. PRASAD Competent Author Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 14-8-1984.

Scal:

(1) Shri Shantaram Balkrishna Kulkarni & Ors. (Transferor)

(2) Dhunudaya Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. ARIV|37G.2418|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 14 Hemant Nagar Co-op. Hsg. Sct. Ltd., CTS No. 135, Village Kirole, Ghatkopar (W), situated at Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed bereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for, the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION':--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer Bombay vide serial S. No. S-1928[79]83-84, dated 21-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Late: 14-8-1984,

Scal:

(1) Mrs. Rajni Ramesh Thakkar.

(Transferor)

21447

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bachubhai Arjunbhai Chachan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACCUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-IV|37G|2427|84-85.-Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

Land at Village Pestom Sagar, Chembur Sector D, S. S. III Plot No. 82, Chembur situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 27-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Office, Bombay vide serial No. S. 2571 76 dt. 27-12-1983.

> A: PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, threfore, is pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 13-8-1984

Seal

# FORM ITNS----

(1) Ratansey Karsondas and Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gopaldas M. Patel.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. ARIV|37-G|2423|84-85.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land admeasuring 6346 sq. yards, S. No. 211 (part) Bhandup, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 6-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION:—The terms and expression used fictein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land admeasuring 6346 Sq. Yrds. at S. No. 211 (part) situated at Bhandup, Bombay. The agreement has been registered with the Registering Authority, Bombay vide Serial No. S-1168|81 dt. 6-12-1983.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-HI
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

Scal :

# FORM ITNS----

(1) Amarshi Shamji Misuv.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Kalina Bhaktha Samaj.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 13th August 1984

Ref. No. AR-IV[37G[2428]84-85.—Whereas I. A. PRASAD,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land, being C. T. S. No. 4486, part Village Kele Kalyan Santageruz (East), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 5-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing C. T. S. No. 4486 part, Village Kole Kalyan, Santacruz East, Bombay. The agreement has been registered with the Registering Authority, Bombay vide Seriai No. Sl 2232 83 dt. 15-12-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date: 13-8-1984

(1) N. G. K. Pillay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mount Resort Co-op. Hsq. Sct. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th August 1984

Ref. No. AR-III|37G|2422|84-85.--Whereas I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Piece of land at Village of Borla, Taluka Kurla, Survey No. 66, Hissa No. 4, CTS No. 766, Kurla, Bombay Fit ated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) (16 of 1983) in the office of the registering officer at has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bombay on 17-12-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Registering Officer, Bombay vide Scrial No. S-3894|82 dt. 17-12-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Date: 14-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th July 1984

C. R. No. 62|Notice No. 794|84 85|ACQ|B.— Whereas I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

AR No. 717, Khata No. 1199 situated at K. R. Puram, Hassan

(and morefully described in the schedule annexed hereio) under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hassan Under Document No. 2431|83-84 on 23 12 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any inscense arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. S. Sumitra, Mrs. G. Kamalamma, Mr. S. Jagadish Mohan, D. No. 717, Mysore Main Road, Beside Police Quarters, Holenarasipura.

(Transferor)

(2) Mr. H. N. Nagoji Rao Slo H. N. Nagoji Rao, Old Post Office Road, Hassan Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2431|83-84 Dated 23-12-83]
Land and Building situated in K. R. Puram, Under AR
No. 717, Khata No. 1199 measuring 40 x 35.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date: 6-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, 13th August 1984

C. R. No. 62|Notice No. 795|84-85|ACQ|B.—
Whereas I, R. BHARDWAI,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
30-B, situated at Cantonment, Bellary
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Bellary Under Document No. 4209|83-8 on 19-12-1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration,
therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not "been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. B. Mahesh Slo Shri B. C. Mallaiah, Rlo 6-856|A|1, Sadak Manjil, Begumpet, Hyderabad-16.

(Transferor)

(2) Dr. Sow T. Lakshmi Durgamba Wlo Dr. T. Srinivasa Rao, Rlo Door No. 30-B, Ward No. XXV, Block No. 21, T. S. No. 233, Cantonment, Bellary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4209|83-84 Dated 19-12-1983]
A Double storyes R. C. C. Bulding, Door No. 30-B, Ward No. XXV, Block No. 21, T.S. No. 233, Cantonment, Bellary

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
BANGALORE

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Nagesh Rao Slo Shri Bheemsena Rao, Gangavathi.

(Transferor)

(2) Vdayabawa Agro Farma, Partners :---

Sri B. Satyanarayana,
 Sri Subba Rao,

(3) Sri Venkatasubbaraya,(4) H. Markandeyalu,

(5) Gangavathi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, 13th August 1984

C. R. No. 62/8(01/Notice No. 796/83-84/ACQ/B.-

Whoteas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sy. No. 9[1, situated at Gaddi Grama, Gangavathi (and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gangavathi on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of - 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -Ti - time and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dated 31-12-83] Registered Document No. 1673(83-84 Agrl. land in Sy. No. 9/1, situated at Gaddi grame. Gangavathi,

> K. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

46-236 GI 84

Pate : 13-8-1984 Scal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, 13th August 1984

C. R. No. 62|8080 Notice No. 797|83 84|ACQ|B.--Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 102 & 103 situated at Bindhagani Grama, Jamkhandi Taluk, Bijapur Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jamkhandi on 1-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to with a the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than post then tot such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Gurulingappa, Ningappa, Karkalmatti, At. & Post — Maderbedi, Tel. Jamkhandi, Distt. Bijapur, Jamakhandi.

(Transferor)

(2) E. U. Hidayathullah, At & Post Bindanhalli, Tal. Jamkhandi, Dist. Bijapur, Jamakhandi.

(Transferes)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 1813|83-84 Dated 1-12 Property bearing No. 102, 103, situated at Bindhaeani Village, Jamakandi Taluk, Bijapur Distt.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-8-1984

्रिया १

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, 15th August 1984

C. R. No. 62|Notice No. 798|84-83|ACQ|B.-Whereas I, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Suvrey No. 41|1 situated at Soleim. Village Panchayat of Cacora, Sub-District of Qrepern, Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
Quepem. Under Document No. 289|83-84 Dated 20-12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Mrs. Yolanda Maria Ana Cunha e Costa,
  - 2. Mrs. Maria Teresa Augusta da Costa and

3. Mr. Cactano valeriano Barreto, Curtorim, Salcote, Goa.

(Transferor)

- (2) 1. Maria Dulnacio Micaela Rodriques Ceunha
  - Cacora, Quepem.

    2. Carlos Maria Teresa Fernandes,
    - Curchorem, Goa.
  - 3. Aksio Franscisco D'Costa, Cacora, Quepem,
  - 4. Pebomila Panlina Cunha.
  - Cacora, Quepem, 5. Virgina Pereira,
  - Curchorem.

    6. Benjama riedade Zaferino Countinho Morailem,
  - Curchorem, Goa.
    7. Antonio Damiao Pereira, Curchorem, Goa and
  - 8. Richard Rodriques, Vageni, Shiroda, Ponda,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 289]83-84 Dated 20-12-831 All that plot A and Plot B under Survey No. 41/1 admeasuring 11257 Sq. mts. situated at Soliem, Village P chayat of Cacora, Taluka and Sub-District of Quepern, District of Goa.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income 1 tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-8-1984

(1) K. Balakrishna Shenoy, T. T. Road, M'lore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dayananda Raghavendra Prabhu, Merchant, Bhavanthi Street,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE- BANGALURE 560 001

Bangalore-560 001, 13th August 1981

C. R. No. 62]41650|83-84|ACQ|B.--Whereas I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

12-3-185 + 0187, situated at Car Street, 12th Dongerkery

Ward, Kasaba Bazar, Village, Milore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at M'lore City on 31-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as oforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 2sct, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1401|83-84 Dated 31-12-83]
Property bearing No. 12-3-185 to 187, Car Street, 12th
Dongerkery Ward, Kasba Bazar Village, Mangalore City.

R. BHARDWAI Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-8-1984

#### FORM ITNS----

(1) C. Narayanappa Slo Shri Chinnappa, No. 15. Anjaneya Temple Street, Cubbonnet, Bangaiore.

(Transferor)

(2) P. Basavaraj, No. 16 J. Rama Krishnappa Road. Cox Town, B'lore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-569 001

Bangalore-560 (01, 43th August 1984

\_\_\_\_\_

C. R. No. 52|41626|83-84|ACQ|B.— Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

New No. 12|16 (Old No. 36) situated at Ramakrishnois

Road, Cox Town, Blore (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Shive jinagar Under Document No. 2333/83-84 on 15-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 day, from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Registered Document No. 2333|83-84 Dated 15-12-83]
All that property bearing Old No. 36. New No. 12 situated ut Ramakrishnappa Road, Cox Town, Bangalore.

THE SCHEDULE

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 13th August 1984

C. R. No. 62|41661|83-84|ACQ|F,—Whereas I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Portion of 97 situated at M. G. Road, Blore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 22-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of \$957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. C. Ross, No. 14, Church Street, B'olre.

(Transferor)

 M|s. Natesan Antiquarts P. Ltd. 76, M. G. Road, B'olre.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2523|83-84 Dated 22-12-83]
Portion of property bearing No. 97 situated at M. G. Road,
Bangalore.

R. BHARDWA3
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangelore

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- BANGALURE-560 001 Bangalore-560 001, the 6th July 1981

C. R. No. 62|41582|83-84|ACQ|B.--Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

169 situated at Rajmahal, Vilas Extension, Bangolore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Office at Gandhinagar, Bangalore Under Document No. 2593|83-84 on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Sita Devi Jatia, 81, Worli Sea Face, Bombay-400 018.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Binod Kumar Jalan, Smt. Kala Jalan,
 Binod Kumar Jalan (Huf).
 No. 149 R. V. Extn. Bangalore-80.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein ag are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

#### THB SCHEDULE

[Registered Document No. 2593|83-84 Dated 9-12-83] Corner Site No. 169, New No. 4, III Cross Road, Raj-mahal Vilas Extension, Bangalore-80.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Runge, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dute: 6-8-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) G. Vallabharayappa No. 8, 7th Cross, Vasanthanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Amcena Omer, No. 5, Pettigrew Street, Bangalore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th August 1984

C. R. No. 62|41683|83-84|ACQ|B.— Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1941 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

Muncipal No. 8 (Old No. 34|2) situated at 7th Cross, Vasanthanagar, Division No. 44, Bangalore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908),

in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, under Document No. 2466 83-84 on 30-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2466|83-84 Dated 30-12-83]

All that premises bearing present municipal No. 3 (Old No. 34|2) situated at 7th Cross, Vasanthanagar, Division No. 44. Bangalore.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangglore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (#) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th August 1984

C. R. No. 62|41581|83-84|ACQ|B.— Whereas I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the staid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

168 situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Under Document No. 2192/83-84 on 9-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, at the following persons, namely:—
47—236 GI[84]

 Mr. Ashok Kumar Jatra, No. 81, Worli Sea Face, Bombay-400 018.

(Transferor)

(2) Mr. Arvind Toshniwal and Usha Toshniwal, No. 315, 14th Main Road, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-80.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2192]83-84

Dated 9-12-83]

Site No. 168, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th August 1984

Ref. No. C. R. No. 62|41621|83-84|Acg.|B-Wherens, R. BHARDWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 37/23 situated at Ulsoor Road, Bangalore.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16)

of 1903) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore under document No. 2476 83-84

on 8-12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerns the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri H. G. Narayanamma, Parvathinagar, Bellary-2.

(Transferor)

(2) Mr. Hussain Moosa, 156 Primrose Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2476|83-84 dt. 8-12-1983) Property No. 37|23 Ulsoor Road, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

Date: 6-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. K. Raghava Reddy, 42|446, 11th Main Road, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Mysore Sugandi Dhoop Factory Pvt. Ltd., No. 19-C/19-D Gopalpuram, Magadi Road, Bangalore.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th August 1984

Ref. No. C. R. No. 62|41686|83-84|Acq|B,--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 42|446.

situated at 11th Main Road, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-560030.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandainagar, Bangalore under Document No. 2773 83-84 on 24-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2773 83-84, dt. 24-12-1983). Residential premises No. 42 (Old No. 446) situated at 11th Main Road, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-8-1984 Seal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th August 1984

No. C. R. No. 62|41688|83-84|Acq.[B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority

transfer with the object of :--

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

565, situated at H.A.L. II Stage, Indiranagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

gistering Officer at Shivajinagar, Bangalore under document No. 2730|83-84 on 30-12-1983 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Mrs. Bimla Devi Agarwal, No. 1002, Panchavathi, H.A.L. II-Stage, Indiranagar, Bangalore-560038.

(Transferor)

(2) Mr. Indrajit Ghosh, Mrs. Madhulia Ghosh, Mr. Rajiv Ohri, No. 3366, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SOHEDULE

(Registering Document No. 2730|83-84 dt. 30-12-1983.) Corner Site No. 565P HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-560038.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 4-8-1984

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 4th August 1984

Ref. No. C. R. 41574 84 Acq. B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000i- and bearing

vable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]— and bearing No. 7 Survey No. 709-D Site No. 70. situated at Local Fund Road, Southern Extension, Kollegal (and more fully described in the schedule

annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

with the Competent Authority under section 269 AB, in his office

at Kollegal under document No. 1248 83-84 on 14-12-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. K. S. Ramalakshamma, K. B. Srinivasa Setty, Merchant, Kollegal.

(Transferor)

(2) Mr. Manjunatha Gupta, Clo. A. K. Nagaraja Setty and Sons, Chemist and Druggists, Kolegal-571440.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1248|83-84 dt. 14-12-1983).

Property Survey No. 709-D Site No. 70 situated at Local Fund Road, Southern Extension, Kollegal.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-8-1984

Scal :

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th August 1984

Ref. No. 62|41627|83-84|Acq|B,--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. Present Municipal No. 1 situated at 7th Cross, Victoria Layout, Division No. 61. (New Division No. 62) Civil Station, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore with the Competent Authority under section 269 AB, in his

office on 5-12-1983 under document No.

2323[83-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mr. Rajan J. Devan, Advocate, No. 5, Vijayaraghavachariar Road, Salem-7.

(Transferor)

(2) Mr. M. M. Naraya, Mrs. M. N. Yashoda, No. 22 (I floor), 4th Cross, Xavier Layout, Bangalore-560047.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in hie said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2323|83-84, dt. 5-12-1983). All the premises bearing old site No. 61 present Municipal No. 1. 7th Cross, Victoria Lay out, Division No. 61 (New Division No. 62) Civil Station, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-8-1984

## FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th August 1984

Ref. No. C.R. 62|41584|83-84|Acq.|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5 situated at 12th Main Road, Rajmahal, Vilas Extn., Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bongalore

with the competent Authority under section 269 AB, in his office

under document No. 2491 83-84 on 1-12-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. S. T. Kogali, Slo T. P. Kagali, No. 28, I floor, Chord Road, II Bloc, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

 Mr. U. N. Ramdas Ballal, Slo. U. Narayana Ballal, No. 105, 7th Cross, Lower Palace Orchards, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2491|83-84 dt, 1-12-1983).

Site No. 419, New No. 5, 12th Main Road, Rajmahal Vilas Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-8-1984

Stal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4920.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of Land Survey No. 1164|3, 1165|2, 1166|5

situated at Loha Mandi, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office

at Indore on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri Kailash Agrawal So Sh. Vishwamber Dayal Agrawal, Ro Betwa Apartment, Bhopal.

(Transferor)

 Km. Asha Bai Dlo Shri Hiralal, Rlo 1, Khatkhatpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underligued: —

- (a) by any of the aforenaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of zotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRESSIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of Land Survey No. 1164|3, 1165|2, 1166|5 is situated at Loha Mandi, Indore.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-7-1984.

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ret. No. IAC|Acqn<sub>1</sub>Bpl<sub>1</sub>4929.—Whereas, i. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land Khasra No. 419/1, 419/2 situated at Vill. Niranjanour, Teh. Indoro

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladien income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following nersons, namely:—

19 236GH84

(1) Shri Sawant
Slo Soulehan
2. Ramrathan
Slo Soubgan
Rlo Viii, Niranjanpur
Tch, Indore.

(Transferor)

(2) Laxmi Co-op. Housing society Ltd., through President Shri Manoharlal Sop Hiralalji, 20, Martand Chowk, Indore.

(Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 419|1, 419|2 is situated at village Niranjanpur, Teh. Indore. This is the immovable properly which has been verified by the Transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 21-7-1984. Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4930.--Wherens, I. V. K. BARANWAL,

temp the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Phys. 25 (100), and beginn No.

Rs. 25,000; and bearing No.
No. Agricultural land Khasra No. 415
situated at Vill. Niranjanpur, Teh. Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Indore on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than littern ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act he respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Col. Rana Keshari Singh So Balasingh Sodha, RIO VIII. INITANJANDUT, Teh. Indore.

(Transferor)

(2) Laxmi Co-op. Housing Society Ltd., Martand Cnowk, Innore Thro' President Manoharlal S|o Hiralalji Chashta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notic on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazet ee.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Khasra No. 415 is situated at village Niranjanpur, Teh. Indore. This is the immovable property which has been verified by the transferee in form No. 37-G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 21-7-1984.

Ceal:

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Sirajali So Shri Bandenli Ismaili Khoja, Rlo Niyamatpura, Teh. Burhanpur.

## (Transferor)

(2) Shri Bhagwat Slo Gulabhchand Jaiswal, Rlo Chapora, Tch. Burhanpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4931.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 or 1961) (here natter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000]-

and bearing No.

House No. 238, Block No. 32 & Plot No. 118/1, 119/2 situated at Niyamatpura, Burhanpur, (and more funy described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 238, Block No. 32, Plot No. 118/1 & 119/2 are situated at Niyamatpura in Burhanpur. This is the immovable property which has been verified by the Transferce in form No. 37-G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 21-7-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMP-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|4932.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land Khasra No. 74 si'u ted at Khandwa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Khandwa on December, 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ansing from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Smt. Laxmibai Wlo Shri Madhavrao Bedekar,
  - Hariganj, Khandwa.
    2. Shri Yeshwantrao Slo Shii Madhavrao Bedekar Hariganj, Khandwa.
  - Sou. Tarabai Do Shri Madhavrao Bedekar, Sou. Taraou. Do Hariganj, Khandwa. Wlo Shri Prabhakar Desai, Somnagar, 2/56, Chinch Pokli, Somnagar, 2 Goods Depot, Parel Bombay. Bhayarkhali,
  - Shri Anantrao S|o Madhavrao Bedekar, B|12, J. P. Road, Goregaon, Eas. Bombay, Smt. Laxmibai self & for S. Nos. 2 S. Nos. 2 to 4 through power of attorney,

(Transferor)

(2) Khandwa Diocese, Registered Society. No. 5892, Through President Rev. Bishop Abhraham, Bishops House, Khandwa.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the raid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gusette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 74 is situated at Khandwa. This is the immovable property which has been verified by the Transferce, in form No 37-G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor Gon-otri Building
> T. T. Nagar, BHOPAI

Date: 21-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Dhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl]4933,--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 111 situated at Sati Marg, Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujiain on December 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer andler.
- (b) facilitating the con-calment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Arun Kumar So Mangilalji Mittal, Ro Dalumedi Bazor, Ratlam. (Transferor)
- (2) Shri Kailash Chand So Shri Ladhuramit, Rlo Mira Naim Beg Marg, Ujjain, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 111 is situated at Sati Marg, Ujjain.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 21-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAND COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4934.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No. 1310, 1312, 1315 Plot No. 25 situated at Vinage Khajrana, Teh. Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the law market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acc respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Shri Bapurao Pandurang (2) Shri Ram,

(3) Shri An l,

(4) Shri Sunil Slo Shri Ganpatrao, (5) Shei Suicsh Slo Shri Latnatiaya,
(6) Shri Derpak Slo Shri Seshrao,
Pla 47 Rlo 47, Gulmohar Colony, Indore

(Transferor)

(2) Shri Manoharlat So Shri Deshraj Ji Ahuja, Rlo Pologround, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ollicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaoter.

THE SCHEDULL

Land survey No. 1310, 1312, 1315 Plot No. 25 is situated at Village Khajrana, Teh. Indore. This is the immovable property which has been verified by the transferee in form No. 37-G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 21-7-1984

FORM IJ N.S .----

\_\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4935.-Whereas, I,

Ref. No. IAC|Acqn|Bp||4935.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and blaring No.

Land Survey No. 1310, 1312, 1315 (land Sl. No. 13) situated at Village Khajrana, Teh. Indore, (and more fully described in the Schedula annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

1908) in the office of Registering officer at

Indore on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the appearnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act. to the following persons, namely :-

- (1) (1) Shri Bapurao Pandurang,
  - (2) Shri Ram, (3) Shri And,

(3) Shri Ahn,
(4) Shri Sunl S|o Shri Ganpatrao,
(5) Shri Suresh S|o Shri Dathattaya,
(6) Shri Deepak S|o Shri Seshtao,
R|o 47. Gulmohar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Sitaram Bhinnore, 195, Tilakpath, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1310, 1312, 1315 (Bhukhand No. 13) is situated at Village Khajrana, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 21-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4936.—Whereas, I, Y. K. BAFANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,0001- and bearing No.

I and Survey No. 1310 1312, 1315, Plot No. 24 situated at Village Khajarana, Teh. Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offi e of the Registering Officer at Indore on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqui ition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (1) Shri Bapurao Slo Pandurang.
  - (2) Shri Ram (3) Shri Anil, Shri Ram So Ganpat

  - (4) Shri Sunil So Shri Ganpatrao, Shri Suresh So Shri Dathatraya, Shri Deepak So Shri Seshrao,

Rlo 47, Gulmohar Colony, Indore

(Transferors) (2) Shri Manoharlal Slo Shri Deshmukh Ahuja, Rlo Pologround, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned; --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1310, 1312, 1315, Plot No. 24 situated at vidage Khajrana. Teh. Indore. This is the immovance property which has been verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor General Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 21-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4937.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25000 and bearing Khasra Nos. 1310, 1312, 1315 Plot No. 23 situated at Khasra Nos. 1310, 1312, 131 Village Khajarana, Teh. Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscient (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---50-236GI 84

(1) Shri Bapurao So Pandurang,

(2) Shri Ram,

(3) Shri Anil.

(4) Shri Sunil Slo Shri Ganpatrao.

(5) Shri Suresh S|o Shri Dathatray,
(6) Shri Deepak S|o Shri Seshrao, Rlo 47, Gulmohar Colony, Indore.

(Transferors)

(2) (1) Dr. Chandra Kumar Slo Shri Chandanmalii Khasgiwala,

At Present in U.S.A. Through Attorney, Dr. Subhash Slo Shri D. C. Jain,

12|1, Ushaganj, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Khasra No. 1310, 1312, 1315, Plot No. 23 situated at Village Khajarana, Teh. Indore. This is the immovable property which has been verified by the Transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor Gongotri Building
> T. Nagar, BHOPAL

Date: 21-7-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4938.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land Survey No. 1310, 1312, 1315, Plot No. 33 situated at Village Khajrana, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at

Registering officer at Indore on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-mection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-ing persons, namely:—

- (1) (1) Shrl Bapurao So Pandurang,

  - (2) Shri Ram So Ganpat (3) Shri Anil So Ganpat
  - (4) Shri Sunil S|o Shri Ganpatrao, (5) Shri Suresh S|o Shri Datatraya, (6) Shri Deepak S|o Shri Seshrao, Rlo 47, Gulmohar Colony, Indore.

(Transferor)

 Dr. Chandra Kumar S|o Shri Chandanmalji Pre-sently at USA Through Power of Attorney, Dr. Subhashchandra S|o Shri D. C. Jain, 12|1, Ushagani, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exp res later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1310, 1312, 1315, Plot No. 33 is situated at Village Khairana, Teh. Indore. This is the immovable property which has been verified by the transferee in form No. 37-G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor Gongotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 21-7-1984

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4939.-Whereas, I. R. K. BHAYANA, Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the the theorem Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Land Survey No. 1310, 1312, 1315 Plot No. 22 situated at Village Khajrana, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Indore on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) (1) Shri Bapurao Pandurang, (2) Shri Ram, (3) Shri Anil, (4) Shri Sunil So Shri Ganpatrao, (5) Shri Suresh So Shri Datatraya,
  - Shri Deepak So Shri Seshrao, Rlo 47, Gulmohar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Dr. Chandra Kumar So Shri Chandanmalji Khasgiwala, Presently at USA through Power of Attorney Dr. Subhashchand Jain So Shri D. C. Jain, 12 1, Ushaganj, Indore.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 1310, 1312, 1315 Plot No. 22 is situated at Village Khajrana, Teh, Indore. This is the immovable property which has been verified by the transferce in form No. 37-G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of neome-tax Acquisition Range
> 4th Floor Gongotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 21-7-1984

Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4940.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- bearing
No. Land Survey No. 1310, 1312, 1315
situated at Village Khajrana, Teh. Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Indore on December, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

1() 1() Shri Bapurao So Pandurang,

(2) Shri Ram,
(3) Shri Anil,
(4) Shri Sunil S|o Shri Ganpatrao,
(5) Shri Suresh S|o Shri Dattatraya,
(6) Shri Deepak S|o Shri Seshrao,
(7) Gulmeher Colomba.

(Transferor)

(2) Dr. Chandra Kumar Slo Shri Chandanmalji Presently at USA Through Power of Attorney, Dr. Subhaschand Slo Shri D. C. Jain, 12/1, Ushagani, Indore.

Rlo 47, Gulmohar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereif, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 1310, 1312, 1515, is situated at Village Khajrana, Teh. Indore. This is the immovable property which has been verified by the transferee in form No. 37-G.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 21-7-1984

(1) Shri Jhamandas So Shri Gopaldasji, Rlo B-955, Naya Bazar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4941.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. House bearing Mun. Corpn. No. 46 situated at Part-B,

Premnagar, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Regitering Office at

Indore on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Shri Ashok Kumar So Shri Mathuralalji Jain, Shri Vinod Kumar So Shri Mathuralalji Jain, 15|1, Alapura, Juni, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal Corporation No. 46-B is situated at Premnagar Colony, Indore.

> V. K. BAKANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax Acquisition Range 4th Floor Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 21-7-1984

Seal.

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopel, the 21st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4942.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. House bearing Municipal No. 46 built on Plot No. 46-B situated at Prem Nagar Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jhamandas So Shri Gopaldasji, Rlo 3955, Naya Bazar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Santoshkumar, 2. Shri Basantkumar Slo Shri Madhuralalji Jain, Rio Bodana Merket, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 46 built on plot No. 46-B is situated at 46, Premnagar Colony, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 21-7-1984

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Madhavlal So Shri Harichand Sarvarvaiya, Rlo Nai Abadi, Chhindwara,

(Transferor)

(2) Shri Subhashchand So Shri Charandas Bhasin, Ro Nai Abadi, Chhindwara.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4943.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

No. Municipal Plot No. 65 situated at Nai Abadi, Chhindwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chhindwara on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Municipal plot No. 65 is situated at Nai Abadi, Chhlndwara. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 30-7-1984

Scal:

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Modhavlal So Shri Harichand Sarvaiya, Rlo Nai Abadi, Chhindwaia.

(2) Shri Pushparani Wo Shi Tuloknath Bhasin, Ro Nai Abadi, Chhindwara.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4944.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as 'he 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House, situated at Nai Abadi, Chhindwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chhindwara on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House is situated at Nai Abadi, Chhindwara. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee,

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4945.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Single storeyed building, Kh. No. 68/2, situated at Village Danganiya, Dist. Raipur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 51—236G1[84

- (1) (1) Smt. Narbada Bai Wo Shri Shaligram Chaturvedi.
  - (2) Sri Gopal Chaturvedi So Sri Shaligram Chaturvedi, Rlo New Hyderabad Di Cotton T. V. Civil Lines, New Hyderabad, Lucknow (Transferor)
- (2) Shri Abhay Kumar Jain So Amarchand Jain, Rlo Maudhapara, Near Dixit Building Raipur, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed building Kh. No. 68 2 is situated at Vill. Danganiya, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 30-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4946.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000:and bearing No.

Single storeyed building Kh. No. 68|2, situated at Village Danganiya, Dist. Raipur, (and more fully de arbed in the schedule annexed hereto) has been transferred

under registration A.t, 1908 16 of 1901) in the Office of the

Registering Officer

at Raipur on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of uch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of ~

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) (1) Smt. Narbada Bai Wo Shri Shaligram Chaturvedi.
  - (2) Sri Gopal Chaturvedi Slo Shri Shaligram Chaturvedi Civil Lines, New Hyderabad, Lucknow.
- (Transferor) (2) Shri Amarchand, Jain Slo Shri Johannal Jain, Rlo Maudhapara, Raipur, Near Dixit Building, Ralpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Single storeved building Kh. No. 68|2 is situated at Danganiya village, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Iucome-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 30-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(17) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4947.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House Corporation No. 121/122 (Old) New No. 423, situated Ganjipura, Ram Manohar Lohia Ward, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Jabalpur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Somchand Jain So Late Seth Kanhaiyalal Jain. Ro Satna.

(Transferor)

(Transferce)

(2) (1) Shri Vishal Kumar (Minor) Guardian,(2) Shri Arvind Kumar Kenia Soo Shri Surjibhai Ro 39-G, Panchsheel Colony, Jabalpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House Corporation number 121/122 (Old) New No. 423. Plot No. 51, Block No. 79 is situated at Ganjipura, Ram Manohar Lohja Ward, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 30-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|4948.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing No.

Part of House No. 423,

situated at Ram Manohar Lohia Ward, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Shri Somchand S|o Shri Kanhaiyalal Jain, R|o Satna.
- (2) Smt. Kamla Devi Wo Shri Krishnakant Khandelwal; Ro Civil Centre, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the solid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Part of House No. 423 is siruated at Ram Manohar Lohia Ward, Jabalpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC]Acqn|Bpl]4949.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

teing the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. Part of House No. 423,

situated at Matathal, Ram Manohar Lohia Ward, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on December, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone namely:-

(1) Shri Somehand Slo Shri Kanhaiyalal Jain, Rlo Satna.

(Transferor)

father & (2) Shri Sanjay Kumar (Minor) Through Guardian Krishna Kant So Shri B Guardian Khandelwal Radbakishan Rlo 2, Civil Centre, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 423 is situated at Matathal, Ram Manohar Lohia Ward, Jabelpur.

> V. K. BÁRANWAĽ Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 30-7-1984

NOVICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4950.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Part of House No. 800 (Old No. 189, 190), situated at Uprengani, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Smt. Ramratibai Woo Late Bhaiyalal Nandram, Ramswarup Gupta, Ro Village Siriya, Dist. Jabalpur. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar Yadav Soo Shri Govind Prasad Yadav, Ro Uprengani, Jabalpur.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the sine of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 800 (Old house No. 189, 190) is situated at Uprenganj, Jabalpur.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gongotri Bullding
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 30-7-1984

### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp||4951.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/exceeding Rs. 25,000|- and bearing Part of House No. 768, 801 (Old House No. 189, 190)

situated at Uprenganj, Jabalpur,

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Jabalpur on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tux Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (1) Smt. Ramrati Bai Wo late Bhaiyalal Nandram, Ramswaroop Slo late Bhaiyalal Gupta, Ro Siriya, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Wo Govind Presad Yadav, Rlo Uprenganj, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 768, 801 (Old House No. 189, 190) is situated at Uprenganj, Jabalpur.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30-7-84.

(1) Smt. Ramrtibai Wo late Bhaiyalal Nandram, Ramswaroop Gupta So late Bhaiyalal Gupta, Rlo Ghiriya, Dist. Jabalpur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrì Amit Yadav (Minor) S|o Govind Pd. Yadav Mother Smt. Sushila Yadav W|o Shrì Govind Yadav, Rlo Uprenganj, Jabalpur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4952.-Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Part of House No. 798, 800, 801 (Old House No. 189, 190) Situated Uprenganj, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 798, 800, 801 (Old House No. 189. 190) is situated at Uprengani, Jabalpur.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-Seal:

Date: 30-7-84.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4953.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of House No. 798, 800, 801 (Old House No. 789, 790) Uprenganj, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jabalpur on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the arposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52---236GI|84

 Smt. Ramratibai Wo late Bheiyalol Nandram, Ramswaroop Gupta So late Bhaiyalal Gupta, Rlo Ghiriya, Dist. Jabalpur.

(Transferor)

21501

(2) Shri Mukesh Kumar Yadav Soo Shri Govind Presad Yadav, Roo Unrengani, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 798, 800, 801 (Old House No. 189, 190) is situated at Uprenganj, Jabalrur.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 30-7-84.

"eal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4954.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value that the ininovable property having a rain market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing House No. 580 (Part thereof)

South Civil Lines. Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

21502

has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Ramchand So Shri Gulzarilal

2. Smt. Chandrani Wo Ramchand Jain.
3. Rajendra Kumar,

4. Abhaykumar Jain Wo Ramchand Jain all ro Jawahargani, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Sethi So late Munshiram Sethi 809, Bai Ka Bagicha Damapur, Jabalpur.

2. Mahesh Purohit So late Shri Krishna Purohit,

Right Town, Jabalpur.

3. Shri (Dr) Jagdish Pd. Pahwa So late Mahlaram Pahwa.

4. Kamla Garwara Wo Shri J. D. Garwara, 5. Premkumar Bhandari, Sto late Jagannath Bhandari, 376. South Civil Lines, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 580, Flock No. 32, Plot No. 9 is situated at Civil Lines, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferre.

> V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL,

Date: 31-7-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|4955.---Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269D at the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable reporty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. part of House No. 584 situated at South Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

reason to believe that the fair market value of the Registering Officer at Anand in December, 1983

Jabalpur on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent 'of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. اف رائساند
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eferesaid property by the issue of this notice under sulsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ramchand Soo Shri Gulzarilal, 2. Smt. Chandrani Wo Ramchandra Jain, 3. Rajendra Kumar, 4. Abhaya Kumar Jain Slo Ramchandra Jain all

rlo Jawahargani, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Sethi Soo late Munshiram Sethi 809, Bai Ka Bagicha, Damapur, Jabalpur.

2. Mahesh Purchit So late Shri Krishna Pureshit, Right Town, Jabalpur.

3. Dr. Jagdish Prasad Pahwa, Soo late Mahlaram Pahwa.

4. Kamla Garwara, Wo Shri J. D. Gerwara, 5. Premkumar Bhandari So late Sri Jagannath Bhandari, 376, South Civil Lines, Jabalpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nouce in the Official Gazette.

EXFRANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 580, Block No. 32, Plot No. 9 is situated at South Civil Lines, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 38-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 31-7-84. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4956.—Whereas I,

V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Part of House No. 580, South Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on December, 1983, for an apparent consideration which is less than the

tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of section 269C of the said Acr, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following merious, namely :---

(1) Shr. Ramchand Slo Shri Gulzarilal, 2. Smt. Chandrani Wlo Ramchandra Jain,

3. Rajendra Kumar, 4. Abhaya Kumar Jain So Ramchandra Jain all rlo Jawaharganj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Sethi Soo late Munshiram Sethi 809. Bai Ka Bagicha, Damapur, Jabalpur.

2. Mshesh Purchit So late Shri Krishva Purohit,

Right Town, Jabalpur.

3. Dr. Jagdish Pracad Pahwa, So late Mahlaram Pahwa,

4. Kamla Garwara, Wo Shri J. D. Garwara,

5. Premkumar Bhandari So late Sri Jagannath Bhandari, 376. South Civil Lines, Jabalpur.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 580, Block No. 32, Plot No. 9 is situated at South Civil Lines, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 38-G duly verified by the transferee in form No. 37G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 31-7-84.

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 31st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4957.—Whereas I, K. BARANWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Part of House No. 581, South Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering at

Jabalpur on December, 1983,

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shri Kun Chandrani Wo Ramchandra Jain,
   Rajendra Kumar,

  - 4 Abhnya Kumar Jain Slo Ramchandra Jain all rio Jawaharganj, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri Subhash Sethi So late Munshiram Sethi 809, Bata Ka Ragicha, Dhamapur, Jabalpur. 2. Møhesh Purchit Soo late Shri Krishna Purchit,
  - Right Town, Jabalpur. 3. Dr. Jagdish Prasad Pahwa, So late Mahlaram
  - Pahwa.
  - 4. Kamla Garwara, Wo Shri J. D. Garwara, 5. Premkumar Bhandari Slo late Sri Jagannath Bhandari, 376, South Civil Lines, Jabalpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 580 Block No. 32, Plot No. 9 is situated at South Civil Lines, Jabalpur. This is the immovable property which has been verified by the transferee in form No. 37G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gongotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 31-7-84.

(Transferor)

#### FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 4958.—Whereas I, V. K. BARANWAI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Part of single storeyed House bearing No. 581 South Civil Lines, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- Shri Ramchandra S|o Shri Gulzarilal,
   Smt. Chandrani W|o Ramchandra Jain, 3. Rajendra Kumar,
  4. Abhaya Kumar Jain So Ramchandra Jain all
  ro Jawahargani, Jabalpur.
- (2) Shri Subhash Sethi So late Munshiram Sethi 809, Bhai Ka Bagicha, Dhamapur, Jabalpur. 2. Mahesh Purchit So late Shri Krishna Purchit, Right Town, Jabalpur.

3. Dr. Jagdish Prasad Pahwa, So late Mahlaram Pahwa, 4. Kamla Garware, Wo Shri J. D. Garwara,

5. Premkumar Bhandari Slo late Sri Jagannath Bhandari, 376, South Civil Lines, Jabalpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underwigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 580, Block No. 32, Plot No. 9 is suitated at South Civil Lines, Jabalpur. This is the immovable property which has been verified by the transferee in form No. 37G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range.
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopul

Date: 13-8-1984

Scal :

## 21507

## FORM ITNS--

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 31st July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4959.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Part of Single storeyed house bearing No. 582, South Civil Lines, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Jabalpur on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Ramchandra So Shri Gulzarilal, 2. Smt. Chandrani Wo Ramchandra Jain, 3. Rajendra Kumar, 4. Abhay Kumar Jain So Rameshchandra Jain all

ro Jawahargani, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Sethi Slo late Munshiram Sethi 809, Bui Ka Bagich, Dhamapur, Jabalpur.

2. Mahesh Purohit So late Shri Krishna Purohit, Right Town, Jabalpur.

3. Dr. Jagdish Prasad Pahwa, So late Mahlaram Pahwa,

4. Kamla Garwala, Slo Shri J. D. Garwara,
5. Premkumar Bhandari Slo late Srl Jagannath
Bhandari, 376, South Civil Lines, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House No. 582, Block No. 32, Plot No. 9 is situated at South Civil Lines, Jabalpur. This is the immovable property which has been verified by the transferee in form No. 37G.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gongotri Building T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 31-7-84.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMP-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|4960.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House bearing No. 78

situated at Jawahar Marg, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

nt Ujjain on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Radhabai
 Wlo Chandmalji
 R'o Jabaigali M. No. 31,
 Uliain

(Transferor)

Rameshchand Sjo Bhangwandasji Jain
 Munnibai Wjo Rameshchandji Jain
 Rjo Papad Gali,
 Nayapura, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 78 (Ground floor|1st floor) is situated at Jawahar Marg, New Mahakal Marg, Gudhri Baazar, Ujjain.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date : 30-7-1984

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4961.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property baying a lair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
House No 78 (Part thereof)
situated at Jawahar Marg, Ujjain
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ujjain on December 1983
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--53-236GI|84

(1) Smt. Radha Bai W|o Chandmalji R o 31, Jahajgali, Ujjain

('Transferor)

(2) 1. Shri Santosh Kumar So Bhagwandasji Jain, Subhabai Wlo Santoshkumar Jain, R o Papad Gali, Nayapura, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned  $\cdot$ 

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House Noo. 78 (2nd|3rd floor) is situated at Jawahar Marg, New Mahakal Marg, Gudri Bazar, Ujjain.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commioner of Income-Tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,

Date: 30-7-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4062.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing
House bearing Municipal No. 1|893 (New No. 11) Arya Samaj Marg, Bahadurganj, Ujjain situated at Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ujjain on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1927 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

- (1) 1. Shri Rupnarain adopted son of Shri Liladharji, Ro Chimanganj Mandi, Ujjain. 2. Manibai Wo Liladharji
  - Ro Chimanganj Mandi, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shii Punamchand Slo Hitalal, R<sub>1</sub>o Malipura, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazene

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House bearing municipal No. 1|893 (Part of) (New No. 11) is situated at Arya Samaj Marg, Bahadurganj, Ujjain.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 30-7-1984

Seol:

## FORM No. I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 30th July 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bp1|4963,—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House bearing Muni. No. 1/893 (Part there of) (New No. 12) situated at Aryasamaj Marg, Bahadurganj, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ujjain on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Manibai Wo Lildaharji Ro Chimangani Mandi, Ujjain.
  - Rupnarain adopted son of Shri Liladharji R|o Chimanganj Mandi, Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwanti Bai D|o Narayanji, R|o Malipura, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of House bearing Municipal No. 1|893 (New No. 12) is situated at Aryasamaj Marg, Bahadurganj, Ujjain.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 30-7-1984

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4964,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 515|9 situated at Vill. Korinbhata, Rajandgaon

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajnandgaon on December, 1983

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Khemchand Jain So Hamirmal Jain Thro' Smt. Shantidevi, Shri Khemchand Jain, Smt. Sunder Bai Wo Nanakchand Jain, Ro Kamti Line, Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) 1. Shri Parasmal So Surajmal Vaid 2. Phoolchand So Surajmal Vaid, R o Arjuni, Dist. Rajnandgaon,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 515|9 is situated at village Korinbhata, Dist. Rajnandgaon. This is the immovable property bhata, Dist. Rajnandgaon. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, 3rd July 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4965.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market viaue exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House

situated at Main Road, Juna Bilaspur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bilaspur on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Shri Damodar Prasad Sharma, Slo Shri Rajaram Sharma Rlo Nevra, Teh. & Dist. Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Patel Wo Shri Gokuldas Patel Ro Juna Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The house on plot bearing Kh. No. 202 is situated at Juna Bilaspur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX

# ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4966.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2500l- and hearing

Rs. 25,00|- and bearing Land Kh. No. 582|2, 582|5 situated at Sondogri, Dist.

Raipur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

(1) Shri Phool Singh S|o Amrit Sahu, R|o Sondogri, Dist. Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Satish Waswani , S|o Gagan Waswani, R|o Mohab Bazar, Raipur. C|o Ravi Traders, M. G. Road, Raipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imm. Avable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 582|2, 582|5 is situated at Vill. Sondongri, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-8-1984

Soal:

(1) Dukhni Bai Wo Pila Sahu, Ro Sondogri, Dist. Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Line the distance of the second contract of t

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Ravi Waswani,
2. Gyanchandra,
R|o Mohba Bazar, Raipur,
'Thro' Ravi Traders, M. G. Road, Raipur.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp||4967.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land situated at Sondogri, Dist. Ralpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at vill. Sondogri, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Acquisition Range Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-8-1984

#### FORM ITNS----

 Sh. Jailal Slo Sukhdev Sahu, Rlo Tikrapara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Laxmandas S|o Vishandas, R|o Shadani Nagar, Raipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4968.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac;, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and

bearing No.

Land Kh. No. 464|2 situated at Vill. Tikrapara, Raipur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rainur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 464 2 is situated at Vill. Tikrapara, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-8-1984

foal :

FORM J.T.N.S.-

(1) Sh. Jailal Slo Sukhdev Sahu. Rlo Tikrapara, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rahendram Slo Dulhanumal, Rlo Sadani Nagpur, Raipur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4969.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing No.

Land Kh. No. 464[2 situated at Vill. Tikrapara, Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideratio therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ord
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the gaid Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--54-236GI|84

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. No. 464|2 is situated at Vill. Tikrapara, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-8-1984

LORM TINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACI', 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Surjouthinbai alias Bhuri Bai Wo Hiralal Satnami Rlo Tatibandh, Dist. Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Shi Harbhajan Singh Slo Amar Singh

2. Smt. Jaljeet Kaur Wo Harbhajan Singh Ro Raja Talab, Raipur.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4970.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Land situated at Vill. Tatibandh, Dist. Raipur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

The land is situated at Vill. Tatibandh, Dist. Raipur, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-8-198-

## PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4971.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land Kh. No. 464|2 situated at Tikrapara, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Raipur on December, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any reconeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jailal Slo Sukhdeo Sahu, Rlo Tikrapara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Kripaldas S[o Jethamal, R|o Shadani Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. No. 464|2 is situated at Tikrapara, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl\_4972.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Kh. No. 123|20 situated at Mouja, Titurdih, Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Pad Rao Sjo Krishna Rao Thakur Thro' Attorney Shri Sharad Kumar Thakur Sjo Shri Padrao Thakur Rjo Titurdih, Durg.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Jain Slo Hiralal Jain (Kumbhat) Clo Mls, Tarachand Ramesh Kumar, Oil Merchant, Indira Market, Durg.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. No. 123|20 is situated at Mouja Titurdih, Dist. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-8-1984

#### 

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4973,-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs 25.000]- and bearing No. Land Kh. No. 18, 16 situated at Gongava, Teh. Khargone (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khargone on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration of the property as aforesaid exceeds the apparent of such apparent. of the prepared consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) I. Shri Sushil Kumar

- 2. Bhagwan Swarup,
- 3. Harish Chandra,

4. Prakash Chandra Slo Ramlalji Nigam, Khargone, Orgapiwa Propritors of Kamala Oil Mills

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chandra S|o Prahlad Dasji Agarwal, Owner of Prahlad Mills, Khargone.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. No. 18, 16 is situated at Gogava, Teh. Khargone. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee,

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4974,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
Land Kh. No. 16 situated at Gogava, Teh. Khargone
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Khargone on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Sushil Kumar

Bhagwan Swarup,
 Harish Chandra,

 Prakash Chandra Propritors of Kamala Oil Mills, Khargone (Transferor)

(2) 1. Sh. Kanhaiyalal,

2. Nathulal

Slo Prahlad Dasji Agarwal, Plo Prahlad Ginning Factory,

Rlo Khargone.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 16 is situated at Gogava, Teh. Khargone. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-8-1984

- (1) Shi Hiralal Bakliwal, Rlo 12/2, Malhargani, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Narendra Kumar Verma, Rlo 62, Indra Gandhi Nagar, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(17) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4975.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 61 situated at Indra Gandhi Nagar, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under supsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- ether person interested in the said (b) by any immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Germite.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 61 is situated at Indra Gandhi Nagar, Indore.

V. K. BARANWAL Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-8-1984 Scal:

40--216GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4976 ---Whereas, I, V. K. BARANWAI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000|- and bearing No

Plot No. 66<sup>th</sup>-House thereon situated at Indiapuii Colony, tand more fully described in the Schedule annexed hereton has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indoje on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smł. Sumati Bai Wlo late Vishwasrao Gavde Rlo 66, Indrapun Colony, Indore.

(Transferor)

- (2) 1 Shit Sunil
  - And (Minors) Guardian Smt. Vimlabai Wlo Nanak Singhji, &
  - 3. Smt. Vimlabai Wo Nanak Chand Luniapura, Indore

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 66 House built thereon is situated at Indrapui Colony, Indore.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-8-1984.

#### FORM ITNS----

(1) Sh. Bhanwarlal Slo Badri Prasad Sharda Rlo Parsi Mohalla, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Tiwari Wlo Sh. Kaushal Prasad Tiwari Ro Janki Nagar Extension, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhogal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4977.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. Plot No. 123 situated at Janki Nagar Extension,

Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Indore on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

V. K. BARANWAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

55--236GI[84]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 123 is situated at Janki Nagar Extension, Indore.

Date: 3-8-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4978.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Municipal No. 6-B (Part thereof) situated at
Sirsiremal Bapna Marg, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as sockeve that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Krishnadas Slo Sh. Purushottamdas Gupta Rlo 8, Jawahar Marg, Gali No. 6, Indore.

(Transferor)

(2) Sh. Krishnarao Fadnis Slo Sh. Hanumantrao Fadnis, Rlo 6, Sir Siremal Bapna Marg, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 6-B situated at Sirsiremal Bapna Marg, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-8-1984,

Scal:

AND THE STREET THE STREET AND THE STREET STREET, AND THE STREE

# NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4979.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Plot No. 22 situated at Shanker Nagar, Indote.

tand more fully described in the Schedule annexed hereit), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumed of counsiler with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Om Enterprises, Mal Godown Road, Indore Rai Bahadur Kanhaiyalai Bhandari, Thro' Shr: Rajendra Singh Bhandari Slo Suganmalji Bhandari (Katra of HOF) Rlo Mal Godown Road, Indore.

(Transferor)

(2) Sh. Yakub Thro' father Ibrahim Bhai, House No. 495, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 22 is situated at Shanker Nagar, indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4980.--Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Land Kh. No. 375 situated at Pithampur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar on Dec. 1983

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Nathulal Jagannath, Pithampur

(Transferor)

(2) M/s. Chinar Industries
Partners Jasbir Singh, Jogendra Singh,
Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the boild Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Laud Nh. No. 375 is situated at Pithampur, Dist. Dhar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-8-1984. Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4781.—Whereas, I, K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the mimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. bearing No. Bhavan No. 32|29 situated at Arya Nagar, Murar, Gwalior. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on December, 1983, for an apparent coas deration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Sureshchandra Verma Slo Dwarka Prasad Verma, Rlo Gangamai Santher, Murar, Gwalior

(Transferor)

(2) Shri Lokendra Singh Narendra Singb, Balvirsing Slo Matvar Singh, Rlo Vill. Sonpura, Tch. Gohed, Dist. Bhind.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

## THE SCHEDULE

Bhavan No. 32|29 is situated at Arya Nagar, Murar, Gwalior.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building

Date: 3-8-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4982.—Whereus, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000% and bearing

Land Survey No. 74 situated at Vill. Shakkarkhedi, Teh. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair ma ker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of htis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Ajmeri Khan S|o Abdul Rehman,
  2. Shri Abhas Khan,
  3. Shri Ghaffar Khan,
  4. Shri Yunus Khan.
  5. Shri Anwar Khan S|o Abdul Rehman,
  6. Shrimati Jannath Bai W|o Shri Abdul Rehman,
  R|o Vill. Shakkar Khedi,
  Teh. Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh So Hari Prasadji Choukse, Ro 15/2, New Pardeshipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Survey No. 74 is situated at Vill. Shakkar Khedi, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/4983.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. Land Survey No. 74 situated at Vill, Shakkarkhedi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liaoflity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ; --

(1) 1. Ajmeri Khan

Ajmeri Khan
 Shri Abhas Khan,
 Shri Ghaffar Khan,
 Shri Yunus Khan,
 Shri Anwar Khan So Abdul Rehman,
 Shrimati Jannath Bai Wo Shri Abdul Rehman,
 Vill. Shakkar Khedi,
 Teh. Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kailashchandra Slo Shri Hari Prasad Choukse, Rlo 94/2, Pardeshipura, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural Land Survey No. 74 is situated at Vill. Shakkar Khedi Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4984.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 25,000 and bearing Agricultural

Land Survey No. 74 situated at Vill. Shakkar Khedi. Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Ajmeri Khan So Abdul Rehman,

Shri Abhas Khan,
 Shri Ghaflur Khan,
 Sh i Yunus Khan,

Shri Anwar Khan So Abdul Rehman,
 Shri Anwar Khan So Abdul Rehman,
 Shrimati Jannat Bai Wo Shri Abdul Rehman,
 Ro Vill. Shakkar Khedi,
 Tch, Indore.

(Transfero.:)

(2) Shri Shyam Sunder Slo Shri Hari Prasad Choukse, Rlo 94|2, Pardeshipura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 74 is situated at Vill. Shakkar Khedi, Teh. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-8-84

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4985.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land Kh. No. 12 situated at Vill. Nayapura, Dist. Bhopal. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating me concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

56--236GI|84

(1) 1. Shri Babulal
Slo Shri Munshilal.
2. Shrimati Chhoti Bal
Wlo Shri Munshilal,
Rlo Nayapura,
Bhopal (Teh. Huzur).

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kumar Slo Cap. Hemraj, Rlo 35, Shyamla Hills Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 12 is situated at Vill. Nayapura, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor. Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-8-84

cal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4986.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land Kh. No. 12 situated at Vill. Nayapura, Dist. Bhopal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrì Babulal
 Sho Shrì Munshilal,
 Shrimati Chhoti Bai
 Who Shri Munshilal,
 Rho Nayapura,
 Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Soubhagya Malik 11-D, 74. Bungalow, Wlo Shri M. I. Malik, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may may made in writing to the undersigned:— z

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 12 is situated at Vill. Nayapura, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-8-84

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 3rd August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4987,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

poing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land Kh. No. 12 situated at Vill. Nayapura, Dist. Bhopal.

Land Kh. No. 12 situated at Vill. Nayapura, Dist. Bhopal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhopal on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Babulal
 Sho Shri Munishilal,
 Shrimati Chhoti Bai
 W|o Shri Munshilal,
 R|o Nayapura,
 Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Surendra Malhotra S|o Lala Mulkraj Malhotra, R|o 27, Shyamla Hills, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereiz as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Kh. N. 12 is situated at Vill. Nayapura, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 3-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4988.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 92 situated at E-7, Arera Colony, Bhopal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Bhopal on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vijay Laxmi Bansal Wo Shri Mukesh Bansal, Ro H.I.G-22, Shivaji Nagar, Bhopal,

(Transferor)

(2) Shri Ambecharan Saxena Slo Shri Mathra Prasad Saxena, Rlo 69|13, South T. T. Nagar, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 92, is situated at E-7, Arera Colony, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 7-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4989.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land Kh. No. 5|1, 5|2, 5|6 situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Durg on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent sensideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ghanshyamdas Sio Gagandas, Rio Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Vimal Constructions, Raipur Thro' Partner Shri Moolchand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 5/1, 5/2, 5/6 is situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date : 7-8-84 Seal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|4990.-Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000|- and bearing No. Land Kh. No. 17|8 situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at During on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:-

(1) Shri Ghanshyamdas Slo Shri Gagandas, Rlo Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Vimladevi Wo Shri Vimalchand, Choubey Colony, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of Land Kh. No. 17/8 is situated at Vill. Amleshar. This is the immovable property which Dist. Durg. been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4991.-Whereas, I, K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Land Kh. No. 17-8 situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), market value exceeding

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the registering officer at During on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrl Ghanshyamdas So Shri Gagandas Nathani, Rlo Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Pratima Devi Wo Dilip Kumar, Rlo Choube Colony, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Land Kh. No. 17/8 is situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC Acqu Bpl 4992.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

Durg on December, 1983.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Land Kh. No. 514, 515 situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Kusum Bai Wlo Shri Rajkumar, Rlo Sadar Bazar, Raipur.

(Transferors)

(2) Vimal Construction, Raipur Thro' Partner Shri Moolchand

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 514, 515 is situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th, Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii Sunderlal Slo Shri Shankerlal, Rlo Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Sunanda Devi Wlo Shri Kamalchand, Rlo Choube Colony, Raipur.

(Transferee;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4993.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land Kh. No. 17|6 situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Durg on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subcoction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

57---236GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) hy any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicatior of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charlet

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 17/7, is situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4994.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing

Land Kh. No. 17/6 situated at Vill. Amleshar, Dist. Durg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ofo maid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Sunderlal Slo Shri Shankerlal, Rlo Sadar Bazar, Raipur,

(2) Smt. Lalithadevi Wlo Shri Swarupchand, Rlo Choubey Colony, Raipur. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 17|9 is situated at Vill. Amleshar, Dlst. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Cangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4995.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing
Plot No. 9, Bungalow No. 47 situated at Neemuch Cantt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Neemuch on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Km. Jarbano Do Shri Jehangirji, Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Shoukinlal Slo Shri Kanwarlalji Patidar, Neemuch (Minor) Thro' Guardian Kanwarlal Patidar, Neemuch Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 9. Bungalow No. 47 is situated at Necronch Cantt. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gandotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4996.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to behave that the immovable property having a fair market value exceeding Rr. 25,000|-and bearing

Plot No. 3, Bungalow No. 47 situated at Neemuch Cantt. (and more fully described in the Schedule man had hereo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Neemuch on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Km. Jarbano Dlo Shri Jehangirji, Neemuch Cantt.

(Trasnferor)

(2) Shii Onkariai Slo Shri Moolchandji Patidar, Necmuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No 3, Bungalow No. 47 is situated at Neemuch Capit. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWA!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. lAC|Acqn|Bpl|4997.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 6, Bungalow No. 47 situated at Neemuch Cant. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Neemuch on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Km. Jarbano Dlo Shri Jehangirji, Ncemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Poonamchand Soo Shri Mandanlalji Chopra, Roo Neemuch Cantt,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sala Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 6, Bungalow No. 47 is situated at Neemuch Cantt. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authoray Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Km. Jarbano Dlo Shri Jchangirji, Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Vimalchand Slo Shri Kanwarlalji Jain, Neemuch Cantt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4998.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 25 000L and hearing

Rs. 25,000|- and bearing
Plot No. 9, Bungalow No. 47 situated at Neemuch Cantt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Neemuch on December, 1983. for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective porsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 9. Bungalow No. 47 is situated at Neemuch Cantt. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWA!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|4999.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 24, Open land, Bungalow No. 40 situated at Neemuch Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Noemuch on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pritpalsingh S|o Shri Harbhajan Singhji, R|o Gurudwara Road, Kota (Rajasthan).

(Transferor)

Smt. Ishwar Kaur
 W|o Shri Sardar Darshan Singh,
 R|o Neemuch Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 24, Open land, Bungalow No. 40 is situated at Neemuch Cantt. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-198@

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5000.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land (Garden No. 19) situated at Neemuch Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sari Kaurshid Ali Slo Abdul Hussainji Bohra, Rlo Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Malwa Enterprises,
Through Partner
Shri Muhendra Kumar
Slo Samrathmalji Patwa,
Rlo Neemuch Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land (Garden No. 19) is situated at Neemuch Cantt. This is the immoable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-1984

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5001.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. 105, Bungalow No. 55
situated at Chhavni, Neemuch
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Neemuch on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

58-236 GI 84

(1) Shri Ukarlal Sjo Shri Anandilalji Agrawal, Ro Chhavni, Neemuch.

(Transferer)

(2) Smt. Kanta Bai Wo Shri Chunnilal Ji, Rlo Chhavni, Neemuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as piven in that Chapter

# THE SCHEDULE

Plot No. 105, Bungalow No. 55 is situated at Chhavni, Neemuch.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopa

Date: 7-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Aeqn|Bpl|5002.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

House, Land bearing S. No. 49 situated at Neemuch Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Neemuch on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Pannalal Arya
 Neo Nathamalji Arya,
 Reo Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Kamia Kanta Jain W|o Shri Bhanwarlal Jain, R|o Neemuch Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House, Land bearing S. No. 49 is situated at Necmuch Cantt. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OUFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl|5003.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa''d Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l-and bearing No.

Part of House, Land bearing No. 49 situated at Neemuch Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

Neemuch on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pannalalji Arya S|o Shri Nathmalji Arya, R|o Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Mohandevi Wo Bapulal Jain, Ro Neemuch Cantt.

(Transferce)

Objections, if any, to the soquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House, Land bearing S. No. 49 is situated at Neemuch Cautt. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopai, the 7th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5004.--Whereas, I. V. K. BARANWAL, being the Competent Authority, under Section 369D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000; and bearing Part of Building No. 11, Bangalow No. 58 situated at Neemuch

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as er deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

(1) Shri Khurcel J., Contractor, Neemuch.

(Transferor)

(2) Shri Khailay Kasturchand, Gopwat, Neemuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Part of Building No. 11, Bungalow No. 58 is situated at Neemuch. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-1984

Beal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SECTION TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th August 1984

Ref. o. IAC!Acqn|Bpl|5005.--Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

Bungalow No. 25 situated at Pratap Marg, Neemuch Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Neemuch on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer; and or
- (b) iscilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1847 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Fakhınddin
 Shri Akbar Ali
 Shri Kamruddin
 O Hajarali Bohra,
 Rlo Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Kharun Bai Wo Akbar Ali Bohra, Ro Bohra Bazar, Ro Neemuch Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bungalow No. 25, land appurtenant thereto is situated at Pratap Marg, Neemuch Cantt.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5006.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000; and bearing House built on Plot No. 80-R situated at Khatiwala Tank, Scheme No. 44, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Arjundas
 Slo Shri Jethanandji Chawla,
 Rlo 195 Palsikar Colony,
 Indore.

(Transferor)

Shri Laxmandas
 Shri Gulabrai S|o Shri Motiramji
 R|o 10, Sindhu Nagar,
 Indore.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

. House built on plot No. 80-R is situated at Khatiwala Tank, Scheme No. 44, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-8-1984

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5007.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat No. 13 of flats built on Plot No. 2-A situated at

Manormaganj, Kailash Park Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Indore on December 1983

transfer with the object of :--

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mis. Pragati Construction Co., Indore. Through Partner Sanat Kumar Badjatya, 146, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rameshkumar Slo Shri Girdhar Nagar, Rio 27, Ahlyapura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in they

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13 of flats built on plot No. 2-A is situated at Manoramaganj, Kailash Park Colony, Indore.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-8-1984

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. So. IAC|Acqn|Bpl|5008.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1941 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 2-A (Flot No. 4 of flats built thereon) situated at Kailash Park Colony, Indore

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1: of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M's. Fragati Construction Co., 36, Siyaganj, Indore.

(Transferors)

(2) Smt. Shashi Khandelwal W|o Shri Gopaldas 17,Sitlamata Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perio dof 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4 of flats built on plot No. 2-A is situated at Kailash Park Colony, Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5009.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land Survey No. 81/5 situated at

Village Micholi, Teh. Indore

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

59--236GIt84

Shri Radheysham
 Chaturbhuj Patidar,
 R|o Khajrana, Indore.
 Indore.

(Transferor)

(2) Neer Nagar Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadhit Indore, President: Shri. Kuldeep Kishore Slo Ajay Kishore Gupta, Rlo Narbada Project, Bhsakhedi, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Survey No. 81 5 is situated at Village Micholi, Teb. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-8-1984

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5010.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House No. 47. (Triple storeyed Building) situated at Netaji Subhash Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Eknath Narain Chaskar R|o 15|4, Film Colony, Indore.

(Transferor)

 Shri Atchute Vithalraoji Dhoble, R|o 6|1, Krishnapura, Tilokpath, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the tate of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 47 (Triple storeyed Bldg.) is situated at Netaji Subhash Marg, Indore.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 8-8-1984

#### 21559

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5011.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land Khata No. 442, 443|5|1 situated at Village Babadiya Kalan, Dist. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evation of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Canga Prasad So Shri Hari Prasad, Ro Village Babadiya Kalan, Bhopal.

(2) Sangrila Co-op. Housing Society Ltd., Through President Shri P. D. Choudhary, Slo Shri J. D. Choudhary, Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land khata No. 442, 443|5|1 is situated at Village Babadiya Kalan, Distt. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferse.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5012.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Khata No. 442, 443, 15|2 situated at Village Babadiya Kalan, Dist. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Lakhanlal So Hari Prasad, Babadiya Kalan, Dist. Bhopal. Bhopal.

(2) Sangrila Co-operative Housing Society Ltd.,
Through President
Shri P. D. Choudhary,
Slo Shri J. D. Choudhary

E-6/112, Arera Colony, Bhopal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Khata No. 442, 443, 15|2 is situated at Village Babadiya Kalan, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-8-1984

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5013.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|-and bearing No.

Land Khala No. 442, 443|5|2 situated at Village Babadiya Kalan, Dist. Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed heteto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated the shad instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Lakhanlal
 S|o Hari Prasad,
 R|o Babadiya Kalan,
 Dist. Bhopal.

(Transferor)

(2) Sangnila Co-operative Housing Society Ltd.
Through President
Shri P. D. Choudhary
Slo Shri J. D. Choudhary,
E-6/122, Arera Colony,
Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given us that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land khata No. 442, 443|5|2, is situated at Vill. Babadiya Teh. Huzur, Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-8-1984

#### FORM IINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

#### AHMEDABAD

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5014.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Half Portion of Plot No. 26, Nadir Colony, (Now known as Plot No. 26-A) situated at Shyamla Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds othe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any message arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sardar Hardyal Singh Paul s|o Sardar Puran Singh, R|o 38, E-Block, Shri Ganga Nagar, Rajasthan. (Transferor)

(2) Smt. Manju Sharma wo Pramod Sharma, 14, Nadir Colony, Shamla Hills, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half Portion of Plot No. 26 (Now known as plot No. 26-A) is situated at Nadir Colony, Shamla Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building 'T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5015.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Plot No. 238 situated at Major Shopping Centre, Habibgani, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Indian Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lashkar in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shantilol Patel s o Lallubhai Patel;
 Bharat Patel s o Shantilal Patel,
 R o Bharat Talkies Compound, Bhopal.

Rio Bharat Taikies Compound, Bhopai. (Transferor,

(2) Smt. Shashi Bala Gandhi woo Shri D. R. Gandhi, Ro Hamidia Road, Bhopal, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 238 is situated at Major Shopping Centre, Habibgani, Bhopal.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5016.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 4|423 situated at Topi Bazar, Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rajmal s|o Surajmal Oswal Kavdiya Trust, Sarafa Bazar Thro' Trustee Ghissulal s|o Bhairoan Parekh, Sarafa Bazar,

- 2. Keshrimal s/o Champalal, Saraf Bazar.
- 3. Narendra Kumai Nahra s|o Amolakchand, Javajiganj.
- 4. Uttamchand slo Parasmalji, Bhairagpura.
- 5. Tejmal Harshavat sjo Sobhagyamal Rio Sarafa Bazar, Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Kalicharan Gupta Slo Durga Prasad Gupta, Topi Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No. 40/423 is situated at Topi Bazar, Lashkar.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-84

\_\_\_\_\_\_

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Rei. No. IAC Acqn. [Bpl] 5017.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing House No. 40|423 situated at Topi Bazar, Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gwalior in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in thes aid instrument of transfer with the object of ;---

- (A) Inciditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any is some arrong from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secretion 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--60-236GI|84

(1) Shri Rajnul so Surajmal Oswal, Kavdiya Trust, Sarafa Bazar Thro' Trustee Shri Ghissulal so Bhairoan Parekh, Sarafa Bazar.

2. Keshrimal slo Champalal, Sarata Bazar.

- 3. Naiendra Kumar soo Amolakchand, Jivajiganj.
- 4. Uttamchand s|o Parasmal, Bhairagpura.
- 5. Tejmal slo Soubhagyamal, Bazar. Lashkar.

(Transferor)

(2) Shii Ashok Kumar Gupta soo Kalicharan Gupta, Ro lopi Bazar, Lashkar.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettr

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 40:423 is situated at 10ph Bazar, Lashkar.

V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bu'lding T T Nagar, Bhopal

Date: 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5018.—Whereas, I, V. K. BARANWAI.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

House No. 40,423 situated at Topi Bazar, Lashkar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been the sterred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lashkar in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the parasses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajmal so Surajmal Oswal, Kavdiya Trust, Sarafa Bazar Lashkar.
  Bheromal, Sarafa Bazar.
  Keshrimal so Chan palal, Sarafa Bazar.
  Narendra Kumar so Amolakchand, Jivajiganj.
  Uttamchand so Parasmal, Bhairagpura,
  Tejmal so Soubhagyamal, Sarafa Bazar, Lashkar.
  (Transferor)
- (2) Smt. Ramadevi w o Kalicharanji, Topi Bazar, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otherst Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

House No. 40|423 is situated at Topi Bazar, Lashkar.

V. K. BARANWAL Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-8-84

İ

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Bijlal s[o Mangal Vill, Malanpur, Teh. Gohed.

(Transferor)

(2) M|s. Glass (I) (Pvt.) Ltd., Malanpur Thro' Director Shri Shivuandan s|o Rambax Singh, R|o Vill. Manhad, Tch. Mehgaon, Dist. Bhind. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

> BHOPAL, M.P. Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5019.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

Land bearing No. 306 situated at Vill. Malanpur, Gohed (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at Gohed in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be work the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(n) facilitating the reduction or evasion of the Hability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property any be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land Bearing No. 306 is situated at Vill. Malanpur, Tell. Gohed. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bulding T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-8-84

Seal:

(Strike of where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5020.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land bearing No. 306 situated at Vill. Malanpur, Teh. Gohed (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gohed on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reasor to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the same Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or, which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kaliyan s|o Mangel, Vill. Malanpur, Teh. Gohed.

(Transferor)

(TIM/SICIOI)

(2) Mls. Glass (I) (Pvt.) Ltd., Malanpur, Thro' Director, Shri Shivnarayan Singh Slo Ramnath Singh, Gormi, Teh. Mchgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land S. No. 306 is situated at Vill, Malanpur, Teh. Gohed. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar. Bhopal

Date: 8-8-84 Seal: FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mls. Gimar Timber Co. Partner KKarsan Bhai so Ramji Patel Rio Phabhadih. Raipur.

(Transferor)

of attorney Shri Bastharam so Lalji Patel, Ro Phaphadih, Raipur.

(1) Shri Shyamji Hirji Bhai Patel Thro' General Power

(Transferoc)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5021.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

bing the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House, Part of Kh. No. 242|1 situated at Phaphadih, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hetato), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair mirket value of the alons and property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trensfer: andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House, Part of Land Kh. No. 242 1 is situated at Phaphadih. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Bu'lding
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-8-1984

21570

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5022.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/, and bearing

House No. 93/2 situated at M. G. Road, Megh Bldg., Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranjana s|o V. K. Jadhav, R|o 84, Saket Nagar, Indore. (Transferor)

(2) Shri Devki Nandan alias Devdas s|o Murandmal Ranichandani R|o B-6, Megh Bldg., M. G. Road, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 93/2, is situated at M. G. Road (Megh Bldg.), Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar. Bhopal

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Rlo Ghas Bazar, Ratlam.

('Transferor)

(2) Smt. Premlata Devi wo Manoharlalji Jain,

(1) Shri Rajendra s|o Jhamaklalji Pokharna, Rlo Manak Chowk, Ratlam.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5623. Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing House situated at Ghas Bazar, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

House is situated at Ghas Bazar, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-8-84

## FORM ITNS----

(1) Shri Rameshchandra sjo Jhamaklalji Pokharna, Rjo Manak Chowk, Ratlam.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Premlatudevi, Wio Manoharlahi Tain, Rlo Ghas Bazar, Ratlam. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-IAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5024.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to behave that the imm vable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

House situated at Ghas Bazar, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registering Officer at Ratian on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXULANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in record of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

House is situated at Ghas Bazar, Ratiam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-O duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of fucome-tny
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mnaely:—

Pain: 13-8-84

Seal;

(1) Shri Suresh s|o Jhamaklalji Pokharna, R|o Manak Chowk. Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Manjubala wlo Anandilalji Punat, R o Ghans Bazar, Ratlam.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5025.—Whoreas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. House situated at Ghans Bazar, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ratlam in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

House is situated at Ghan- Bazar, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No-37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangorri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—61—236GI|84

Date: 13-8-1984

- (1) Shri Jhamaklal So Bhagirathji Pokhrana, Ro Manak Chowk, Ratlam.
- (2) Shri Vijaykumar S|o Manoharlalji Jain, .R|o Ghans Bazar, Ratlam,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 5026—Whereas, I.

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Ghans Bazar, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Ratiam in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House is situated at Ghans Bazar, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37—G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-8-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn. Bpl. 5027.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of house bearing Mun. No. 68 situated at Gopal Mand.r Marg, Sarafa Baza, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer

at Ujjain in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rampal Agrawal So Munnalalji Agrawal, Ro Gopal Mandir Marg, Kanthal, Ujjain. (Transferor)

Shri Ramchandra Kumawat, So Dhuljpi Kumawat,
 Rukmani Bai Wo Ramchandra Kumawat,
 Ro Kalalseri, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (3) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House bearing Municipal Corporation No. 68 (Part thereof) is situated at Gopal Mandir Marg, Sarafa Bazar, Ujjain,

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-8-984.

## FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5028,—Whereas, I. V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 134 situated at Maharana Platap Nagar, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in December, 1983

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; ang/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Smt. Asha Jain Wo Awadh Narain Jain Thro' Ramnarayan Gupta, Ro Railway Colony, Putha Mill Ke Samne, Bhopal.
- (2) 1. Shri Govind Singh Pater Slo Babulalji Patel,
  2. Ramesh Kumar Slo Babulalji,
  3. Babulal Fatel Slo Muslidharii,
  4. Govind Singh Patel Slo Narayanjinghii,

5. Aniruddhsingh Patel Slo Narayan Singh, 6. Smt. Mirabai Wlo Babulalji, Rlo E-242 Arora Colony, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 134 is situated at Maharana Pratap Nagar. Bhopal.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 5029.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing Plot No. E-3 69 (Incomplete Bldg. built thereon) situated at Arcra Colony Bhoral

Arcra Colony, Bhopal (and more fully described in the schedule analysed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal in December, 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Biharilal Goyal, Sio Ram Sahay Goyal. Rlo Bhopal Thro' General Attorney Lalitkumar Arun, Slo Ramlal Arun Rlo Chowki Immambada, Bhopal.

(Transferor) (2) Shri Manjit Singh Bedi Sjo Sardar Balwantsingh. Rio Patra Pul, Bhopal,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Incomplete building built on plot No. E-3|69, is situated at Arera Colony, Bhopal.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-8-1984,

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5030.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. 5 (Part thereof) situated at Berasia Road, Bhopal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- va) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajesh Kumar Talreja, Dio Bralalji, Rio 51, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) M|s Lunas Builders, A regul firm Thro' partner Shri Rameshchandra Torani S|o Parasramji Torani, R|o Torani Enterprises, Hamidia Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 5 (Part thereof) is situated at Berasia Road, Bhopal.

V. K. BARANWAL Compentent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5031 —Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 108, 109 situated at Idgah Hills, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Bhopal in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have crason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- a) racilitating the requirem of evasion of the Rainfley of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

- (1) Km. Saminabano, Dio Shri Sarbat Ail Khan. Rio Bajerapura, Bhopal.
- (2) Smt. Salim Jaham Begum Wlo Sahibzada Abdul Salim Rlo Shahjahanabad, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 108, 109 is situated at Idgah Hills, Bhopal.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-8-1984

#### FORM ITNS ....

- A Santa Comment of the Comment of the Santa Sa

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri V. D. Savlani, So Assandas,
 Smt. Hasidevi, Wo V. D. Savlani,
 A-Sector, Indrapuri, Bhopal.

. (Transferor) Premnatayan

(Transferee)

(2) Shri Amguribai Neema Wo Shri Neema, Ro Lekherapura, Bhopal.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.]]Bpl.[5032.--Whereas, J, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000,- and bearing Plot No. 20 situated at B-Section, Indrapuri Colony, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

replacement of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLUITION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 20 is situated at Sector-B, Indrapuri, Bhopal. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gancotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-8-1984

#### FORM ITNS----

- (1) Shri Shivkumar Mishra Slo late Shri Jagdish Prusad Mishra, Rlo House No. 165, Uprengani, Jabalpur. (Transferor)
- (2) Shri Shrilal Dubey Slo Shri Babulal Dubey, R|o 1308, Uprenganj, Jabalpur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. 1AC Acqn. Bpl. 5033. Wherens, L. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

House No. 1308 built on Municipal Corporation Plot No. 172 situated at Madan Manal Extension, Napier Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acr in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mon vs. of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchase of the Indian Income-tax Not. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the result of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 62-236GJ 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 1308 is situated at Municipal Corporation Plot No. 172, Madan Mahal, Napier Town, Jabalpur. Th's is the immovable p on rtv which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date 1 13 8-1984

Senl:

### FORM JINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Shri Rajesh Kumar So iate Seth Malpani, Ro Hanuman Tal, Jabalpur.

Narsinghdas (Transferor)

(2) Smt. Munnibai Wlo Durgashanker, Rlo Khamariya, Jabalgur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 5034,--Whereas, J. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot situated at Rizi, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fite in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persous, namely : --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

rlot is situated at Rizi, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor. Gancotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dote : 13-8-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.|Bpl.|5035.—Whereas, 1.

V. K. BARANWAL,
bei. g the competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding.
Rs. 25,000 and bearing

Plot situated at Rancin, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such Lansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weilth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Rajesh Kumar Slo late Seth Narsinghdas Malpani, Rio Hanuman Tai, Jabalpur. (Transferor)

(2) Shri Gokul Prasad Slo Kishorilal, R o Ranchi, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot is situated at Ranchi, Jabalpur. This is the immovable with has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13 8-1984

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Shri Rajesh Kumar So late Seth Narsinghdas Malpani, Rlo Hanuman Tal, Jabalpur.
- (Transferor) (2) Shri S. R. Majumdar, So R. N. Majumdar, Rlo Khamariya, Jabalpur.

(Transferec)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC/Acqn. Bpl. 5036.—Whereas, 1. K. BARANWAL, ing the competent Authority under Section 269B of the ome-tax Act. 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act') have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding 25,000- and bearing Plot situated at Ranchi, Jabalpur d more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 18) in the office of the Registering Officer at Jabapur in ມວະເກber, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- ) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other aseets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- . (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot is situated at Ranchi, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Comparti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl. 5037.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to telieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Flot situated at Village Ranchi, exceeding Jabalour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabapur in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1927) or the said Act; or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Shri Rajesh Kumar Soo late Seth Narsinghdas Malpani, Ro Hanuman Tal, Jabalpur. (Transferor)

(2) Smt. Thankamma Samuel Wo Samuel, Ro Ranchi, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date\_ of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in toat Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot is situated at Ranchi, Jabalour. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the folioing persons, namely :-

Date: 13-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th August 1984

Ref. No. LAC|Acqn|Bpl|5038,—Whereas l, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land Kh. No. 262, situated at Ratium in December, 1983

(and more fully Jescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betteve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shi Makhsud Khan slo Mchboob Khan Kherani, Kheran.pura, Ratlam.

(Transferee)

(2) Shri Ram Investment Corporation, Registered firm Thro' Partner Shri Indranarayan, sjo Mansukhramji Ihalani, Goshata Road, Ratlam,

('Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expers later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

J.and Kh. No. 262 is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge
4th Floor, Ganeotri Building.
T. T. Nagar. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-8-1984

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st August 1934

Ref. No. IACAcan. Bpl.5039.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 31 Hissa No. 9, situated at Katargam Tal : Choryashi Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Surat on 29-12-1983
Ratlam on December, 1983
marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);  Shri Maksud Khan, Slo Mehboob Khan Sairani, Mehboob Khan Kherani, Kheratipura, Ratlam.

(Transferors)

(2) S'iri Ram Investment Corporation— Registered firm Thro' Partner Shri Indranarayan, Slo Mansukhram Solani, Goshala Road, Ratlam,

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 262 is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangori Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 13-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-1|12-83|779.--Whereas R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and opening No. 26/34, situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, in December, 1983

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) lacifitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jagiit Singh slo Jai Raj Singh, 26/34, East Patel Nagar, New Dentl,
- (2) M/s. Rishi Mohan Biulders (P) Ltd., 6/4792, Chandni Chowk, Katra Subhash, Delhi.

(Transferec

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 26|34, East Patel Nagar, New Delbi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

## FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-I|12-83|780.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

A-2|17, situated at Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, the December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
73—236GI|84

(1) Sh. Sarup Chand Gupta s|o Sh. Mam Chand Gupta r|o Tagore Park, Delbi

(Transferor)

(2) Sh. Gauri Dutt Sharma slo Sh. Ladhu Ram Sharma of, A-2|17, Model Town, Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storey house built on plot No. A-2|17, mg. 456.25 sq. yds, situated at Model Town, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 8-8-1984

(1) Sh. Kidar Nath Bhalla so Sh. Durga Bhalia rlo 18|9, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Pali Ram Sharma so Sh. Ramji Lal Sharma rjo A-885, Shastri Nagar,

(Transferee)

Delhi.

may be made in writing to the undersigned :---GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

IAC|Acq. II|SR-I|12-83|782.--Whereas I, No. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing Plot No. C-156, situated at Mansrover Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the

of the Registering Officer at New Delhi, the December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used bycein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 156 in Block C, mg. 300 sq. yds., at Mansrover

Garden, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 8-8-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.11|SR-1|2-83|783.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

49-A, situated at B. D. Estate, Timarpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, the December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nathu Singh Jindal, Bhagat Ram, Anand Parkash, Ved Parkash, all Sso late Sh. Sardha Ram & Rlo Vill. & P.O. Datoli, near Gannor, Distt. Sonepat (Haryana) now Rlo 49-A, B. D. Estate, Timarpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manish Gupta Slo Sh. Madan Lal Gupta Rlo 49-A, Banarsi Dass Estate, Timarpur, Delhi-7.

(Transferor)

Objections, if tany, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Ground floor portion on western-southern portion measuring appx. 42 sq. meters at 49-A, Banarsi Dass Estate, Timarpur, Delhi,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi|New Delhi

Date : 8-8-1984

## FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-I|12-83|784.—Whereas I, R. P. RAJESH,

and bearing No. 49-A. situated at B. D. Estate, Timarpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
   and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Nathu Singh Jindal, Bhagat Ram, Anand Parkash, Ved Parkash, all ssoo late Sh. Sardha Ram, roo V & P.O. Datoli, near Gannor, Distr. Sonepat (Haryana) now roo 49-A, Banarsi Dass Estate, Timarpur, Delhi.

(Transferor)

Mrs. Asha Gupta w|o
 Sh. Madan Lal Gupta r|o
 49-A, B. D. Estate, Timarpur,
 Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion on northern-western side at GF of property No. 49-A, mg. 45 sq. mtrs, at Banarsi Dass Estate, Timarpur, Delhi,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 8-8-1984

## FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-I|12-83|790—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Shop Plot No. 18, situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on New Delhi, the December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Saroj Rani woo Sh. Dharampal, A-5 21, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kuljit Kaur woo Sh. Harbans Singh Sethi, roo 461, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop Plot No. 18, on North-West Avenue Market, Punjabi Bagh, New Delhi, mg. 28 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-8-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-I|12-83|798.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 46,

situated at Old Robtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, the December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gurbachan Singh r|o
 B|72, Subhadara Colony, Sarai Rohella,
 Delhi.

(Transferee);

 Smt. Pushpa Rani wo Wadhu Ram, ro 47-Viveka Nand Puri, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 46, Old Rohtak Road, Delhi mg. 16 sq. vds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

#### FORM I.T N S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

IAC[Acq. II]SR-I|12-83|801.—Whereas I, Ref. No. L R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing MCD No. 29, situated at Kishan Ganj, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, the December, 1983 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propert yas aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Amrit Lal so L. Sant Ram, PP-32, Pitampura, Delhi
Kishan Lal so Sant Ram ro
E-138, Ashok Vihar, Delhi,
Smt. Asha Rani for self and attorney of Rakesh Malik slo Sikanderlal Ajay Malik sio Sikander PP-50, rlo Pitampura, Delhi, Sarita Devi wlo Surender Kumar, rlo 8933-Pul Bangesh, Delht.

(Transferor)

(2) Kanwar Lal so Banwari Lal, 29-Kishan Ganj, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property bearing MCD No. 29, built on B-3, Khasra o. 472, Khatta No. 238, Khewat No. 197, in Kishan No. 472, Gani, Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date : 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Moti Ram s|o Sh. Shadi Ram, r|o C-218, Majlis Park, Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Durga Devi wjo S. Inder Singh rjo A-34, Punchwati Colony, Azadpur, Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. II|SR-I|12|83|804.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. C-218, situated at Majlis Park, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, the December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One single storey house of 111 sq. yds., bearing No. C-218, Majlis Park, Delhl-33.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sake Act, to the following persons, namely:—

Date : 8-8-1984 Seal :

жи.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. JAC|Acq. 11|SR-1|12-83|816.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 10-A|34, situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ram Parkash Bhalla 2/0 Jai Ram & Smt. Kaushalya Rani Bhalla, w/o Ram Parkash, r/o 10-A/34, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh, Mukesh Garg slo R. C. Garg, rlo 10-A|34, Shaktı Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 10-A|34, mg. 241.11 sq. yds, at Roshnara Res. Scheme, Subzi Mandi, knowa as Shakti Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 64—236GI[84]

Date : 8-8-1984

#### FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|821.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 83-84 situated at Gokhale Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Yograj Bhasin and Shri Vijay Kumar Bhasin Sslo Dina Nath Bhasin, GA of Dina Nath Clo House No. 48, WEA, Karol Bagh, New Delhi,

(Transferor)

 Shri Baldev Singh S|o Shri Gurdayal Singh, Shop No. 65, Goghale Market, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period available later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

GBP flat over shop No. 93-84, Gokhale Market, Delhi. Area 119.03 sq. yds, ...

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II. Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|822.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing 3488-89 (New) situated at Bara

Hindu Rao, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at New Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Swarn Devi w.o Late Shri Bulaki Ram Rlo XIII|3483|88, Gali Sangtrashan, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Kale Khan Mohd. Hanif Having its office at Ibrahimpura, Bhopal, Through its partner Mohd. Aziz Sio Shri Kale Khan, Saudagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 3483-89 (New) Ward No. XIII, built on land mg. 89 sq. yds. at Gal Sangtrashan, Bara Hindu Ruo. Delhi,

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi[New Delhi

Date: 8-8-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Jagdish slo Ganeshi Lal, Rlo 2247, Gali Daketan, Turakman Darwaja, Delhi.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. AC|Acq.II|SR-1|12-83|826.-Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2247, situated at Turakman Darwaja, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Mohd. Amir so Mohd. Sharif and Smt. Rahisha Begum do Shri Jahiruddeen Wohd. Amir Roo 830, Gali Godam Wali, Haveli, Hazam Kha, Chitli Kabar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2247, Guli Daketan Turakman Darwaja, Delhi mg. 56 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I]12-83|832.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000- and bearing No.

52-UB, situated at Jawahar Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed Lereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Bud Wanti Devi Wo Shri Kahan Chand Ro 52-UB, Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parveen Kumar and Naveen Kumar Ss[o Shri Rohtash Kumar Jain R|o F|43, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 52-UB, mg. 172.2 sq. yards 2½ storey) at Northern City Ext. Scheme No. 1, Subzi Mandi, Jawahar Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Rof. No. IAC|Acq.II|SR-12-83|835.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

346 to 349 situated at Dariba Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as sarreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section-269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mohd. Zaki Barry solo Mohd. Mustaqim Barry, for Sell and as GA of Smt. Marian Beg Wdlo Sheikh Mohd. Rafi Barry Rlo 1054 Mohalla Kishun Ganj, Teliwara, Delhi.

(Transferor)

 Smt. Sushila Rani Wlo Shri Tilak Raj Arora, Rlo 1619 Dariba Kalan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 346 to 349, in Wrad No. IV mg. 55 sq. yds. staircase No. 346 is common with property No. 345 situated at Dariba Kalan, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC[Acq.II|SR-I|12-83|836.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 2|25 situated at Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Shanti Lal Jain s o Shri Musaddi Lal Jain, Sukmal Kumar Jain, Sushil Kumar Jain, Kamal Kumar Jain sso Shri Shanti Lal Jain, R|o 2|4, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi. (Transferoi)

(2) Shri Ram Avtar Chamaria S|o Shri Bilas Rai Chamaria, Smt. Shashi Chamaria

Wlo Shri Ram Avtar Chamaria Rlo 2/25, Ansari Road, Darya Gan, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Third floor flat (admg. 900 sq. yds.) fourth floor admeasuring 900 sq. ft.) out of the entire building mg. 205 sq. yds. bearing No. 2|25, property No. 4242|30-31, Khasra No. 60, situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi,

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|837.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 2|25,

situated at Darya Ganj, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Shanti Lal Iain, S|o Sh. Musaddi Lal Jain, Sukmal Kumar Jain, Sushil Kumar Jain, Kamal Kumar Jain Ss|o Sh. Shanti Lal Jain R|o 2|4, Ansari Road, Daryaganj. N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Laxmi Narain Aggarwal So Sh. Lal Chand Agarwal Ro 67/47, Strand Bank Rd., Calcutta-70 at present at Delbi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

IIIrd floor mg. 950 sft. IVth floor is open mg. 950 sft., land mg. 205 sq. yds. situated as 2|25, Ansari Road, Darya Ganj, N. Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date : 8-8-1984

Scal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## Sh. Avter Singh Slo Faquir Singh Rlo 4|24-A, Vijay Nagar, (DS), Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kanwal Kumar Tandon S|o Sh. K. C. Tandon R|o BH-44, Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferee)

R. P. RAJESH Competent Authority

Acquisition Range-II, New Delhi

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|843.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Piot No. 300, Block-B, situated at Majlis Park, Delhi (1974)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 300 Gali No. 3, Block-B, out of Khasra No. 11 and 21. in colony known as Majlis Park, area of vill. Bharola area 125 sq. yds.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

paid the subsing

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date '. 8-8-1984

Seal:

65—236GI|84

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

21606

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.H|SR-I|12-83|847.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Plot No. C-100,

situated at Manyrover Garden, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at at Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Madan Gopal Sharma Slo Pt. Jai Narain rlo WZ-1283, Taj Bhawan, Nangal Raya, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Murti Anand Woo late Sh. Mohan Lai Anand, Sh. Ramesh Chander Anand, Sh. Ravi Raj Anand, Sh. Surinder Pal Anand, Sat Pal Anand, Sajo late Sh. Mohan Lai Anand Ro 3-A/70, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 100 Block-C, 257 sq. yds. situated at Mansrover Garden, N. Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 8-8-1984

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Gian Kaur wo Sh. Bhagwan Singh, rlo C-41, Majlis Park, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Jai Khub Singh slo Sh. Johri Lal, rlo 3808, David Street, Davya Ganj, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

IAC|Acq.II|SR-I|12-83|849.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. C-41 situated at Majlia Park, N. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforemed exceeds the experent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Built on portion of property No. C-41, mg. 551 sq. yds. part of Khasra No. 142, situated at Majlis Park, N. Delhi.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-1984

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTIION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|851.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. G-1 & G-1A situated at 24 24, Daryagani, N.

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesund property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-:--

(1) M/s Emca Construction Co., 24|24, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-2 through its prop. Mahabir Parshad Gupta wo late Sh. Radha Krishan Gupta.

(Transferor)

(2) Smt. Gigi Gupta wlo Sh. S. P. Gupta, rlo 17-Ravindra Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No G.-1 and G-1A on ground floor out of property No. 24 24, Ansari Road, Khasra No. 52, Darya Ganj, N.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|858.—Whereas, I.  $\overrightarrow{R}$ , P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 5|2 situated at West Patel Nagar, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Regiscring Officer

at New Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Pardeep Kumar Berry slo late Narain Dass Berry, rlo 1580-C, Shahdra, Delhi-32.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi r|o 2738, Gali No. 13-A, Ranjit Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5/2, West Patel Nagar, N. Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
New Delhi

Date: 8-8-1984

### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|860.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No .4147 to 4150 situated at Ajmeri Gate, Delhi

No 4147 to 4150 situated at Ajmeri Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a-sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sushila Devi wo Sanjhi Ram, Sh. Ravi Kiran Mahajan, so Sardar Lal, ro 136, Raja Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mohd. Sharif So Mohd. Husain, ro 4148, Gali Shahtara, Ajmeri Gate, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

24 storeyed bldg. No. 4147 to 4150 ward No. VII, Gali Shahtara, Ajmeri Gate, Delhi mg. 171.30 sq. mtrs.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Iuspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 8-8-1984

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|861.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 2598|12 situated at Basti Punjabian, S|Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

N. Delhi in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jamuna Devi d|o Sh. Raghu Ram r|o 2598, Basti Punjabian, S|Mandi, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Sh. Shanu Ram s|o Sh. H. R. Khanna, Sh. Bal Krishan Khanna & Sh. Om Parkash, s|o Sh. Shanu Ram Khanna, r|o 531, Bagghi Abdul Karim, Telewara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 2598|12, Basti Punjabian, Subzi Mandi, Delhi-7.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 8-8-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Rcf. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|864.—Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. Shop No. 2337|XI situated at Kucha Chelan, Delhi

No. Shop No. 2337 XI situated at Kucha Chelan, Delhi (and morefully edscribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

in the office of the Registering Officer at N. Delhi in December, 1983

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Hari Chand, s|o Sh. Mahanga Ram, r|o 3|35, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Om Parkash Bhutani s|o Bhagwan Dass Bhutani, r|o F-1|11, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G. F. Shop No. 2337 |XI|, at Kucha Chalan Delhi mg. about 67 sft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
New Delhi

Date: 8-8-1984

#### FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.1I|SR-I|12-83]865.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 4858-A|24 situated at Darya Ganj, N. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at N. Delhi in December, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (p) tacintating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
66—236GI|84

 Smt. Vidya Wati wo late Sh. Gopi Nath, rlo 4858|A, Harbans Singh Street, 24-Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Hira Lal Gupta e|o Sh. Suraj Bhan, r|o 113, Chatia Bhawani Shankar, Fatehpuri, Delbi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement area 1500 sft., property No. 4858-A|24, Darya Ganj, N. Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Tew Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|866.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to-as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. X|132 situated at Chhatta Lal Mian, Terah

Behram Khan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :-

(1) Sh. Mohd. Atiq Slo late Sh. Mohd. Yusaf, self & Guardian of his brother Master Mohd. Yunus minor (vide order dt. 11-11-83 of Hon'ble District Judge of Delhi), Sh. Mohd. Hafeez s|o late Sh. Mohd. Yusaf r|o 2507, Kucha Baka ullah, Tarah Behram Kha, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohd. Hussain so Sh. Mohd. Yunus, Smt. Nazak Bi wo Sh. Mohd. Hussain, rlo 1054, Gali Madrasa Hussain, Bux, Bazar Matia Mahal, Jama Masjid, Delhi,

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop No. X 132, situated in Chhatta Lal Mian Tarah Behram Khan, Delhi mg. 21.40 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. New Delhi

Date: 8-8-1984 Scal :

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Rcf. No. 1AC[Acq.II]SR-I]12-83|867.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. XIII|1367 situated at Bahadurgarh Road, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

N. Delhi on Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of Lay income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of, 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, It hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Indra Devi Girdhar w|o late Shri Hari Chand Girdhar, 1366, Gali No. 4, Faizganj, Bahadurgarh Road. Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Devi wlo Shri Subhash Chand Jain rlo 1366, Gali No. 4, Bahadurgarh Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First floor of P. No. XIII 1367 and a room falling on the front side of Gali No. 4, above the Baithak and Deodi of P. No. 1366, in Gali No. 4, Faiz Gan, Bahadurgarh Road, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4 | 14 Assaf Ali Road
New Delhi

Date: 8-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4|14A ASAF ALI ROAD,
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|879.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 14(SF) situated at Ramesh Nagar, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on Dec., 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Ram Chameli Dhawan, wo Sh. Shyam Sunder Dhawan, ro E-219, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ranjit Singh s|o S. Surain Singh, r|o Flat No. 14, Municipal Mkt., Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14(S.F.) situated in Municipal Market, Ramesh Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarwal House,
4/14 Asaf All Road
New Delhi

Date : 8-8-1984

## 06) 21617

#### FORM ITNS-

 Shri Harinder Pal Singh slo S. Tirlok Singh, 1 o H-11, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Piithvi Rni Nagpal, slo Shri Vir Bhan clo Mls. Dhamija & Sons, F-1, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
\(\sqrt{GGARWAL HOUSE, 4}\)|14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI.

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|883.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beaung No. H-II, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer of

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULF

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

4|5th share in property No. 11, Block-H, at Bali Nagar, area of vill. Bassai Darapur, Delhi mg. 120 sq yds

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

Date: 8-8-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1J AGGARWAL HOUSE 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI.

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. 1AC|Acq.11|SR-1|12-83|885.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Rs. 25,000 and bearing
No. 2460-61 situated at Chah Indura, Dr. HC Sen Road, Delhi, immovable property, having a fair market value exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

New Delhi on December, 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Sunil Mohan rlo D-316, Defence Colony, New Delhi as Regd. GA of Smt. Bimla Devi, r o As above.

(Transferor)

(2) Shri Gauri Shanker Vyas, s o Sh. Jew Rai Vyas, r o 32, Gali Prathey Wali, Ch. Ch. Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same recaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 2160-61, Chah Indara, Dr. H. C. Sen Road, Delhi with the land mg. 100 sq.yds. thereunder.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 8-8-84

#### FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1I AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI.

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC[Acq.H[SR-I[12-83-883.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

99 2080 XII, 3080 situated at Mukimpura, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Deepak Baweja s.o. R. N. Rai Baweja, for self and attorney of Mr. A. K. Baweja and Mrs. Seema Arora wlo Ramesh Arora and Mrs. Pushp Lata Jawa wlo R. N. Jawa all rlo 502, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi.

Transferor(s)

 Shri Budh Ram s|o Late Sh. Devi Sahay. 2080, Mukimpura, Delhi,

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property a single storey brick built kacha house bearing M. C. No. XII|3080-99|2080, portion III at Mohalla Mukimpura, Delhi at present known as 2080|XII, Mukimpura, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Date: 8-8-84

(1) Shri Satish Kumar s o Shri Amrit Lal, 12-A, Hathi Khauna, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Deepak Kumar sio Shri Vas Der, rio B-3|81-B, Lawrance Road, Delhi under the guardianship of his mother. (Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 8th August 1984 Ref. No. IAC|Acq,II|SR-I|12-83|890.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

> (b) by any other person interested in the said introvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000|- and bearing No.

> EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

A-12 situated at Hathi Khanna, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

A-12, Hathi Khanna, Delhi mg. 250 sft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-8-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Jagdish Chand s o Shri Bhagwan Dass, r o 3-Todar Mal Road, New Delhi.

Transferor(s)

 Shri Sushil Kumar slo Shri Diwan Chand, rlo C-4|2, Krishna Nagar,

Transferee(s)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI.

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|12-83|891.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 454, and 1/2 453 and 455 situated at Main Bazar, Khari Baoli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on December, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sair' Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property No. 454, out of (half of) property No. 453-55, built on land mg. 70 sq.yds, with stair case bearing Mpl. No. 455 at Main Bazar, Khari Baoli, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJF Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Incom/ Acquisition Ray Delhi|New/

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI.

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq-II|SR-I|1-84|932,---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Theometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 29, situated at Nejalgarh Road, Indl. Area, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

f transfer with object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957);

 Shri Ramesh Goel, Pradeep Goel and Sanjay Goel sslo Shri Balwant Singh, rlo 35, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Vinod Plastic Industries (P) Ltd., 56-B, Rama Marg, New Delhi.

(Transferce )

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Plot No. 20 area 1162 sq.yds. at Najafgarh Road, Indl. Area. Delhi with superstructure.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi|New Delhi

Now Act. I erefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesnic in the proceedings for the acquisition of the section (operty by the issue of this notice under subpersons of Section 269D of the said Act, to the following on ely:—

Date: 8-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D' (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) M/s. National Chemical Industries Ltd., at 26, Najafgarh Road, New Delhi through their attorney Shri R. C. Goenka so Shri Chiranji Lal Goenka, ro 16, Walkeshwar Road, Goenka House Bombay.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI.

New Delhi, the 8th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I|2-84|1059,-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Prop. No. 25 situated at Najafgarh Road, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M|s Super Rubber Enterprises, 71|3, Mile Stone, G. T. Road. Karnal, through its Managing Partner Shri Satish Chawla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 25, mg, 0.98 acre, equal to 3965.10 sq. mts., situated at Industrial Area Scheme, Najafgarh Road, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-8-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc, the 17th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. 102/B/7+8+9/24B, Bhavani peth, situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

S.R. Solapur on Dec. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be d'sclosed by the transferee for the purposes of the 'ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 Smt. Sumanbai Vasantrao Pandhe,
 Shri Anil Vasantrao Pandhe,
 Mrs. Rohini V. Pandhe,
 All are residing at Bhavani peth, Solapur. (Transferor)

(2) Shri Bhagwan Namdco Bhosale, 102|B|7-9-|248B, Bhavani peth, Solapur 413 001

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions ued herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 102/2/7-8-9/24B, 'Shivshakti' Bhavani peth, near D.A.V. College, Solapur.

(Area—land—4800 sq. tt Bldg. 235.8 sq. m.)+ 26 sq. meters.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Solapui under document No. 3445[83 in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 17-8-1984

Scal: